

## DAN-NE-LEG-SHED NYING-PO

सहर प्राच :- इट न रह है । वह के प्राचित । वह र जा के प्राचित के प

सं १ अर्थ सुरार्ग स्वाधि जन प्रदेश.

रेम अर [22] बेरश र्र सेर :- मूरश ४००

1973

## 湖口、白美人.

!=E'रेदे'स'खुल'र्नेर'र्बूटश'र्ह्श'स्र<sup>4</sup>'ग्रै'र्बेट° য়য়য়ঀৢ৽ঀয়য়৽য়ৢ৽য়ৢ৾৻ঽ৽য়য়ঢ়য়৾য়য়৽ঀয়৽য়ৢয়৽য়ৢ৽য়য়৽য়য়৽৽ स्टर्भ क्रुस कु निस्तर में दे चे के दिन हो तहें दे दे में ति दे दे की के स्टर् ही पर्मे दे नरे ही नवहरा होट मी झम का दंश न नर्श है द था है कें .लट.। 🔈 सूर.श. 🖚 सैयश सर्स्य कुर पूर् में यश कुर. ਜ਼<u>៓៝</u> ঀৢঀ৻য়৾ঀয়৾ঀৢঀ৽য়ঀ৽য়৾৾৾৽ঀৼ৽৻য়৽ঀঢ়৾৻৽য়ৄ৾ৼয়৻য়৽ঢ়৽৻য়৾য়য়য়ঢ়৽৽৽৽ लट.चोशल.चट्, चूर.की.शि.टच्रॅ ट्.चश्र्र.वश्रश. =र शर्र. था. ... .. यनुमाक्षायते नियम मोक्षार् व चुँका वॅन केले हिन्नु पक्ष व हिन हैं शिषश्चात्राच्चाराह्यः श्रेन् किना मी नार त्यनाश भर्त स्थाय न्येनश त्रुर बुवायाने क्सरामाल हेन नु नुसाने महार्मा माणु हान से द यहे ... विदः वृदः तयम् अ चित् स्रायते पति पति निर्मित्सः वयः स्र ते स्र सः । १८. रूचे. चिंदिर ची. भु क. श्रेर चेत्. चेर. चुर. क्रेर. चूर. क्रे. भू अत्र रूपा म् केत्र ह्रा निश्चर पहिनास नम् ति हेत् मलेत्र ह्रा सुनास हेत् में ପଞ୍ଜି.୪୮.ଧାଞି୮.ସିଧା.୪ମୃ.¥ଅଷ୍ଲାନ୍ଟେଣ୍ଟ୍ର୍ୟୁ.ଏଶ.ଧଧ୍ୟ ୯ଫୁଅ... नेन निर्मा निर्मा निर्मा समास निर्मा समि . कुरे . लुने क. में संस्था नं र पर्ने नं र लि कुरे र र ही ये निया ता ही . मश्माद्वरा द्वा द्वा नम् मार्मिय मिन् व्या नीतिश्वासाश्चर प्रमूर देश श्वीय विष्ट हैर है देह है श মুন । দ ছুগ্ন দেন নমনী ব ভীগান ছা। । প্রথ ন্মিল ন্ম । ২০০০ জ শ্লীন শ্লী ন । ২ ছুগ্ন ২০। শ্লী ন্ম । ১৩০ ব্যান । দ্বামান বৰ্ষ প্রী নে নাম ব্রংগ্রামান নামিল ।

## ब्र-नब्ब.

चुर्चीटश.	ह्यें :	र्बेर.	ব্ৰুখ্
236	٨	ચ.તુ.	यदे.
24°S	6	ष्पे द: दे	क्षेत्र: हे
2SV	20	59.895.	हेब.पर्वेट.
202	23	क्रुँद:रॅस:	ૹ૾ૢૺૣ <u>૽૱</u>
23 <sup>V</sup>	22	त्रीता.ध.	ದ್ದಿದ್ದು ದಶ್ತು
१७३	3	गुर्हेर् पश्च	নাৰ্ছ্ড্ৰ-মহা:ম

्रा । १. मू. मी २. महैं. मुँ पि. ला चडे. पर्वेट. हीं थे. ल. ल्बिन्दरम्बर्स्स् मुरेस्या । । सुद्यास्त्रेन्यन्यार्थे सम्मुद्रे स्ट्रिस स्वाका ।श्रीदाक द्वाका भवे हार हो स्वाका सवे। ।हिसा तश्रत्मीट. ध्रम्थ. ग्रीम गीट. योट मी. मी। । भर्मेट. यपु. मूर्र जा. हे. सरासे हिर पतिन। । सर्दर पर नुर के सहसायदे रहें पन नुसा मार मी (बेनश सर मीश संश हो र मीर सा । धीय रेनर ही प्राप्त हो है। लासुना २ द्वा ला । महिन पहेंदी महिट सहत के न रु न न यर प्राप्ता । इद**्व**न श्रुर्ने यदे स्वर्थ हेब ह्या हैया नार्थे। लेग्र चत्र देव हेव महेर मुर त्रह्म पदे रग्न मा क्च मि सक् . कु स चीश सेचा ठक्सा । चर्ड : च नेचाश चाशित. रमःह्यामा<sup>कृ</sup>शःविदाह्ये र्स्या । योगशःचरः सुःनशः मुयःचरेः यहें व. प्रष्ट्र्य । श. माश्वेश त्यों व. हे. बंट : मश्राय सह्टे. या । मु मुन र्चन्य सेन लन्य मार्से र्च्य पर्ने । विट न केन र्च दे ह्यूण चार्रेश जुबाश चडिट वंश। । पह्स मुद्दः स्वाशल चुै चंदूर भुचा.४ मुट्टा । ४ सर.च.सं.२८**.२**५४ मु . शरम.मुश.चश्चि**रश।।** येनाशः सदः प्रचेदः द्वः चः नानाशः यदे 'ल्यश् । । ५<u>३</u>ना नाकेदः <u> এবর ২৮.ছ. বইর রীনার স্মিন, ২৮.। । ছূর, ট্রু, নানার নের এবর ,</u> सक्रम् ।स्रामसःयदेःन्दरःयः <sub>दै</sub>ससः तः मुसःयसः ५५५। । चिंदः भिचाशः शटः र्रोश्चार्द्याशः सप्तुः सन्नाः नेदः। । दानाः नः सटः पर्मेद सद्द पर द्वाश प भी । ज्व रूप के गुरु से रूस द पहरासर्ग्द्रास्त्रे देव मुक्षायेग्रासर्घर द्रा । पेद र्रायहे नदे नब्रमः नद्मा मैशान्त्र। । नस्त परे हे हे हमार यदे दश र्मु पुष्प । श्चि न त्र से प्रदे दश सम्बर्भ मुख यस हैं है। । हु.से२.२.४समेश.य.लेल.४<u>प्रि</u>र.सेॅ्र.मोश.<sup>©</sup>श.य.पश। ।<u>ह</u>े्ट. त.बु.च.भु.च.भुर.चतु.क्या । भू. जुर्श.चर्श.बु.टर्म्यू .च टिश्चर्थाः मुराय। दि:दमा:व्याधाहे सदत वसावसा द्वारा । ইলাঝ'ব'বকু'বল'দীঝ'ৡ'ৡ**ৢৢৢৢর'**বহ'য়**ৼব। ।**ৡ৾য়'ঊ৾য়'ৢয়য়য়৽ गुँ दे नबेद केद दे दे दे दे हमा सम्मन्ति । । स देना स व.र्जाम्र.च.पाश.भु.म्र्जा.चर.चात्रचाश.पश.चेवाश.ह.वय.ची.र्ह्य.... तथ.वंचन.प्रै.क्षा.रंट. रूचाशानप्रे.श्ल. रं.श.बुचा.चुश.रं. विट्ट.रं.... **ढ्रायायायहर्**यम् म्ब्रुट्यार्से । देवे सुराद्यार्में न्यार्में य**ॱॸज़**ॱऒऀॳॱऄॖॱऄऀॸॱॾऀॱॿॗॸॱऄऀॳॱॺॎॕ॔॔॔ॸॱॸॗॱढ़ॖॸॱय़ढ़ऀॱॿय़ॳॱय़ॱय़य़ॸॱ᠁ र्नो<mark>श सः रे प्यट क</mark>ुया**यदे** माशुट रच णु र्टर च रेट देश यदे ..... र्द्रिक्सप्पराञ्चेर्यायायारमायस्य श्रीमा रेम्मकेसक्सायरा <u>५ छे र'या थर ५ रे के इरायरे र्नेको परि के देश यरे रेनेको लेखा</u> नासुदसः मते सुदः रसः मुका दुरु मा स्योदः हो। मालदः दा से दे कृष्टेत्र में 'न्न'मीस'न्ट देस प्रेचे न्ये न्ये न्ये प्रेचे प्रेच प्रेचे प्रेचे स्था य र्द्रासेर्परावशुरायवे सुराद्या महिराद्यायस द्रापेस गुः

वहूंचा क्षित्र भ्राभविश्वाचा निहास निहास विश्वाचा निहास निहास विश्वाचा निहास ८१८ विश्व नशुप्ताय रहा मी सारी सारी स्रामालना पर है """ में वृष्यायानेदे कें हो या ने हमामा विचाया का ने ना ना निवाया का ने ना ना निवाया का ने ना ना निवाया का ने ना न พะ.ช่ะ.ช่ะงู . ७ ฆ.๚ฑะพ.ส.ส.ส.มู้ฆ.มิะ.ฆี่น.สะ.**ฆ....** वस चते खुर हो । निते खुर नाशुर रन कु द्र देश बड़ेर यर खुर मध्दायदे विदाह के दार्च रामी अर्दा हे अर्गे रिमोर अर य वन्या लिटाने अटाटेश दें की नासुटार व की दें नाल कर पहेन मालामार्केन हेन नमा मालन नु हमान साहित हैन ৾ঀঀ<sup>৽</sup>ঀ৾৽৳ঌ৽য়ৢ৽**৻য়ৢ**৽য়৻ৢৢঀয়৽ৼঀ৾ঢ়য়৽য়৽য়য়য়য়৽৽৽৽ मानुमाह्य व दी साम्रोद सार्वे देनाह्य सा केंद्र गुरे हा दे दे दे विकार है। हिर य दि तित्राय वर्षे मुन सर्व विश्व त्रे के के विश्व के विश्व के विश्व के नुरासे द्वाप्ति सुराप्ता प्रस्थ में दे हे सि क हैन गुराप्त वन यशः ञ्चयःयत्रे स्वाशः यद्रे :ञ्चयः चुेनःन्दः ख्रुवः यद्रे :ख्रुवः स्त्रे :कु र्ने मु रयट परे मुहेन्स वस्य। रने ह्येंट रना नुसस्य র্ময়'ট্রা । বর্ষীনাম বঙ্ব' বর্ম 'বর্ম' নাম্মম' বর্জীর'র। लेन्य प्राप्त मह्न्याय त्राप्त प्राप्त । स्वर् प्राप्त स्वर् स्वर् स्वर् मेंत्र । विश्वाम्हाराम् । ते.स्र १ त्राह्म १ ते. त्रे १ ताया मीरेश। सर्ने क्षेरम्हित्स दम्रीय ता महेद पदे सुमास न्रा ह्य मुंबाक्ष न्न निर्मा वर्षेत्र ताता पहेता तर हिं महा ह्या । निरम

य त्यामा हैस। अर्दे स्थेष राहे स्वरामा सुरस्य या द्राने दा दरा। देनै द्र है खूर वण्या नदी हिला वि । द्रा चे ला वर्ते । हिला चे ला वर्ते । क्रे.ज.पंचात्र.श्रॅट.ची.ट्रे.च। पंचात्र.च.ट्रे.श्रॅट.चट्र.जर्था ह्र. यदै दें वुष पर्वे १८ वें दे देवें देश से मूल पर्वे वर्षे য়ঀ৻৸৴য়৻ঢ়ৢয়৻ৼ৸৻৸৾ঢ়য়৻৴৾য়৸৻য়৾ঢ়৻ঢ়৾৻ৼ৸য়ঢ়ৢ৾৻ৼঢ়৻৸ৢয়ড়ৢঀ৻৻৻ <u> ३२.मिट.चर्यात इ.सा श्री.चट्र.सक्त.३२.२८.। ८ हुना.</u> दुन्। सुरार्थे दमशाणी है स्वान ने निवन ने ही मही दस्य निर् **हेन'रुॅट'५**च्चेत्र'यर'५वुट'च'र्न्ट'३४'र्नुंश'गुॅ'वर'अट'यग्द'सुत्या <u>ই'বলীৰ'5'স্ত্ৰ</u>হ'ৰফানইৰ'ব'ৰ্মম'ট্ৰ'হ্ন'দী'**ম**ঙৰ'টুব'ব্ন'ৰ্ম্মে **ฆู'ผู่ฆ'นารุตฺฆูตาลารุตฺมตั**จารูาสฏิาสารุตาลฐัมานา**ร**ุตาผู้ฆา देशका.मी.४८६४.३५.८८.५४४। मैं.१५५५४। प. ४८.५४४। ८... स. दट. खेट. च. दट. स्ट्रा. स्था. प्रेश.च. दट.। उट. स्रें नशः स्थे. चन्त्रः **য়ৢ৾৽ৼৼ৸ৢ৾৽য়ড়ঀ৾৾৽ৡৼ৾৽ৼৼ**য়৾৽য়য়৾ঀ৽য়৻ৼৼ৻৸ৡঀ৽য়ৢ৻৽ৼ৻৽য়৽ৠৢ৾ঌ৽য়৽৽ म्भे न-१८ म्रेश्यायाम्बर्याया १८ मे निर्मुत्राया १८ स्थित विदाय गुराया र्टा प्रदेश लेट अटस न हेर जिट निष्य सुरा मा नहेंस स्व प्रशामुका क्रिं प्रमान कर दि । में १९५ मा महेश मा क्रिं प्रमान कर सः श्रेषः प्राप्तान्त्रात्मात्र्वेद्रः सः द्रशः ते । व र दः पत्ते दः श्रीका प्रदेशः । शु.भु. ८५. पश. ५८ श. च. ७ श. मी ८. च मी ५. मुल. प्राची १ व हुस.

इक दर्श मुक्त है या न्निंद्र क्य केंद्र व्यय कर दे दें केंद्र स **स**र्देश य रहें शर्म शर्म र मा भी सारा सामान सा ଵୖୄୖୖ୳୵୷୷ୠୡ୵ୢ୕ୠୡ୵ଊ୕ଽଽ୵ୄୠୄଌ୵୵୶୷ୡ୵୵ୣଽୡ୵୷୕ଢ଼ୡ୵୷୷୵୷୷ क्रिंग श्रेश, यम्रीट जयाश, है। यहूंश क्रिंग प्रामीश है। जार में एश. **র**র ক্রি রমর ওব্ টি রি \*্র্র না সক্রি না ক্রি রমর ওব্ না """ พูล นาม ณ๚**๚**ฆ นาฦลัร ม งฺณ ติ นาระ นดิง ผู้ม खु: ह्य: ८५: त्यरा त्र्य: या लेखा गुट: यग्य खु: य: वदे: र्दे हे हे है : के**र** ..... वर्डेस स्वर पर्या ता वर्ग सिंद्य स्व लु त्या स सी । विस नासुद्यः र्सा । १८ देश दे सर् रहे मा हैना ५ केंस वस्त्र उद हें वे है र सेर त.श्रुचीश श्री चीशिष्टश.त.रेट.। वि.शुची.रे.सीट.त्.ज.शूचीश. মই :মহাদী মহাব দ্বীমানা হাঁদী বা মেই :মমাদাধী হলা মানী দ্বী হা না श्च.श्चर प्रविचा थ प्रचाया यह ट. प्रचाया च. श्चर प्रचाया च हे . या ...... दर्नोदशक्षाद वि कि केद सेदाय स्वाधा सुन्य क्षा केषा देश है। देशके रूट मी सद्धे हैं दे रेजेंद्र या स्वीत्र स्व मासुटसा या प्यट है। या ग <u>द्रमीटस दश मासुटस स दें दे मीस बुस सी । प्रेट्र रट मास्तर्यः सर्वयः </u> सदंद है दाया राज्य र वे देना राज्य के दे है। सर् है दायर गुन, नम्नाह्म के स्नवस हैं, स्टानी सर्खन केर क्री मीचान पानीहाला. वर महामहाद्य यह केर रा। गुर वहनाश सकर व्रक्षित स 

यहनाश त्याय त्वर पुंचे के उदाय के क्विंग पुंच पुराय के खेरा ही । चित्रश्राक्षुः क्रेन्यश्रायः दृष्टः सः सः सः स्मोसः यः दृष्टशः गुरुषः नावतः नुः न्पर्मात्रम् वर्षात्युदः नदे सर् रदः सुर व व्यवस्य वर वर्गेर र्ट्सिम्बर्स द्वापा द्वा । में वहुर् य के में वहेर यही । माहेशया वामाहशा ने दें हैं है मेर द्वारामादाय र्मेंद्रावश द् च केर भर वर नश्चरशय मन्द्र य दर। निरास द्वीरश वश्र भाष्ट्रीशायास्त्रम्थाश्चामश्चरश्चायम् निष्यो । १८ स् त्या मशिषा । अर्र नर्षेश्यान्तर । 🔊 मिश्रानर नपर नार्टा 🗦 रे. न्नामी न्ये मध्दायम् । न्यामी विषयम् र्देश दश अदः द्वा दियाया । प्रशास्त्र स्थाय की दि वि के कि से न याकृत् इसायामासुसार्य 'वर् ख्रेसे। सक्ष केराद 'र्व केर् सेर याकेरान्दाक्षेत्रां वर्षे केराकेरावाकेरान्दार्देक्त्रसाव दे वर्षे सेद'य'हैर'ल'रर्वेट्स'दशस्ट्रेश वससस्दर्दे दे 'हैर सेद'यदे । लेश मध्र हैं लेश हैं हैं हैं भेर भराम सुसामा पर्मेर शाहर नहां নু . हेरे. शुरे. तर . चार्शित्रा श्री । पर्ही. च लश . चीर । च वृश्य जिये. लेखामासुद्धार जे ना असार प्राप्त मास ने नद ने न **ॕॱतॅॱ१९८ सेर्'**य १९६४ स्थाय मासुसाया न्ने दश्य दश्य मासुदश्य ...... हे 'बेश'मश्चरक' वैदा शुक्र हायायश'गुदा दिं वें 'हेर्'हे क्संमाह्यसम्मा हिं से क्रिंग्सर्माह्यसम्मा

वशः हुन इसन वसम १६८ है। हि ते हिर्मे न महेन न मेन। लेशःमासुदशःधशःनादःन्नाःवेदःसुनःतःस्निशःधदेः**सर्**ः..... द्रमसं तमा क्रम रामसं कर्ते हैं हैं हैं दे मेर् नार नीस्र मा नीर .... हूँन गु केंब वस्य उर ल निर्मेट्य गु रेंद्र रस याम निर्मेद्य या में के लिख पकर या के निर्मा का मोल निर्मा से निर्मा सके ने स मु मिल्ट र्ट द्र नाय केट द्र यम् र या ध्रम स्थान स्थान स्थान सिवाश प्रश्रामिट ही रूपार्ट बीर राष्ट्र विर है से र है सार्ट्या रखा दशः द्वा के दे से दे त्या मार्श्व दशः या दे श्री ता या समस्या दशः । टॅ वॅ कुर मेर पर वध्र पर दि टॅ वॅ कुर मेर खेल हैं राय ..... ष्पेदायायदामीहाणुटारे माहिकारेस धारलेदास्द्रायायहार्टार्याः प्रहर म**्री** माञ्जमारा दश इसा समित मी पर मी करा देश राजी. माश्रमानद्री रचे सर्मा प्रश्नाय वादी में किन्द्र राम बेद्राणा होत् ते लेख महादशाया दशहा दे वि हिता होता महाहारा प्राप्त किट नेरे टॅ चॅ केंद्र केंद्र हिम चन्द्र व में क्षु चर द्वेट्य द्वा .... दः वि सेन्यानासुसानु वर्षसाने। वि निमायान्यान्यान् हेवायदी क्रॅंश.चसस.वर. हे. माशुस ग्रीय. पहुंस र्स्स 🔰 🔰 हेर. सर्दर र मॉस म.लट.क्षेत्र.मी.शर्रे .ज.श्च्योश.सर ब्रेट.म्.क्ष.विश्वश.यश्.यमीर. ଞ୍ଜି' ଅଛି**ଟ ପ**ଞ୍ଚମନ୍ୟ ଅପ୍ତିକ୍ଷ ଅଧ୍ୟ ସ୍ଥୟ ଅଟେ ଅଟି । ବ୍ୟ ମୁର୍ଦିଷ 'ସି । **ଅଟ** <del>ଷ୍ଟ୍ରବ୍ୟବ୍ୟ ବ୍ୟ</del>ୁ ଅନ୍ତର୍ଭ ଅନ୍ତର୍ଭ

श्रीमार्थाया र्रेष प्रमायदी द्रमामार्था घरा छ र ह्यूर्य द्रा रे प्रमाय टॅ चॅ कुरमेर्पर मुख्या यथ सर् से रे र्मा पर रहें स्मार र्टे में कुर् सेर मशुर्य प्रते केंस गु वर व रेव र्य सेर रे लेश रोमश न्द्र स्व न सु लेग हु। न न मेश मारी नाम ने दें म् १९८, सर्यास्य स्थि क्षा १४४ म् १५४ म् १५८ म् १५८ म् न् इन् व ने महुसम्मद्भारा केवादी वि केन सेन खेला है। हुन केवा दे'या क्रिंश हमश गु मक्रिं १ हेंद्र में हैंद्र मेंद्र मा हैद्र मार ले ना मुद्दान्त्र राये सक्त के निष्ट के दायें । ने हे दे हैं र ले दा पर्ने खूर दे के से द दि यह राष्ट्र स्वायर प्रविता सदे सक्त के न भेदः मुः रदः मी स**द्धदः १६**५ मीसः दस्य यरः मादसः यः देःस स्पेदः यसः ः ୖୣୖଽୡ୳ୖୢୢୠଽ୲ୖୣଽ୲ୡ୲୶ଌ୶ୢୖ୶**ଽ**୕ଽ୕୕୷୕୕ୢଌଽ୕୶ୖୠଽ୷ୠ୕ଽ୲ଌ୕ୡ୲ୢଌ୕ୡ୕୷ଢ଼ୡ୲୷୷ নাস্ক্রহম:है। ॐনা:ব্র নাঞ্জ:দ্রী:ইফামের:দ্রীফা:শ্রের হরনার: महत्रि दें में हिर्मेर घर मन्दर करा दे हैं है दे हैं से ले कर लेश मश्र-देत्र मु सहंद देश मद्र सद्र प्रदार नामा सुनिधा दश रूप मा सहंद हुर.गुरु.स मीव.च.रट मैव हुँ महायश भूट रेट वर्मा चलम व... लुर पर् मी. सक्रे. मीशिटश श्री । सर् . लू. रेम्रू मेश प्रमेट र त रेश. **त्नाः मा**ने साण्टः ने सामा निर्दे । गुरामहमा साम से मितिः म'म'नुन् । पर्रेर रहामी सहन हैर ग्रीस स्र्र सेर महन हैर

षु भूट. रट वर् . ज. र्स्स. वस. चलचा. स. चलचा. त्रुव. जा चलचा. त. ष्प्र-पा-इसर्था सेटानी प्राक्कराणी द्वारानी साम्बना या द्वार हे सारी मनुक् प्रवास स्टरमी अर्कक के के कि की अर्ज मेर मी के के प्रवास के अनुक की। त्रं गुट वरेषे रा रामसं व जी स स्पर्नियर वहें व य स्पर्निव व व द्यूर'नदे 'रद'सहंद'गुँश'मूर'पर'दहेंद'य'अद'अद्'त'न्वे दमदः विमान्धः स द्वरासे दहें न गुरासे अन्दर दहें वा वे र्यो दिन हो। <u> इ.स. १२-११२ मध्या मध्या प्राप्त १२ स्</u>र्ट्स प्रमोल लग इसरा गु. हु. व. ट्र. व. हेर. सुर त हेर. यट. ले.वा हूस इसरा गु. माल र मुं दवर मी सर्द्ध के र मार प्ये र सर्वे । । रे के रे मुं र ले दा ঀঀ৾৾৾ৠয়৾ঀ৾৽য়৾ৢঀ৽য়ঀঀ৽ৠ৾৽ৠ৾য়য়৽ঢ়ৢয়৽য়ৣয়৽য়ড়৽য়ঢ়ৢ৽য়ঀয়৽ঢ়ৢঀ৽৽ चेत्र. लेश चोशिरश. श्री नेचेल्य. रेचर, जा. शुरे. मेंक्र, श्री, चर्च, ह्र. च्रंच श्र. ୖୖ୕୕ୖ୵ୖ୕୵ୖୢଵ୵ୄ୕ୢୢ୷୕ୡୄୖୢୠ୷୵ୖୡ୷୳ୣ୵୷୷ୄୖ୶୷୷ୡ୷୷ୡ୷୷ୡ୷୷୷ୡ୷୷ चर्या यहना हिन के सामित हो ने के रहा ह्वार मीय ही न क्षेत्र है। वर्षायायमा पर्वेत्रक्षका वे हेव वे दाव होता वर प्रवृत्ता व न दें 'में 'हैर' सेर मा हैर' हें स' नुदें । विस मा सुदस मा खुर हों। म्बन् निया सार्या प्रवित मीस ही या ने प्रया यह हो या छे न से न यस र्हे . से . के रे. सुरे. तर . चीश्चरका ग्री. स्ट. ची. सक्ष्रे के रे. ग्री स. चीया त.

য়৾৾ঽ৾৽য়য়৽ঢ়৾৾৽য়৾৾৾৽ৡ৾ঽ৽য়৾ঽ৽য়ৼ৽য়য়ৢ৽য়য়য়৽য়য় हें 'में 'हेन' मेन या न स्मा के साम है साम है साम है साम समा मा लहा निवार **त्यः र्व रह्मादार्दे वि क्षेत्र सेत्र पर प्रत्या के र्वोद्याद मोलालया** क्रॅंबाइमबानु द्राप्यायार्ट वि क्रियम् यामायले वा हेव हेट पत्रेत्य वर पत्र द्वार वर्षेत्र मार प्रमा क्षेत्र वर्षेत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत र्हे । व्हें १ केन सेन साने १ देश के १ देश देश या है वि १ केन सेन सा केन गुरे के हैं में हैर सेर य भर भेर हीं हे हैरे सेर लेता रें रहस लट.रेचे.पत्रचीश प्रशास क्यात क्यातर.रेची.चह.रेश्चेचीश. च'न्दः भेष'च'रे हे दें द्रम'य भेष'चर प्रेट्स सु वहूर य। माल्बु मी द्वार मी अदंब केर दे दे बस यर द्वा यह र वे र से र या अपन यस देते हिर द्वारमार दे चे किरामेर मेर केर केर हिरा हिना हिना माशुद्धः हो ।मालक न्यदः है र्ने न्यः यते दे रे के ने नुस्केन मशर्देवरमाय द्वार्च १३८१ मेरायालेखा मुःहे। देवरमाया वै निट.ज.रश्चेनश.येश.म्थश.व.श्चेन.त.चर.वर.पची : .च.ल्ये.व.... म्बिर,रेचट,ज,रेशुचेश,रेश,च्येशश,राश,श्चेय,त,रेच, तर, चुरे,श्चे,... वुष्ठः सद्रेः स्ट्रें । विर्वागुरु नद्दन्य गुष्टः देवे द्वे : १९ हेर सर हेरी क्षेर से नालमा हे हा । क्रायर राजा सदी रहीता য়য়ॱড়৾৾৾৾৾ঀ৾৾৽য়৾ৼয়৾ঀৣ৾য়৾৽ড়৾ৼৄ৾ঀ৾৽ঀৼ৾ঀ৽ৼ৾ঀ৽ৼ৾ঀ৽ৼ৾ঀ৽ঀঀ৽য়৽ড়৽৽ क्ष्रिं वृक्ष'म्विव'न्यट'क्क्ष'यर'न्यो'यदे'न्क्षेम्ब'य'क्षेव'यक्ष'न्द्रिः" र्सर्ट र्च कुर सर प्रविन नी गुर पर्नास स प्रविन में ≧·ॡ৴ॱढ़ॏॱढ़! শ্**রর**'ব্রহ'শূর'নইশ্র'শূর'ইছ'নে'মে'ব্য়ীশ্র' व्यामर्स्सिम् प्रास्त्रीय प्राप्त न्या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त मु त र्वेश रवन नालन द्वाराया आर द्वीयाश द्वी स रास दे आर देश.तर.रेबो.तपु.रेश्चेचोश.तर.पंचीर.यश.र्षे देश.तर.पंचीर..... र्दे 'क्षुक्ष'न्'र्नेष'य'क्षु'व्य'गुक् यन्ग्रह्माक्ष'व्य ने'वन्न पदि 'देनिक'य'''' मेर्परे कुर री रिन्धाय देरे भिर्दे मेर हे भेर हे भेर हे मा पर देश यश स्त्र देन दें ने स्त्र स्त्र ने स्त्र ने स्त्र ने स्तर हेन दें के से स ह्मिय य क्षे प्रचीय य प्रबेष हों। । मिलिय न्यट क्षेत्र यर दिया प्रदे द्रमेन्शासासाद्वाद्रमात् चुशासदे द्वाद्रसादे सामुनाणुदाद्वा र्मः नालवः नुः नाया माया वे तकन्यर ति नाया । निवासः य दें 'वें 'केंद्र' सेद्र' सब्दे वहूँना रहंत्य नाकेश या प्याद दर्नोदशाद मोल अशः निवरः लटः कूशः देशशः मैं में नः तपु सक्रेरः रे. इंदे. कुरा हैं देश नियम स्वाया हूं श्राम्य स्वाया मु देश यन्न सेन याना प्रेन याने है। ने न्ना में दें यें हिन सेन माकृत हेसा नु से दे ते दें दिन दसाया धेन ता देंन दसाया ने केंसा देश क्षेत्र द्वाप्य पार्ट वि क्षेत्र सेत् य क्षेत्र केश विदे । विश मिश्चरकार्स् । क्रिंश देशका ग्री करा ग्री पदिना से दे स्ट्रिंश मूर्य 

मां क्राइस्स्मित्राष्ट्री मन्नामी दे वि क्रिन्सेन मन्नान्ति है । ब्रे 'ने 'र्डस'मुक्त 'नव्ना' म'ष्पेर 'मर्ने 'सुन 'क्रें र 'हर समस' गु रे 'में 'हेन '' बेन्दालेशणुदानु नशान्त्रान्य दे वि क्रिन्सेन्य लेशानुद्रि । भट:दर्नेट्र द्रमेल स्था नाय हे दू ने के सर्व के दिन के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प र्देश दश्या स्वर्त स्वर्त के देश दर स्वर्त स्वरत स्वरत स्वर्त स्वरत स्वरत स्वरत स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वरत स्वर पतुः ब्रेद्रान्नस्याः कुष्यदम्। स्रोदः या द्याः द्याः द्याः हित् स्रोदः या द्याः । कुर-र्व-रम यद्भ-सक्त-कुर-स्रेद-सर-स्पर-मे त्वीर। विश-मेशिटश.चेट.। रेतुट्य. सैचश.शि.क्यट, येथ. श्रीचर. मेडिवाश. **भु**ट. य र्वस ता पहुँ मारा पहुँ मार्च मेरा मही पहुँ मार्च मार्थ हरा सह। म. भुर.रेवाचा. ज. कूडा क्री. चरचा. भुर. क्री. लूट्डा मीच. ४ हूचा. चर...... निन नु नाश्यानदे हैं। सर् दरेंदे ने सिंग हैन है रें नहन मारेश्रामिक र्रे के नु कर्ने निवित नु क्ष्यु न सेन स्टिश मुन निवान .... नि.पबर. द्यामी.पबर. क्रॅम.पश्चारमा ह्यू प्र लीयाने प्रकर. च'नवाना' मु'चउ**न्'**च'स्रास्त्रे'ब्रॅ्ब'सर्'क्कुच'स'रूट'न्दर'च'स'५३ॅन्' मार्च प्रमाया मर्दे । विषय मुनाय प्रदेश के के अवस्था मी प्रमान मी टॅ.चॅ.७ेर.अर.त.७ेश.चश्चेत्रक.ग्री.रचाची.चठु.चट.ची ट्.च्.ज.... रमन् सर्वन हैन कुर मूच य सेन परा में कि में हैन सेन पर से .... नलेन् सदे सुन्धा हि। नश्चमः न है। हैं हैं हैं हैं हैं हैं

प रे ख़ ख़े'र्घेर'व'वसमिदे से र्नि हे ख़'य'रे ख़ु'तर वे सळव"" केराही वि केरामेरायकेरायकेरायका पत्रचारा रे.ज.४ रे.के.हे.रवर.थ.श्च.श.वश.च.इ.के.च.र्.के. मुराके क्षेप्तार विष्ठुराकेर य केराचयामर मुक्री विकारमा हा च हेर सेर प हेर रे प्यश कुर निहे ना कुर चहु वर मुद्री । र्देश्चर्याः द्वार्ययाया दे तार्देश्चर्ये द्वेर्वराक्षामतः রী নালুনাঝা লুঁ লি জীবাজীবালার্থন ন্রীকানন দু**ল্ট**ানাব্দার্থকা चन् नु :बॅदावाहान्द्रावादीन्द्रावादीन्द्रावादीन्द्रावादीन्द्रावादीन्द्रावादीन्द्रावादीन्द्रावादीन्द्रावादीन्द्र सशः हें शः नद्ना से दः पशः द नः दृ । से । नः द्वस्य । उदः दु । से दः नः । । । নতুন,বর,বেম,বি.ধু। ভির.ধা । নিম বইনার, বল প্রির্ ह्य हुना नटायर नाष्ट्र हुना तथा चर्चा शासा दशासी रात्रा लोगानी स चु ता से से र पदे र यो से स र वि । मालक र र र म हु स र र र प र दुवा बु.पथ्टर.तर.प्रमीर.ज.रूट्श.मीय.ग्री.रतः <u>र</u>ूब.बु.रर्जीश.ब.चाशपा.. ल्या १८ . च्या १३८ मार नाशित्रा नाय हार हा स्ट्री १३८ मार दिया है। <u>देख्र द्वा विश्व के के प्राप्त के द्वा के द्वा के द्वा के दिल</u> सहन केर मुकास मून य स है वि केर सेर यन वन्दर हैं वि तः रे.सं.य.भूर.संप्याकर.तर.सं.च.त्र्य तर.पचिर.हे.ह्. ह्य. कु**र** माशुक्रामा त्याञ्चराय पर्देवका यका सर्वत कुरा सेरायर हाया उत्रा

न् तमुर नदे सुर री । परे सर मालक नगर र मी मर्क हेर ग्रीस म्बन च सेर्'क् ही म'र्ट'वनाना च से हिट'चर्च रे'व हीर च रहेन्छ। या प्रेकृत्या प्रिंद्या मूचा रूटा मी अर्जन हैन गुरेश सेन न नर्देश र्ये दे ..... म्बिशसु के दिशुर परे सुनाश की । नाम ने रद मी सर्व के ने मुक्षासामुनायर खुरवार्ट वि किनामालक महेकाया सुर परेवका प्येक ५.९चा.मीर.चर्चशालासिर.४५चश.श्री.ह.हेर.४चीर श्रेसारी 🖺 चि हैरमाल्यमार्केश व्यामी सहंद हैर ग्रीस सेर दरे महेसा 🗥 सेर्'यर त्युर तार् खार् कुर मुद्दान्य पर्ने नहा पर् पर्नेमाबायार्थे ते चाक्षुराणुम से**र**ायशा<u>ण</u>्यायश्रायश्रा सेरारा त्या नरे सुर री हि कर अर न्वेंद्र प्रेमेश ररे न्वेंद्र हे मन्द्रम अब में 'अदादना वाहे हु बाबहैकादारव हामे नेकाहे" क्र ने त में भ मुदार्क्श वर् दिन वि वि के दि ने कि ने कि न मिं व भव वं । केंब पर ने नम इसव उर वे मा ही व मा मिं वर्षा। सन्त्वासायाम् दर्गे । नहिंद् सादसावी निंदिर्गा रदःचलेदःमुकालद्वासुः हा दर्भायशायन्याय मि क्ये लेवा क्या की दूर ला हु। ही चलेक मिं कर सहित प्र ले ते यर छे दें। ।दे न्ना निले नेश व केंश श्रम श उन् ता सेन पर खु न न न सकें व हैन · · सेन् यर द्वा वादर्विवायर दियुराहे। सेन्यर द्वा वाद्या सहस्त ৡ৾**৴৾য়৴**৾ঀৼ৾৾৾৽ড়৾৾য়৾ড়৾য়৾৽ঀয়৾৾৽ঢ়ঢ়ৼ৾ড়৾য়৽ঢ়য়য়য়৽ঢ়ঢ়৽৽৽৽৽ वसरा उर मुँ रा सुर न र रेनरा है। इस इसरा मुँ गुन न हमारा

चर् अद्भेर, भेर, ता. लट सेर. च. पर्ने नश क्रिश केश हो, निषय हो. .... द्वरामी अर्द्धन हेर दर स्ट्रिंश सुन्य यर सद्धन हेर स्यापर सुर च दरेवडा हों । रे डेरे खेर हे दा रव रव प्राप्य रवा दयरा परे सूर माल्य मी प्रयम में अडव केर दि क्षा सुम्मान सदी अडव हेर ल्रेंद्र व वे ग्यूव नहमारा परि सक्व हैर गुट र न है जिस पर द्यारात्। हे सम्मराह्मा म्लरम् हो द्रवरामी सर्वत हे **राहर स्**रस ह्याम्वायायी सर्वतः १५ ता सर्वतः १५ ता सर्वतः स्वर्ताया स्वर्ताया से निया मी हाः है। गुन ४५१ यदै। सर्वन हैन सं अर शुर व वन्त्राय केन यदे। सुर है। हे. के. चंब. थे. हे. टंचा. थे. घष्य हेर. बंबा. च.चाशिष कर ता. लाट. श्रीर. च. प्रदेवसायालेसायुर्वे । लेसार्स्या । द्वाया स्राह्मा विकार ने विकार लेसा यते स्व के द र के र से र यर कें अप के सर के अस कें अस के सम उर देंब रमायर रदायलेब मीस मेंदाय रदाद में हिर रदारदा मी सक्ष हेर मी अ हिंद वेश मा खुद्दारा या इसस क्षेत्र वा रे रामा वा है। स्र 'यह्न य द्र 'दहें व य के ह्य है चले व यह खेव यह पर दें पर " समार्थे ।मालक न्दर न्दा स्टार्क सामान मी सर्व हेन ला सर्व हेन য়৾ঀৢ৾য়ৼ৾য়য়ৄ৾ৼ৾য়৾ঀৢ৾য়৾৴৸ৡয়ৼৼঢ়ৣ৾য়ড়ঀ৾য়ৡ৾ঀঢ়ৣয়৽য়৾ঢ়ৢয়য়ৼ৾য় म्न में। ने रे है ते में ने लेंग लेंग मन कर कर की कार में हैं न मिश्चम्याताः भूर देवबा शुः दर्मे विश्वक्र में विश्व विश्व मी सक्ष हैन में श ही मार्ट देन मार्च सेन यर माश्च हर या हर 

मालक मालेका ता प्यार सुन प्र देवका क्षु प्र मूर्ग वा प्रवेश या र मु हो। ह्मे प्रमामा महामी सर्वर केंद्र गुरिकास मूच का ह्मे प्रमामा सेदायर विमुद्द नदे सम्बर्ग निकेश मादी हैं में कि से मेर सदे हैं स दे-किंट क्षेत्र व ही य सुरे या <u>श</u>्चेत्र सामार का रम्मेर्टश वश्च माश्चेरश .... वस महादस है। है : अट इट में के इमें दस द मोल सका है a'मढ्य के दे दि वि के दे के दे मा के दे ता दे में दिया दे सा दे से दिया के से पा के दे से के से से से से से से वसका कर साम्रीका पासा प्रमानाका पामा मूर् सार्वशा के पार टाय के रा ୢୄୖୠୡ**ୢ୷୕**ୡ୕ଽୡ୕୵ଌୗୄ୷ଽ୰୷ୡ୵୰୵ୡ୲୷ୢୠୄ୕୷ଔୡ୵୷ୡ୕ୡଽୄଽୗ<u>ୢ</u>ୢୗଽୢଌୢୡୢ୷ क्षेर लें ना र्ने नम अदारमा दर्भ स्ट मी ୶ଌ୕୶ୄୖ୶୵ୄୢୖ୴ୡ୕୶ୖ୶**୵**୕୕୳୴୲୷୰୶୕୳ୖୄଽୢୡ୕୶୷ୄୢୖୠୡ୕୕୳୴ୡ୶୷ୢୄୠୡ୕୕୳୕ नाट.लुब.च.इं.ब्रे.घ.प्नामार्थाच.लुबा स.सुंश.च.रटास.प्नार. यामादाधीतायाचे दमाने माईद्रास्या द्वा दि नाधित माईद्र सादसा खे.य.चार लुब.य.र. बु.च.य.चुब मीश.लूटश.श्व.घे.टब.जश.परंश.. म.लूबी रट.चबुंब.मुंब.लूट्य.श्. शे ह्य टबं.जश परेश रा चीट. ह्य प्रामे : य के : र्यो स्था स्था स्था मही मन : मु : मा खटा : च न । स्था मही मन : मु : मा खटा : च न । स्था म रोर दे। देश महित्य हों । गुर नहनाय महित्यन मेर यह मु सहत्रु रा मीमहर्ष हर है गुर्श स मुन य नर्गर् यह हैर मी नक्षेत्र कुर मुका मार्च स्ट्री दिनाना स्ट्रा सर स्ट्रा स्ट्रा हो ।

ষ্ট্র দেশনা ১৮ এনে ব ব দেশ রাজ্য মান্তর করা পূর্ব <u>श्रॅटश गु.ष्ट्रश श्री भू.पेट. चपु.स्री</u>प .चा<u>त्र</u>्य सार्थश (ब्री.च.्टा.पट...... विव नीस सु दर प्राप्त पर पर पर पर है सु दर के पर र गुक् हुर लुर राष्ट्र हुर र्रा मिहेश रा लट रमें हश प्रमेण पश षद देव नमाय दें वें किन मेर यक्त केर केर वर्ग मेर पश्र र र् द्रोत्यात्रान्त्रात्रात्रात्राहरूक्षात्रम्याः कर्षाः स्त्रीक्षाः यास्यात्रमातः । इ. द्रोत्यात्रान्त्रात्रात्रात्राहरूक्षाः वस्याः कर्षाः साम्यात्रमाताः । त्त.चार्च्र.भाषका.खे.च.४८.चढुर चीर्थ.लूट्श.श्री.श्री.घ.८४ पदा.४८४ मर्ते विश्व मध्य वे । ने हेरे ही न वे वा परे हर र्व द्या मा र्टे 'में 'हैर' सेर्'य'हैर' केंस् 'यर्ग' सेर्'यस रय' हु 'से 'य' दे हुन्। य' ्रेन, तपुरे ने अ.रेट हुर डिचा हर डिचा ची ने रेश शिष्ट स्वेश सामिर व स्पेव सा दे वे केंब देश में केंब केंद्र पत्या मा मुका मा केंद्र में हरा याशमसास्त्र-द्वायानाध्येत्रे न्यायान्यते नुसान्द्वेनः हमा हेर हिमा में दुष हु। केंब १९८९ १९८९ में १५८ मानका मा प्रदूष พ.อิส.น.ฟะ.พูง.ส.ปู.ชู.ชไส.พ.อิส.สษ ผู้ร.ช.ผู้ส.น... **र**ःस प्रमान्य प्रश्ना दे हे हें दे स्वर्थाय चस्र उर् रहा म्यान्ये सुरान्मेर् सार्थः वै:व:र्टः रटः ववेदः मुसः स्ट्रास्यः सुःसुः दन त्यश्य द्वारा स्थेष है। बिस नास्ट्वा हिना या हैना । यदै दुस के सु स सू सदे दूस दूर बेर खन बेर खन में दूस के हुं स सु सरे न्राया कु वना नो तम्रेय केवायश मन्तर हो। वि व प्रेरः दें किर्मेर् प्रेर् मिले मासुसामा भाषा स**र्**र क्षा ही पास्ति ।

सेन्यरै निवेद् ने केन्सेन्य नर याय से सहन् न न्या गुरायसानर्सायसागुर गुरानर्गसानरीटि वी हैरायासहरा कृत्रद्वे व्याकृत्र स्रोत्र संग्तर मालक मी त्यर त्या क्षेत्र व्या कृत् स्रोतः यान्दार्व्यत्वाशुम्त्राचाचात्वान्द्रत्वाचाट वि क्रेन् वेन वर्ते क्वेन न्द्री सःश्चेशःसःसःदनानाशःसःनाईन्सःदशःविः चः रदः यविदःश्चेशःसः दर् त्यसाय द्याया लेखा य तुरा वदी द्याँद्याया मार प्येतालेखा है। बुरादें वें किरासेराया दे खुरास ही अरही । हे बुरास ही अप हे. बेर. थ. ४ वाचायाया । इ. बेर. थ. मैं या वा सार वाचायाया ने खूर मार्चेर साम बेदा । रे खूर रा प्रवेद मी शार्केर सा मु दर तम् तर्म में । विश्व मर्दर केर निश्चम निरे र्नर र् नुसाद्यासास्त्रेसामार्स्यासास्याच्यान्यन्यने न्द्राके प्येक लेखा परे त्म कु दबा मी द में भ केद भशा सर्चे भशा मालद निम्ह हो न सेन्'सर्स्नियाणु नर्नोद्य माल्नैनासामासुद्यायाने नेनाचेदाद्रेयाः मर त्युदानदे र्वेद से व से के न न म न न न न न न न न न न न न गुर्नास्थाननुष्यास्थान्यन्तास्यादेशन्त्राकृत्यकुत्राक्षुः सान्दाः कुःसेन् त्र ही त सेर सरे र्नाटर निवास सर निवास स्थाप । विवास स्वास स्थाप । विवास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स a:रद्मी:सर्द्धन्ष्ट्रीट्राग्रीक्षःक्चे:य:र्द्दाः त्वानाःय:स्प्रेट्रायक्षःक्चे: द्वानाः सेन् यर मासुद्र या माल्क न्यदः ता नर्मोद्र या सेक त्या माल्क न्यदः स्ता हैर गुत्र हैं व में स नहास नहास हैं न हैं स नहें स ली निर स ... सहराय के सर् पद्दे र निर्मार सर्गे हिं से किर ना सुमानी

ਫ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ੵ੶ਜ਼ੵਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ੵ੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼ੑ੶ਸ਼**ੑ**੶ਜ਼ੵ੶ਜ਼ੵਜ਼ੑ੶ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ੵ੶ਜ਼ੵਖ਼੶ਖ਼ਖ਼੶ਫ਼੶ਫ਼ੑਜ਼੶ हें . च् केर क्षेर यारे बेरास बुँबाय रहा या त्वामाबाया मार्चेर या. वशाले नार्टः। मर्द्रे वशासु । दवायशाद्रशामाया स्पेतामाया नुम्रिश्वश्राम्बर्धशाचन्द्राध्य दे स्ट्राचन्द्र् । माश्चर्याः वै। गुबः महनाबा मळव १ के राटें । वें । के रामे राय ध्येव वा गुबा महता केर्मार स्पर हुसार। दे हैं र्निट्य द नीय यह। इस यर র্নি নহ' সুঁন্ প্রম'শ্র'ন**র**শাঝ'নহ' মঠর' ঈন'শী'শার্ঝ' মনু' ট্রী**ন'' ॻ**ॖॱผ**๘**୶ ผาผาฦลูฦฺผาฏิาสฺูะานั :คุ๋ง ะั :นั 'หฺ้า'รฺผาลู๋'ลฺฦา๚ฺำ सर्वत केर र सेट र्ट पर्र देस यर प्रताप मा विषय के सिर म् .श्रेय . खेरभारचाचा. त. खुरभाच बचाश . में .सिर. म् .सिर. म ५८.ल्ट्स.सी.पुझ.ता.खुझ.ट्ट.सू.कुर.कुर.कु.भक्ष.कु.इ.रम.सु.स्म.सु. सक्ष के दे हैं है से दार दार का बैसायर प्रविमा यामादायम् का दे हैं है गुर महनास यह सक्र केर कर नियम करो । विश महिदस सी । दे 'या केंना द्रारा विश्व मुह्म के मुद्दा यह महा प्रदेश यह मही 'या के स्वाह के स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स नसूत्रायाने स्वत्र क्षत्र मुक्तान् नहमाश्राद्धाया सूत्र हो। पन् म्बिम्स सिट्ट् . ब्रिस.ट्. . च्. . च्ट. मुब्मुस सुट् हुट् . ब्रिस. स्मास .... <u>ଷ୍ଟ'ସ୍ଟମ୍ୟ'ସ'୶ୖୠ</u> ସ୍ଟମ୍ୟ ଅନ୍ତ୍ର'ସ୍ଟ'ରୁ'ସ୍ଟମ୍ୟ'ର୍ଭସ'**ୟ୍**ୟ'ନ୍ଟିବିସ''' रु.प.कर्.सर.प्रश्चर.र्रो ।माल्य.रचट.श्चे.च.ट्र.स्ट्र.श्चेर.स. र्भेष व नालव नियम भेष क्षेत्र क्षेत्र व देवे निर्मेद्र प्रमीय यहा इस मर हेंना पदे होंदे खाल गुद नहेंना व पदे सकद केंद्र हो नाद्य

८५.मुरे.मु.भक्षेत्रस्मादःलचासःसःरे.प्रे.मावयःमी.र्यद्यः हैन सम्बाह हैं देश महिद्या है। नि स्मेश मिर मी खु या खेवा या ५८.चेश्रिश.पश.पीश.पश्चीश.पी.चीरचीश.चीलु.रेट.चीश्रिश.राश.४८.. ष्पेब व ने के न मार ष्पेब क्षुमाव। ने वे न ने निर्मे स्माय माया क्सायर हिंगायदे क्विंर एका गुन यहनास यदे सर्वन हेर गुै नावसः ५५ में चेद मी अर्दे के स्वार के किया मान मान स्वार के के दिन के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स **ल्ट्रा शंक्षा में वे क्ट्रा हूं . के दे . के . हे . च . के टे . च .** रे.चेंब्र.ज.चरचे.स.सकुराच। रे.चेंब्र.केर.क्र.चर.रचे.चेंद्र. न्सेन्सायान्य सन्धायाने हैं अपिसासु मूचायदे मह्ने १ सर हे 'बेश' नहार कें। विश्व स्त्र से मुश मुंश केंश मुं 'चर्ना' सेन्देनवेन्द्रेन्द्रे सामहेन्द्रामानाता न्रीन्सान्सामहित्रामाना श्चेतामा**न्ना**स्य प्रशुक्तानाने हेना ऑन्स सुवानु दिसावहरादे । । **ଌୖ୕୶**ୢୄୠ୳ୣୣ୷୷ୠ୕ୣ୵ୖୣଽ୴୷ଢ଼ୖ୶୳ୖ୷ୖ୶ୢ୕୵୷୷ୡ୕୶୷୷ୢୖୠ୷ୢୖୠ୷ वैरोमिं क लेका सदी रेक की । मारामी दें कि कि सकेर सा ह्या क्षुमायामा हैं विक्रिन्दे मिं क्षा लेश गुन वहनाश की हैं वि ୬ୖ୕ୢଽୖ୕୴୕ଽୢ୕୵ୢୢୖଈ୕୕ୡ୕ଽ୳୕୷୕୴ୄୡ୕ଽୡ୕୕ୡୡ୕୲ୖଵ୕ୡ୕୴ୡ୕ୡ୕୷ଢ଼୕ୡ୕୷୷ महिंद्र प्रश्नाद र्व केंद्र मालक महिंद्र मुंदि र वे केंद्र सामकेश पा ल से हैर है जि लुक वहनाय मिं क्ये हैं में सेर व ल लिंद्य मूच .... 5 किर हेश मने कि वी निकेर मिर सक्ष निवर म के क्स मन

हैंना य'लेश य'दश दे हेंद हेंश मदे मर मेंश मलक द्वर हेंद ..... नालेर नम्बर दश ग्राह नहनाश ग्री सळहर हैर रास मूच छेश पश रे हेर गुर नह नश गुँश हुँ र य ल लॅंदश मुन र भैर र नशल नशा सर् परेश स्ट्रिं हम नस्त न देश र्ने परेर परेर न दे दे रे लार प्याण. पर्या हिंदा श्याचा ग्रीट. श. ख्री माश खेर पर होंदा पर द्भर र्द्रामाल्दार् स्प्रेराया नगामा या स्रेत मी मारा सना ह्रा सु स्रेराणा मा सुराना लुका निवार मुका निवार मुका मुका सका सुँदा ना स्पेता ग विं भेटे केर की खेर मर्दे समा दे केर मुद्द महमाम पदी सक् केर रेर स्ट्र शुक्त मूर्य हैट। देश महिद्या श्री দীল সুঁহ মই শূৰ দুৰ্বিল জিল হ'ব হৈছি শূৰ দুৰ্বিদ্ধান হ'ব হুছে ' यदै स्वयं मार्रेश मार हैं वे दि हित यर र यहना शाया देश से द सदै 'ग्र' यहमारा माल्र स मासुट्स सदै 'मुं सहंद है '५हर 'सर "" प्रमुदारी ।देख्य महम्बाद्यदालाहेख्यासुरायाववैवादुःसुदा या समामान निरम् ही सकेन नह निर्मा महामानह मार्थिः नहा मार्थः मार्थः मार्थः मार्थः निक्तः मार्थः निक्तः मार्थः मार् लटासक्ष कुर नाम्यानाश्य सर नर नशिरशास् । शिना नर्ये. त्याद्भी मार्गासामाली स्थर प्रवेद या स्थाना महाया मी पर्दे पर्दे विश .... ह् . म् . रेटा क्रेंचा चर्षे . लूटश सि. जुंश ना खेश मु. यंचा रे. शूटा रेट.... यह्र प्रवित यः गुरु यहैन|अ·८८:। माव्ह रवट ह्रेट यहैं दि

ल्ट्सम्बुन कुट हुन न्ट दूर पर्ट में कि ने में क्रार्ट में केर मासक्रमा पार्षेमा महीत्मा भूता दे प्रवृष्ट्र प्रदेश पार्स्मा स ल.लट. ब्रेट. र्रा । विट. ब्रेचिश है क्षेत्र परेव. ल लट. ब्रेट हे चरचाश. मिले हुर मले व ता पर दमा सदे हैं है हे पर हैं व लेख हें हें दर है दे श्री अधुव र्से ना अप्तान भेवारी स्वान स्थर प्रमान देशसाय है नि नेते ते लेका हुन धरानु चन्नाका धरे गुना चन्नाका नहा। हैं र्व किरमालक मिक्स हुमा मरेक बलेक माहार हा हो रमा के क्रिंट प्रचाम क्रिंट, ट्रेंब, चर्ड, श्रेचश श्री, चर्चन चर्ड, चडिचाश, सिट, वश... यम् की अर यम् मी नर की रे रे रे या अर महित हैर महामा माशुक्र मुैं। पहिंम समक्ष मुक्ष दश दें। या दमिंदश दश सूर्व यहा हैं .... चॅ १९८ मेर या नाशुमार मन्द्र यह यह यह मा मीर्था में दें १ देश हैं १ दस लार देनी पदानाश मुझ हूरे या लामा श्री साम हो सा वि य लामा है श सर्ने प्रमा देवे देव हर वर्ष वर्ष । प्रमान में वेर दे हिरावामश्रदारमायाळें इससारदामी सळवाहेर **ॻॖऀबॱऒ॔ॸॱ**चॱ**ॸ**ॎक़ॕ॔ॺॱढ़ॺॺॱॸॸॱमऀॱॺढ़॔ढ़ॱॸॖऀॸॱॻॖऀॺॱॺॱॻॣऻॼॱॻॸॱॱॱॱॱ क्रेंब प रदा । रदा मी अळंब के दे र गु रा मान र मान येना सामा रहत <u> सु. चट्ट. सूट. मी श्रेश. वैट. बुट. बुट. ट्रे. ट्या. मीट. ट्र. कुट. लूट. सुट. सुट. सुट. सुट. सुट. सुट. सुट. स</u> सेन्सः यर मुंग्म मुंग्नि सम्मार्या स्मार्या सम्मार्या में देव नावन नुन्दरः इट निर्मेश या इट निर्मेश के प्रमा ने मा अट महिला स्मा

सर् है गुरुश इट र्व. रेक्ट नियर नियर मुख्य की. युना स की स यर विश्व हो । विश्व श्रामावश्य यही देव दे है दे दुश हो है स यदे हैं वश प्रमूर लें नाश्याद्य हुर यदे दूर देश शु प्रचुर दुवः न्द्राधाः द्वा दयम्या गुंधा स्द्र या वा लुखाया दे न्वी द्वा पर्योजालका चर्म सर पर्या में कर निर्माणी कर निर्मा में में कि हो न ट्र श्रुः श्रुप रे देवाल ग्रुप्ताल स्र ३५ हुल ग्रुप्ता प्राप्ताल लट न्या यर बुगाब या इस्य या त्यन्य यते यते वर्षे या यवेते । इसाय " नद्यत्र पश्च हिंदा हो द्यार क्षेत्र क् ่ สนุ, พู่ ะ.นี้ ะ. ส. ซีฆ. มิะ. หลี ฯ. สะ. ซรูป. รูป. พ. นพู้ ะ. ส ..... मार्डेमा र मार्ने मार्ने र है। वर्षे अ हार प्रका की साहित की मार्ने मार् ट्र. ह्र्र घटु.च बुर्.च थश. श्री चीर घ टरी चर्ष्या हेर परेश ग्रीश. क्र्यार्थ्यशामी ट्राप् कुरामायक्षा मा कुराजमानसमा। स्मीपामा मलेब मीब अप्टर्स हु। हु द सरा तर्श प हैन सरा महसरा बहा । मेन मा हेन में या अद नन यन लुना सा इस सा सेंद य हैन .... श्रुंश सर्व. र्था. सथा. पृथा ह्या थक्र. भर . रे. वैदा. पर्व. कुशा की विस्ता. र्वे मान्नेश रा नर्जे र है। वह स व्व प्र प्र र में के र हैं श के प्र प्र में ันั เคลี้รายาริเพน สาราพธิสายาสถสาส อิสายารูนาคนิ รัฐาา इन्यते निवेद निवंदा शुनु मान्या या याना शामी। यह साम्य प्राप्त

**ฏิ**ฆาธัญ สุพฆาฏิ ัตั าตั าหูวุามา**ม**ธิฆาสาหูวุาผมาสสุมฆา ह्ये न स स है स **म द्रायाना यास स** है स द्राया हे दे स द्राया है स यश्चर्या वर्षा होना था वस्त्रा उर् त्या प्या र्ना या र लुराया दस्त्रा त्या । लेत्रस्य द्रमायम् कु पाद्राञ्चर पाद्रा सळमा स्रान् नुदानमे कें ग्रे.प्राप्तर ल्.चाश्चिमायायस्त्राचे चर्छमास्त्र प्राचीशास्त्रमः देश यदै दिं त्या है हिंद यदै निविदे निवस सुनु र य स यन् र ... र्भें विश्व मासुद्रसार्थे। निश्च मार्थेश सर्दे ह्रेन हुर हर इर तथर तरहा। इर हरा मुख्य हर इर वन्द्रवर्षे । प्रति है। देखा विक्रिक्षे प्रति विक्रिक्षे याम्बर्धा है के मान्दा र्स्का चहुक या मान्या मुक्ते माहेश यहा र्सा में दे दें वि वस्त दें। विदेश या वले दे देश या वस्त लेश या है। चहुर.चे.चोट पाश्च.च्रिशश येश चर्डेये.चर्] ।ट्र.शक्टर.श्र्येश. बै'देवै'यष्ट्रमाश'यद्। ।दे'W='बेश'स्माश'बै'देश'द्व'सेव्'यर॰ मुन्यर्। ।दे ताझ न मकेश य ने प्रेते मिंद न हिन पर उन मु नब्दा मा स्त्रा मा स्त् यर उदा मी नहार मार्भेर पर्यो । हिंद य हिंद से हिंद लिट स्पर यर ख़ुर्व प्रश्न इट वर दूर्व वी । हुर् य इट प्रवश्न य के मुव्य मीश

मिलेमा सर मि मार्टा १३ वें शा हो या इसका मु हेराया ही नदी माद्रश शुः नुरायदा । विकासिक केना मेका मन्दरी । महिती देव के दर यं वे सु व हे वहेरे में द व देश ह्व मालव पर्न पर्ने । माकेश या वी पर्दे रे हे हे हेर पहेंद्र पहेंद्र महा हिट्हा या ता क्या ना लेवा .... मुः भुर्यः भुरुषः सर्वेषः सर्वे। । षर्ने : षाः मुः दमाः मो : पम्रोषः याः सर्वः च्याच रट.चक्श.स.खेश.मेट.चर्चेर.चश.र्रेष ट्रे.केर.ट्री ।चारीश. य के तरे के र्व मालक नु दूर र में स्थान में । यह र य के तरे हर लेब हुँ नश नश्मार्यर मासी नश रूब मा में सत्ति पर हुँ नये। तिप्र्यः प्राप्तेश्वः यात्ता क्ष्रं देशवा ग्री खेशाया वश पश्च स्थाया वशाः <u> ভুষ.বড়. বर. दु. বहूर. चै. बाट. जशान क्षत्र तट्री</u> । होना च. जुरा श्चाश्च नाट ल चश्चेर चर नार्न जुर्। । ह्रेंट य हैर झूंश चरे इस.चर. लेश.चर्. र्रेंश. क्रॅश. ग्री परेमी. सुरे. पहेंथ. त. त. प्रेमी त. स. .... मि. द्वेना मीश प्रत्रा । मुं देन नी प्रमेश हेद यहा है : व्याचन्द्रा । प्रमुद्रादे सेन्यायायाद्वी दिन्द्राद्वी स्था न'ल'र्स्क्रि'र्ख्ल' हिर'चर'र्दे'चर'यस'टें 'चें 'हेर'र्स्क्रि'सेर्'सेर'स्ट्रस्ट स<sup>.</sup>से.चस.भू.भट्र.च<del>ट्र.चय.च</del>स.खस.खेस.चीशंटस्.ल.व.च.भस.से.चया. मन्यास पर देश पर है प विश्वानिश्चर श्री । है हैं र नश्चर य. प्रेर. ष्ट्रेच, चीश. चश्चिम. य. स्र्रा. देश. ये. य. ४. व. य. श्र्चेच या प्रया

स्त्रप्ति कु.चर.मी.भाष्ये .ल.ट.रेच. चर्ष. राष्ट्र च्यू.चयूर यः वर्णे र स्वेर गुदासे न वारा से श्रूष्टा वर्षा सामिकास र माने सुर हैर्ष्युक्राम् । १२ विर्मेरा विष्युमायाया महिन् मुलाह यहा महस्रायाचरामान्दावराष्ट्रा नान्यानुष्ते वेना यावस्रायन् षाः षटः द्वाः यरः लुवाशः याः श्रेः श्रृ शः वाः श्रेशः श्रेः वो वाः याः केः छटः श्रेः श्रेः नःलेबःषः ५२ है। मात्रैः मार्यः ५ नदः नुः सुका सर्वे । विना वा सरः सुः ব.ধু.র্ম.বেব্র.ব.জম.বাপ্তিমাধ্যমেধুন্ধ.বসু.সূধা.ম.সু.ধা..... सर्दर् केर नाशुक्ष नाशुक्ष नी क्रामालना रूट रे त्यादे वि केर सेर .... बुक्त.चाश्चर्य.चाश्चर.ट....चु..चर्च) । ह्यू .ची.पच्ट..च्यू..चर्स्चर.च. **८२.५.७४.३.२५.७**५.५४.३४.५.५५.४.३५.५५.५५. मेनाश सर क्या सर है। यदे प्रमिर में निर्मा का प्रमीय निर्मा करें दसरायाचेरावासेवावी प्रमिन में हिया हे वावासावासहरा म्नुनाचान्त्रव्यास्त्राच्यास्य स्वाप्तास्य स्वाप्तान्तः। स्वीयासस्य नाप्ता **৴**ঀৣৼ৾৽ঀঽ৾৽ৠৢৢৢঀয়৽৻ৢ৾ঀঢ়৽ঀৢঀ৾৽ঀঽ৾৽ৠৢৢঀয়৽য়৾ঀয়৽য়৽৽৽৽৽৽৽ सकेश मार्या र्मिन सेन हिंगाश सर नहात राहा देश सर दें हैं के न्दः। हेन्यः श्चः नयः मानेदः मानसः मानः माने । विशः सिनः हेनाः मुब्राच प्रदास दे स्मान हा से दाय है स्थान साम होने का या सूर विद्याला स मीश ह्य व प्पेर् य श्रेनाश मु रेंव न वर स तश्र न हुन य र र र रेंव " पद्रत्। । सर् क्षे का समाहिका कुष्टी पहेन पर दे देन ता क्षेत्र मालक 'द'र्द दमीं स से 'दमीं स गुै 'मुं सर्व द मुक्त प्यो स प्येद त्या हिंद ' य प्पर्न सेन दे सर्वे होते हिंद दें के केन प्पर्न सेन हों न ससाने ...... बुर माइक तायव या **केक के**क ता क्षामक प्रकार नहमाक के हिंद के .... सेन्यात्म वुकै हिन्यामालक सेन्य पर हिंद या सेव हों । माकैस म है। दे तर् निर्मार में निर्मा या निर्मा निर्मा निर्मा **५**८ माक्रीसायात्मळंदाके**र** सेराचार्टा। मासुसायात्मार्देदा**र**सा इसायर प्रेशायदी प्रमितासी लिखा की वना नी प्रमीया केवासशा नहरा भा सर् तर्ने केर की के नार्ट यहुत क नाह्य सामा से नाह्य स्थान इस यर सु वद विंद से लेश हुरी ।दे स सर् प्रेश हर ट्रशःश्चि.प<u>्र</u>च्चा तट्च श्वेषा के जोनाश तर स्के **भ** से निष्ठेश **फ**्रेक जा इट देश सु तहिंगा भदे नाले दे केंस इसस या रट नो सक्त केंद्र .... मुक्षःमुकःवदैः द्रं रेत्रं रेत्रं रेत्रं सक्तान् महारक्षरका ना न्यासेन् सक्ताः ଽ୷୶ୡ୵୶୷୷୵୷ଢ଼<del>୵୷ୡ</del>୵୷୶୶୷୷୷<del>ୢଌୖ୲</del>୷୷ୡ୶୷୷ୡ୷୷ୡୄ୷ सर् हें ल'तनाय हिंदानी हैं न न्दर्दे ते लड़ नन्दर पान्दा हें स रे.रे ल.ट्.म्.३२.मश्चिमामश्चिमामी.४४.मिवमा.मेश.५४.५५.म..... ५ विद्यान्याद्वा वि के दे के दे स्थान स्थान के स 

इरादेश लुशायायश भैशातुः नश्याय स्पेश र्वो । १९९ छैरातुशः <u> ५८.त्र. नर्षे त.त.चर्षे त.त.चर्षे श. ५४. ५८.ची. भक्षे १.के. १. त्र्र. त. ...</u> श्रॅन्थास्य न्यास्य प्रदे त्रिम्द स्य दि स्य दि दि दे दे दे दे स्य स्थेव । मु देश रेट मूर्य स्वर्थ क्रि. में स्वर्थ र स्वर्थ विश्वर विश्वर स्वर्थ हैं। नेयेर व नेश नेट सूर से हैं हैं हैं से नेश वेर व हैं से नेश वेर से हैं नम् नर नुद्रा विश्वास ल स्ना वार्य नहान नु नासुद्रायः M'A देर हॅनाया वा कर् से दम्स वा विकारी । दे वले का ना ने से से ব'অহার্ট রে 'দ্বীর'র'র'র্ম্বার্মার্মারার্মারামার্মী বর্মা मानेशायर माशुटशाणुटाट चें नेदा सेन् संम् साथशासा महस्र यदे सर् खे सादनाय हिंदा देश या दूर ही देना शय से दाय हे ... **फेर्-मु) मस्य अ उर्-सेर्-सर्-सर्-सर्-हेर** यश गुर-केर-नुश्याया इट.भव्रुव.टे.मीचाश.त.चाश्वेदश.मिट.टे.भट्ट.पट्टश.ट्रश.ट्रश.ट्रीय. क्रुंश.पेम्ट्र.मी.रेट.हश.मी.त.क्रुंश.श्रेश.थ। क्रुंश.**रं**शश.ज.श्र्. য়৾৾ৼ৾৾৾য়**৾ঀ**৾৽য়ৼ৽ৼৼ৽ঀ৾৽য়৾য়ৢ৾৾য়৽ঢ়ৢ৾য়৽য়ৢৢয়৽য়ৢয়৽য়ৼ৽য়ড়ৢয়৽ यः ञ्चः है विवेदः नु देदेदः यः ये र्ह्वेता वहा गुदः यह महाराष्ट्रा मी सर्वदः .... १९८ मुंबरसम्बुदरहेदः। दिर्मे १**५८** म्बद्धरम् १९४४ स्टरमी सहदर्

मुक्ष मुव भारता निवर दवता मा ग्राव नह निवा मुक्त मुद्द केंद्र यम मुं नमेर पर दें निम सहर मुन मुने दे भारु मा मुन्य मुन्य मह्त ... यन विदेशका भेतर्दे देने के मान्य में मान्ने इट र्देव'नट'ख'स'देश'र्देब'नु'गशुद्ध स्रो 💴 निते 'धुैर'म 'हेग'मीस' মর্ 'এই' ম' বইর রম' ব্র' শার্র' ঘম 'শার্তি ম' মই 'মই ব্র**ম্ম'''** हर देश र्द. न न सूर्य वहा मल्य हेरे रेम शहर पदना न ही ही ता मालेकास कैस इटावरे कुँगान् महाद्याय प्रायाय केमा ह्या है विकेता सर दर्भ हैर। हैं राज महिंग्स सरे हैं सा उदा समा उन् द्विषायदे ह्विंश हिंसायासाम्हित्य रहामे हिं से मुनाया**ढ्टा अर्** णुरासेन् हेराक्स हेन् बर्व यर मूच यरे वरेक से वरेक हसा सर से न ने हर नम्पर यह मेर मर इस मर से नमें निव रे निव हैं । र्भायाम्बदारमारमेशादीसर् परेशाद्वादेश कु वाब्रा भेदादा ह्यें हा अश ही व हेर रे गुर रे हुं म वह र्राट्श है। दे या रे ही है। चलित चा की व व लिख दर्मा ना |दे नि केश निया नुदासर् दिने द सर् से सादनाय हैं व ने दे या तुव सुन गरद दे या हैंने यह ..... मन् नन्न सुनास न्ट ने या नहें द दश रूट देश सु नलना सुनास """ क्ष्मश्च ता. बुच. रे. श. चर्चे श.च र. रेट. ट्रश. में. क्ष्म र. में में श्वापट् ..... श्रीयशास्त्र हिना वाहिनाचन होता । नाकेशाय वानाकेश। ह्मॅन'न्यॅन वॅनिश'सेन'णुंश'नार्ठे 'चॅर'न्नॅं=श'दम्रोव'व्य'य'चनेन'र्ह्वय' न्या देशमान्देवावसारे मिं वाकेरानाहवाम स्वायते द्वामा ।

दर र्च की नहां न तथा द्व न या सक्त हेन स न र स्व च लट.र्स्ट्स.पम्रोत.जश.पर्वेट.य.चबुष.प्रेस.सर.वेर्स । बुस. नम्दर्भतम्बेल.बी.र्व.रस.चतु.जु.द्भस्तरा.रदस.जुटा क्र्स दशराकुः सळ्व १३६ वे ५विं ६ स. ५ में या यश ५ युटा या महित महा az. বিধ্য । ভিধামক্ষ গুইনোধীম র্রুছ, নেত্র, মহ্ছ গুইন্ট্র, দেউ क्षय इत्याय। क्रिक्स्य गुर्हे में केर सेर सह सक्र कृर-दे-रम्टिश-रम्रोय-सश-र वृद्य-य-वृद्ध-यम्-वर-वृद्य । विश भर् हो स वनाय हिंद में देश सर् न्ट द्र देश स संनाश रा ..... दशका हुँ के पादी हैं ने के दे से दे पादी मे ते दशका दिए। से निर नलेब.रे.क्स.चेश.क्र्मश.नमेर.रेट.सर्ट.रीच.रूचश हंश.रा.लट.. न्म्रिंश.पम्रीय.वश्च.मश्चरयाय.वश्चर्या.याच्याय.ची मि वि भेरे भेरे दे दे दे कि मान मान भारत था द्वा पा दे हो ने स् सश्चाणुटान्नेंदशादनो यासशाम् (वरान्यटाटें वें न्टा हिन्यरानुः বহুনাধা বারু নার্বাধা শূধা স্থিতে ব প্রতিধা নাবাত বাধাতি ধানা कुरं चलर यद् दसम्बाद्धाः सट व्यंशामानुद वा दिवेवसायर सहरा र्हें। भूमर् झें मुन दर दुय सवद सार्सन्थ सर दे मिं बदे र्नेन मन्दर्भ मान्दर्भ मी दम्रोयाया क्ष्य सासु मध्का यदी मान्दर्भ बस्याणुटासर् हो देरे रेंब द्रान्दा नेव नुस्य बुब प्रशासन्य प्रिन् मार्थेश.रा.जा.माश्रेष। 🚶 थर्वर.मार्थेश.श्रेट.व्हेल.श्रेर.यहेरे ता

क्कें पर्नेन्य गुं स्वय है द्वा हुन्या या दिया महा स्वर गुं इटाटेशायदीदायदी हुंसासी 🚅 । इटार्स स्थानाशुस्र 🕫 सुटाशादसः मन्द्र सहै द्वार्य । १ रह्म मान्य मन् सरे द्वार्य । १ दे न्या त्या नावर नाविद रेश न पर देश हो 📑 रिट से ल. मार्थिश । ह्यू सिर रे. के. चतु विकार हा। रहे. मार्थिश ह मीना चते विका साधिक चात्राक्कों चन्न्य पदे सेन्य पर सा है का स सुरका सान्ता लट.रेची.र प श्रीर.रा.रेरे रा.रेष्ट्र जानीश तर श.चुर.रा.श्रेटश...... मशुस्थायते क्षि तर्मिशाद्याक्षात्रात्रे स्थाति है है सु तु हिना स्थेत .... ले वा रे महेश है निर्माणका महिमास या स्मास पर हैं स दशकार्टा नाञ्चनाका त्या स्वीसायदी रहेका ची त्या दहेनाका यदी किना मी हैं हिं हिंद है। मी मह मी मह के कि हैंद के हैंद के हैंद के के माम हैंदिन हैं दशक्रां स्वरं सर लेब सम्बद्धा स्वरं मान्द्र। । लेब सार देश ह्या पर्माश्राकुषाःनाश्चरशाया नम्नाशायदे ह्रमां मी सर्वन सदि म्बिंग्नरम्बायदे द्वेना मी सर्द्र सदे हेत र मुराया यह र सेर् मदे मन्माकेर् की शहर देश न्मायर कर्न या अटान्मायदे न्दिशः चॅ 'ल'वसर्य उन्'णु 'वसर्य 'ठन'न्' सेन'र्ने 'लेब सुन'य' दनेवस 'वैदः **७**न'मार्केन'यर'दीन'य'नार'ध्येन'य'२ने'माकेश ने'र्केश'यन्यायपने लश्च.रच.रे.३४४.च.ल्यं.चर.रूचे.चर.वेध् । बुंश.म.र्घ.थरः

वैस्तुर न परेन्य रहेल नहें न लिंद्र महें वेश म सव कर लें बै. होना त केब चू दे . क्र्स वन मू तारा अधार पर नहीं र बी না বিনাধা ভূষা নাৰ্থা নুৰ্যা নুৰ্যা না ভূষা নাৰ্থা पर्निशासकी कली मध्य है। दे सामर्निशासकी हैं न मी दें नि हैन हेब यह है केन मैंब नहना ब यह दें में हैन या मुदी दें ने বৰ্ব ব্য ।বিচাহত শ্লবহা বাৰ্ব নিবাহ ক্ষ্যা শূচাই শ্লহ वेश'यर दुर्वे । इंना में यह नश यह है में हे है है रहा मी सर्वन हिन कुषा व्यन्त सेन नाम नेने नदानी सर्वन हेन व्यन ने माले के नहर नह हैं मानी सहंद सह है विश नह नम् है गुन महनास गुंगनाननास नावेदी । ते केन नाहेन नाहेन समे दिया गुरेस <u>ইর্বাব্যান্থর অবিশ্বামার্থর তথ্</u>য এই প্রায়ার বিশ্বামার বিশ্বামা पहेंद्र-यादे सुरापदेवहा ही ।दे सुरा नुहा देवाहा देव मार्केश र्रेन न्मायर सेन र् लेश य ने सुर परेनश प्रेन है। न्य यं 'गुबःह्रिय दर'माबबःमाकृषःद्वाद्यायर प्यदःयदे खुराह्। र्नेंद**,र**भ.तर.लूरे.त.ज.थ.थ.त.कें.त.केंट.४४५४४४४४४५८५५५५५५५५५५ ब्रिंग्ड्राक् क्रिंक् द्रायम् सेष्ट्राय वार्य्यन् वार्म्य वार्म्य विद्वाहारा ख्राचलन् नर्मोकालाञ्चवकापने । गुराचहरा नदा मी सळवा केना गुरा

ल्र्नामान्त्री त्रामान्याम् निष्ट्रामान्याम् ल्र-तर.४९९ त.१९ म.मेश.मेशत.घर.भ.चर्षे थ.मेट.४८.मु..... सर्वतः केदः में का स्पेदः कार्देक प्रकारमा स्पेदः मा मालुदः मी दिवास्य । णुकः यहनाकः देकः द्रकः यर प्यदः याः क्षे प्रदेनाकः क्षः दर्मे प्रदे स्थितः र्भें रम्प्रिय दम्रीय यात्र महम्मर्थ सर्वे केर केर केर माले. माले द्वार प्रामाश्वरका सका मालेर पर्देश प्रधास स्थ क्रूची.ची.श्रथ्यश्चाचे.चंत्री.चंत्री.चंत्राचर लूटे.चं.पा.शुटे.दुश.चीश्चरश. यदै दिर्देश यहेश मोलेश देवर प्लेश स्ट्रिंग के हे हें श्रेंश यह र मेर्-व र्ष्येद्रशः मायः णुदः र्देव रहमः नु स्मेर्-यमः त्रश्च र यसः माङ्गेशः गः । । । यते.क्र्याद्मश्चाणे.देह्रा.च्. द्मा.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च ૹ૾૾૽૽ૺ<sup>ૢ</sup>૽ૼૻૡૺૹઽ૾ૹ૽૽ઽૺૹ૾ૡૼઌૼૹ૽૽૱ઌઌઌ૱૽૽૱૽ૺ૱૽૽ૺૹ૾૽ૹ૽ઌ૽૽ૺૹઽૺૺૺ૾ૺ से देनायास्य । विद्यामाश्चाद्यायते स्वीदारे दिया र्या मावन प्राप्त या सुर व परेवरा दुवा है व सुर रू सेर र लेश वत्रा सुर मेर ... र्दे 'लेख'य'सेन'मी सूर मिंट'र् र्नेन'न्स'यूर फ्रेंन्न'य'स'सेन हेस'य" शुर परेवस सुमासुदस य सुर री 2 निर्मेश य है। माय है ୖୢୢଈ୕<sub>ୖ</sub>ଞ୍ଚ<sup>୍</sup> ପ୍ରିମ୍ ୢୡ୕୴ୖୄଽ୕ୱଽ '୴୶୕୶ୖ**ଽ**୕ମ<sup>ୄ</sup>୕୶୕ୢୖଈ୕୕ଽ୕ୡ୕୷ୖ୕ୄଌ୕ ୄଌଽ '୴୶<sup>୷୷</sup> श्रुमाना ने ता र् प्रमान के ति र्दे । वर्षे । त्रः वित्रायमः तु । यन् मान्नान्नान्नान्नान्नेन्ना ते । तृत्र । त्रमायमः व्यूदः यमः । । ।

न हेब. तथा प्रम्मा हे. बेच. वे. पक्र. चर. प्रमी र. र्] । श्रिर. परेचशा रे.चेट.श.पश र.भ.वंच.२ं.येटश.तप् अट.५.४ट.४४. हुश. इस्रार्थित न्त्रामादाना नार्त्ता सु उद्गामी सिन् पु केत व व प्रदेश । च अने न्यायाना वाना नामा श्रु सेन में ।ने नलेन न माहर षा सूर्यका तपु . कूस देशका मी नेट्स . त् द्रा लून व ना बिना स . . . . . र्श्वन्यायते रहेश पर्मन्यायते हेन ने नर नारम्य सु हु मे । सेर नु बेद द रहें स द सेर य सम्मान मार पद हैं न में र हे पर .... पर्निकायाक्षेत्रात्री ।ते.स.पर्निकायदीम्बि.सेर्प्नेकावाके म्बि:श्रेन् पर त्मुर प्रश्नाद द्वाशाय प्रश्नेन् पर त्मुर र बुंश नशुरश राश रामानाम् । दे ता पर्ने र सुर परे राश पर्मानाः यह सुन्ध है मिश लेब श्रामक के मालक होर हें र हें र हें र से र तार र ह्री.लट.वेच.बुंश ह्री.त.प्त.श्रट.टेट चर्श.व.क्षेट्.पर्ट्यश.चर्ट्र..... मिल्दि मिडम्ब र्स्म्ब मुंग्र हिंदा है न्या मिल्स के न के न मिल्स के न इस्राम्बालेदाराष्ट्रासेरार्चे ।रेब्रादाम्ब्रामाययान्वरामा क्षेर विनाम केन में दे मून सम्बद्धान क्षेत्र वा ने अदा है का नस्य रदः मी अळव १३५ मी का सामाय छे था ह्या यह । दि । वे १३५ और यह । .... श्चाय'द्रमश'र्सी । दे दमा मेश दे मालद द्रार स स्मार स्मार है स क्मशः श्चीर से श्चीर या द्वा श्चित्र ने से दे हे सा वहित या ना हत से द यसार्द्रान्सायरामानुनाचेशासुर्दे । दिसानान्द्रिंशार्दे वसामेन कः लेखात्वां ना के ह्यराच वराचा सुरार्के र्वायरा स्पर्वायके स्परा ननानी न्द्रार्थे : भे खेन हेश दर्माना या भेन है। दिन से खना स मुक्षः गुकः यहमावाः वाः न्दाः मी सर्वकः हेन मुक्षः वाः मुवः वाः नृदः र्वे वा द्वाः न्मः यरः रमः रह मीः महन् १९८ मी मा मान्द्रान् भेरः या प्रेन नि मल्द र्वट श्रेस्र संस्था वुट र ट मी कु कुर स वहेद दश ही व ... ने'रदामी'रदासळंब'मीस मातायदी ही'वाधेव'व'र्नेव'न्स'यदी ही'... बर विश्वराया देशेंदाद क्रिंश क्षेत्र ี่ สรุๆผาสาร์มารุา≡รุาฏิาลิมผาผิมลาฎะาทิารุะัผา**ฉัา**ผาลู๊าสา भेर्न्स्यन से त्युन में क्षिम नु खित प्रदेश प्रश्ने स्था । ने साव न(बर, रंचर, मी, भ्रै, रंचाना, भ्रू, रंपिल, तथा श्री, रंचाना, रें, खुर, या क्षा, मुःहर क्षेत्र प्रश्नात्र हैं व दु हु र मना क्रिंग्य हु र परे नहा हु ... श्रीत्र में लेश परायक्ष से में में महाने। मना पास हैया ने लेक तप्र, पर्यिता ह्र, वया ता श्रीता क्षेत्र का श्री र वया ता श्रीका रे वीया था का श्रिः बुश्यायान् तर्रा नरा नाल्यान्यान् मुं तर्वश्याण्याम् वर्षा चरेन प्रेंन में प्रमुख दूर मु प्रमुख प्रेंन में। मालन न्ना में न्रा कु त्र्रा शुः श मुत्र देश त्र्रि द दे दे दे त्र मश स्ट श णुट दे ने """ ह्रीया.पाश.प**रे.**हीयो.ह्री,पद्य.पाश.पचेश.योधयो.श.धरे.पर.श्रट.पश. शुर परेवश श्वेंद से बुस या दे पर से न्यू प्रमा नि 

यर विर्मित देव मूच य भेव वे हुम न नश्यम वहा मारतः म्बि सेर् व दर्ते यायदासेर् यस हैं स्वस्य स्त्रित्वर वर्ते वर्ते वर्ते वर्ते ष्येव च न्दाने केदाने मिं वरी नेव ने नेव च नके च नके व ना में श्रीन च व कद्रभूदे महिं चॅर दिगुर रें 'बेस प्यत्र दे। गुर स यस। दे यश्च निमान्त्रम् । देश । यश्च निमान्त्रम् । से । से निमान्य । देव । र्च 'न्दाख्त मात्रमार्क खूदाय हेन् न्दाख्त मान्निद्र पदे द्रा चर्षेष् यार्या हुशावशाचलर मार्च हुष लारार्या य हु की याय्षेष ... र स वेस वस र्यं न नवेंद स र्ये चर देस पर चर्ने न स है रे न स ... यासाधिकायसामञ्जेदायही देनाया दसामीसामि सामिसास यन्नाश्चार्यस्यानु वन् ने व ने ने ने नि क के के सु पने वर वृ याने के स्पराद्या यर वृ या स्पेक के लिखाने वृर् के राहे कि राहे क्षर अर्दे भरेरनानी स्र निर्माशीय निर्मे निर्मे रिर्मा प्यम् सेन् प्रसं तर्मिश्यामः ने केन् गुमार्यस्य उन् गु रसस्य उन् न बेर्यर प्रमुर दान्यहार वह मानी रे मि दान प्रिंग नाम वा वनुराने। देनकात्रकानुरकानेकाकारे नामीकाके ने वि का र्टः चर्नाश्चः चः देः नाकुशः गाःसः स्यः सुरः चः चर्चः चरः व्यश्चरः दे। य5 मार्था था प्रारोही मि का ता सुराया यह या धर्मा का को हा यह राष्ट्री पर मार्ड मं प्रवास मेना सर मुद्दे ले हा माह्य स्था मेटा हे त्या नुर्मोदश्च नश्चन हासू न ने सुति हुँदा हैन त्यार्विन चर हैन च 

ब. १ थ. लुब. मु. पुंचा मुंचा करा हुन । स. सुन । मुंदा न हुं । नेशन्म्यायरामे में या माल्या केशन् रेर्ट्राया परास्तायरा श्च. पुर्व वश्चव राष्ट्र मार्चे लालर नालेल राम स्माप्त विराया सु स के **ने न**्या सरा वर्ह्म या प्रमुक्त वरा स्रा लेखा मुदास सरा सरा मासुरसःस् । देःसूरः नुसः नमारः सारः सोदः यः देः है देशः सूरः बिट सुना सानाट केत या दे ते क्रिंच या केताया दे सुर अर्बेट या ते हिंदा ৡ**৾৾৾৾**৻৺৻য়ৢ৾৽৻৽৽য়৻৸ৄ৾৸৻য়ৼ৾৽৺য়য়৸য়৻য়৻য়৾৸য়৻ यर द्रिंश च द्रमश दे दम कु कैमा मेश यह महा यर दे चेश हूँ द या दे के ना हा सदे देंद के दाना ही ना सा करेंद्र या दे नार ना हा ना देदे. म्ट्रिंश में रवंशान्द्रात्र देशा कर्षा में प्रमान्य मार्श्वा वार्शित्र है। चाट मोश सेंट या है गुह यह गहा दिए माट सेंट यह माह माहह नाहह । रटार्श्वास्त्रासुं सार्वेट यदे स्ट्रेट या स्ट्रेट्य मुवा केता सारी द्वारा में र्थर सेर केर के हर निष्ठ र प्रतास हर ही । दे स्टर हैं पर्माय की सर्व स्वाद्य राज्य में रूर् पत्र सर्व सर्व रहा सुर तरे नका सुह्य पर्वा मेर्पते सद्र द्वारमायमा निर्देश से र पर र न र मु ही व पर चत्रात्रे। युराकासकान्द्रवाचा कृतानादा प्रवेश न र्चे 'सेर'स'परी'माक्रेस'गी'प्पेर्'स'र्म सेर'मास्याद्वर्यासर'म्बिस'''' नदे क्रिंगणी सक्षेत्रिंगणीस नस्सा नदे न्द्रिंगर्ये ने दे निक्रासु ... सेर्'य' भेर हों । नाकेश शु सेर्'या नाट भेर य रे'रे'र् न सेरे

त्रभः सर्व : नाकेश : सुः रा वः तः से नः वे रा वे रा ने : हो वे रा रा नाकिसाना नाकिस। सुनास हा स नर्नेन है : देते रेन ता देश लब.चे.च.रटा। लब.चरच.चहु.सुंचाश.दचामा.मह्। ।रटः त् है। वहायाया हेनायहेन त् यायायाया हिना นราคสะาคงานราหารชิงาทุราธิ์จาราจายผ**ง**าชร**ุพัร**าณารัฐาา इस'यर'दे'श्रमस'ठइ'से**द**'र्ने 'लेस'नेर'र्ने ।लेस'मासुदस'र्ने। ळॅश गुन रेंन नम न ने मेन स्थाय झुन न व्ये विका हु। नदी । ५g अ:व:इअध गुँध:ळॅथ:इयथ:गुँ:ॲर्-सेर्-गुँ:हुर्-यर-खुँ:व.... महर्मित्रा ।रेज्य रेज्यापरे अर हेराहे राष्ट्रकाय रेज् र्या या बै.मार प्येष गुराहें वा बै.मार प्येष लेखा वहें र पर वुर्वे । रे. सर ইশ'ব'ৰ'লাঅ'ই'এই'শ্ল**র**'ভীশ'র্জখ'রমঝ'ভ**র**'লী'র্লি' লি' দি' মিন' यान्तराधिक या हे के हूँ कर नहां साथ के तथा है है है है है से निष् क्र दे द्वाल दें वें केंद्र दुर्मिन्य यान्य क्रिय दे दे तु त्व र्हेन फोर को । रे केरे सुर ले का परे खूर रे के प्येर मास षेत्रयान्नाः भागुतः हैंया नृष्ठित् य नृष्टा भेर्तेवाका यान्या सार्वेत्रयमः महेर्नामानमान्त्रामुन्ते होर्नामाने होरामाने होरामानामान लेखाः चा दे निर्देशः मार्डेशः मारा प्येतः देशः दशः देशः प्रदः न्त्रमः स्ट्रिंग्र सूर सर्दर स्त्री । दे त्य त्रेर द्व द्य नाट क्रेंब र्रेश य के र्रेक रुस बरेक यदे सळक माले र्रेश या फीक मी रेक रस यम सेन हें स यह है 'द्र देना हु सेन यस नें न नम न सेन यह ....

क्षेत्र शहेश य में देश मालद त्र देश देश से शिंदि वि केत मेर् मार्रे र्रम्भ में लेखा हु। न्यु मार्थ रेन् र्रे ৢৢঀয়৾৽ৢ৽ঀৼ৾ৼ৽য়ঽ৾৽৾৾৻য়৾য়৽ৠ৾৽য়ৼৢ৽য়৾ৼ৽ৢঢ়৾য়য়৽ৼয়৽ৼৢ৽য়৾ৼ৽৽৽ यर से दहन प्रदेश से भूत हैं या नार प्रदेश सायर णुक हैं व विदेव व लेका मार मी हैं र विदेव व वह मा विदे गुर हैं व .... रेक्षायाक्षेत्राश्चीचाक्ष्रनातुः व्यदायदे व्यदि व्यद्धे चाक्ष्रन ने नामाय्येतः । लेका देका म में के देवा में निक्त देवा में के दे में दे दे मे दे में में दे मे पहुँ के के महा रेट खेर लेंड खेरा वा क्षेर रे का महा सह स्थान पर्रे प्रे में हैं में हैं के मेर हेश पर बेर केर केर केर में यदेवःसदे हें वि क्षेत्रायानु प्रमुखायदे खुँ र हो । माक्षेत्रायाया मारेशा मालय मी.मीय.भवर.ज.पचाल.व.न.महेथ.त रेटा। रट.मी. मून सबद थादन्य व सुर वर्षे । दः य दे। दे व विनासर गुक् हैंव गु देश दहें कर वीवा य के वहा व वशा दे साद है कि डेश महिंद मर नु से दें में हैद द दिया है सह दें सर महिंद मा รุธาทูสา ๕ฮาทูาสูา ผลาสูธาชาพิสาชราครัฐารุส คัสาริ สธัฐา यर महेर् य दर गुर हैं व उस लिया की र यर दर्द। माय हे सर्दे न्यर वहर्या दर मुद्द हैंव की कु लक्ष वुट या की वि देश द सर्दे,तर वहूरे तर्रात्र में इंचर की की स्था बैटा वर्षे बेरा सार्ष् यासाम्भेर वि विशानुसामा उटाही । मालाने सहितायरा महितासा

**५**८. पीयाह्म खेचा त्राचार कार्य सामान कार्य त्राचार कार्य सामान न र्राणुशह्वान्ध्यानुरासी न्द्राह्या नेद्री हिंदी बे परे अंद ने र्दे रस पर दें वे हैर सेर पास दें वें हैर लंद र् क्षित्रान् त्रहेव वर्षे गुवाहेवाने वर मी सर्वे वर वहिं वर सर प्रमुद्रास देते हें दरानी देर प्रदेश सदी मुखान हुंबान केंग्रान स्वा ण्य हॅव'व'न्द्र'स्द्रं सर वहेंद्र'वरे दस देंव'नेश वद्राय रस ब्नि भेता दः च कुर व कुष न क्षेत्र थ कर्न व के त बेहा न मे इपलियामारे र्व नमायर प्रेन यामे कारे या प्रेन हे परेर .... र्नेन नम न र में न हें न सि म्री मान से में न में हैं न न में रेंस रॉब रॅब र्व न्म नु मेर पर मिश सुरश में हैंर मेर हेश म हारा यह क्षेत्र ही । माक्षेत्राचा सूत्र क ह्रिना यहा यह महाचा उहा नु हो । उट हो। वर्नास यदे निहासे दारे हैं र दे गुदाहीं न दर सर्दे यर नहीं या हैना यह यहनाहा उस केंद्रा नावद देसहा गुर दे उस नुभ्यत्यार निर्देश । निर्देशन स्त्री स्त्री प्राप्ती सार्वे ने हैन प्रसा दे ता पर मान हें का के निर ख़न या है है ख़ेर न निर **५**क्रम्बायाने सेरायाध्यक्षिता विद्याग्राया देशमान नामा हे हे पर देश मुन हेश मुन हे लेन ने निर्देश में जैन ... यदे कुरारे विश्वासन परिवश्च यर गुराना दे स परे क्षर देश नहिं पर नु हे हे व हे लेंग हे लेंद पर पर्दे रहा हेंद हे हो रा यर पर्देत। माय हे प्येंद व वे देश व केंश वस्त्र उद कु दें वे

कुरासेराय केर है र देशर्स यह लेखा हरासे उटारी मायारी मेर व वे रेश व से र के विकास में निर्देश में अव सदे से र निर निर निर य'दे'र्ट 'वे 'केद'सेद'र्द 'बेश'तुर से 'द्राट्टा । बिश'मासुटस'र्स्ना देवै : दॅब : बै : क्रॅंब : प्रदे : द्वा : त्व : स्ट : वी : सर्व : क्रैंद : गुैंब : गुव : यदै : स्ट : . . . . . सर्वत दिसम्बाध निष्ठ दे हो से दे हे से हैं हिन दे मार्थ है। दे ता के हें बुर रहीं मुख यदे कर अब महिंद यदे हुँर हीं मिल हे हैं ब्र- न्रेनेबाय पदे त्र्य भे नवि ने ने हें ने केन पहिला पदे नि स्थापा र्चे : प्रेक् यदे : हुँ र र्ने । विं का विं क कि मान दे र र में अर्द्ध क्रेन:गोबा:ब्यॅन:बाबे:बॅ.चॅ.केन:बोन:बार्नेब:नबान:बी:ड्वा:बा **बेन:** ब.बु.पविषात्तप्त द्वीर रश्चीर रश्चीय गीट भ्रोत हो। विश्वास हे स्थाप वर्ष णुट र्ने १ ५५ : बेट : वहना या ह्या स ने द्वा नश दे खूर न व द रे ने ख़र क प्रेन गुक वहनाय **न** स्प्रिंश सूत्र माष्ट्रेय र्दे न्य यर .... सेन् हिटा शह्रुन्न अर्ग सामा हुन सामहन समा गुन हून सह जेसा य-१८-विष्य-तर् लेश-य-र्वे १४म यर स्ट्रिं से १ त्य पहना श दश र्श्चेर नहरू य रे। मलर नवर रेंद नम पर मेर ल गुद हिंव हु र्भेर्-य-वर्णना-य-भेर-रे। दर्ने-क्रेन-भेर-अ-मुन-क्रे-अंक्र-उत्-र्-गुर्-नर्ग्राणे पर्नेग्रायाचे प्राम्यान्यायान्ते स्रोप्रयास्य या देश मार्जे विराय है हिन दिन रक्ष यर प्येत की राया है ता प्येत हैं। म्बद्धाः प्राप्ता दे साम्बद्धाः निवास्त्रा न

ल्ट्रास् मुवायायाण्युरावहनासायदै हि व हेर्पु सहित्य हिन यान्यराष्ट्रिकारान्द्रेकि क्ष्यू वर्द्रन्याचारावे स्वयव प्रवित्यमा सेना यमा वृद् 'लेश'द्र'। अुर'म'९ रेनश'मर्दे 'सव्द'हे 'मलक'मु 'द्रमः मीर्दे वि किन्दराखेंद्र सु मुवायदे दे वि किन्छर वा वा सेन्दे " @बार्टामी'सर्बर केर'या सुर चार देवराय माट खेर या हो हे ख्र सर्षं न्ये के संस्था प्रमास स्थान स् मिट्र-१-छ्र-यर मुर्दे। ।लेश ट्राम् केराम केश रटामी सक्र हैन गुँब र्षेन्याय नेराम्याय में लेखान नम सळव था सुराणा प्रेचर्यासुम्बाही नुस्याद्वाप्त्रेशः ह्या सुरानी स्वर न्दाने र्सेटा दुवा महिमा मी । गुन् महमाना से नाया प्रदान हैन निया नुः भेत् नुं मुन्नु नु सेन् मेत् नि न्यू न स्या स्टिन् पर द्विनामा ने न्या सेटा मार न्रा सर्दिन यन वहिन या न्रा मीश इसायर ... पहिंगाम देशे हें 'में 'हेर' क्षेत्र मर नहें दे मर नुप्र में दें हैं हैं हैं । र्च . केर सम्त्र सर नहें र सर चि ले न हिसान च हिर सर वे देवे दि वे किर प्रेम पर नहेंद पर नुवें ।देवे दस पर वे दे**दे** हे जे के**र** संस्थित यह वहें दे यह हो । विश्व दहा है ल. शर्ष्ये न्य न्यह्म सामा ल्ल्स श्रुम्म् स्य प्रदे श्री हा ता नहे व निर्दे ... क्संपर विश्व यदे रस्मेन्सर ग्राव पर्ने न्या यदे हैं वे किर नि लेब.त.रं.बु.बुब्र.चश्चरकायश्चर रं.बुर रं.बु.चरचेब्र.तरं.लूर.त. भैत मी र्ने रमायर ऑर् यामा भेत पदे क्षेर र लेखा माह्य दशा सी

देश व नन्ना न केश की गुर नहन्य सम् नु नेश नु ता से सेन गुट ... दे. द्या-ग्रीका-प्रिय वर्षा श्रम शास्त्र म्या स्रोदाया स्रोदाय स्राह्य स्रा मि.कुर्या. जश्याप्ते सर्याश सर्वे स. स. मि.कुश ग्राम अर. ज. मा बटा तहे दें .. मार्रेशाणी माल्क न्वरामी हेब केर द्वेता यर द्वेता मार द्वेता मार् यान्द वर्षायमाणुकार्ह्ययानुष्यान्द्रा व्यवस्थास्य वर्षेकान् या प्या प्येत्रात्य हि वि कि कि सेना सदी दिलानु प्येन या दिन निमायन .... र्षेद्र'य'प्येद'र्दे । १९८१ न्यान्य न्यान्य देश स्त्री देश द्या सेद द्या ग्रेना नर्स् रास् र न्यें द्रार न्यें या द्रार ने स्था मेर पर प्रस्ति न्या प्रस्ति बशः क्षु वटः मी माइटः ५ हेव गाव निवासः सु न वत्रायः त्रात्रा द्वायः राष्ट्रा बुट । विद्यासान्द्राचान्द्राचान्द्राचान्द्राच्याचे । भुष्टः प्रष्टः द्रव्यः राष्ट्रा सः हेन्। दे र वृत्त्राधः सेदः गुरुषः सहदः हेरः यः के सा नहमारा के के से दी । निहा नर निर्मा दिया निर्मा से मी मिलिदे सेतु सम्मिह्माहा येतु ह्ममा स इसहा खता से के द्राह्म .विट:न्ग्यदःन्वदशः द्वस्यः त्येन्यः यरः न्व**र्**वः यः ययः त्र्नाः यशः स्त्रयः য়৽ৡৢ**৲ৢ৽ড়৾৾৾৾৾ৼ**৽ঢ়ৢ৾ৼ৽ৼৄ৾য়৽৸ৼ৽য়৾৾৾৾ৼ৽য়৽য়৽ৼ৾য়৽ড়৾ৼ৽৽৽৽৽ <u> इंजाश भुरे भ्र</u>सकुरे जी रेज्रह्मा तर उपरायाला जीवाया पर्ने जाया

क्री.र्स. र्रे. चीराया लेवाला विरायरा रे. चीलवार नराया श्रेर नुः र्ष्यू । भूर । द्वापाय दे । ह्वारा ने । ता हु । दनाना । र्ष्यू ना । र्ष्यू ना । र्ष्यू ना । यर लेब या दशालेब मी। रहें शार्च ता भी त्यामा रहें मार्थ हो र र् 'बेस' ५ र्र्पाया मालक रवद त्या सुर ५ रेवस ग्री सवर मुना देते मुं सर्द्र मुँदा दें मुँदा दें किंदा मार्वेदा ता अदा सुर ना **पर्वःमश्रं सद्धंदः हेर** माशुसःमा तः सुरः परेवशः हर स्देरः मार्हे ..... चॅर-कॅर-विट-अ.जश.च वर्य-व.ये.लुब-बुट-। अर्चे ही रेस्टिश त्मोलाहेकार्नेन अकारामा प्रतिन्थित स्मिता साञ्चन नु सेनायहै ..... <u> स्यायान्य केशायान केशायान विष्या केशायान विष्याने स्वाया</u> स्र.चंद्राच्या चाल्व.चंचर:चूर्.चंयाचर:खूर्.चंचर:मोश्चर्याः **लब्रायमा नमुन्या यब्रार्ख्या सर्वर कुराम हर्गामा लब्राया है** प्राय्वे सामा 5। माला हे केंबा दे रामा मा दे प्रविद केंद्र रेंद्र द्रमाया केंबा यहना য়৾৾ঀॱয়ॱড়ঢ়৾য়ড়৾ঀ৽ৡ৾ঀ৾৽য়৽ঀঀ৾৽য়৾৻ড়৾ঀয়ৼ৽ড়ড়ৢৼ৽ঀ৽ঀ৽ঀ৾৽য়৽ঀ৽ঢ়৾৽৽৽৽ नविदः १९८ द्वं द्रायाळ्याया ज्यान्त्वा सेदाया आदा क्या द्राया विकास स्व सर त्युर री । त्रु श तुश स्व व वे र्वे र्व र स य स्व र यर मे त्युर री विशापद्या गुरा के तर्दे द्या मे दार पास्ट्या यान्या नुस्राम्बरायमा नुमायदे नुस्रामुहेमा । बेश निश्च सं वेद देने समीय यासशामुदा देन दस यदे यदेन

य है : फॅट्स : सु : मूत परे : द्वें : हेन : महिमा : युर : रेम पर : युरे । लेश'नासु=रु'य'न्दा सर्चे होदे <u>म</u>ैद'यश'गुदा सर्चे सेद सेर सेव रे नवेव सेव नावव सेव। । ही न्या पहिना सेर प्री नर से त्रमुर है। । त्रयेय न से है है द इस यर द्रमा यर हो । द्यायर न्या द मुर दे दे दे दे राम सक्ता विदा द्वारमा रहेद न्यासक्षेत्रेन्यस्य न्याम्बर्धास्य स्थास्य स्थास्य स्थास्य स्य यत्र के द दिम्रो साधर प्याद गुरु यह वाहा द्वा वाहा विदार वदा मी ...... सहय केर में कार्लर या केरा कार्लर का मान में सहय केरा में कार केर त.भूषे.तर.चिश्वेदश.त.२८.। वर्षे.च धरा ग्रीटा। म्री.सक्षे. गुर्व हैं व रु अर् या वहेंद्र सर उत्र सर देव रहा सर अर् सर वहेंद्र ... यर हु ले वा हुराय गुन हैंन हु स्रेर यर नहें र यर हिंदी । बिकान्या इकासर हेना स गुनाहीय हु ऑन्सर वहेंन्सर यत्रा र्व.रथ.यर.लर्.यर.यहर्.यर.च.७.७.४ श्रिश.य.ग्रं <u> हॅन-२.लूर.सर.महर.सर.चेर्।</u> ।७४.मश्रुटश.स.४सश.५८. हैं हुर से त्राया लें न। हैं हुर से त्राया न प्राया न प्राया हैं। त्रेख्र गृदार्हेन द्राप्त द्राप्त या प्राप्त वा त्राप्त विकामा हैका व्यर् है। रूट वें है। शक्कर गुःरवट मीश मलना पर व्यर् पर व्याव क्षुन्न व्यान्ता नेते नवत्मीश्रायल्याय सेता में न्ता मी सर्वन के न गुरा व्यन्याय देन नमायर व्यन्य प्रमाय प्रमाय सर् 'यम दे अर प्रेन में देन में च देन में दिन में अर में देन

दस्य में के स्मेद हों | विश्वास ए नु मुस्य स में मुद्री । दरे के न्युः सामान्दान्दान विकामी हो सान्दिस स्र हु। मा दस्य सामान र्देन द्रमाया द्रमाया कृत तु प्यें दे से दे रे स्ट्री मिले रामुकाय हो। देवे नगरानु नुका का सूर विश्वन परी हो कि कि निर्मा निक्रिन नुःस्पर्नाय द्वान्यायरायेन यान्या। द्वा व व केन्द्रायामके व द्वा रथातर लर्.जाव केर.रे.मरानशाविदाश रदा वर्षा राजश कर... बेर.चिश्चरश्चरत्। लट.चर्झे.च.पश्च। शह्ये.चर.चर्ह्ये.च. ल.ल्ट्स.श्. म्थ्राचप्रश्च.चप्र.श्चट.ज चिष्श.चप्र. क्रा.चर. प्रेश.चर्.... रेश्वचारा ताची बेचेशाया श्र्चशायते . श्रेट ६३ .ची . रेट्श . च् .चो बेचेश . त्य स्वायायते यहना केर नाम नी च स्वर या हे है यहना हैर हेर रा ह्य नि देव नियान के वा निर्मान के निर्मान वा त्य स्वांशायवी सेट उवानी केंसाने न्यामी दें वि किन स्वांशासी क य यश देश ग्र वद्गार य नाम खेर य दे दे चर्चार यास खेर य क्रुबे.तर.मूमो.तर.चेड्री ।श्रद्धे.तर.वहूरे.त.पा.लूट्य.श्रु. <u> ज्रामश्चा क्षा यर व्यक्ष यदे स्रोट उत् की क्षा यर की शायदे ......</u> रुमेन्यायान्त्रव्यसाय स्वासायदे स्वाराउव मी रहेर्या रहेर् सेर् यदे वर्ग हैर् नि मेश ऑर् य रे है। हर र् द्रेर र् य मार्रे मार प्यारे महेत्र प्रवेत पर रेमा यर नुवे । लेख गुर मंशिदश.स्र् । इस.चर्चशाणीट.चर्से.च.लशा चीट.कु.लट. इट. हो। दे. लश. मेलर. त.रेमे. ल. श्र. हेंश. चूटा। दे. लश. मेलरे.

यादमा वा ही पहें पर निम्म कंद के दिन के पर पर हो दें सर्नः वःह्रवः सुः स्पृतः सः स्पृतः सन् सन् सन् सन् सन् । नाहः के स्प्राः इर हे 'रे अस माल्य च रमा या हें स विर । रे अस माल्य च दना या यहे राज्ञा रहा नी सर्करा हे **द**ाय दें हैं सार से के सर्दें रा ब्र'न्यन्त्रारायदे : स्प्रेंद्र'या स्थेब यर 'रेन्।'यर 'मुद्रे 'ह्र्य'क्षु' स्प्रेंद्र'या बेः'' स.स्पेर.हे। । बिहा बिट त् ल. नहेब बहा नर्मा नहा होसह रहन र. यन्नाशायादेवी द्वेरासहराद्या । क्रिंशाम्बुर महारामाशास्त्रा यर मुब्द द्राक्ष केट हैं अ वश्याबुद द्रेमें अ यदे यह मुश्रास्ट्रे राम क्षर मी र्यामीश समाविन यर राम मी सळव केर मीया ম নাৡ৶ ৸৳৻প্রনার পেই ম স্থাদেনাম বর না ধ্রম জী ব্রবা ক্রনার ॡॱॿॖॱवॸॖॿॹॱॲ॔ॸॱॸ॒ॿऻॖॹ॒ढ़ॹॱॻॗढ़ॱॺॗॸॱॻॳॸॱॻऄॱॸॖॕॿ**ॱॸ**য়ॱय़ॸ**ॱॱॱ** ल्र्.च.भ्र.प्रचात्राची। भ्रुट.र्ट्चा.चस्य.चीरचास्य.चर्चासः ऑर्'र्ट वे'दनाय'र्सा ।दहना'दुत्म'नावेश'य'हूर'व'र्नुस' सवत सरा र्व. दूर व्य. दूर हो । द्व. दस दूर यः म्राह्म न् त्र्री । हिम महित्य यदे दम्ने य य त्र र्वे र्वे र्वे र्वे र्वे म कै'रे'नबैक केर रे' के जेश रका नके र्क केर मही खेर ही <u>ଵୖୄ୶୳</u>ୠ୲୷ୖୣ୶୲୕ଌ୕୴ୖୄ୶୵ୢ୕ୢୄ୷୷ୠ୕୶୕୴୕୕ଵୣ୶୕୷ୖୄ୷୷ୖ୷ୡ୲୷ୄୠୡ୲ୡୡ୷୷ नेदै नेंदि है। । श्वर्या भेदायश नमायदै हेंदि दसार्य हैसा माशुद्रशाया के यद्ना से द्वार दे दे दे दे ने ने के दे के दे ने के दे के तर यह द्वायते दशेषास पते दें दश अट प्येव वे । दिन वे टे वे के दे

मालकः मालकः स्त्रेन मुद्रामा क्षाना सु क्षेत्र सकः ने सुर माह्यदकः ने। न्युकासवदायका कृतान्त्री सुनि सुनि मानेकानी। महिमासु मिं कर महिन या प्रका । विद्यान्ता हेरी प्रमीयाया मश् रूटशाशुम्वायदे द व कुरानु वहर र व किरामालक वै इस सर दन सदै थे से ध इस समि है थ है। अप में वि । खेश.चाराचा चार.चारी हा.स्. चारा चारेश थे. सूच चारा चारेश. र्यायर वेर यर ले केश ही । खेबार पर्वेश ले केश हे रहा है न रे.चबुर तथाला चेथा मिट लेपारे प्रमीर रू श्रेश थे। लेपानार मार्ह्रेशन्सारे मि नर्छन् कुर्ने हिनास सबै खुमाने मान्निसा सस र्श्वेद से द दें। ।देश द दे पद पद दें दें दस दे पद से से प्रकार हु र दि दें पर्नायदे र्द्र रस र स मुन णूर व क्षर णु र नमा में साम लिमा स से न মন নামান কৰা জীবা শীৰ্ষ নাৰ্ষ মন নিৰ্মান নামান মান নিৰ্মাণ त.भु पंचात.ला । ला.चेश.क्षेट.त् पीय.लश.चर्थालश। चाडिट. नदः २ हेर्बे : या सका मूर्या **पद**े। । बहुका की का नका सदी हेर्बे : नुः स्पर्ने। । ह्य सर्हे दे सर्ह्या सुराय भी । क्या पहुँ र ह्ये दे पदे मालु र दु मीनाश विश्वानाशिदश्वातालटार्ट्य्नेरश्च यराख्य्राष्ट्रियाक्षीयाता न्निर्धासी । । नुवु संयदे नस्व नहें संव सा द्या द्वा द व र र्श्वेर् यायार्ट हेर् यावामलवार्वा पर्रासेर सेराया हेर् यायाः वा क्षर कुर निरम्प निरम्भ ना स्रोब की हुँब रामा सम्मान स्प्रोत स्रोत साम हुँद सः स क्षेत्र पस र्व र्व रहा या दे ना हैस सेना साय से दुर दे में सार्श । सिंव र

न्यं मुं सके न्यों मालु मनु में नें ने न्या सदी द्या माल्या से सदी सदी मुनाश व्यानहेदायास्य नुष्यमुद्दारी । वित्ति हेरान्य संगिहेश गान हूँ च र छून देवा है। यह च च सहा मुं स देन दि देस हुँचा निवाह सून हैं न हैं जूर निवाह में अक्षर है। निवाह में अहर अहर अहर अहर गात्र व्या ह्येंट वर्षे क्षेत्र न्दा मानमाश वर्षे माले प्रेत वर्षे क्षेत्र बुंश.चंश्चेटश.चर्रु.रट.च्.्री रमूटश.पम्रीज.जश देश.चर. न्नां चरु न्रेमेनाश याया न्रें न्सानु चर्ना चरी ह्रा राहरा हा वारा माराया नेश्रमाशासशामा बाबा हुव हुए शामा वश्रा शिरान है हुव .... मुक्षामुद्र हैंब रु रे लूर यर बलना है मुद्र सका बर्ब रहा रहा सबुद ही । नु स्पर्भाया विद्या अर्थे । मु स्पर्धन के सर्दि सर महिन सदे हैं माने मोबर्श श्रि.चीर सप् ,रेह्र्स स् .ज. यक्षेर ह्री । वश्य स्पर् रह्माशः न. संख्या मिर्टा पहुना हुन सद् . जेश स. र सिमा सद् . स्थित दि प्रहेन'रेड'यश'प्रदेश'यदे'खेश'यदे'ख्या'य'र्नेद्रश'व्रह्म'यदेड य'नाकृश चिं गुर हिंच कुं पर्दे प्य दिः दें द दस पदे पदे द प्य माश्चरश्र श्री । निर्देर् या के गूक हैंक प्येक प्रशासिक कुर यर मु नदी बरेब य बे गुब हैंब गु बरेब य प्येब हे नार श्र वहेंद य.पहेचा.स.झी देतर.ब.चूट.त.च३स.चीश.चल.चर.चे.चदे. दयनः हेन्। शास्त्राय मृत्यदे त्रयन हेन्। लेश नुः नः नृतः। मृ मूर्यः

चीषात्र वि वद् त्यव हो नाश लाण् वीद त्यव हो नाश लेश वि .... न सु नुर्ते | वेस नासु स्यास्त्रं | निर्मु न मस्त है न वेस है न हुन्थ.राष्ट्र भ्रेथ.चिवन.ची.पत्रचाश.राष्ट्र.का.चेश.कु.हुन् देश.रार.. व्यर्ग्यर मुश्रुद्रका हे गुर्दा है व हु व्यर्ग्यर प्रहेना यदी कु सर्वद .... र्श्वामार्थेश्वासेन्यात्वान्यास्याः ।नेते हेशार्चनाणे **के** प्रेश के मुक्दिं न न देव न स्थान के सामा र स्थित सर मा सुर स है। मार्शिटशास्त्री । वि.क्षेट्.पर्ट्यामात्री, मार्थिट, मक्षेत् सर मीट. य न्द्र<u>ग</u>्रह दश हेंद्र सेंद्र सेंद्र निष्ठे निष्ठ य निष्ठ मुह्न हेंद्र ... नुः व्यद्भाराष्ट्रीः सदानी स्रह्मं कृत्रागुक्षान्युवायदी दिन द्रमायन व्यदि । प्राचित्र प्राचित्र । देश प्राचित्र हे मुखाया अव। १९४ व्हें श्रेष्ट्र श्रेष र्देन'न्म'म' मूर्टाम'हेन' सहा सहान्द्रम क्रीन स्पर्भानीन या चॅ 'दे'से'नसम्बद्ध 'हेस'मासुटस'य'ने 'द्दे 'नस'य'थेद'द'हे''''' क्र- व क्रिंश वस्र शंहर दें ने के ने सेना गुन हैं व नु क्रिंव व के देर नुरायार्थे 'र्लर्'यश देशी रशीमाश श्री । विश्वा हे वृरायहेंद डेब्र'म्हर्'म्प्रे'स्वर्'रु'गुक्'हॅ्य'र्ट्टर्न्द्र्रम्म्ट्रम्ट्र्यं म्रह्रे त्रश्च.रे.चेश्व.श्र.ल्र्.न.चेश.चश्च.रे.चेश्व.चेश.चेश.क्ष.चेश.क्ष. स्तर्भः न्दरः निहरः मार्मास्यासः न्दरः वः क्षुरः वे गुवः हैं व स्पेवः स्वा क्रिंग इसका गु रदानी सक्त केर केर के र्वे द्वा प्राप्त के वि वा व ने दे दे व पर रें व पर हैं व पर में के प्राप्त ने पर लें व रहा

मी'मळं १ हे र र प्यार प्येर प्रकार माहिका है सूर पर्रेर यर प्येर ... तु र्हेना त्यारमा में विश्व माश्चादश है रेन रहा यर स्पर् दुया ने हासन्दर्गुनहिंदरम् व्हार्य हुता है ही साहर है। दे माहेशामर इस'यर'क्स'वसका उद्'टें 'यें 'हेर'सेर यर'म्शुट्र'य'दे'सू हे.... पर्वेदःसम् से पर्देर् महा पर्दे सामासे प्रमामा मिराइमा गूर्द हैंव रु र्ष्येद जिर हर श शेदा वश दर हम होत ज् त हैंव दु र्ष्येद उटाह्र सु: अट ॲर्' ता तहेना हेत पति ' केश पति खुता से नाम का ८ हॅन्। र्द्धयाना केश पति । र्द्देन (२ स २ : से २ : य : २ : २ : न केश ८ हेना : देक : यश त्र्र यदे 'वेश यदे 'खुष केंद हे हेदे खुष दे वहूँ र दु केंद्र .... म ह्येद्रे सहक्षित्र प्रेर प्रेर पर हीर र लेखार हा। होना हेना होना होना मश्चरका बिका हैं न.ज.कर मी स्वराग रे कहना पर किस न तुर्-रेन्। सः प्रकान विर्-पः प्रेने : प्रकार विद्-प्रकार वि 5 तुरु सद्य प्रमा व न न स्था । च न व न से स्था । च न व न वर्ह्न् पर रम्बाय प्रेम । विकारम्बा पर्दे ने मि न गुनाहिंद वहूर्मद्रिः गुद्रः हूँ व माश्चर्यः देश हूँ . व . कुर्मश्चर्यः ८८.श्रेर.यपु.सु.स.पु.सर्च्र.चीवेश.पा.स.टु.पत्तुवेश.वेर.पा.स्मांशाया.... गुर्द्भारा प्रत्रायर म्ब्रुद्धायदे नुर्मेद्धाय प्रक्राया स्व

निस्तरम् । निस्तरम् वारास्य मिरास्य मे हरा रहनाह न्र णुकः हैं व द्वारा व स्थान व स्थान <u> इ.२च.ची.७.च</u>.७्व.क्ष.क्ष.४**२.व**ट् वि२.तर.७्व.दर.क्रे२.व.चीव..... सत्तरम्याः हत्रः द्वस्यः त्रेम्याः सरः मान्त्रः तारस्येतयः वृद्यः भेटः। न्द्राय्याक्षं वर्षायन्त्राक्षार्यन्त्रान्यात्राह्म्यान् स्त्रायम् वर्षा म्बद्धाःच स्रद्धाः नृतुःसः यसाने द्वाः ताने क्रिन्य यन सेन् यमा ह्याइवॉक्षाय क्रका वेद्यायर द्याप्तर त्या मालक रूप माया सबतःस्ट्रिस्नानीः हिन् यर ति हेन्यायः नमानः यः दशः नुः तर् । मश्चिमायात्मानुन। सर् स्थानुनासम्यन्तरात्रे छंतान्। रविशासहर सहार प्रतर पर है । विशासी । र्राट्सी विशास्त्री पर्शा रहारहार मी सर्व हैरातु। । सेरासेर स्टामी हें म्.ता. १ मार्था स्थेर स्टार पहुर चढुर हो। । भरेर स्थेर **ॕॱॱॸॕॱॱॸऀॸॱऒॸॱॸॎड़ॕॸॱ।**ऻढ़ॆॺॱॸॸॗॺॱॸॖॺॱॻॖऀॱय़ढ़ऺॸॱॸॖ॓ॸॱॴॖॶॖय़ॱॸॸॱ হু. দু. ১৯১. নম. নারীংগ্রাম নেখন প্র প্র 💛 🔝 🛍 নারীংলগ্রাম নির্ধা मश्रेषा देनाकृषाद्राद्धां केदासेदायानासुस्र साद्याद्रास्य स्व-र्-मुक्षःयामकार्टे में केर् सेर् यर नासुद्धायर वक्र्री क्र्यां द्वायां मुद्दे त्या नना त्या प्रयास्य महास्रोत् प्रदे खेराहे वे किता बेर-र्रो । १९९६ र्रे दे रूप मान्य मान्द्र मान्द्र मान्य मान्य संक्षेट पर प्रतर्भ केर र्स् विद्यानि प्रमान्य परि प्यतः क्रेंबा नेते वन्या केन न में ही वहा न न मी वन्य केन न में न नि क्षेरादान्त्रेरसेर र्। ।श्चेश्रायासायनानाशयाने स्नर्हिनासा लुब.राश.स्ट.ची.ट् च्.ज.रेश.चाकेश.तर.भु.चाबश.राष्ट्र.स्ट्रेस.ट्... र्च 'हैर'बेर'र्ने । बर्रेर ब'कु'मु'ब'र्वेट बार्य र टामी र न मीब मासी बिट ही बी परमान महिट कहा ही बी है निर्देश ही ला श्चे मी र हिर न र र मीन यह रेश मा हेश सर श ह्री र यश रेश .... म्रामु के इंस इसरायार में मेर सेरायर मित्र हेश यही । मुक्ष मक्षानावदायम् १न। यन्ना नाक्षानाक्षानाक्षान् मे सक्षेत्र केरानावनः नु लेब मा सूरा मी हैं । वें हैन होन महा हैं वें हैन होन मर रही ना मानेष:मीश्राम्पर:र्रो ।माल्य:बे:माह्य प्रदेश ह्य:य:५५:५ वेष: नर्। रेहार्डराट्राच्राक्षेराम्यारीख्याभाष्टीबानामाष्टीबानामा त्रीर. रे केर. थ. ४ चीचश . बुश . शूचीश क्रि. श. कि. श. ची. थ. थूरे. टे. चीश... वसासु सामु साम्या ना दे दे हेदालस। सु सामु सामे हेद केदा वसः ली । निर्मान लेश सुः द्वार निर्मान । हेश मासुरसः हेः मन्दर हेन हों। । यहा। हिमा सादह के हे हैद मल्द है दिया। नदामी सळव के दार दार नालक दार मुद्दा । गुर वहा के दार से दहा यान्तिवित्यमाया । भीत्य मेन्यिक्षाय वर्षेत्यमावन्ता । डेब'से' से 'रिक्' तर रें के त्यापाय में दाय देव रहेश महित्य पदे केंश हमस णु ह्ये नामेर द्वाराय वर्षा । रे. वर्षा वर्षा सारी वर्षा रामा वर्षा

सदे हो न से द न दारा दे हिन दे हा सा हे हिस न हिन होस चारी राम क्षर रेदे हैं वेर क्षे चारे राम प्राप्त के के खे का हे हैं के सेन मदी क्षापर से ही नाय देनीय पर मन्ति र्ने ।देरी र्ने बु.र्जूर.च.ब.कूर.सर चटु.श्रुशश.वर.श्रु.श्रु.च.रट.कॅर.रचाचाश. न.रेट. रुचाश.भवेष.न श्री. नश.क्रूग. श्रूष.भुर.न.श. श्री. श्री. न.प. रेवे. श्र. ब्रिटः नर न्य निर्देश होर हो। । नर सक्षेत्र हो गुर महनाहा से हो। ने<sup>•</sup>त्यादम्याध्यमाञ्ची । स्टामीञ्ची नादीमालदानसम्बद्धी। मीवर प्रचीर मी भी ना भरे ना है स्ट्रा मीन मार्ग । हेर्च स्ट्रा ม.ผู้.น.ประมาปูลาม.ฮัลาน.พนไ เนินานา.นับพั य के अध्यामुंब मुं केंब भु यवी हैं में केंद्र सेद खुन्य रहा য়ৣ৾ঀ৾য়য়৾ৼড়৾য়৻ঀৼ৾৽ঀড়৾ৼ৻ঀড়ৼ৽য়ৼ৾৽ড়৾য়৻য়য়য়৻ড়ৼ৻ৼ৾ড়৻ৼয়৻য়ৼ৽ **ॕॱਜ਼ॕॱ**ऄॖॸॱॻॖॏॺॱॺॕॖढ़ॱय़ॱॸढ़ॱढ़ड़ॿॱॿॖॿॱढ़ॺॺॱय़ॱॸॕॗढ़ॱॸॣय़ॱय़ॸॱऄॗॗ॓ॱॱॱ न सेन पर नम्न स है है निवेश पर से पर्ने पर सिनास ही । <u>ୖଽ</u>ଂ୴ୢୣ୕୕ଽ୶୕୴ୄୄୄୄୡ୶ୄୖଌ୕ୡ୕୶୴ୖ*ୖ୕୕*ୢଌ୕**୵ୖ୶**ୣଌ୕୴ୢ୕ୠୖୄଽୄୣଌଽ୕ଽୠ୷ महिंग्राय:प्रता वुंश:प्रशालेक:य:प्रलेक:कुं हें रवें रहें हैं केंद्र क्षा मृत्य दे १९५ वर्ष से मि १ मा १८ वर्ष स्टर वर्ष । वे वन <u>ଌୖୄୢୣୣୣଞ୍</u>ଞ :ସଂଶ୍ରିଞ୍ଚିଷ ଛିଶଂସଦି 'ହିଁକା'ଟୁ'ଜାଶ୍ୟ'ପଦି 'ପ୍ର'ସ'ମ୍ମ'ମ୍ବିଦ 'ହିଁକା'ଟୁ '' प्रहेन'यदे'तुःम'प्रहुन'यर'प्रहेर्न्ह्यं ।**न**्य'हे'द्रम्द्रिश'द्रम्नेष जश.च(बर.रेवट.क्री.स.च(बर.रे.च)श्रेटश.चुटा। चीर.जश.पीटः ८२ुंश.चेश्व.घशश.६८ ह्युं.श.चेल्व.टे.चीशिटश.चश.चट्रेव.तर.चीच..

यानेन्नामीन्त्रं सेकार्दे लेखा ह्यासास समासामा मनिकानु मन् मस्यान्ते वारास स्थित मार् देशाय सेना ने सु साम स्थान साम स्योग मुर्धियाशामार्याताशास्त्रा । हे लटामुदायशाहास्टरास्ट्रास दे नवित्रात् । । अदादमा साम्येव गुवाहेंना पद्ना । ह्या सर्वाह्म य है के नरा । रे नबैद नकेश शु प्रविधाय नहेंदा । हेश माशुद्धारा प्रेश हु स र्येर हो नश्च मश्वर है। प्रमुख नर्नम्बि स्टार्न्ट कुटाल स्मिशा स्मिशा है स्वार कुरा स्वार कि य वै गुर वेना मालव न्या प्राप्त प्राप्त वि माले व गुरे हुं ह्या । में सर् क्षात दे ब्राट माश्चर्य रात निवास शिहार न है। म्लक निवाम हिट महिल मुस्य कर ना हेश सु सूरा व नि षर है। है स महेश के 'देर नु नहीना महेश की साम मह री । WE. कुन सका है हर रे सारे केराया । रे यह के र्वे र्वे र्वे पर्देश हि दूर दे के दसेनाश मुराया ।दे पर्वे क गुन हूर, हेरा १९४१ में अ.स.मिट. स्. प्रु. ज. सूर्याश त भर त. प्रुर. तुःम्बदःन्यःयाम्बदःदहेवःम्केशस्त्रेनःयार्नेवःन्यःन्तःक्षुःसानेः ह ब्राट में हें वेंदर देशेनाश्चाय लेंदर दुरायट देनाय सेंदर याया मुद्रा चन्नासः सः ने 'णुकः हैं वः णुः चने कः सनः **न** से नासः स्वा लिसः सन्नो सः सनः । न्यत्रा । मुक्ता क्षा क्षा क्षेत्रकेन दुना नन्ना न्या र्षेना ता स्वीत्रायन सेन पत्रेत नुनेन सूट पत्रे क त्रा स्वासान्ता कुति ह्ये अळेर दुना नार वना में नर्ना में हे नर ह्यर वुर सेर निवर्ता

हेर इंट. वरे क बंध है पश है वैर धर्र है पश मेशिरश वर .... नन्तु कु ब्राम् न देश शिका स्टान्ने अ के अ ब्राम्य न के अ हैं राम के अ हैं राम के अ हैं राम के अ हैं राम के अ हैट.चट्र.चंद्र-भार्थशेटशःश्र्रा । व्रिची.चर्डे.श.पशःग्रीटःलीशःमी. सर्रामश्रीत्रानद्राञ्चित्राचार्याम् सप्रारंग्रे मीवरानेनरानस्य परे द्ये र्व हुँ र म व। है र्य ही र्व के र व खुया र हे हुर रश्चेनशक्ष्रयायावर्ष्वेन सुरक्ष्यान्या र्वासन्य स्थान वृद्दाहास्तरास्त्रे इस्राचानहोंन पर्वास्त्रेन होना कुराना र्नेन सेना ब.लूर.वे.स्.मू स्टाम इ.हर.मूर्असामाम्ब्रमानहासुराक्षे सम सः स्वाध सः निवः निवि निवि ह्या स्वाधः सी सन्देषः सि न्येर वेदाय वाष्परान्तु सेससार्स से दे हो से पद्देश स्वासा ही द्योर वुरासराम पर्मायरामुरायरामुद्रा । मानेशायाने। रवस स्वतः स्वा स्वा स्वा संक्षेत्र गुतः हुँनाः स्वा । नेः सः निक्रेसः में लेंदास केवा । हिंदाया हैद दे पद दे ता लेंदा । दे ता लद वै दे पर द्रा । हिंदा या स प्रेंब से हिंदा से बा । दे सा प्रश्ता क वस्र उर न १ । १ मेर न स सेर न स मेर न स मिर न स । १ ने न 53. अरे प्रभ के हों । बिश माश्चर अरे के माश पक्द रूप संश र्षेट केर की अर्थ केर नियमिक्स प्राची केर प्राची स्थान प्राची केर वा । विकासारकामार सेरायारे के रेखा ह्रियाय राज में व ह्रमा मार्भित्य के दिने रार्भित्य रे लिका स्मृत्य मेत्र स्मित्य हा क्षाचा न्वत नेशामा के हिंद हेरा सामहिषामा सुदे के सामिना महिदस

मा निर्म णूट दे हुँ न पर सुर हुँ द कुँ पट द्वारा नहुन हैं। मादा व विशाया के विदामा विष्टे ने के प्या निमाया स के का मादी गाव हैंगा हैं मालक द्वर हैं। ।मार सेर हे स यह सेर मुं है माहर हैंक लेका पका के खाका ने खे का प्रेका हूँ तायर पक्षा की । ने से न क रेते खुयानु सुमाम सुर्याय रे स्पर् या रे मार स्पेन हुमान। गुन हेना र्ष्यर हेश य दरा मिर या महास यश मिल्द र यर द्रा र्ष्य स मूच मृक्ष से ब वें लेश मह्त स मृद मामले महा के दें मिला मा मालब लिया मार्डिन ही । १३ ज्ञान मालेब मीर्डिन मार हिंद य दि मार मीबा मूं दावे द्वा दे बुद प्याप्त य दे किर वहा मीबा यहा महा मीबा महा मीबा यहा मीबा महा मीबा महा मीबा महा महित महा महित महा महित म यर. यहेब. त बे. पंग्रेज. यं पंर. जहां ला. ज. पं. प्र. हुश. वंशश. वर. रे विंदामी दु सुर रदा मलिन भो मेर हैं स्म्रम रू सेमस यारे दे खेर व्यवशं उद् तः भुर सः द्वावा यदे देव द्। अट द्वा सः स्पेदः ग्व हुंचा.लूरी डिश.चे.च.चश्चिरश.टे.२८.चढुंब.चेंश.ढुंश.चे.च.कूचे. मी झ्मा सर्वे | विश्वामश्रुद्धाः श्वे । गुन्दे में प्यंदः हेश पदे ळॅना ने ने उस मुकास हॅन्या यस ने दे स्मा स न मुद्द निस् ता ने प्यान्तान विक मीका लेका या परीयो । ने स्टूर के गून हैंना करें या द्रमा सेन मी नदा चलेन मीसा स्प्रायत्मानद मी महन केन मीसा मुवः यदी र्ष्णेर् यद्। र्षेर् दुवारे र्मा के र्षोट्स मुवास पट पर्यो १ हैंना न है सं पर र्निस पा होया द्वा पर है है र अस

ने दे दे प्रायम् । प्रायम् मार्थः विष्यः प्रायम् । विष्यः प्रायम् । इम्मित्रायायमाले व सादन्या हे प्राम्हेश में जिंद सामे हा । अप दमायासामे दाया गुद हु हिनाय महिता म्बिर रियट रूट विद मुंश मुन द केंश रास्त्र उर रूट यहित मुंश " ळॅर्'मश्रुट्ट वेशमाश्रुटश'म'र्ट दम्पाय'ळ वेश'मद्रे' सर् नु गुन में मारे खेदे माहर न नर नर ने प्रहेत पर झर यदे माहर तह्र्यं मिर्श करे.रे.हैं र न.रे.बेर.रे.ल्रं.नपु.र् .च्रं ह्रं र त.पा. **५**नोंटस ५स टॅं नेंस हूंट यर मुस्रुटस ग्री रट मी सर्द्ध के ने मी स मुन परे रा नविक भे से र से क के 'वे र विक मुख्य है 'सु सके र मु म्बिर में र्हेन के परि मिं क सर प्रेन ब्रेंट रे केर सर हैंन रक्त रहा पर ळ्ट्र.चर.लट.चत्रदेशका.विचाशायत्रे.ला.चावर.टचट.रट.ह्रॅट.टे.... २.क**र** यामान्तामा प्रेताती । क्रिंमा मही प्रकारितामा होया हीया प्रदा रे हैं र लका नाया है रे ख़र नाहे सार्य है रे में में र ख़र फो से र ताः अदः द्वाः यः अष्येदः यः गृदः हु र्वेनाः यः वैः देवः द्वः यदः ददः यदिवः मुक्ष स्पर्न करे द्वार केंद्र या केंद्र सेर् यर दिमुर के लि का दे दे संस्थित है। पर्ने दे र हैं र यं है र दे पर्ने संस्थित। । यर रमा यासाध्येदाया गुदानु हेना यात्माना हा ना ना पहेंदाया सेना या केना मार भेर म रे ब्रिंट म हेर भेर मंद्र महा ब्रिंट म हेर बेर मर बे त गुर

र्रे लिखाओं । गुन हेंना ॲन यान्य महिलायों होन हे सायसा ॲन याष्ट्रा सान्दा सेन् या कुष्म प्रदाय प्रमुदायका हुँदा कुन् सेन् क्षसा यते दि रा मुदान प्रसम्पर्या । भूत देन देन देन पर रा प्रतिन मुंश व्यर् द लेश हर्नाय के रूट मी सर्व हेर मुश मून कर्न रुसः चरः खर्ने चरः ५ र्ने द्रायदे । यस सामा स्वरसः यः हो यदः सीसः णुट'दे ख़र'मिस'स ब्रट्स (ब्रेस से वेर मुं) दे ख़र'मिस ब्रह्म स्पर्ये । क्रेट.वंब.लव.शह्रं रें। 'श्वा.क्ष.चंद्र.चंद्रे.चंद्रे.चंद्रे.चंद्रे.चंद्रे.चंद्र.चंद्र.चंद्र.चंद्र.चंद्र.चंद्र लार व देश बर ज़ेश रा चबुर रे ज़ेश में लार हर हेरे रे पि हमा.. स्रोमसायादा मालकादमा विसामु मलेकातु स्रामाया विसामा षदः गुन् हें न के**र** नु स्पेर गी रेन रम यर सेर म मेन ने के कार न શુષ્ત્રકા.વા. ષ્મદ્યતે. ત્વારુ તો. રે. ક્રિ.વા.લ ટું. ધ્યા.વા. વાઢે શા. રેનો વો. વાંદુ ન્દ્રી ર . . २न'१'चेर'य'न्समस'स्। ।वेस'सून'र्येष'९२ैस'नासुट**स**'स्।। देते क्षेत्रः माल्क द्वाराध्ये **येदः येदः ले**खः माश्चर्यः यः देः स्टूरः नुदः खःः इत्राम द्वर र्देष द्रमायर व्येद प्रदेश द्वर व्यो को मेद द्रम वैश उद णु वसस<sup>्</sup>रु'र्नेस्'रेस'रेस'र्न्न्नाय'स्रेन्नुग्नेस'नुःस'स्रेन्यर'' पर्दर्'य'यम्म य'मेर्ड्र ।म्निः य'यत्रे पकार्वे माकेश स्ट्रिं म्नुर हॅना ता नाइक रू प्येंद क रहेरे छैर से हेना बा क्षुस यदी रेना बा सेता है। इट.३२.५ ल.म३ श. इट. प्रम्वितायर गुराहेंना जिंद समादेश पश्चीतश मार् छिर र्] । इश्वाधमश उर सम्र ना हेना र् र्हेर व **५**८: में हिंद न ५८ में १ या ५८ में १ या वे महत है १ ५ त मु र मी १ व

याना सुरका है। गुन हैंना रदा हिंद हैर गुर हैंदा या से न हिंद माह्य प्रस्ति माहिक मुक्ति से केंद्र च केंद्र च विकास उद दे माद हें ना मी पर्वाचुका**र**ाकूटाकुराणु पर्वेषासानुकार्सा । वय्तराचाकुः खुक्ष न्त्री कर्दे 'वा क्षेन् का वा वा वा वा विष्ठ का कर के ना के ना ना के वा ना के वा ना के वा ना के वा ना के या प्यासा स्पेदाया के खूँदा या प्यासा स्पेदा होता यहाता या हो हो हा हा स् सर्वदःचर:धश्रःचर:**द**्वेना:नाकृदःग्रीक्ष:चन्दरःचःक्र:चृदेःक्ट्रःचः... संभित् मार्भित्र मुन्दर्भ हेर्दर्भ संभित्र मार्भित संभित्र हेर्न माल्य माक्रेश त्या प्रकर या रेव सेव वें। । व्येर या वे गाव हें मार्या सेराया बै'माकैश'सॅ 'न्ट'ऒॅर'स'बै'गुब'र्नेम'**न**ट'र्स्ट्रेट'कैर'माकैश'सव'र्खंब'''' र्षेद्रचायाद्रमुनामानेद्राद्र्यद्रह्मेद्राणुद्याम्यद्राचा सूर मुद्रादे हो नानेह्र माठैमा देव मालव दुः पर्द धर हमा विश्व हुँद वद लेश द दे दमा यश्यक्तिंगाने प्रकर्भा ने न्यामी मिल्रायर प्रकर्भा सुर्हे। र्देन सुद्ध मु तेतु पश प्रेंन सेन मार्श्व सम्बद्ध रे रेर मन् न द्या ने माकेश गु"न्तुश दे र्क्स द्रमश्राय से स्ट्रन द्रमा यदी रहा सदी ..... यम दे विष्य केर दे दे दे दे स्था स्था प्रेस हो । विष्य मा सुद्र स यात्रेदे द्वार हिं वह्व मुक्ष यय्तर हो दिश व द्वार यर रेवा याद्यामी द्यापर्रे १३८ रच सदी र्व न प्रमीयायशान्तासाया म्ब्रिक्तिः हिरादे दे महिद्यास्य स्थाये स्थायक्ती ह मब्दि गुट र्द्धार प्रेश दे नाकेश द्रिंगाकेना मु सहर पायी के वि । दे त्राहर क र्नुना नाकेद र्ट ह्ये मूँखा नर्द सबा नम्या द्वार दे स्वर्धा स्वर्ध सु यहूर वृथ्या हिंद्रणी बार त्राचार विष्यं हेर यह ह्यं क्षरा वेना नहास न्यासपुर पर निकृत होता निकास सु निकास । । हिसा णुै·मून्य यसः इसः **२मू** यः यस। देः यः न्हेनः हैं से**रः** यसः णुः। नाकुका गान्दाकुमका चार तियार चार प्रेमा । दे हिर माकुका हिंदा माद क्षेत्राचा नि ते दे के बहर दे के द किता । विश्व महार प्रहेत हरा न्वत्मीश हॅट पति हेट हेर् न्वत्र न्या दे हिंद केर् कृटा व्याद्मशास्य महिता सेन् यम स्थित सेन् यम से से प्रशामिश्चर स यदै द्व अर दे केर द स्वीय है। द्र महस्य द रह निवरा द के। गुरेश्वार्तायानेकायाध्येव। ।दे के मह्मरायाकेन ध्येवाकी। दे.रचा.व.रर.किट.चधर.पचीर। चिडिट.रट.४हूब.चयु.थश.स. यशः । म्मळन १ मेन मानव ने मिन मेन मेन मेन मेन हुँ दःयत द्वेर। । नदःयविवःसेन्यरः स्य न्यक्ता । वेसः र्मायायाय्यामीयायाया में माहेश सि हैरामर् में या हैरामीया प्रतिराही । निवेश हरा भरा हो नह न पा भेरा पर है । क्स.तर.चलेचा.त.लट.चर्डिक तर.पंचीर.जा चिट्टट.पंट्रके.मी. इसायातार्द्रमाल्यायदे सद्या भेर गुरासे वेटा मार्भेशासु ब्रूट नदे अर्द्ध के द्राण्ट हे स्ट्रूट क्रूट न न दे दे न न से दे न से दे न 

च वास्त्रवारानु प्रवासीया । सक्त १५ वस्य रूप नुराया थी । Bरायर उदारेतर रे केर सेवा । रेस गुर रे रेमा सक्दा केर स्था लेश.चडियश.सेट.ज.स्यांश.घ.भक्ष्य.चे **र**टा। चडियाश.सी.टेट. न.ज. स्माश.न.भष्ट्र्य. वेर.रे.चाशिरश.न.ष् रथश १८.वे. वेर.जे. विरायर र विश्वाया रे रमा मी मीले हरा सु स्राया विराय विराय क'वबादे मिं व केर'र्'सम्मून या मार्मिट्स वसामुटासर्वक केर मुक्ष हिट दे विक निश्च निश्च सम समित दे पर है के कि हिस है स रूट लट विवे मूट नहीं । विभायमुल लका नाम है विभवा वर्षेत्र मेर्ना । इत्र स्मारा दे सुन स्नाया । वुरा सरी नाया रे ने गुन हैं वा । १२ दें दें ने हैं है र दें हैर दिया है हैं र विकास है दिया म बै र्षे र मही मापका महिर्या मार्टर मार्टर मार्डना में । पर्टर न्नामी नम्या दुवा दियाय दे सदसा सु न्नासा दसास में सार्शा । म १ श.स.स.मा१ श। दर्गमा व ह्यूं पर्नमाश हरा माहा व न र ने हे हुन प्रमान पद हुता मा । इस यें है। सुन्हार देरे रैनाश'यदे'न्नाना'नु'य'निर्ध'र्य्द'यदे सुर द्रेयश है मुर सवस्यान्त्रम् म मि त्रान्ता दे प्यतान्ताके ति में केन्सेन्यन गुर्व पर्वम्ब र दि द्वर हुँ शामकेश स्प्र ता गुर्व पर्वम्ब ने माल्य .... इ.र्ट.र्ट.कृ.र्व.श्र.चड्डा.चड्डा.विचयाश्रा विवासाश्रा वन मी नन्न मु के पर्नाक्ष य के दिन मु हे के यह के का मी नन्न

र् मुं तर्नाश्चाय विताय मुन स्वा मुन स्वा कर्ष यन्न नर्वाशासाला है। हैशा कैशा कैशा नहीं निर्वास हैं शानर्वा हैना नर्वा है र्भेष सर्व क्षेत्र द्रा रेग्डा सर्वे द्रमाना मुद्रे मार्हे वे प्या दे स्व सर् कुर रो । परेष मिलिट सट स्र माहिट सहेर हरा मालक रे पहेंद्र य केंद्र के बद्दा पहेंद्र दे निष्टें में स्थान हें निष्ट या केंद्र के लें वर्गातह्रवं निवरं संवर्गाति । सर् से रम्टिसं दम्रोता स्था मालक द्वर हैं वे दर हिर भर दे गुर वहनाश परे. टॅ चं र र र मी अळव १ १९ मुंब मुंब या सेन यस सळव १९ टे चें कृर सर्राम् हूं शामी वर्गा सर् र नम्मर नम् स्वी स्वी स्वी स्वी स्वी स्वी न्यर लार्ट वं न्राष्ट्र यर नु यहना का या नर में सळव के ने पी का मुव'यर तहें दाकेंश णु पर्ना तहें र न नहें ता ग्रुट र र नहीं य.रेट. हुंचे यहेंश पश्र. मेंट रेश. हु. मेंर. यविट. यश. हुंट. यह . हुंट... १९-१-१ अप र्व अवर वुनाय १८ ळॅश गुः मर्ना सेर गुः प्रेर्स .... मून-र्-दनर्-य-र्-अशानमूनशानश। माल्य-रनरः लः ॐशानर्नाः मु . चर्चाश्च चर्चाश्च पर्चाश्च पर्च हैं हैं हैं में में लेश वे लेखा वे ले चे ले परेरे केंश के परमा पहेंद ना केंश के परमा सेर सहय केंर यर में विश र्शे गणुन नहना सार में सकन हिन गुस मुन मराप्रहेंबरवार्क्सणी वर्गा वहेंबर प्रवेर पर गृबरवहेंगा वर्गे सुर च त्यास्त्रम् सायायात् ने महम् सार्चे लेश हे चे न्दार दे महम् मु मु नर् लेश स्वास मुद्द पर दे मेट दे पर पर पर पर पर

ारे रहा लेना न है सुरायें 'या लेना शाया कर महा इं विवा हेराल्द्रायरादह्द्रायाञ्च त्र्र्म् सेन्स् सेन्स् स्राम्साराह्य सेन्सा र मी सहय हैर गीश र्लर पर पहेंद य ही पर्माश ही नाता है ना हुनारा स्मारा सेट रदा यह है खुल खैर य रदा में सहर हैर कुं रामुवाया दर्मिनाय दे हिर हैर कुं रहिंदा सुरा स्पेत याद मीना ब निर्मा की निर्मा कु निर्माहित होने निर्मा ही निर्मा होने निर्मा ह्य देश था मान है। परा मालद निया देश हिंदा यन नहीं ना से निर्मा य: ५८। देश: ब्रॅट'यर: मूच:यरे: ढंद:सश: र्ह्य: मुैं: यरना से द से: त्युत्र हिट हे 'ता द्रमाश द्रा पर्झे महा पर्म 'वेश ही न'द्रमा पर हो" वनुर वर्शन्निद्शावनीयायश गुनावहराष्ट्रास्टन्नु नुवायशा र्ष्ट्राय क्रिंग की निर्मा से दार्थे हरा मुता दुन निर्मे के हा सुहा स सर्वा ब्रॅट य हे लेश ब्रैन दन यह के यह रक्षेम् अयह यक र प्राचित प्रमायार्था । माञ्चमार्थः स्ट्राहिर छेर ग्री विद ख्राया प्रमाय माना न.पा. ७१ तिया भी भी ७ सूंचा ४ ट. भ क्रें मी श स्प्रे ता ४ सूंचा ४ ..... निबंद:र्यट:रट:श्रक्ष्यं.मुश्च.मीय:रा.चणीच त्ररः प्रमीरः प्रा ढ्रायद्राम्बियानुः ह्या सहवार्ये स्मेर्प्य सम्बद्धाः स्मेर् मुयःपर्यासे त्यर् रो । माल्य अट सेर् या दसे विदेशसे का श्रीदार्दे मादाद्दरमादामीश्रास्ता । हिंशाद्रस्य मादाद्दरमादायहेंद्राया। दे व दे व स्पर् क स्पेता । पदि वे के स क्रम के स के द है द

बुश्याम्बुद्धायदे सुद्दा कुर्य हो याता अदा मूचायका हो त्यका ..... स्न यर नर्ने दश न में वा मी मी मान पन्न श मी श हिंद पर हैं र मी हिंदा मी षाः भटा श्रे श्रूटा हो। श्रूटा द्वापाय है। या मा बटा यह के हा शाम न चर्णाना चार्ट क्रम सर रेना या उसा ही चेंब सेन चर्म रास्त्र हैंबा है नन्ना मा मेर वेश मेरार्नायर हेर यदे र्मेष्य यर नित्र या पर हे .... इर वर्गा देश वास्याशायने यायनायाया दे द्वार हे हुर से द तपु.ची.भष्ये चर्चे तर बीश जूने हे.या वर्चे तर वे हैं हैंट. द्धाः प्रे, चिराया प्रसार् के साह्यीया द्या यह खेर चही स्थी के स्था है । .... र्भन्य तार्दार्व अदे तम्य सद्दे निष्ठ श्रुट्य व में र् यर.यत्तर.कृटः। वृचा.यर्झ्यःपश पर्नुत्रःक्च्र.वश.पहचा.यः**रं**. <u> थ्यातर मूची ता व्यारी प्रिची त्रम चिश्वित्यात्र ही र ३४ व्या है ...</u> यश मून हेर य शेर हों। । रेरे छैर र रेरे नहीं न हों न श की हों स्माशास्त्रा भाषा द्वर हेन की सामाया तर देव स्तर माया सवर पिशा भेक णुम १३क र्चेश हो या भ भेद रहे। । भेद हे स्वर् भ स्वर्य चिट.श.पाश जिट.मोश .मीट.चयाचा .बुट.चांबेश .झें .पा.रट.ची .खुंर ..... त्र अट.मुश.४ मून.५ के. ३८ तश.५ म**न**. तपु. खेष.ज. ४८ के..... लट.लूर्.जा ट्र.चू.७८.शर.चर.झ.च.८ट.क्त.प.चूर्र.झूर्यप्त. विरायरायात्मीनायामेनायमान्तर्वे व्यक्षाम् । निर्दे सुरा न्न्रिस द्रम्रोय नी सुट स र्र दर्भ पर दे न्न य मून भर्ते सुट .....

मशियामीश्चाचपाम् । हु.च हुंचाश्चर हुँ पहूंचाश्चर ही ही श ह्रा.चिड्ट.वे.चर्चे.च.लश रे.ज.चेश.च.र्थश्रा.चुर्ट्ट्र.चर. ची.वधू.र्ट्या.स्.पा.मी.पिश भूट.हा.कं.य.रंटा वहूर्य हा.हे.य..... मलेब मुद्दे में किन नुकार बेच पर हैना पर मुक्ते। लेख माश्चरश्यानिदान्द्रशाच्यान्द्रियाच्यानेन्यान्यान्त्रस्य द्वार्याः ୬ଟ. महम्बर ଔ ଽ ଵୂଁ . ଔଷ. ଅବ. ୯ ଟ୍ରି ଅଷ. ଲି. ଅଟ. महिमाश ଅବ. ହୂଁ . . . . बेश यन से परेवश या कु सर्दर न्दर येंदर प्रतर हीं ।देदे रेंब ଵୖୄ୵୶୲ଌ୷୶୵ଢ଼୕୶୵୳ୢୖ୕ଽ୵୵୳ୡ୵ୣୖଽ୵ୣ୵୷ୄୖ୵୵୷୲୷୷ୣ୷ୢୖଽ୶୵୷୷୷ व नेते हें में केन नहना स स्पेन लेश सूरी नह नश लेश यह सह " कुराल्येब.ब्रा.ब्रिं.क्री.क्री.स्री. १९४१.क्री.स.च्याका.ब्रिंग्स.क्री. न्द्रन्**सः पदे रहें हैं** व रें निड्डन्स ग्री च रहें दिन्स पदे निड़े प्येदः य.रे.ह. केर.केट.य.केश.तश.य.शूट टेट. वर्च . चर्ची. त. भूचे. यर.... रूट:मी:माक्रा:सुमार्थ:गुै:न्वट:मीश:मुव:य:वर्लेक:नु:हूट टें। । र्श्वाम ने हे से म सूराय प्रवित ने मूराय पर कि हैं व वे र्श्वाम वार् माञ्चनारा स्य लेश से टार्नु यहनारा याया स्टामी सर्वत के दिन्ती सन् यर प्रहें प्रदे हों पर्ने नह के के ला रे में का या हम का का किंदी मर्ष्ट्रायम्त्रयानेशाम्यायाकेटाने त्रायदे त्रहेत्र स्ट्राया स्नानु र्न ही से मानेस की स किर पर्न प्रशासित पर्ने प्रति पर ब्रॅन र्ने नरमाश भेर जिट रेरे मिल ब्रॅन र र र सहर विट निरे ...

खरुद्रःनाः सः अर्द्धद्रशः चित्रः यरः तुः गुवः यहनावः यः सः क्रेंद्रेतः । द्वा न्दः के म्वन या दर्माया द्वा पदः देश वेश यर पुर्वे ই'ন্ৰীৰ'নু'প্ৰুম'প্ৰেম ভৰ'নাইৰ'স্থ প্ৰ'ন'ৰ'নাইৰ শ ছৰ'ল'''' **५५**.२ ईट. च.चबुब.२ ल्र्.चर.५३ व.लट. क्र्.ची चर्चा.३..... नहें नरे हों पर्माया । हिंद या हुना सरे पाद दे पठन यर प्रत्युर हो । त्रकेश पर या त्राकेश प्रमाना या प्रदेश प्रा हे ल. हुर. त. झट. पर्हे । १८० हुर्गे हुर प्रमुल संस माल्य रचट. ग्राय पर्माया ग्रीय होट. चर ह्यूच चरि रेमाया या सा चाशित्रा प.र्रेचाशासर वी.चषु.स्रीर वीत.श.रेत वर्षे.च.लश.रूचाश.. त.चिश्चर.चिश्चर.चिश्चरश.चृहः। हुचा.चर्त्रेश.चश्च.ग्रीहः। चिल्बर. म् । द्वर में द्वें मुक् वहमाश सदे स्वरम केर दु है हि स्वर ह्वर स दे : भै: मन्ना हैन स : भैद मन 'हैं : सर्दे : ले दा ले स : है : म : मर्ने : यदे पर ना में रूप हैं . से द हैं न । सिर नदे हैं न र्दासादेशासुर। ।रे के न्द्रमा केरान्द्रमा स्टार्टा । यर्च, पट्टेश. पचील. यश पचीय. तर. पचीर। । ७ ४ . चोशिरश. र्शें १रे.ज.क्स रेटे.चरमा.केर.रे.पमाज.चस.मावय.रेचट.गीय. वद्नाश गुरेश हुँ द व व नाव हिं भ में क्षा वर वहें दे । हैं है र ସ:ସ୍ତିଷ:ସଦ୍ଭ:ଶ:ଞ୍ଜିସ:ଲ୍ଡି:ସ୍ଡିସ:ସ:ସ୍ଟ୍ରସ:ସ:ସ୍ଟ୍ରସ:ସ:ସ୍ଟ୍ରସ:ସ୍ଟ୍ରସ:ସ मन्द्रासम्बद्धाः सम्प्रान्ताः मळन् १९८ गुरु मून न न न न न न न न मेंशःसःचल्नाःपरः ५मुरःयः देःश्वः वः यह्**दैः स्व**तः ४वः मुः ह्विः स्वदः ।

यद् ता की मुंदा यह। । विद्य यदे केंद्र यह ना हते हैं है ता हहा र्डे. हिर.च.ल.चेश.चर्. श्रेश.चर्. हैं.चर.एचीर.ड्रा रि्ब. महेन हैन र्ने में वर्ग हैन सद से दिनाय वस द्रमान यह ..... ह्यूनां श्र. की. की. हे वे पहुंचा ज चक्की. है वे नंदर नंदर ह्यू नंदर में ह प्रह्मश्रामार्श्वनश्रामार्थः स्ट्रामार्थः न्द्रश्राम् द्र <u> र्यट.मीश प्रहेश रेस्शिल ह्या राजाहा करा करा राजा है यह वा</u> न्द्राः व्यान्तरमा सद्भाष्ट्रीय द्वारी न्यान्य स्त्रा स्त्रा स.पट्टेश.तए.ट्. च्.पट्टेश.तर.पंचात.पश.पवीय.प.प.च्रेचाश.... पहना राष्ट्र हें पर्ने हेर सिश श्री क्षेत्र राष्ट्र ही राषा हिरायर गरा सेन् मदी खुँर न्या नेदी से न्यार्नेना या अयान्येश से दी न्यया मीकाने मोड़ेका ता पहिमा सदी सुँग रेवा माड़ेका रेवा माडेमा नु प्रसुरा र्रें भ्रम्बन्धास्त्रे र्नेना यदे लेन माने प्येन याने रेन नसायत्सा रदामी सळव केर केर केश मुन यर प्रहें व ब्रदा से दार प्राप्त निकास स्रोत मोबर्शान्द्रास्त्रक्ष्या ग्रीशामुवायन प्रदेश मान्द्राप्त्र प्रम् श्रीट प्रदेश विश्व मह से प्रेश मा सामा पर निमान है ही पर्दे नशास्त्र ल.रे. पर्म्यायपुर्नेयायायायायात्रद्र्या ।विष्यर रेव हर र्भेर् तायरी पर्वे विकासीट कुरा पर्वे नामा मारी है हरासा नहनामा मन् के रेन रेन में सेर मर द्युर थ। स मन्य सामित हें WE हैं 'में 'ऑर्'च'ल' के अ'दर्निका के मेट मा नर्निका पदी 'रूब'

श्र. ८ इ. मा विचारा, स्. श्रेश, राष्ट्र, स्. मी. च. प पीर, एश, राणा मी. मी माटाया यह रहें न साय है नहें से कुं खुर दे नेंदि हैं में राहा ... सक्ष मीश मीय व नरे उन्हें स चेश तर भे हैं स नर भूट में हैं ... भ्रे न स्नियाणे भ्रितार्ये स्ति स्ति स्ति । महम्यास्ति स्ति स्ति स्ति । सदी मानशान्य हिंम सदी लेव माली केवा या दे रहा मी सर्वत हैन ..... मुबाम्यायायाञ्चित्रारेरासे तमुर रे । विशाः वार्षि होयारमा श्चास्त्र गुरा ५ द्वार न महमाश स्माश द्वार प्रति । से देवा परि हिन माले क्षेत्र या ने सिटान्य यह सामलमा नवे गुन महनाक क्षेत्र सेन मुदः द्वर् स्या नुवायय र्वाना से दुषाया रे हे र र्देश से दे रना नी न दानी सळव हिर गुँध मूच या वे के दार्थ है वा यवना यवे ग्राच्नाय भेया मुस्यास से से दाया से दाया से टाद्राच ह्या प्रव्या चर्षाचलनाचार्यसम्बंग द्वेषाळ्या द्वेषाळ्याचे प्रस्था से दिया च परेपायर्रे र्ने ।र्ने श्चामकेशाणीशामा हनशासन् रेना यरे । लेक'माले' नदः यह 'प्रहॅमाश' सप्रे माक्स '**सु'** मदः सद्धक सुक् समुव'यः " मिनाशक्तिन स्रिन्य रिवा स्रिन्य स्टिना स्रिने सिन्दे स्रिन्य सामानास यदै रदासळव वे सेव वे । १३ र व नुस से र से र न न न न रेव बिटाने'न्दाकार्खेन्स्य'नाते सञ्जन्तु प्रतायार सेन्'न्नाना न्दान्देशः त्र मिश्रियातमाया से दर्मामा या सून। द्रा भेश ह्रेना यह लेत माले भेराम ने निर्देशनमासम स मानामारी ग्रामनमारा भेरामान्या

इस. वेश. हुर रस. तर वीत. त. चीहर वीट. मु. पंचाय. ली. । हुरू. क्षेत्रकीट है निद्रानिद मीश्रास्ता । विश्वार्सिम् १३ वर्षेश हो या <sup>ऴॱ</sup>ज़ॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖय़ऄऀॱऒढ़ॱॴॸॱॸ॓ॱॸॖॴॱॵ॔॔ॴॶॸॱय़**ॸ**ॱॱॸॖॕढ़ॱॿॖॸॱय़ॸॱॱ मेन यामेन है। नयेनानामा हेन हो यदि स्यासा सामि यर केश य लेश प्रतृत्य पर्दे यहा गुरु माले या यक्त या म**ले**हा ... र्वे। १८२ नन् नन् सदे दे ने निहिन्सन नु नन् यानदा सर्वन मुंश शंस र्रेश रस पर राष्ट्र यर वहूँ बेरा बेर जेश हैं ये ग्री मीड्र र्स .. र्षेत्रःयश देशः वहाः वास्त्रः सेदः यानात्तः य सवः यते हेतः दे वेदः म्चैन'दन' चुे द मुै दम्भेनाश' सर 'अट 'द्रव्द रें। । रेनाश' स' दर्द न्ना नोश द्रुष पर देना य उस ता हे सुर दहना क्रुष न। नहत दश दश सिंदुर मुँ। यर मुँ। क्रॅश दशसा सेट मी मा सूर पर्मा शायदे " नावश न्यक्ष ह्ना मी लेव यह नाले के या हे ह्व रहा यह मान य मिनायायाता हिंदा छेता कुँ से दार महिंद इते दें दूर से द देंब দরীম ব ম মইর র্ষামার্টির হুনি বিল্টি টি মি বিল্টির মহার 🔭 ह्मदायदे भेर के देना या है। हे हर ह्मद या हर में लेव अदी र्वे मेर्मारा दे देर पहुर म सारमितारा त्रारा मुद्रा है से सार्थी विष् पहुर्यान्धेशः सुर्वः मुद्राः द्वाः द्वाः त्वाः प्रति । विमाः प्रदेशः पश्ना पर्ने हेर विट क्वा शुश्रश रंगत देश तर रूपा न दश्यात. ঀहनाःसरःमर्हेदःसःनेःखःतुःनेःषोःनोःन्दःनेदःख्वःनदौःषोन्।कुः.... नहीं पारे वा की मोदी मेहारे अदा की गु हिंगाय उमार वार

थहः दना यर देना में । भी नो त्या यहे द यह दें दे । यह भी द गी यहें प्र दशर् = र मा केर र प्र अप र न मा सर हें न में शिर रे भटार वि केरार्टाष्ट्रायरार्वत्रवाकायरावरावरावर्वतार्वा दना यर हिन मि ।देवे स्ट्वीर धीर की यह द या दं सार हा नदाय है र नु नुस्रेग्रा केट न्दर पर सारी देव दे के निर्मा हिन यर द्वन्न्रा थाद्य वह्रा भीता ति वि के दि न र महरा मार्ने मी महर हेर न में रमेना मामान प्रसास है में मान चल्रिन्। अटान्न यहिन्दान्किन् र ऑटशस्य वेश याचले च दनामीकाकामाद्राद्रवाह्राचरीकित्ती क्रायर देनायादे रमा ता दस यर देना या दस १९५ - २ वहमा में । विस मासुरस सी। मात है तरी कर लेंश हमा च ता हैंश रहे मा हा तहें समा क्षेत्र वा यमा कमार्श महत् च वहा चुहा महे हिंग से दा ग्री के विदास ल. र्रेश. राष्ट्र. योबिट. ४ हूर्य. इ.मीश. राश. निमीश. राश्चेष. राश. र्रेश. इ.मी. दशायात्वहनायर हे दूर प्रवृत्ति ता हिंद मेर रे पर हे दूर यं मिडिटानार्देशमिलकान् प्रहार्देशमित्रे हेंना मही लेकानिले प्रवेशना कर सर्द्धव मुीरा **लॅर** या देन हा यहा मिनाहा व हिंदा ये विदाना वि प्येदाया ब्राट पर क् तहन ने ब्राट खुवा सारमुल पर द्याप है। ब्रदायाक रदामी सर्वक हिन गुक्ति मुकायर हृदायदे खुरारी रे मूच व र्श्व र्य रे न्दर्भूट चर्दे के य स्थाह्य म्लव रे सेर रा य मुक्ता । वि विकारिय हैंग यह बिर माने धिक य हे हैंक

द्यायर म्यायाय सेन्यायस विस्थात रे हुट वर्ते स्ट सेना रे हूटः लेल.ज.र रिंज.चर.टचेंंच.हो। डं.हैट.च व. इट. शक्य में या मुवायर हृतावदे क्षेत्राची ।दे मुवाद क्षा भेषादे हिंदावदे ัก เล้า เกา เลลส์ เปิล เส็นเก พูป เลล เลล เชล เลลี้ปลา เลื่อ เส้นเกล เลลี้บาล เลื่อ เส้นเกล เลลี้บาล เลื่อ เลื่อ यते सहत दं यर वश्चर दें लेवा देहे हुन से द ने रहा हैना मा देश केश हूं ग राष हें व साहि कि र या के बिटाया ही तहें व साहिं र चॅ 'कुँ ऱ्ला मु लेक यते 'लेक माले 'सेक या खूट' यते 'कुँ र मे। विक माले हिन माने माने का है हा विचायह रहा हेना का हुन हा राजा प्रकर रं. भु. १८ : ब्रेट. से हे सं हिता है . पे हूरे जा है ट. मा भु . पे सीया मही . बुैरार्से हिंगा मदे लेव मले हे हुटा म व मार्डेश हूट पर्द हर्में श तर् में सक्षे के देव हैं देवा याता पकर वाद हें बायर वाहे हा हिला मृं देश.त.१४.२.५४१ चंह. हुर.र्स १८५. पुरायायायद्वेदशः यासाधीत हे हेना याता ह्या प्रकरा या दवरा ह्या रहता ही दसा या ददा र् पुष्प निष्या । १६ मा चा मा मे से स्थार हिसा यह । स्थार मा मे से स्थार हिसा यह । स्थार मा मे से से स्थार हिसा यह । यस'स**र्द्ध**रस**'र्से** 'लेस'ङ्क्ष'से'नुस'रे। र्हेना'य'य'नीहेस'डूट' मङ्मामित्र सुर र्रो ।दे स्य स्थित न मिष्ठेश ह्या तुन स द्या हेना a.det.भु.रीट.तर.विश्व.वि.ट.ट्रे.स.च.री.स.च.री.स.च.री..... माकेश झट तुर्य मा से खेद यर त्या र निर्मा स्त्री माना हे हिंद में हैंना मदे लेंद नाले खेद सारे हेंना मदे र्यट ने का मलना म

द्भःल्यः ततु द्वेर ह्ना रामा मा भी है टाट क्षेत्राया है अर स्वार यार्डमाष्ट्रेन यदि श्रीमार्ग । देश नार्दे वि प्रमानु प्रमानु । यते. ग्व. यहनाश्च. ग्रीश ह्रेंट. या स्ट्रांटश म्यूच . पृ. देन्द्रिश तम्रोता तशः । मिश्चरश म ने त्यामा हार ति हैं ने हरामालन मिना मेर सेन स ब्रें भिन्द्र, दे. पन्ना ही. चीवना की. सैनना में. ही. हु. हुं में देन ने ना ना न्याया न्याया न्याया । श्री र न्याया न्याया श्री सक्याया । **३५.२८.**४श.शिष्ट त सूर्यकारा.रे.श.ध्या.ल्या.ल्य.ये.ये.ये. त्रमोल'लक'क'मासुद्धाय'वे। गृव'नह्यक'म्पट'मीक'र्ब्ह्ट'च' ल्ट्स.मीय.२.४ ह्म. यपु.श्रीयश.श्री.५.४ ची.श्री. यश.श्री ने न्ना ने सट से लिना भेट न्ट न्हरू पहें न से नुस पदे रेन सा र्भेद : अदः निः में सर्वदः हैदः गुर्मः मुनः भः सेदः हे हेना : यसः निर्मासः .... त. १ होना. चर्चे श. श्. श्. लश. रेट. नां बिचाश. चर्छे थे. ल. श्र्मीश. चर्छे ..... रैनाश्च मार्ट हैं जु सर हुव के से द वर्गेन सरी रैनाश सर्ट ..... <u>क्र्याग्र</u>ी:मानाश्चाना वटा पहूर ग्री:सक्षर हेर श्रीशाम पर स्वापी. यदै : रेमाश्राय : न्दा । सुमाश्रास्त्र स्था देश देश या ने दास् रयः महिट द्रें अदे । पर में मायदे रेमा रा देशका के दे ही ৠয়৾ॱয়ৢ<sup>\*</sup>য়ৡ৾৾৾৽ঀয়৾**৾য়৸ৼ৾৾৽ড়য়৾৸য়ৢ**ঢ়য়৾৽য়য়য়৽ঽৼ৾৽ঢ়ৢ৾য়৽ঢ়ৢ৾য়৽ঢ়ৢয়৽ঢ় २ म्यामा हेना नहां साम सम्बद्धात क्रिसा मा क्रिसा सम्बद्धा स्था सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा स

मी ग्रामा प्रामा द्वार पर्मे से प्रामा महित पर्मे स्था लक् मु • गुक् • वक्षाक्ष मिं क या मन् • यहा क्षा कर्ते = क्षेत् या मन् ना ··· मी.पीचाश.जा.कटा.कुश.मू.चूचाश.च.रे.भ.७मा.झै.रच्याश.जा हेचा. श्री-देवी.पा.श्रुच्याता.चीटा.वै.त्याचाडिट.श.शुट्याता..... दशकाणिटालियोदार्यप्रेशायन्तरीयः स्वेषार्ये प्राप्तराह्ये । १५४ स्वेर मटार् .लट.चिट्टट.इ. सर्. सर्चित्रः स. इस्यायः स्क्रिस चल्मा ... र्टः। दरे भेद दरे सेद से दि देश महिट स स्ट्रिंग सर महिट्या प हरा विन प्रति प्रति प्रति प्रति प्राया प्रति रहा की की ही प्रति सा लट. चैट. कुं. चुर. में श. खूट श. त कुथ. थू । चिट. श.रट. वृचा नक्ष श. इट गुरु अश वर्षा संग्राच पर केंस्य व टले दट स्टिश हु ...... **चेश** सः चले माशुरुषः सः दे इत्रः रेगा यदै त्वृः यः मानु दः तः देवशः ः ः चुेन दश्यायर रेमा य दश्याय दहना यहे ही नश्याय हेने हर्ष हराय .... क्सरागुदिदानिवि हिन् मिर्दे क्स हेंना ने राह्मी माहित से राह्मा न्रह्मा ने देन ने ने सम यादनिस्य द्योयायया मिश्चिष्टश्र स्तर्भे गुर्व स्वर्ग्ना श्रि स्वर्मा स्तर्भे म् स्वर्थ स्वर्भ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर ह्य . पर्चाश.सं.श्र.वश.पेश.रेग्राश.तर.हैट.। वि२.तर.रे. **२ नास स ने रचा मीस माइद रहें न ह**स मालक मिनास क्या **क्**या ..... यर रेन या दश ता तहन यदे दुवा मेश र न्य यर क्रूट अट ···· **र**मुर्ने स.क्ष.लट.थ. बेचेश तर अहार वश मुर्था क्षेत्र के क्षेत्र सारा त्य.रेस्ट्रेर.तपु.स्.व्या.वस्व.र्या । नाक्ष्य.त.वी रेस्ट्स.

दम्रोत्यः प्रका मल्दः नगरः मान्यः मुदः नद्दः मान्यः मुदः न्दः केन्दः য়ঢ়৾ঀ৾৾৽য়ৼ৾৽ঀ৾ঀ৾৽য়য়৽৾ঀ৾ঀ৾৽য়৾ঢ়য়৽য়৾য়য়ঢ়য়৽ঀয়৽য় ८ मिंद र पर र मिंद र त्या मालक र नव र त्या ग्युक यह माका ग्री का कंक है दे ह्रम् कुर सर सहर व रे रेना रुष या प्रिव हिना पर माश्चर वदाक्ष रट.रेट.वेट.शुभश.चेश्य.चेश.तश.पर्.हेर.रेट.सेंच.त. पर केर में का खार पर वार पर केर पार केर केर मा में किया पर र्या पद त्राय द्रा इस यर द्रमा या अटा मुहे मा हे सा हे राय से र त्र मिश्चर्या चीवर रेचट ग्रंब प्रचेता श्रुक्ष हेट हैं त ह्य न्यत्र य स्थाम्बद्धाः स्थाम्बद्धाः महिते दुराव्यः र मीराणुर कराणु प्रमासे र्हेमारा यासर् पर्दे रेहे रेहे रेहे 「おっちっきて、もったって、これ、から、コエ、コロイ、ロ・まれれ、「「 प्रतायाः । स्रो चेत्रवासर् पे रेवि हे सूराम्या के वा परी या चरा ลราพยาตัวสัวรยาตราสารารัสาสารยาลิน สัราระัสาสลิ इस हैं न नोश इस हैंना नी दसनाश मदे दिश में हींश मदे नावश श्चीराया में या महेत तथा प्रहेमा सु श्ची विदानेश कें त स्ट्रामालन कें वह्नेद्र-व्याप्तिर-वर-प्रमिर-ता हैंयाव-वर्ष-दर-स्प्रियासु-व्या य निविधान्त्र हेना मीश निहानि दे देव से दे ना मे श करे दे ना मा विच. चर. चेश्वरश्र्व हि. केर. व. क्र्य. चर. च. च्. च्. चेर. चिर. यर पु . यह मारा प्राप्त स्वत् के दे ग्री श माया यर प्राप्त स्वर् के श मु चर्ना पहिंद मुक्ष प्रहेना स्वेरे स न मुर पर मलेर या

मु चन्ना पहें दे मु नार बना मी चन्ना पहें दे मु ना के छेर या के अह र्यात्मार्ळ्याणु यन्नाकोन् मृन्यसायाकोन् यराविन यदी न्तुः सायाः इसका गुरा मले दार्श । दे सा के किया गु मदमा पहें न वद न दाना वना मी नदना तहें द सेंना गुट केंश गु नदना तहे द स वर्त दाना व्यामी वद्या दहें के के क्षिं प्रक्रि वश्य दिंद वि मृति अवर .... हेके. क्षेत्र क्ष्मा करे हेट हेश मासुम्स में मालुद समर ग्रा राम्य मास ฃ๊าผลสาตุราบิลาผู้กาลการัฐสมาสลาผมาณาลิราบการัฐมาบิ यद्नाःसेर्'णुः सम्रातः चुःसे र्नोसःह। माल्दः र्नारः ग्रं यद्नाराः ॻॖऀ॔॔॔॔ॹॱख़ॖॕढ़ॱय़ॱख़ॱॴढ़ॱॾॴॱॴऀॱ**य़ॸ॔**ॴॱॶ॓॔॔॓ॱॻॖऀॱॸऺॖय़ढ़ॱज़ॗॱऄॖॗख़ॱय़ॱख़ढ़ॱ**ॴ॒ढ़ॱ** लश. चर्श. लश. चश्चरश. चर्. सुर. र्रो विट. इनी. ची. चर्नी. सेन्द्रन्थायका कृत् संदर्भान्ना यन नुन्यान्दरक्त संदर्भान्या स त. १ भ.में भ.माँ त. ज.मं. त. कु. १८ ८ छेट. छिटे. भुटे. तर्थ. १४ १ ट्या मी..... लभः नदः इसः नवा नविना सरः अदः नशुद्धः श्री । सुदः र्ये । स्र र्सन्यायाम्बद्धान्याः द्वारा देशा हिल्या हिल्या विकास गुन्नन्न्राह्मा अरदार दे देश स्ट्रेंदाय क्रिंश गु नद्न सेद गु र्रेट्स मुन नर्भ खुनाश गुँध। सुर में दे जावन न्या मा न्याना मी गुर नद्रम् र गुँ र र्रेट न माट वन मी नद्रम से गुँ रेट र मुन नु वहन यदे दें वें ३५ मधुस नु दस मावन ने उस विन चेन ....

नम में मर्दे दे दें दें पूर्ण व्याम देवे में रावहर विराद च् .चे बेंटश.चप्र.चेरेल.चे.चे.चे.चे.चे.चे.चे.चे.चे.रचं.चे.रचं.चे. मुका नदी महत के दार ने ने ने के दान देन मान नदी के दार ना क्रिंग कु नन्मा सेन कु न्वद नु नुस यह सम्बन्ध हैन हें वें हैन सेन य ह्नाश मही हूर्र द के दिए व स नाशुरश यम दर्नि दश द नो स म्रीश.चे चेश प्रीय प्रधी । प्रमिश.चर क्ष्य.चर ही प्रप्र.ध्य. समिर विनाय वैश उराम बुर यहै केर नु मासुरस यहै र्ने के रेने माता हे हैं में दर हिंद यर दान दर महिराय है वाहरा मालक मी ग्रां नर्माश मीश हिंद नदी स्रानश रामश छर न न माल र नवार हैर र्ह्रोट नाबुर निशावश। हे हा साना हैश मुरा प्रवेद पर्दा खेला मुख र्केट.स.ल्ट्स.मीय.रे.चे.रेस्स.श रचीय मधेय.विश्व लेश मशिषः मार्बेर पहुँ शक्ष मक्षा है। मा सेना हेका है न है। कें का हैन ही सेना म् भूभना नीकः विश्व नु न वे गुव नहनाश स इट दश सर सहतः नदु.श्रमा मुश्न.श्रा । ह्रॅट लेश नु न हे नु ल लेश नु नदे न हे मा में भुद्रे मिल्का नु द्वा मा निका क्ष्रि लेखा नु म व क्षर श्चर, चर, चेल्। विश ल्ल्य, मीच, हैट, चिष्ट देश, वेश हू सू, कुर चिवर चिकर मुक्त मुंदा चर मुख्य साम है हिर द्राया है । षाद्वातर्म्व्यः मुद्दारायान्दान्त्वासास्य स्वासासास्य स्वासासास्य मु नर्मा सेर मु र्पेट्स मुन महद साद नेनस साद हेंद मिले म्हा या नु निर्मेश वा में के के शक्त की वादा मिल मिट या के शक्त की ....

मन्ना-नृ महार न ने त्यार मा त्यार है। रये र व जना या ता खूलः रे.चडीट.थेश.श्रेची.पंटु.श्रेची चर्निल.चश्रात.चर टर्ट्र.न.थ.राचा त. ह्रेंट चर्छर प्रबट. प्रा. रे. ह्राय. मीश ह्रेंट. ट्र. छ्रा प्रहेश र में ह्रा.... मु । वमान स्मानीश स्ट्रांस स्ट्रांस मुद्रान हर महिरान हर क्ष दे वमान न्माञ्चल न्वामलकानु व्यन् प्रशास्त्र दे लियान हिन्नु से उटा न ..... प्रतिष्युं । विश्वामी प्रतिष्य प्रतास्य प्रवास्य प्रवास्य प्रतास्य प्रतास्य प्रतास्य प्रतास्य प्रतास्य प्रतास्य **भुर.**रट.रु.चलचे**श**.चटु.चंडट.च.रट.। रैश.र्ज कुँरु.क.चे**स**. श्रेन् मदे के साम भ्रेन् हेना स न ने प्रश्नन मदे कु न मुँ के सा ल्र-पन पहुर्गना के वीय भवश हिं चर्मिन प्राप्त वश परेवाश... माद्मश दे. मूनासवर ह्य न ने ने मार्मि व मार्भन में श्रेसश उद् म्बिन स्य सेन दीं निस्य के ने रहे से बिना सेन पद सें दि या नहा के लट. हुंचा. श्र. भुटे. ता. येश हुश. श्री खेचाश. तपु हो थे. श्रीश. मी. तर्मा..... पहर्षाता है। सार में मार्के मा चीर.ज.चरेचा.रे.चडिर.चधु.चोबु.रु.हु.केर.चडिर.च.केर.ची.चरेचा... मुश. हॅट. ट्र. लेश. प्रकेश. रेम्सिश. प्रेट.। म्येच. श्रवश. प्रेयेश. या दर्माना या प्या प्रति प्यता यमा पृ किश प्रमाश शि केर.विश्वाचार्ष्रभ्याक्ष्यात्र्यान्य नाम्भ्यशा ग्रीशाचीराचार्याः वश्रामा ता स्मारा पर प्रमान प्रमान समास पर हो । । । । वदःमी न्देश में मालक न्वद दर्रे उस ता नन्मा नु दहें वारा रे ... कृर्-बूट-म्बर-म्बर-व्य-बूट-म मन्द्र-स-न्यन्न्य गुः स्ट्र

मुवास दें वि केरानावन माकेश र्वामावन नु र्यो है सूमा नु महारा दशः विष्याचा क्रीदायशार्भिदशः मुच दि वि वि विदेशान्ति माहिता महितानि मालक न प्रिन प्रशास्त्र दे ते वा पर्मा सेन मान्य वा प्रयेवका प मा भाषा में के किया पर्मा भिर्मा पर पर दिन पा भरा भाषा भी भिर्मा यर प्रहें वृत्य हु तु र्वे माल्व हेमा र्थेर यर प्रहें व या से ब हो। रट.ची.श्रंश्रश्ना.द्वेदे.लील.रेट थेट.ची.लीज.११५.टे.श्..श्..मेटश..... कराराञ्चर मान है हर जूराम रे मल्नाराम्यान सर तहें न समारे हैं मानेन सूर लिया लिया हन ने किंदान हु माबिट ए हून हन मालेन ..... नु स मुन देश हें त'ती महिट दहें त'निवत ने में स से दे ते विश मुद्दान्य वा विद्दान्य क्षेत्र वचा त. ब्रैल. मुक्त. हुं ट. च. छेर. लुब. तर. चोशिटश. हे। क्रश. चर्चा. मीश हिंद द्वामान्तर अदारे हुर हो। ।देश र पहिमा हेत र पदे नर ह्यूर मब्रूर य.ज. मुद्द नुव ह्यूर महिंद लेश य क्र अंद नर मोट.ज.चरमा.२.चडाट.चळु.चोखु.चोखेब.रचट.टु.हु.क्रेर.चडेट.च.केर. मु गुर पहनास मु परना निश हिंद य लिंदश मु व लेद पर्दे हिंद .... हिला ने तर्त हिंद केन वर्षे स्थान वर्ष पहें ने में न हेर सर दम् नाम्भव मी समार ने पर्या मिल्य मि वर्स्स्य व वे वन्ना पहेरे ता हे अदा से नार्वे ही । नार्वे पहें सम कुश्यम् ना व र्नेनाया साहित् छेता झा है तरा नहेत् छ ते व है है है है

य है. गीब. यहंबाहा. ग्री होता. रेटा। वाडिटाय. बाडिवाहा. ग्री ही अप्रेट. लाने तह न सर् तम्मा हैर ने सेमा नु द्वार न के इस न न मार ने श्रमाप्ता श्राप्त्रम् श्रीत्म श्रीत्म श्रीत्म श्रीत्म स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् नसानहिंद् दु सेद् सेटा सेना नी नहा पहेंद दू से सेंद्र सूट यर मुर य राष्ट्र स हे सहसामालमा के के रर रेम मेरा रेम .... यदै र्ष्यद्श मुन वे र्ह्य के न की सेन मुन दिन प्राप्त सेन में र्ह्य कृरारे प्रयम्थायर स्थानक्षाम्बनामी शासेना स्परी रेवा सहित् सहित बुरान्यान्य तहें ना देश मा है से द्वारा मा निष्या है। में भ हैन नालन नाहे अ गुरेस सहस नालना मी खुल ने खूट लेख है है ..... माकेश हित हा साह भी राजह ना सार हिता साह है। इस निर्माश स्थित साह र भैर से | दिल्हर अद दे केंद्र स्वरा दे ता वहूर सर मुन **र्**ट'वर्हेर्'यरे'इस यर'वहट'यरे'स्रेन्'छेश'तु'यरे र्टेश'र्चे 'हे''' गुन महनका यदी सेना सेन नि । दे हैर महर महर महर दे सदी यन्न १९८५ न्न वर्षाया सेना मी दसायर से से र हूट या वे दर्भायर । मन्नास मदी सेना में । ने केन महेंन मन मु न न महिन मदी इसाय न्याव्यावियावहर् नु सेन्याब्यानान्यान्यावक्यायात् मुन्या इट'व्रथा'हे के 'के 'रदामीश रेग पार्केटका कुम्मुव पर्वे दि 'वे 'हेर्" बैं केंब हैर ग्रीसेन हे स हवीं । लेब रहा। परे सुर हिंर रेंब इसाम प्येदाया में दार में साम के के प्याप्त के प्याप्त के प्याप्त के प्राप्त र्थे के इत नक द्व नक वर के ने के र कु गूक हैं कर र पर न

जेश यन जेश जेन । हेश प्यन् श पदे अक्ष न विन ने दें र मानेश इंट. मेर्-या या प्रत्राप्त ये प्रते हो । देश व रो माले दे स् य क्र मी परमा सेर मी र्राट्य मीय मिर्य प्रतियश पर देवा राष्ट्र दिया भेद.ब्रि । नेब्रें, पह्सका पक्ष प्रमाश पत्र भेश निवन मी हें व चेत्र या दंशाया दें द्र द्रशायर चेत्र वा लेशाय मृत्र गुट शहरा मृत्न मा मीका ने मिं क हिन हेंनाका यन तर्ने पा मक्षक उन गुटा नटा मी खुया। डव'नी र्ट 'व'धूया **फॅर**'यर पर्नेर'या मिं 'व' भैव'यश नेव'न्यायर " व्यत् सेन हेन पर देन दमायन व्यत् याने मा ता केन विन मान्त से तर्नि य ने में दिया हैन में दिया हैन नद ने न में मान में दिया ৡ৾৾ৢৢ৾৾৾ঀৼঢ়৻৸ঀ৾৾য়৻য়৻ঀ৾য়৻৻য়ৣ৾ৼ৻৸৻ৡ৾ৼ৻ড়ৣ৾৽৻ড়৸৻৸৻য়৻৸৻৻ড়৻৸৻ড়৻৻৸৻ড়৻৻ঢ়৻ড়৻৸৻ড়৻৻ড়৻৸৻ড়৻৻ रश्चनशामुशासुं नदे रनाना यार् सामह्र धरा लेखाने सम्बादसा ८ हैन|अ:बंश:अ:ब्रेंश:श्र्री ।श्रुअ:ग्रुं।अर्दे :क्रेंदे :प्रश्री मीडिन|अ: यश. इथ. भट्टिय. मी. पर. रु. रु. ता. चीश्रिय. चीश्रिय. मी. इस. चील्चा. चीश्रः... दश ब्रुट्:म्बि:दश:म5२**:५**ममा:चु:ग्वुद:म५२:ग्वैश:ब्रुट:म:ळॅश:ब्रे५.... र्ष्यत्रः <u>म</u>्राचः तृः च २१ दारु । द्रसः च ५२ र कु । स्रो मा म्राह्यः च ५२ र कु । स्रो मा म्राह्यः च र्ष्ट्र व है क्रि है न न वित्र दर्बेश यह सुन। अहम माल्मा मी <u>र्रेश हासामाकृषाणी बासी साम्बेटाया सर्हे दे र्हेश दु तकदायाप्पटा</u> लेर.चरभु.श्रेट.ट्र.। जिर्द्र.जश.३४.ह्रश.ग्री.श्रेश.वी.क्रेश.त्र. द्रा द्रा क्या. र्ड्ना नक्तर हैं २ मोल र नि २ सरहा या नहीत र के हो देश २ मोल र र ने

न अर्दे हिरा। मालन देवर पर अर्द्श मुदा मानेश मा अने हिमास नुर्द्धेन यदै । देनाश यश नुसुन यहाँ नुभाग यह । सुरेना माकेब मुक्का खुरा मुै। सर्वे दे दर्मादस यदे द्वे दर्मोदस दम्ये स्वीय मुक्का " न्यत्राच नविष र विष्रार्मे वायर देश न्यार स्वाया स्वाय्यत्र ম'ব্দ'বপ্র'ৠঅ'য়ৢয়'পৢয়'ঀৢয়'য়য়ৢয়'য়য়৾য়য়ৢয়'য়য়ৢয় मुकासहरायास्तरता ह्रिम्मु ले मोह्रिया इसवायका दे हिर के वका सहर पर मूनका या सूर प्रेक की । नक्षस य की नहेंका र्य दे दे वि त केर हिंदा द्वें का मुं क हेर कु का न मूय नदे हुया हे ..... क्र-विश्वा यदै महुः दहें महुं अम्बुर्य महुर्य य द्वा दें दें दें दें दें ते मुल्य यदे दें ने माले के के भी चा महा रहा में का चूर मोहा महा है मा म्रेशस्य मुन्यस्य म्राह्मस्य । विश्वास्य सान्द्राः निर्मेशसः लटारे केर लखा महिनाय खेंनाय है। यह र लेर पर दी । रेया प्रमान के से विकास के प्रमान के प्रमास के प्रम के प्रमास के प्रम के प्रमास के प्रम के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के महैं श. ट्रे. पर्वेट. पर्व. शुरुष २. २४, पर्वेष । विष्य. मिश्चर सासेर. र्मुर.ट्री द्यु. १८.च..भु.सक्टेर.जश.चविष्य.के.च.श्चारा ग्री. रस नुसार वृद्धातर नहेत्र य दारे न्ता तसासा सामार्मे नहा तर है। व व्या त्य र्श्वेन्थ य सेन् यर र्हेन्थ य परे र्द्व दुर्वे । अहार विकृत य त नार्बर छेर वे छै रूप दर्मन पदे रेनाय पद्माय स्था हो।

द्रमधायादि वि 'द्राप्तिर'यर 'द्राचन्नीधायये 'गुवायन्नीधावे केंस" ঀৣ৾৾৽ঀয়য়**৾৽**৴ৼড়ৣ৾৽য়ড়ৢ৾ঽ **৸**ঀ৾৽য়য়৾ৼৢ৾৽ঢ়ৼ৽ৼৼ৽ঀ৾৽৽৽৽ सद्भरकेर मुक्ताम् नास्य मास्य स्थान स् মহাব বুষ 'মহা 'বুৰ দূ ' ক্ৰুষ মামহা ইছা হ্ৰমহাত্তৰ ই 'ই 'ই 'ই' "" ऄ५**ॱ**यर नासुदसॱयॱदॅ ॱवॅ ॱकृैन्ॱसेन्'यःमासुसःयः**५**निदसःदसः चिश्चरः सर स्वर दुर। इचा पर्सेश लश पुर रे क्रिश साथ स सेन् छेस महादस्य प्रसंस उन् ग्रीस ग्राहमास न्दरक्षा सामा विष्य यायले शार्ष्य मीयायक्षेत्र यरामशिष्यायह अर्थ के लीका.... ਜ਼ৢ<del>ৢ৾৽য়ঽ৾ৼ৽ৼৣ৻৽ঀয়</del>৽ঀঢ়৾ৼ৽য়৾৾৾৽ঀৡ৾৾৽৽য়৽ঽৢ৻ৼ৾৾৻ৼৢ৾৽ঀঀৢৼৢঀ৽ড়৻৽৽৽ दे:कृद:दट:दे:दट:सबुद य दसरा य बढ़ेद हों । दस्याय.पद:देनासा चर प्यट खुक कु कर्रे किकार वि केर केर केर के कि कि कि कि कि याञ्चा है प्रवेद प्रायम् व विष्य प्रायम् विषय । प्रायम् विषय प्रायम् यादी द्वासाय स्मित्राया दे प्रस्ता उदा देशायते द्वासा स्प्राय राजा पर्वटाया बुंशानाश्चरशास्त्रास्त्रामी, सर्ने प्रियराज्या नाहेशा यर पर्वेर हों । १८ रे रहा हैं नु प्रकर खुवा के प्रमिर में रहा **ସ୍. ଜ୍ୟା ଧ୍ରଞ୍ଜ : ଧ୍ୟୁ ଅନ୍ଥମ୍ୟ : ଅଟି : ୬୯୬ : ୬୯୬ :** ଜ୍ୟୁ : ଜିଲ୍ଲ : ୬୯୬ : ୬୯୯ नेव.रे.भु.पर.कु। पर्.केर.भूम.मु.क्भा.मुक्भा.कुर.कु. यना.क्ष्माश.खेश.चे.प.२८.मी.श.<u>त्</u>र्य.श्रीष.त.मोट.जश.चैट.चट्ट.....

अ**.**च्र्ये.रटाङैट.च.ज.चे.ट्रापेश.कु.च.रट चडिचोश.ผู้.अकुरे.... য়৾৾ঀৢ৾৽য়ৼ৽ঀয়ৣ৽য়৽য়ঀ৾৽ঀঀৗ৾ঢ়য়৽য়ঀ৾৽ঀ৾ঀ৽ঀ৾৽ঀ৾ঀ৽ঀ৽ৼয়ঀ৽য়ৢ৾৽য়ৼ৾৽ঀ৾৽৽ **५**नानी नहें र नुदे र दे र ने के दि स्था मार सर में र सं र दे र **३९ से २ च २** म् शुद्धाय में हैं चे '३२ से २ हिया मा शुस है ' खुस' ..... म्री सर् दे र्ने र्ने प्रतकर पर से से रापा से रेने पर है से मेरे से से से प्र **ॲंद**ॱयॱवेना'न्सद'मुं'सर्दे दे देंदर्'नु दह्दा वादि ये केदासेदा हंय'' बाक्षेप्तर देव दबायर दें के खो केरातु वर्षेर पर खुबा मुं सर्देवे र्देव प्येव पर से पकर पदे खेर हो ।देश व परे रन मीक्ष'क' खें 'नर' केंब' इबका **ढर**' रेंब '**र**क' चर दें ' वें 'केर' केर चर ''' पळर्'य'खुस'त्ते'सर् दे'र्दे श्रेष भटारे'त्टार्दे सेव'लेशासे''''' पर्मोषानी'ने'पर्'याने'ल्ल है'यवैव'यर'म्बिट नु'क्षे'ड्टायरे'स्ट्रेर..... र्ने दे दशक्ष विना मुस्य देश कुँ न नु दा है के र्ने व निन निर्मेश यदे .... र्झे वस इट र्ने पुन कर र्ने । १२ कर समस के गुन वहनास ग्रे र्द्धशः इसशः २८ मी सद्धतः १९८ मी शः सामायः यशः द्वारमः द्वारमः दि ..... র্ব 'মুই'ন'ইন। নাৰ্ধ'ইনং-মু-ছ্রাইমধাইমান ইনা নাই : **५** अम्बायते द्वाप्त देन स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत सेन्य न्द ऑदंश मूच मुंच मुंच हें हिस इंद न्स च अद सेद या ळॅब इसस गु पर्नामी दे वें र सेर पश रेंब रस पर दें वें किर सेन्निं लेशने हर दम्रेय मर्दे । निर्दे हैं र ह्ये हैं नलेन परे 

नान्यावराक्षातर्नायकानेते केरानु मन्यावादे देश र्देष र्नोट्स तम्रे यामीसानम्यानामलेष र र्नेन्सानामानलेर """ यश्च द्रिस् भें 'सु स्मान हैं श गु द्रिम्स स दे मुद्रम प्रव हा । चुर.२.चेश त.ज.स्र.वीट सिह पर्वथ.तर.चडट.वश.सर् रेटु... र्दि क्षे है वहेन यदे र्दे धेन ने लेश क्षु व नम्मा नश क्षे है विन यदै दें से अपने सर्वे से दें जिंद य दे द्वींदर द वी स की राम माश्रमायर प्रकर प्रशारे व देश र्वे रहा सुशासी व र्वेश र्वे है'न|अस नर'अ'सुं'लैद ह्युं'हे'नलैंद नर'न|हदादुं'से'दुदानरा'''' इस्ट्रिक्षा बेरासी । ब्रुट्टी यहेकायायाम्बर्टी के ब्रुट्टी यहेका মন বল্লব মহাৰ পূৰ্ব শৃষ্থ ৰাখান চানী মহাৰ পূৰ্ শূৰা মানুবা यर प्रहें प्रते सुर परेवश सु हर महिरस प रे हेर र्रे สมานครามิแลานสาตะท คิมานนาติ เลา เลื่อง यासमा हिमायममा उर् के दि के निकास पालेम निकास के से नुः तः र्श्वन् रायः पर्दे त्यदः सदः दुः चहुद य। सदः दे १ है द सदः ୳୰**ୄ୷୷**ୢଌୖ<mark>ୄ୷ୢୡ୶ୢ୶୶୶୵</mark>୳୳ୢଌୢୖ୶ୢୠଽ୕୳୕୷୷୵ୡୢ୕୶୷ଽ୕୷ୖୣଽ୕୷୷ ् य.२८.। ७ श. त. ४४. हो च. त. राष्ट्र ४४. प्र. प्रचायाः पार्श्वम् सायाः परः वर्षे । त्रे सायाः स्टार्ट । वर्षा नाता है । हैं न हैं न से द स स स्वाह । यह के न द स स हैं है । यह द मिं वदी द्वाप्येव व दी श्रम् का उद्दर् दर दमाया नर दम्बर है। 

वरावन्तरार् लेशारे स्राह्माय के हताय स के की बादे खुराबुदा वरानु वादे है लेगा ब्राम्य न्या के लेगा ब्राम्य रोस्या ने स्वाप्तरात केना ने हमसा के सु है। चल्वे सी ने हें ना देश यर महिट यर से नुहों । वि व ने वे वे व मिंद्रा य ठव वे । <u>ब्रेश्वार्ट के किरामेरायायार्थेन</u>शायाञ्चाहीत्वेत्रायायेतातात्वा प्रमाया क्षेत्र क्षेत्र वि मानाया दुया के हि वि के ह से दा कर कर हैं हि है र्येच सर पर्दर सक स्थित सामक्षेत्र सर विष्ट्रेक्ष सम्रोहर है । है । दहारा र्वेन पर्नेन गुँ पर्नेन पान्ता हुन प्रशासित्य हुन हेन ही सिन श्च. प्रचीर. चर्. मी. रचंश. श्व. श्व. हा. हुं मां वृ. श्वर. मां वेश र्टरर... भै-इटालेशनवेरार्ग । खुनानी भर्दे हिशार्वार्गनवेराया इसशामुद ने पदा दहेगा हे व मु च क्षर न प्रेत मी र्वे रहा सर देश हो । विश्व विष्ट देश दिन विश्व विश्व किया है । मिशुद्र मा सूर पर्दे हैं हैं हैं हैं हो से सेर दस ह हुर दे सेर ロエ·和·凡ぞう·四·おぞ·すか·え·え·四·田·豊二·四:豊·田·豊二·島西····· यस र्नेन नमायर मेराया स्वाही यह नेन पर पर्ने न कु प्रमुख स्वीया बै दिम वेश पर दें भेर है। विम स दम पर्म माम माम माम न्सःसरःबस्तर•ढन्ःस**ःमु**तःसःसुरःस्नेतसःसुःचसन्।स्टःसम्माःः तर् हीर हा । र्षे रश्चारातान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान रमणुँ द्रादेश प्रेचेर्य है ह्या है मलेंद्र साम देश महिंद्र सा र्षेर् सेर् त्य वुन त्य देर ने वेर् त्य तस्त याता है। रेन र्स

सर लूरे र जुनाश रूर प्रमूच जुंश कुट रे किर विवेश राष्ट्र रहेश. त् .ज.मै.पर्वश्चरत्र पश्चर मूंज स्वाधा स्वर स्वर मीय .तर पहूर्य .... म्याश स्र प्रेश व त्यव होयश स्र्। । रे.के. श्रुव तर श्रु मीद्रः श्चे न द्वर स्वाम्य व र्र्वर रस पदि श्चे नर र्स्ट वर्ष वर्ष विषय वेष .... พูลาลู๊าสราล๊มลาสริ ๔ฺราลู๊าสลาทุรา๕๎สารุาริ รฑายผล...... उन् दर्र हों विश ह्व परा है महिंद्र स हैं से नुरा परा है स बर्चेर क्षेत्र याया इसका क्षेत्राच म्यायते खुया वरे वा यहेन न ...... सहूश श्री ।रेट र्यु.र.एमी म.पी चेश पा श्री भट ते .ल्रेर कीट. क्य'वर्द्धेन यायशक्तिन व्यामित्र व्यामित्र व्यामित्र व्यामित्र व्यामित्र व्यामित्र व्यामित्र व्यामित्र व्यामित्र सिनाशक्रेड्रे. म्. च. केर क्षेत्र सर ह्या दे र क्षेत्र के विश्व के विश्व के सरा हुँ शाली । रिम्रें रशाय में भाषश प्रमिरा से राम मासुसा मशिद्यात कुर्यात्र मी पर् हिनशार्ट हुँ क् नर् सी कुर है है माया ता स्मिन्य प्रसादिन पासेन में पहेंन पुरे देश न्या प्रेन में ने प्यमायन्य सेनायये र्वेतायन्त्राय यये वसायरी नवमान् वुसाय । है। र्ट सूर में रें १ होर नाट बना मी वर्ना भरे निश्चर श्रेट. सुद में 'स सेनास पर हैं हैंस कुद नहेना स नहें नास पर नहें ना यर मुवासामाना हैरावरेदायर छर्।यासरार् मासुरकायदेः मूर नहिना में ।दे बस इस रहे स सहर पर सुर सेना ह है। क्रिंश व्हारा उर्देश पर मुन य निम्ना सदी क्रिंस मार्डे म में दे दशरी भार्ते व किन्दर्य रामी मह्य के कि मुंश मानुन हैरा

माल्म मान्नेश रारामी सक्न नेर गीश माना रामे हुन ही हिंदि । भूर महिना वृदायस देवे द्वार दु सह दार हो। ह्वें त द्वार दे दा यशःन्वतः नृः वृतः यदै । अर्रे । वृष्णवतः इसशः प्रदेते । तृ देशः नृशुद् मके नालेर केंट र्व मेर र् । विर क्रिं सव द्या सहा सर् मार दमा मी देव हु है पले ब प्रेंग प्रेंग पर है के देश प्रेंग दें में विदें। र्दे ने या के दें न न है का या खेंद्राया सा धे का हे 'व दे के दें का या सा मिं दर्भे 'लेख' नु 'नदा द देश' मदे 'र्दे ही । माद मीश र्दे देश' लेक्सर दे हैर दूर दे लका मलक सद्दान हैं का मका मुदादी <u> बेसाम्पर्देश</u> रूटार्से हे स्वरम् वेन् स्टर्नेट्स द्रमेलः र्सिम्सातात् **र्ह**रा रे रे रमा मीस टिंग्से हैं है र स्मेर सेर मासवा नर ..... केंद्र क्षित्र र महामहा म्या । माहेश या है मन्द्र हिंदा स्माहा त्यायर्द्दर दे परे त्यकार्द वि केर स्पेर सेर नर्ने देश प्रमेश परे है न र द्ये प सेर प ता प्रश्नम् स्या । नाश्चमा प है है वि वा स्यान स स पर्ने दे पर्ने दे द्वारा बुका गुरे विदुर ह्या है पर बेर मी दें कर न लेन सहै सेन डे लेन सें र न दूर दें नी न मन या पर या दूर द्रम्टिश्च द्रम्रोत्र मुहेश णुट दर्दे दे द्र द्र द्रम्रोत्र नश क्षुक्ष द् ..... বল্লারা বিদ্ধান্ত্রমর ভির্মানী দেও স্থান্তর নার্ব ग्रैशःश् ।देदुःस्रावःविषयः विषाणुः येद्ययः सक्षवः १ दः नास्ययः इस्राधर मल्या य न्दान् विद्यार मोला मी साम भन्न साम हैसा दें साम महिमानु महोन हो ।दे महेस द्व महिमान दे सुर प्रदि गुट

रचुनानाकेर मुका स्रका मुका मर्दे स्वर दे चि केर मेर मा स्वर हा । मश्चिम् यान्निह्र त्मेयाया स्मिशासर् हो माल्य की दूर र्व र् द्भेष्, ७ चोषा. घ. घर्षेष. मी. टिशश. बेश. मी. भुषिश. घ. चश्चीयश. चश्चा..... भु अहे द गी दर्मा स्था से द द्वी । यद मि हे स य द से र स्ट्रिं स स र्देशन्माचरार्टे में किनामेन लावा क्षुनानु स्पेन या खुमा ही मर्दे दे ... न्निंद्रशायवे र्वे न्यापन् न्या के दिया वा द्वार में ना था खूर विवाद ..... बुट रिवेर.चोबु.लट. चुबे.र्.ट.चेचटश कु.ड्री.रिवे.श.सट्र.श्चेनशःश्च.... चर्चेट.तर.चेर्<u>र</u> ।चेड्रेश.च.चॅ्र.चूंश.भुः≅रे.चश.चर्नेथे.च.ज. यहेन नश इट देश व हो र यदे खुँ माश्राया मानेश सर्हे नश है द्र-'म्रुप्स य'न्म्ने' प्राप्ता देते देन हे द्र- म्यूम पर्ते । र्ट. त्र. थे। अमोर्थ. में स्त्रीय . भारता स्त्रा . श्री स्तर . स्त्रा स्त्रीय . स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् यदे सर् दे मिटबार्ट्स शुः श्रुं शावशाद्र हो या से दे गुहा । सर् है र्देश मन्दरम् द्वा संस्कृत है र्देश मुक्त मन्दर मार्स्टर ही ने.लट.कू.च.चशल.रट.पेश.रच झॅ्ब.शट्य.पंग्रेल.चनर.रट..रवे... भ.र्नेट.च.र्थाश.श्री भू.र्ग्याश.भू.वर.तश.चर्रेर.त.चिटश.श्री.भह्रे... वसारे मलेब रू र्राट्र देस प्रहेंना यर मासुरसायस प्रहेर सर्हे रे ... मिटका खु : हेर्स । सर्चे : हेर्स : स्था : स्या : स्था : स्या : स्था : स मी अर् हो के नार दर नवे दें मी अर् हो के नार ले ना अर्

ह्रे.चट.रच.पीय.ह्य.चीय.त.चहर.त.रं.रच.हु.रट.चह.ह्य.बुरा. चित्रं भिन्ने को नाम नन्त्र नाम नहा नाम नहा नामे नाम हैं देश मदी दें लेश मुद्रा । मद्री से नार दना सेन दर भी नी क्षार्ळिन्यायायम्ब यादेप्तादे द्रायमे द्रि लेखामुर्वे । यहे ह्ये माट द्रमा वय ह्ये व्यक्ष प्रमाय व ह्या हा यह प्रमाय व व व्यक्ष .... या दे द्वा के देश धरी दें के लेश मुद्दी सर् हो माद द्वा मद्वा **१**८: श्रेस्र अत्रहार होंना १८: नार्स १०: १८ श्रेस १०: १८: नार ३ ना १८: । 4,5,44. 8,41. 4,5.3 2c.3,5.4. 4, 2, 2, 4, 4, 5, ... र्द्धन्य गुर्वाच प्रदेश स्तर । तुर्वाच प्रवेश स्तर स्वाय द्वा स्तर स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स वर नम्द्र यारे राम दे द्रापर र्रे विश विश विश । न्ना-**न**हें अर्थे : केंद्राय केंद्र न्द्राय केंद्र अर केंद्र या नेद्राया केंद्र ..... น**. ๔** ะ. พ. ะ. ช. ะ. ช न्दः । अस्र अस्त सेन् यान्दः श्रुमा सेन् यान्दः मादः ना सेन् या इटा**यद्वा**र्से 'सेर्'याद्वस्य पर चर पदि ह्वी 'सूर्वायादे द्वा'वे देश' यते देंब लेब न हो। पर वे देश यदे देंब में बर्दे हो ता हेंब मु दिरम्बर द्रम्भु सर् स्थाय मे हुँ ना **ले**श मुद्रा । विश्व मासुरस **राष्ट्रे वार्टा में मिक्रिया मुक्रिया मिक्रिया मिक्रिय मिक्रिया मिक्रिया मिक्रिया मिक्रिय मिक्रिय मिक्रिय मिक्रिय मिक्** देश'शु'सहरेडे..पहर.वेड से . बंश रेट हेश के .चर्च । वर .च. मार्रेश गुरिश है ग्त्र हैं न हिंद पार्द के के न के दिन न हूं के न हा पर्दा र्ने द्वार्के नाम क्रिं पार्ट रें देश क्रिं पार्ट के दें नाम राम्य प्रते ....

र्देर.श्रेंश.च.४भ.चर.चठ**र**.चठु.च्....... ने वहूंना क्या लूना शाया भारती । हा वह लेगा नहर प्राया गाय हूँ न निर्मु ने मान महें ने समा में निर्मु निर्मु ने सुनिष्ठ के चार्या मार्केश मुक्त हो। यनमा न्या सेस शास्त्र संग्रह रे पा सुर नध्राया दे गार्रा हैं या ध्रें या थे। दे प्या दे जिस है ना ख्रेंदाया ผืง ๆ วิราน นั้งราคาผู้สางสาราราราริรานน รูโลงนั้ र्लर्-पर-र्ख्र्र-च-व्रमश-उर्-पा-वृद्। ।र्द्श-च् द्रमश-र्ब्र-प-୬<u>ୖ</u>୳ଽ୷ୖୄୠ୕୰୷**ୠ୕ୣ୵**୰ୖଈ୕୕୕୕୕୷୕ୡୄ୕ୠ୕୷୷୷୷ୡୄ୷ୠୣ୕ୄ୵୷୷ यर 'य. १९ दा 'ये दे त्या के सका उदासे दा राजी ना हा सुद्रा राजी ना हा । बन'रट'वलेक'सेर'यर'वयर'य'से। र्इक'खन्स'रे'स्र'र्ह्क य के देव रस हे व पर्यो । १८ दे सामके स प्रमुद्द पर मानद गी स म्रामा का का का निवास मित्र का निवास मित्र का का निवास मित्र का नि नुन्राह्म । पर्ने प्या क्रिं क्षा क्षा ना विक विना विन ना विक विन विक क्षा का विक विन विक क्षा का विक क्षा का व ુલા <sup>કુ</sup>.ત.મુંડ.ત.શ્રું..જો.વબેટ.તા. શુર્યાની. સર્ટે. ફેટ.જાશ.ચર્જીદજ્ઞ… यान्त्ररासुदार्या त्यार्श्वेनाश्चायते प्रदेशार्य प्रदानादा त्रमा हिन्ना हिन्ना हिन्ना यहार करा दे द्वा यदेक य से दायर यस्काय से वि दे द्वा यदेक ... यर मुवाया कुलायर पठन य दना रे किरार्व दना प्रेक रहा प्रेक रामार्थे के प्राप्त होता रमः मृद्रायः लेश मुद्रा ।5 दः दे दे मुत्रायां प्रशामुदा। बूट या नरे नर निवेशका यका नविराय हिरा हिंदा करें ह्री-द्रना-मी-ते-चना-भेहा ।नाद-अक्षा-क्षा-क्षा-क्षा-वन-क्षेत्र-तु-

यम् १। । अस्य: ने वस्य वन: इतः यदे : र्ने ने । । विसः इतः दशः खे. य. लट. के. थ. रट. रेंग् भवीश तरः कूचे. चाशतः तथः वर्षरे हो। इट द्र मी भट्ट ईशानर ता मि नि हि न न न न न लिंद स्रेर मिट ने दे दिए विस्त सदे दे दे से द की सदे दे दे दे दे दे सम दे स्यामाल द द इट दर्गेश से दर्गेश मु इट र्ख्य दे थेर हों । दिं दूट दर्गेश या ८२°सःमाॐसःसदा यः ५८°सः दे नद्य द्याः विदः। । बेहाः ५'व्यक्ष'णु क्षेत्र'य'त्र'क्षेत्र'य'व्य'त्र'द्रा'द्र्यांक्ष'य भ्र'तु'वे'व्यामारेना'' म् । वित्रामाकेश ना वा प्रशासन वा प्रशासन वा नि र्बेच. पर्वेट. चर्.चश्चिटश. त जालश. चाक्रेश. मुशायदे स्था न स्थेता. य हे हैं निकृष के खेर खना के के निक्ष में है से दारी है हमा मी फेर खर मेंद्र पर्या मर्दे देवे र्द्र मुँ दे मिंद के दे दे देश पर्या दे स्थान्त्वत्रु द्वार्ट के द्वार्ट विश्वाञ्चा देवे द्वार्मेश प्रहर् य'दे वियो |रेश'व'रवे'स'डूट'य'यथ। देश'यदै र्वे' मुद्रम्बद्ध स् सु लेखा क्रिया कर्म स्ट्रियर स् स्ट्रियर नवद नुःसहन्द्रावस्त्राचन्त्राचाराधिकायास्। नेविनेधस स्वास नेना नु मालद कुंदा माद दु । अद दूद । यह । यह । यह । यह । यह । विशं मिश्चरम है। हे सुर मध्य स सुर मी र्विशं व्ये र से र ता दिर देश<sub>ं शु</sub>रे ने देर के देर के देर विकास सम्बद्धी गुर देश में के ने समा के स

र्देशन्स यदी नवटानु सहिन या लेखाना सुद्धा हो। ।देखाना सार्वेन यश शु मु भी त र्शेन्। श नासुद्र य ता वस्त य ख्र मी र्रे ता ता यस इट हॅन भेन हे यहेरे हेन सहाहन मालन पहेन समाय यहा वेदायाबुरार्से |रेशादार्म्याय द्वस्यायायरेदायरे ह्वीया मेन्यर मासुद्रशाय के स्नास न्याप्य ख्राया है ख्रावस्तायदे ... र्देश रे के रा रे रे रे हे मिं व केर केव धर रेव मालवारा अपार्या के ..... नुसाय में प्राचितिसम् स्थि दससा देश यदे में दिन हो। प्रदेव दुल'माहैश'मार'मो क्षे त्र णुट'मालव'न्'त्र'वर से त्रा यदी ..... मुन्द्रा । १८३७ ह्या नावन नु द्वा दर्ग वा की दर्ग वा नावा ना विशायश रटाट्यापहूचा त व चार्बरास्याहेर यहाहशाणी श्राक्षर .... देश सु दहना च न गुन हेन ५८ दें ५५ मामा ५८ देश सु नु हो। श भी दिर्देश मिले प्यश्नाम माना में देंद यह केंश प्राहेंद यद """ ळॅशाया ळेना रॅंब नाकेश दट रेब या उट देश नाकेश दट देश रेब .... याक्स में का या की हें का प्रेश माहिक लीखा माहिक या है विमें। भे कि शहर व के व के अर्थ भे मार के के कि व के के कि के कि के कि के कि के कि के कि याने के नेंद्रान्सायकी विश्वामश्रुष्याया ही मूं से हिन यश्चन्द्रवायात्रवा श्चित्रवायात्रवायात्रवायात्र नमून्दारा ही न हो दा ता ले निहान मि व दिन दहा न दिन है के

यादमश्मिं दादेशयमे द्वाप्तमहर्दे । । न्याया नु त्या हिन यर स्नियंश हेर सासुर प्रते हुं य सेर या ता र्स्या शाया हुं है। यहित ... म मेर मर देश द्र मार्थ र र् हुम न माहर है रचेर र त त त मशाने अदायहेन हेन ने श श श ही रेन दस मर सेन ने निवर्नेन् अर देव मुंब सूर है दार द्रिय शु स है से पार दे दन गुरा ह्य है वलेन य प्येन नें ।मानेश यायामानेश समेनि या यु: ब्रुव: कुंब: सर् दे र्व: हे: हुन: विष्य: प्राप्य: प्राप: प्राप्य: प्राप: प्राप्य: प्राप: प्राप्य: प्राप्य: प्राप्य: प्राप: प् प्रदर'न देशका गुँभ है विराम प्राप्त पर्य देवा व्या । । प्राप्त वि माकेश हैन प्रतृदामी र्ने रहा महिन सेर सदे र्ने र्पयाय द्धार्याः दे हैर् नाश्चरः स्याणी र्वे मी क्षेरः स्र सम्मार्था सदीः द्धेयः व्या । १८१व में भारता स्था से १ व्या से १ व्य से १ व्या से मः नदः सेनः या मेहेश ग्रायदः ययनः त्या सर्चे । सः हेमा : सर्वा : सर्वे । सः हेमा : सर्वे । सः हेमा : सर्वे । सः **सेन्य सं**न्यामासुरसायादेशार्देक दृता। विष्ठेना ससाद्वार द्व नु न प्रदास दस्य प्रस्था र्दे द्रा प्रसाय र रहा मी सह दर् है द ॻॖऀॳॱऄॢॖऀॱचॱऄ॔न्थॱसेन्'यरॱचन्नन्'यदेॱॸॣॗॱहे'च्बैक्'यॱक़ॱॸेन्सः.... यदी मिर्देर या प्रेरावा रामी सर्वा केर मुकाम्यूय यदी हिं हिं र्टः भ्री प्रचामा स्मारा स्रोत्राचा गुराचन्त्रासा प्रमाद्या प्रीटा मान्द्रा । माकेश र र मो अर्द्ध केर गुर मुन य न्र र । रेटे के मंद यगमा নধ্য-বৰ্ষা শ্ৰই নহ ক্ৰি নহ ক্ৰে ট্ৰী বৰ্ষা হ ক্ৰিৰ ক্ষম নে ই ই

दः। महरः ८ हेन हरा व दर्गे गुन पहर रक्षा ल प्रमानिका हे दनामीश'द्रवेद'य'कृद्र'दे'वि 'क'कृद्र'सदर खुनायर'द्रक्र् य'स्टर' रेटाका मर्बेर् यारे के व्यर्गियाम व्यवाही वरी सुरार्वे तरमायर ৼয়৽ৼঢ়৾৽য়ড়৾ঀ৽ৡ৾৾ঀ৾৽ঢ়ৢ৾য়৽য়ৣয়৽য়৾৾ঀ৾৽ৼঢ়৽য়৾ঀ৾ঀ**৽য়৾ঀ**৽য়৾ঀ৽য়য়য়ৢ৽৽৽ द्वैश कु दर कुर मार् हें श्रायर विद हु द नया यह कुर हो । देश व.मी मीव.ल रचा लश.स.केर मीश रूट मं अवव केर मीव.स.... सेर्पा सेर्पाया रदानी सर्वर केर्णी शासामुया र पर्वेदका मूर्या द्राञ्चर द्राप्त प्रमाय क्षेत्र स्माय क्षेत्र स्माय ≈दःमी'सर्द्धर कें**र** गुँश मुवासदे स्दायले दामीश हुँद सदे सूच मुेर मयर बुना याता निर्दे ने रामयर बुना यर वह राया भेर हे लिखा ८८२'२'८२'वे सर्गेव में तु ब्रुचाणेशासुसामी सर् '१८'२'६८''' यर देंब देर देश यदे देश देंब दुंग मुन यदे ह्यून चेर हो केर य दरा ने द्वा नि से सबुद पर से द परे से द देश हैं है न है देश हैं रेनाश पदे नाहेंद्र या हैंद्र पर्दे दीर हरे हें ला है न रहे हों । । रूप मी सक्ष हैन मुक्ष सम्मुन सर मर्बेट क्ष सक्ष हैन मासुस मारा रा भ्रुर रदेवका ग्री वृत्वा भ्री वर द्वीरक द्वीय यका ना सुद्धाय है। डे. बेर. चर. भग्र वेशश. बर. जा श्रुथ मी. म्. अष्ट्रचा दर श्रु. बंबर तर्ह. मार्नुयानुःयाः व्यव विष्या । देदे सुरामार्न्यान्य विषयः वर्षायदे दवर

मीबाने व्राम्ब्रिट्या गुँग्ह्र्नायदे यहेन या मेन्ही हैं सर्हेन मी.चर्जा.वेश.दे.मी.ववश.देश.दर.चेवचा.रम्ब्राटा हेर क्रियारट... मी सक्त हैन गुरा हूँ दार हैं महाराह्य ने ता है ने हैन हुन तरे नहा ग्री.कं च.र सूच. चर्च, वंचश श्री.र बीर.चर्च, ख्रीर.च्रा । नारं म.चे. न से इत्यदे मान्यामु यायन्य न्य वन्यासेन यह स या गहेका इ.स भक्ता. वे नशिद्याता द्वेष हा वि. प्रशाणका कि । नामा है परी नवा गुन केंद्र वा । पर हुम न से न केंद्र पर है वा स सेना । त्यन्द्रायदे वर्षायन्ते च । विष्या । विष्या सेरायर चया নহ'বলুহ। । बुंश श्रेंन्थ गुँध। ইंश देशश हट ने अर्द्ध हेर.मुका.लूर यह राटा यबुका मुका ह्यूटाव ही पहना सा उटा यका. ... प्रमिन् प्रदेश मुं देश में बिना वंश्वर कर शे प्रवे सर नहीं साहे .... **लेश**. मी. मर्टे . म. मूर्याम. ता. मी. ह. च लेश व. पा. नी. हेर. मी. ह. नी हा. . . . य पश्रद यदीं ।देदे यद र। नाय हे दि गुद की हिंद द। त्युदः वः सेदः वेदः त्रेहमा सः सेद। । त्यम् सः यदे । यदेवः यः यत्ः र्च द्रमश । हिंद्र स मेर् यर प्रस पर प्रमुर। । बेस स्विधः ॻॖऀ॔ॺॱॸढ़ॱॸॿढ़ॱॻॖऀॺॱॺ॓ॱॾॣॕढ़ॱॸॱॺॱॿॢॖ॓ॱढ़ॾऀॸऻॱॸऀॱॸॖ॓ढ़ॱढ़ज़ॖ॓ॺॱॺऀॱड़ढ़ॱॱ यश्राद्धश्राम्बिना वश्रश्रा ७२ से सवर सार माने विकास हों माने सा मुनिस'ता ने नन वसस उन केश दवन में खेश र द व विद मोस

क्रांचित हैं व प्रदूर में हैं व मुहार के क्रांचा मही व मही व क्षा पर्ने केन नये मार्च नहें नयह वा देश श है ने मार्थ ना मान्य पा द्वेवश्चर्याक्षा श्लेष्ट्राचार्यम् श्राम्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र चर्ते महार रच कुँ हुं है चलैंद साय रेम्ब सम्ते महिं थ हर बर णुद क्षेत्र यह देकत्य फेंब्र या रे क्षेत्र वृङ्गे मालव वर्षा दे:दम्। इस दॅव दु तम्रोल मते खमका गुराकोदामका दे**ः** इसका देवा । । । यद्गः र्वतः पृष्टु प्रमुवः यः सः द्वीं स्थः दशः द्वीं नाश्रयः सशा ह्मॅच-दर्थन श्रीकार्टा वादार देका यह रहें विश्व हों है विश्व सामन विशेषा यर्व राम वि. यदी क्षेत्र प्रवेश यर्व प्रवेश पर्वेश प्रदेश मही यह हो। লিখ ছুল্ম খন জন্ম লাল বাৰ্ম ব্ৰাহ্ৰ বি বি বিদ্যালয় বিদ্যালয় কৰি বিদ্যালয় বিদ্যালয चर-मह्मद्रशास-द्रहासेन्यर-मह्मद्रशास-मानुस-द्रमावाक्री विसः यहर्मित्रे लक्षर्भे हेर्म्म सुरक्षर्भित्। अदार्भे हेर्मा स्वा दे.वे.वेर.वर्षेय.तपूर्याच्याताचा.पुरातया पर्दराटी प्रि.वर्ष. र्द्रा वर में पर हर य है माट हिमा करे। नर्मेट्स या वर है पर रेर माट ଵୖୄ୕୶୲ୖ୴୶<del>ୄୡୡ୶ୢ୕୵୳୲ଽ୕୲ଵ</del>ୖ୶୲ୖୖୢୠୖ୕୕୶ୢ୵୵ୣୠୢ୕୵୕୵ୠ୕ୢ୵୷୷୕୵୷<u>୕</u>୷୷ୖଢ଼୕ विष्याकृता कुरा कुरा निर्मा निष्य महत्त मामा देश मही र्रेषा निर्मा निष्य दे·मार्के मार्दे खें र्र्डेस द्रा लॉन यदे मेश यादन ने हैन शायादा सिराप मार्थेश में ह्या वहाय वर नियं ने होता ह्या ने स्वर्ग में हा पर्यं ने साम होता है । न्द्रभक्ष.श्र्रो । लेब.मीट.मोश्रेटब.श्र्रो । भर्ने.मीय.पश.चर्नेश.स. यशः र्ह्यः त्रवः र्वे । मारः प्येषः देशः प्यते । यशः तुः प्रव्यक्षः तृरः हे । मार्वेतः

यान्याने मार्चे वान्ते वन्ते वान्ते यात्रार्थेन स्वायात्रय स्वीत् स्वीताय स्वी इसरा द्राया केटा। देनाया केंट्रा कुरा गुरा वदे देना मी देंदा है है र पर्वेष.त.पश्चाविष.टे.ट्राट.टे.मू प्रा.चर हुश.चर भाइर.चर् हीर. दे-द्रना-देश-पर्ते-द्रेंब-द्र दे-द्रना-पश्च-विव-द्र-मश्चिद्य-पा-क्रिका-र्मोट्बान क्रिन्ने चिट क्रिन क्रिकार मोना सह। दर् न्ना व्यवस्थ ३२ संस्था द्या ब्रिया । श्वा पा प्रेश है माटा माह्य दशः या । विशादस्याञ्चनायाञ्चर र्वेदाने। । वे वे दे ने ने वेदाकेन स लेवा विशासुः रूषः नगमा वसा श्रेमशा दंगा वृत्रा सारा नविवा म्निन्यास्त्रे हे निविद्यास्त्रे निर्मा मिन्यास्य निर्मा निर्मा निर्माण णुरः। वदःश्वॅरः वः नना हे खे खेर। । श्रे मे दे खे से स् पहना सूर। दि नविद सदस मुस मार्य है सा है दस दहें र नपु.क्र्ब.क्र्व.हु। । वि.दुच.ज.वु.हूच.न.जश । वेश.नर नर्ह्मना सुर ह्या स्वार्ता । । । विन विन नर्सर विस्थान सुन । । मि हिमा ते मि हैं का । । मि हिमा ते मि हैं का । विष्युन् उद्गार्थन उद्गार वा विष्ट केर क्रिट हिंदे क्रिट व् ब्बं विराह्म मुन्यामा हुना मार्चे विश्व हुनाश नहर नर त्रा. हुर्य. तथा चर्षात्या. चे. पा. चु. प्रा. हा. दशात क्षा. तथा. क्ष्या हिर्या. . . य.रेट.। ट्रे.बंश.मेट.त.चेशिंश.चीश.भट्ट्र.भर्च .लंश.चक्षश.ट्रे. हुँ व : य : द : व व : य व व य : य व मंदः वना मी पर्ना के होर गु मा बदा दहें ना के का कर पा प्रकार

यहस्य वस्तर्पाता हे वसामार्थे मा मीरा हो मा या के वर्षे है हि मीरा उदादनाद विना ताना हुत दहें दान है श से दा है। नहि सा से दा लिंदा स्थान रस्नार्थाया उद्याद्मस्य स्नार्थाया स्नु पदे केंद्रार्गाम विदासे देवा । । । ८८.श्रीट. हे. कुरे. त्र. . पश. पश्चिश श्री हें बे. चर . चीशिटश. स्री नेश द हे श्रेन न मार यनेद य होन यर यह द याने ता यह दश मूँ भ য়৾ঀয়৾৾ঀৢ৾৾৾ৢৼয়৾৾য়ঀড়ঀ৾৾ঀয়য়য়ড়ৼ৾৾৽ঽড়ঀ৾৽য়য়৾য়য়৾য়৾য়৾ঀ৽য়ৼ৾ৼয়ৢ৾৾ঀ৽ঢ় म कैना के नरें र भाम कैना नरें र मरे दस्य **न** हो सह र ने ने स यन्ना होन् यदे र्सुन्सः हे पस्त क्रा क्रा ती सामितः निर्मेश सामा मै.पर्यश्राप्रहूचा राष्ट्राचाली भूराया के क्रायद्वा क्रूटा या ने प्यारा गांवना ... र्रे. श्री क्षेत्र क्ष वशास्त्राच्यात्रायाः केरासायामा या निष्या माहिराय हेर्ने हरा चालुक चाना क्रा माकुक र्षेट सार ट चलेक सी दर्मान चरी रहेया ..... माशुर्यास् । मारामी के हेन त्युर मी हेन हैन ररायलेन सेन यहै। र्ने नु ने नाम प्राप्त नुष्यायान ने प्रतानि निमानि स्वाप्ति ने निमानि मेर्दे। इत्यब्दि याचा यद्य मिले हे केर ल देश मिलना समसः दर् त्वर् यामसाञ्चरसायसाळ्नायदे क्वेरार्चे । हे सान्दर ब्रेन्नाचाः अर्द्धन् । मी मेन्स्य **१६५** त्या प्यद**्य**शास्त्र हर्ने । साम्य मर न्यु निर्देशक दाय द्वार स्थाय दे निम्नि नि नर्दे न्य र नाय द्वारा विनाद्याना गुराया के किया के मिनाका या विनाद का का

व स् प्राप्ते मेन सारा देशका ता है। हर अधा मूरा यदी देश माल्या । वसवादर मुखासेर पर सॅंदार हेवा के वार् सराहबा सर् न्निर्श्वात्मीयामीशार्व देशासे वारे वे नार्यातामी मृत्या चॅ 'लेन' होना' च केंद चॅ 'ल' नमूँ नहीं हन सं साम हो केंद चॅर हूट .... हा भारत है। है निर्धा देवे द्वार मी अपनिश्वर पर विश्वर मंत्राता दे। द्वा मी द्वारकारा स्मीताय स्मृदा रहेका सहरामा स्था है ख़रान्यूयाना ख़रानु र्ने र्ने राज्या समासासा से ..... म.स्ट.सब्द्वायर.चण्यायर.सिंटार् छ्र सर. दुर्ली । मार्केशः म दे। दे दे मुन्दा मुन्दा मुन्दा महे द दश द हुद महे माह है माहा कृत्-णुर्च क्र्याद्मस्याया-स्टामी-सर्वन्कृत-णुर्चामुवायये-स्टाम्बेदाः मेर् र्रा । विकार पायवित मुक्ता मूर्यायवित र्र्त हेरा प्रमुप्त मी र्र्त र् नाशुम्बायायाय है हिन्दार मी हुँ व या श्चायान विदाय वा हिन् यर है । प्रयम्बर्धित्र प्रयम्बर्धः ह्वा वा क्षेत्रः यनः मृत्रेम्बरः वशास्त्रेनः द्येतः मुख्य मिबिट सट स्ट्रं पर्वस स्वर प्रदेश मिड्रेन प्रयूट मिस्ट्र पर्दे ... म् वहानहेंद्रन् उ सन्यानेशन्य प्राम्हिन्देन वर्षेषःचरःवर्द्धः। विनानाःचः स्रेनःचः स्रेनःच। ।कन् चः मेर्य हमा मेर्या विष्य मेर्य प्रमा विष्ठ र्नेन सेन रेन नहेन सेन हिंदर केर ले ले नहन या हिंदर

यदे शासा कुश हैं। इसर है। रसर दे ल सुन प्रसार्थ। खेश.रटा इचारा र वी.क.च.मरा मेट मेर मेर में रेट. र्टात्र नायार्ग । स्याप्त्रे क्रियाते स्थाप्ते स्थाप्ता । देवः कृट,एचैंट,च,चिंदि,च,कू। विच,रचट,टु,ल,चीबी,एक्ल,जू। बुश्च-रदा। हर् ह्विन यहा गुदा नादा नीया ह्विदा रदा हे दा विद्या रहा। १८वी अपु एस्सार र्युस महिनायर मिस्टा सर्हेना सर्वटरायासेदायाच्या ।राह्यासुसादेग्यासुनादळ्याचा । बुब रहा। चब्रथाचुबाकुाप्तिवासरावर्द्ध्रावासवाणुहा। बाहा मैकान्द्राम् देव प्रमुद्दा इसका हि में कोन्य हैन नुमासुद्या। क. पुंच धकेम. भुरे चलम भू. विचा । रहा. भुरे हु ल विचा. पष्टा. र्भ १९३१ मश्चरका है। दह र्स्य इंदर दहुद द नामा ख्रमाया पर्चिर,रेट चेंत्र,चर,चेश्वेटश,च,रे,चोड़ेश,चश,ड़ेश,ठ बैंट क्रुंश्चेट्र.. कुः सळे र मी अरे र ना र दाया या र दि । वा सुसाय स हे र त युदा **५८.५**वे.सपु.प्राप्तः ४८.४५७ वे.चीश. हेर् च.४४४.१५ व.चश्चा. रटा. चर्च. यञ्च. सक्य. हुश. द्याचा म्यास प्रामह्य मुस. म्यान्यत्रे द्वार्च प्राप्तस्य स्वरं नहित्र सर् मार्थि राम्य यससाउद के न् के हैं न दार दें देश न से के देश मार्ड सामा महासार वसायहमाया देनाकेशाणी इसार्ने सी वेशवायहेव राये हैं मिंदाकेरको नेशायस वर्दायानकेश में से वहामाहर रवादमीया 

परेब बंधा हो पति क्या हर हा के जीया म होना पश्र म इसस उर है गुक् हिंच कुं कहें के स्था रिक रहा से कुं सर्द्ध रहे स्टा मैं मर्जन केर मुंच ना वा सेर धरे हिंद यारे खंस लेमार वर सदे । सुर है। हिंद हैर नर्ब है या स्था र्द्य में स्मय हर रद चल्कि मुक्का । मुंदाया ध्येव सका द्वार दक्ष का मुंका । हेका व सुदा पर्ने हे ने न लेन मार्चे नहा । अहं नहा से ने नहा है नहा नहा न रक्षायदे द्वादे देर चर हो । श्रम्य क्ष यह्य स्वाद्य प्राप्त हैया के। प्रहेना हेन शक्ष्य रहेन कर हा । श्रास्त्रेना शहर कर लाट द्वा नद्वा । विश्व श्वा । देवे न्न द मोला तथा द्व द्या याने हेन केट दिसे वायर दिस्य में निर्देश में विस्त्र हर न होने ग्रीश.र्बेट.ट्र ७४१.वे.च.र्टर.त्री ।७४१.चाश्चेटश.रा.च७४.टे. र्षेर् च स महिन् राधा रमाना मिले हे र यही या या र ट मी रमाना सुदि । यदमा द्रुमायर प्रवद् या द्रुमाय द्रुन प्रमायदेव प्रमाय हो। यासी देन्द्राया दे हित्यदेदाया पर्देदाया प्रदास वे प्रसा निट.रेना.ह्येट.स.क्रेर.के.च। ।रे.रेना.चर्चेच.रे.श्रर.तर.चिश्रदशा लेख मार्सर में दुर नदी है न उन न न न है । पहेमा हैन यस प्रसः वर्षेत्राय मधा गुरा गुराहें ना समस उर हार नदे में भेरें। भेर्हेर केर मर्र हैं केर सहर वा मार विमा रे सा वेद

मुन या १२ के र हिर् गुर में बर मा हेश में बर सुन मुस्ति। मानका सु'मासु=का की । क्रिका उन हेन प्रदेश हिन क्रिका हिन हैन न्स यदे यदे र या मार्डेस हेत न्दायहेत यर छन् या ते श ह्रान यहे ... क्राह्र प्येष ता स्थेष मिलमा अना से**र ग्रै** हैन्य के जी हर ..... मैन पर देते देंन केंस हैन ब्रेंन गुट केंस कर मेन पर मी प्रमाया स्र्रा ह्या दशसान्यानी सक्ता हैन गुर्था न्तरा हिया तर्हे इर लिंद्र निर्दे निर्देश देश देश है निर्देश कुरालय माराय तामवस यहा सब स्वरायका मालवार्यम मी हेव.... षर्वेष २८ वर्षेष्रम्वेश सैयातशार्ह्सार्थाल्यास्याम्याणीयास्यामी मर्थ्य हुन क्रियाश मीयाता एटीया हुन संयोश है सहा की राष्ट्री जी सिनाश प्रेश मिटार हर झाही। परेश देश रच रें अमीन पर्या। परेश.स.चेस.ध.ह.इर पर्येच । दृश.चश्चित्र पा सर्. पर्या म्बन्धाक्षेत्रणुटास्रान्सेम्बराज्याह्यस्याणुः ते यहेक्क्षेत्रत्सेम्बरा यर है.चो.ल.७चीर। ब्रेश चीशीरश.च.चबुष.टे.लीबोश.चोड़ेश.. मुश्रामन नुसर महित्स हो । रेनाशाय दुना हारा सह। सु एक त्राचा निकासा । विश्व ने महिना सु पर्वे न कि ना के ना सु पर्वे न स्वी परिवे नुन्द्रमहा नहुर माञ्च नदे क्या ठव वे लेश नहित्या व दे ही ...... मर्बे.त.च हैं १.तर् १.र्ब स्रेनश पर्न हीं न जा बीशिद्या प्रशासा भियां श. प्रांचा स यांच रिवेर. यह . क्रु. र ट. यो. श व्यं . केर क्रें के यो अ. लूर .....

यते यहेन या सेन की । सु य ने दये व न यह वह न साय सेन लटासदापर्माशायासूरायहँसादशादरूराय वाङ्गालेश रहेरायाः नविव नु तन् नेन पर रे द्रमश नहानो सहव हेन गुरास मुन नविव " र्नेराह्माक्षानुकायाह्मानकान्द्रकायद्वानाह्मात्वा स्ट परशार्न्द्रान्स मदी महेताम है है सहत सुसार सह मही हर हा। रु हिर हैट वर्ष ही न सेर नश्च से ही रतस र रेर प लेश म सुरस " र्सी भीता बना रूट क्रिंग रहेन नस प्रदूष नरे हेन प्रदेश से प्रर् मराने मार्डे धामने वामर पर्देन समे माजव हो वे हमा हर है। हा ..... नदी नाय दे ना है व देन कि देन कि देन कि व केन नुम्मून यान्य स्यामी सक्त केन गुरु मुनायर पर्नेन यदि .... रट हो हे देन णुट हमा कर गु हो नरे द्वट है दिया है नर बर् हेन न र्म नम्म नम्म निर्दे न माम नम्म नम्म नम्म नम्म बेश **ढ्रंभ** पर्ने केर हम कर क्षेट पर क्षे र्न स्वास्त्र प्रवेत है। रेट भ.वै.म.क.म.सर्ग मार.वे.म.मेश.बे.स महेब.सर्ग निर्मामासः ८६न हे व सद्व लेव ना ने नन के स हम हिन । स रहें षु नश पर्सेन्श प प्येत। |नाट द्ना नहेत दश द्रिश स द्वाया। रे केर पुरुष प्रदर्भ । वे द्वा भाषा स्वा के विकास ने निमाह स्र प्र वृद्य के प्रमुद्य । माद निमान हेन का प्रदेश में क्सरा कि ले हैं न है है । । लट नम स लेव समि सेव

यः। १२र्द्र.व.रे रच.केश.भू.पर्ज्ञ्चरा । बिश.चिश्रासः दे लिट देन पर सम्बन यह देन हो हैं हैं है हैं है रहा है है ने हैं ने हैं ने वश्चायश्चर मुद्द हो हे हो हु स्था वुशायदी सिंगाया अदा हो । देशक्ष्युं'क्रामी**र्**द्श ये '८दै'क्षश्राद्यापत्रिमीशक्षास्टायर'''' षदः वर्षेदः वा वे गुवा हैंवा कर वेदार्दे विश ह्या वा वे हेव ..... त्रचेल.स्चा.कर.मञ्जाम.रट.चल.चर.४४.२४.चील.झेच.स.पुट.स्. केर में दि समार मारेश मार दि प्रमाय नर हा न प्रीर य न न न स यर क्रिंस'सह में 'अट'दे'दट'हट'हैर गुड़ हिंद'इसह। हट मीटें র্ষ্য-র্ষ্ট্র-বন-৫ইব্-ব-শৃষ্ট্র-মর্ব্র-বন-৫ইব্-ব-শৃষ্ট্র শৃ-অন---रदार्ह्दानी दें र है दारे व्यापातु महाराजा भेदा वेदा। मिं कें उना त्या क्षेष्ठी कर मी हिन त्र होया परि क्षा कर हमा कर दर हा समा नर हिन परि । वनका से द : दें : ले का क्षेत्र ना या प्यार प्येत : दें । विकास हिना । विकास हिना । विकास हिना । विकास हिना । यरःङ्का यदे खे रेवाय हेन द्वेष महाका के लेन यहा केंबाय हेन यरः मूच यर १८ र्देर य है। रामी हुँ र यर छन्। से द र सक्र सक्र नरे निवश सेव वा कुं क्रेंब या नहेंब दश ही विट व युट नरे हेंब ..... त्र्वेषाम्बान्नत्राक्षावर्षाचर्षायर मुनःयर दर्ने ना के केशाव**ल्र**ः नार-ग्री-नादश स् लेश-नाश्चरश है। रेनाश मार्ना हैना ह या सला मात्राहे : व्यह : मात्रा | निह्य : माह्न निहा : क्या नाव्य : यावी नियम रेकिर यानावयाया हो हिया प्रामक्त हरा टेंबर भुटी ।श्रद्ध में श्रायम जान हेंबर बेश है। । ग्रीय जा भी

हम ही न देशका । हिर्मा व रहिल देशका कर्जना नहा विका । मानवाना प्येत हे सर ही । विवासी । वरेश के वरेन वर सेर्'य रूट रूट ने सर्द्र हेर गुँस सेर् य य हुं दिनान स्निस ..... सर्वत हैर य मान्ना र सेर यर पर्दर य द्रम्य यन्तर मार ग्री ..... मानका सुमासुद्रका विकाय में मानका स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त केश मैं त दु दिन् श देन र न श र्षे त स्वर गुट दश केंश वर में मिट " तु छ त य दे मल्द य वहुद द दे त्वा में हित परा दे लिया से र ह्म यर मान्यायर विदे हुम रू र मिंद्य य फेर है। इ. में प्रया ने खेर ल्दा स्था क्रिंग देर स्थी मार्गेट हिंग शार्म र मार्गेद स्थित च्रीर.वश विव तर्.वीचश.वे.ष्ट्रस.चर्चेय.जश विव.चं.स्च. यर मुराया भेता । विशानाश्चरशाही श्रिशासे पार्टी विशानाश्चरशाही ष्पेत्र'त्र'देश'तु'श्रें रुग्तर'दीं ।दे'सुँग'लेश'य'ते'र्द्धामाने त्र ल्या पर पडीट पश है विट पर हैर ला हैं शक्या रेट है जिहा यशः णुरः ह्रेन्सः यरः दुण्यः यः यः वयदः ह्रो । देशः वः द्यः यदेवः क्रेन'न्टर्न्नमृत्र्याम्न्टर्न्नस्ट्रिट्नान्टर्मु २ मुख्यस्यामालमा र्यासेन् प्रते सेन् सुप्रायाने मिं क केन् गु न्व मेर्यायाया वयन यर मुन्न केश महिद्या है। रेश के मुद्दा प्राथमा है विष्यंनायर वहर व रेश ।। सुर धर्मा के र्रेश व व र विष्य लेग्बायर नेबायबावरे वार्टा । विटाह्य ह बाबेर्याय ह्या। ने कुर पर् ता हिंद न रहा। । मिर् पर हि न हि न हि न हि ।

र्देर गुरु र ब्रह्मुय स्ट्रीय प्याप्त स्वाप्त स्वापत सहूर कुम । बुझ स्था । श्रीय नेत्र मीश माश्चर र या गी अया हैंद त्रमुलाचाला रेम्बाराच**रे क्सामु**द्धासाम्। मासुद्धारा माल्का क्सारा वे.पर्.मूट्.रे.क्र नर्.लय.त्यन.रे.ज्यातर.मीशाल.रेश.यह..... र्षः स ह्यः चर वर्षे ।रेनाश परे द्वाप रे ने नालव नु सर र्ने.चर्थर.चुरे कुर्ता ह.च.चुंश्चरच.कुं.क्ष पर्मेल.लट.चुंरे. यर पर्ने प्रकार हैर है उस सब से खूँ वा । निहेश मही क्षेत्र द्वेर् १३ में हेश सु तहर वरे महें वे दे ह्वे व द्वेर व य हु भैराही विश्व वाप वुँर हुँद् या विश्व वक्त यर हुँव र्त्रनुः स्तार्दे नुष्यः यरः यण्याल्दा। श्रास्य नुष्यः यश्चरः र्ट लेन्ड १ वर्षे รสู:พายาธิฐานี สุผมาติมา**ต**ะาฐัน รุนัฐาระ ฉุรานาราพราาาา हेश परे मुद्र सु हो दें। ।देदे हुँ र द्वेंद र्स्न महिशामिर मिलेट.ज.सेलेट.कु.ध्. ७४.कि.२२४.च.३४४४३५८५५७४८४४ पर्नेर प्रथर या अव श्रुष के हिंश सु ने प्रामी प्रमूद्धाया नम्मा यर दियावहर्त यर वु या। रे या क्रिया क्रिया विकास मूर्रे वट हराय संग्र यासम्भायदे द्राट में सट में स्पर् संन् मिट्र पर्ने स्वा क्षेत्र प्रमाय प्रायके रचनु सके प्रमाय के प्रम के प्रमाय के प्रमाय के प्रमाय के प्रमाय के प्रमाय के प्रमाय के ह्मदः नकः ने त्यका माल्द य माल्द प्येन म इसका गु सामा माल्द पर के.च.इस्स.चन्द्राचन्द्री निर्दे.ज.चार्ड्सा रवे.स.रटः

मुन् यस त्रवन्धायते निवुर हे ब्रन्त्यम्य व न्ता निवु स्राध्य पर्वीरःचशःपद्मचाशःचषुःचिष्टः हः मेरःच्यायः चर्। । । रदः स्राः यः मक्रिया र्स्य रस्य अवशास्त्र प्रमुद्र कुरा है स्र रम्मूय मान्द्र। **ভি.ব.৫ছু, নেব ধার, দীর, ছু, রব্ম বর্**। বিচ, রু, কার্থী र्देब.र्थं त्यर.चीट.चची.रंट.क्ष्रं त्य.रंट.यंबुबे.लूर्ट.कुर.ह..कैर.ह.कैर. नम्दाना व वाह्यदानुष्ये द्यानी द्रार्भेराम् मेराहास्य नम्दा मान्या विकारमायर व्यवस्थान माने मेना स्थी मार्ड में म्दास केरानम्बायम् । द्वार्या के स्वार्यक् के द्वार्यक नमून पर्वे साहम सामा मिना हैं पर्वे है। हान में साम प्रेन पा रे·बःरदः दम्रोत्यः नाः वशः दहेनाशः क्षेत् इदः रे वः वरः का ददः नाः । ব'ম'দ্বী'ব্য'শ্ৰী'ব্যাষ্ট্ৰী ম'ম দ্বী'ব্য আমোলুম'ব্<u>স্ত্ৰী</u>য়েম'ব্যা लेन्ब द्वर त हेर र्र ह्व च न्यून व स्टे र म्यू य र हे च कुर र व्यू र र र हिम्म येनाश अन्य त्रेन् ने ने न प्राप्त स्त्रे त्रेन या प्राप्त स्त्रे त्रे मे व्याप्त स्त्रे देस,तह,पंषट,पंषु,हुस,श्रि.४वट,बट,ब्रिश्-४त्राचीच्चीश,पंचेल.... बिबाश ग्रीश नवर हो। । रच होर हेर चर्च सद द्वीय च ना मश्र प्रहेन्यश्र सेर्'सश्र नर्द्धश्र मः द्रम्यकः मः स्रुशः गुदः। ३व.च.च्.रट.भ३व.च.रटा ।श्च.ट्.पचिट.च.चेव.रे.रेंग्या। ने क्षेत्र सर्देन क प्रमित्र पाने। । सद्य र स्पेत् स स्पेत् सद्य सेत् मेभा विशानमार्जे। विशानमार्जे मन् स्ट्री सामित्र र्टास. तस. रट. पंचीयाची. र्ट्ब. सर. र्ट्री शिटस. चीस. पश्चीटस.

स्टाखेन|अ'ख्र'त दुेर'**र्**ट ह्वै'स'मून|अ'सदे 'दम्रोख'सर'दम्रोख'स''' हेरी हर दंश यर अपूर वश गुर क्षेत्र श्री । विनाश ख़्र पड़ेर मु सप्यम्बास यदै निर्मेद्द्याय वर्षाय वर्षा देव निरम् य वन्ता सेन् ... मार्केश है इन मान्द्र माने ह्याँचादमंद दरेशा सक्ता हैरामाह्या मान्द्रा लाचनःदुलः वेदाहः न्यायःहे। हे लटः वेदारमञ्जूहासायदा दे या य रे रामाया हे मा हरे हे य प्रायन स्थित या यह रामा रामहान है मा हरे मह्ति मिरि गुन महत्यरे दें में केर माट खेन मारे केर में ले न है। नर्देश चे त्य शुर नात्रेनशाम क्षेत्र है व्येत्रावानहित्य न्याहें नाहा महर्याम सुराम परेनशासदे हुर रा ।हेश गुनानहर मासर्जन कुराद्रा वि कुरा सेरा दें जिला ह्या यह गुर बहुर रो दि दें रहा हुई यह ५ ५६ वर्षे ह्र्मा यान्यास्याया होता व ने मानेशासुय व व माहिनासा यशम्बित न्वराय सर्वत्रिन् ही ही सेन सरी सुनासरेवरा सुः नम् यस मालक द्वराय सर्वक हैरार में हिराकर यर वलेर हैं। भरे अहार्वेहशादमीय यश रहानी सहन हेर गुरासामुनः यश सक्षत्र केन दि वि केन सेन यर यन वन है । यह नि णुदासर् र्रे र्व ग्रम्थाय येवशय खेदायशम्बद रवदायानदामी सक्षेत्रकृत्र गुर्म मुदायदि दे वे व्यन्तर यह प्रदेश यह महिला मि नेश रच मुँद स. परा ग्रीय चहेनाश मूट देट मैं अक्रे देट, बेश तर. हुँचा तार्या सार त्या राष्ट्री का प्रेश रहा है यह व के की हा हा सी सी षटाविंदशासुकी महिंग्सायसामळ का हैन दें विं है न से न प्रति । पर

खुश.बु्चश.कृ.चेंटश.त.थु। चक्री.च.जहा टु.जिट्ट.धूट्छ.श्. श्च महिमाश्चारायम् द्राया द्राया द्राया स्वर्थान्य स्वर् ल.मैं अष्ट्य. गीय. चर्चाश.गी. चरचाश.चार्ष्ट्र. चर्चर. कुट. गीय. चर्ट.... नर्देश चर्र मेर्पयश द्वेश प्रवेश प्रवेश हिना प्रशेपन्न सामा द्भारं वर्षात्रा हे वर्षेत्र हेर मिटाश क्रेंबर हो । रविश्व श्वर प्रश्ना मिट गुन् महमारा स मन् म दे मेट में स महमारा महि देंद खेद .... मी की मी में में केश पर हिं पहुंब मी का प्रति हैं । ने मी सर्द्धरमावर दरदारु वयन संप्या यह सुर होत हो हा सर्द्ध वा ...... न्न्रिशने दे स परेशाश विश्व मिटा पर्देश स्था न परे न तर्दा न श देश'व केंश खर**ंसे**'मारेमास'यह मुंगसकं व मुस्य वर्ष हैर हें चें ... केर सेर य धेर मुट रेर से महिंग्य स सह र केर हैं र वें किर सेर मर्दे हिं भेर वे । शक्कर है प्यति मा प्यतः हे दे हिं है हि है म्यामिक्षेत्रप्र नेते म्यामिकासक्षेत्रकृत्रस्मारासु व्याप्तमुम् चद्रीमिलिट बंश चर्चर चालट श्रामा स्ट में हूं मूं हुर ग्रीश शरा म्याचाय नदःह् त्य भेराणीशाश्राभिकायानदःहशास्यायाचायायाः र्श्वन्याय स्विन्द्रित्दि भे मिलुट दिद्द सद स्थान् ही ने मूद्र सर इट व्रट निर्देश र में या तारा मारी हा राष्ट्र अर्थ के हे ट से के र्म में सक्त हैन गुरु मुक्त या शहरून नु मते महासामारामा र्वेश रेषे वे ।रेरे के मार अमा निर के शाम र र मी सर्व में हैर

मुक्षाम् वारायदे नदान बिका होत्। यह साहिनाहा गुदानदमा होत्। महिहाः सर्वर हिन् स्ट पर हिन्स पर प्रेन स्व पर में निस्ति सर्वर हिन् की स मून यार्ड सास्त्रेत यहै है वर् विना याना यस यहना से व निहेश सुः पहुंच, नपुं, देवाचा वे दू पक्ष्यं, तर, पवेंद्र र्रे । क्षर खेंश्व, रवा ह्यूंच, स.पार्थ। धू हो च ८ लाट १८ चरा हे मिहेश ग्रीश देश ग्रीश पहें. याने केन ने नधेन व वनाया साम्राय में हैं यतिव वें लि व वे। गुन वहमाश य सेर् य स फेर्न हे े रे स क्स य प्र वस क्रें मींस मिलित संस पीष पर्नाक्ष संदे रिवासीन पीर वा क्षेत्र ने हैं सामिला ... न भारे भेर म भार्भेद मधे क्षेत्र मा लिश गुदानहमा भारे पर्नेन्य हिर सेंब मी हैसार माराजराहर नस सें**र ५**० हेमारसा यन नामा यह मन नामा देव स्पेबाया है या महंब हैन हैं में हैन सेन है वना सामा हुता रु नर्माय सामले द लेखा हेरा दार्थेर से प्रवर्णा यते. हुँ र हुँ र हूँ। । रेट रू र व महनशास स्मारा सामरे.... न्दायनेत्रे त्वेशः संन्दाप्त त्वाचन न्यायन न्यायने देवाने सर्वा हेर द्र्य हेर सर निर्मेर निर्मेर समा मा स हिल स् हिस में हिस यवे वहनाक्ष देव को न प्राप्त हो न प्राप्त देवा यश्चानायात्रसूतात् हुमानु नहार नार्दे रे र्ने से न गुरासूता प्रमित्र मास्त्रुत वि इंग्रह्म प्रमे देव महित्र मुंदि मास्त्र माम्बिन रे.चंडिचेश.ज.क्रूर.चर्र् श्रेश.रे.चंडिट.चर्.लीज.श्रुर.ग्रेट.चंडिर.... त्यानीडनाबार्क्स क्षेत्र र निड्ना निर्मा के प्रति हैं खेश हैं।

ममानुष्य मरे हैं न मां । मरेन फर्न मन दे मान मानि में किन ल्रे भेर लेश नश्चा नविवास स्मार स है है रे हिर हर है रहिर यदे खुमान हुद् न मळन हेन हैं ने हिन सेराय सेरा हेना यहें । कु हो व श्रेट.रे श्रेण पहिलाचालाश्रेय घुट य कु मंचारा नार्ष्टा.. यर मासुदसारे व सूर्र सूच प्रतियान या वरे सूच वि सूसार .... वहरावदे सुवादे सेराव वेंबावर्षे विवादसार नार्रेस सें। श्रीया त त्रु व साम्यो हिया सु ह्या मार्थे हे हिया मार्श्व है। ह्या सुन्या पष्टिलामालाश्चर्यात् श्रुमान् बहरावये छ्य ने ने न नहारावासका केन दें में केन सेन स्मान कर दें सामन समार समार सिनाय की प्रमान विशा नर्भ । रेश व र में रिट हिर सर र गुन यह नह सह रहे गुन मन्नाश मद्भ केरार्टे में केरा मेरायर क्षेत्र पर्राशास के नु वास वे र्ट यातर्रेर मर विष् विषा भेशार व हिंदा साम बारीटश है। र्रेट त.बु. श. जे. जर्श वहूर नर.चे. न क्रेंचे. न.ही । इंग्रेश्वरा.ची. ब्रूर्. लेय. र्ज्या. तथ श्र्रा । भ श्रेश. ग.रेट. य टचाचाश. या । हुस् हुर भिराय पर्या र सब्दा । विश्व सर्वे । ने लहा ह्र ह्रेर य.ज.वेश.य. बेश.य5चश. यद् .यद्श.यवन यद्र. खेल... र्देव न्य यर **मुन** य त्र्वेष य त्या स्तु अदे से म्याय द्वेश के स श्च.य.भूब.ट्री ट्रेंची.यो.पेयर.य.पाश्ची सेवाश.य.रट.प्र्य.य.पा. श्चीश त. चर् भु. पुंश तथा मिट विभाग पा भारतीश तप हें रे पुंश .... चूट! च.लट.ल.सूचीश.तश्र.पीट.टू.र्टट.चीडियोश.ल.सूचीश.च.

पशः र ट.च वर की. वे. जेश वेश तशः भूट को चर् शः च वेची च र ट्रूंशः मॅ ते ने मिं न केन न में मन्याय द्या पर्वे हिंदा में न न न न न न न च मुकेश मा ता तर्न चर्न चर्न चर्म स्था । देश के तर्न महिमास र्से तर्ने ना हमारा गुरि हो नर्ने विश्व स्मार सुर देना श्वास विश्व स्थाप बेर्ब यहनाबायते द्वाप्येवाया दे प्याचा क्षुन् रामा सळवा हेर मुक्त व्यासक्त हैर दें केर केर मार्थ महिल हैर हैं नमःचरः स्पेन् यात्र मिन् यशान्ति नमःचरः सळवः हैन् हें में हिन् .... मेन्यन हुई यामन् दे र्न्न्न्यकन्यर्ग ।नेदे केंग्न्यन्या ता सर्वत हैन हैं वें हैन सेन में लिश मार्डिट सर्ट गीब नहें ने सर्टे लेकास्यान देवान्याचराणुकाचरुनाकाचारे स्वेकाचा दे हिन स्वेदा रूट. चर्डा. चल्या. चर . याश्चारश. च हे हैं हें यो स्योश. चर्याश. च. दश.... मेर् पर महित्य गु गुर पर्माय सम्पर हे हुम र महित हो। म्बर् र व दयात मुर्दे हुँ र प्रते सुम्बर्भाया अदाम्बर्ग र्वा दे र दे प २८ विर. तर. र. प्रेचीश तपु. ह्. . त्र्र. र ट. ची. सक्ष के केर क्रियास.... मुवाधात्मा गुरायहेनासा सळव हैन हो । वे हिन स्रेन सर स्वन न से इट नदी कुर र्रो । दिन कुर द्वारम नवनम कुट र्रे द्वारम रेदे, भ्री. च. श्र्र्ट. ग्रीश में ट. च. ल्र्ट्स. मीच. लुब. च. शर्ट के. ट्र्य. लुब. मी 

**बे**न्यर महारक्ष यदे व**र्**ग केन् गुंका हो न केन्य के किन् माल्य यश दि न किन यश हो न नि का नि किन में अ हो न केन नर ...... यर ही य मेर पर दे र पर दे र पर हो । रे दिर न र र र दे र हो स क्कें न दे रहा मी सर्व केंद्र मुंद्र मून नदे क्कें न फेद्र स दे दिया में वा त्म्मि या व द्वाद्या यह हिन यर देश यर हीं र वस र मी ... सळव केर गुरामान मरी हुं न श क्षर रूप मलेर ही । इस पर्टेर क्किंद्राचाचाद्रमञ्जूटाद्रम्टिशाद्रम्रोत्रावशाच्द्रमाकृद्राणुंशः ব্দ'লাপুৰ'মেষা নদ' বজীৰ দ্ৰীষাষ্ট্ৰ নন নাষ্ট্ৰয় য' ব্ৰুষ্থ ব্ৰি'ম্যুৰ' षरः वले**र** केटा। हेर्रे क्चे पासेराया है रहा द्वारा राक्चे पासेराया त्र दर्द्द्र यस दे से दाय द्रिद्ध यर स्त्री से विकास के दास दि से द्रिय स विदे र ही । माल्य द्वर विदेश यर मुवाय विदेश है र है र विदेश ๚ูส<sup>-</sup>รศัลานลาลู"ลาลดิสารา**มรั**ผลาศาสูะลานามาคุยรานรา चलेर्'यस रे'रूट चलेर मीस सूट च र मॉटस द मोल मी देर र पकर यदा । मारेश म दी र दे गूद हैं न यदे रहें स से रहें द र्दः भेशायानादः दुर्दे नयन यदः वृष्टे दि यद्यम् मायन खुबा गुँबा दे । चा क्षुन नु कु रामा व्यन् । व्यन् व्यामा स्वरः नन्द्रमा सेदाया हुन द्वी वापदेश व कुदार् है है हिं सार्थिदाया द्वारा न्याय दे देश प्राप्त र्वा इस सेन् ने से प्राप्त की हों ... ब्राप्त हैं या दूर है माहेश कु त्र वर्ष है वर महे दे रे

বহু.ব.দারা দেমধা.বারীস.গুসমা.ব্স.ই.নারীধে.ব.খু.দাওই. ह्रे' २ र्रे, च दिर हो स्था तथा निवर नद्र पहुन हो ने तम्यान्यः सर् ते देव प्यव यहा देव तम्बाना या सेव वि । तमा मन मलेन्याच यहा कुं र्य इट च र्ष्ट् है वे है। सिश दट संहर श्रुर् मावकः एट नर। । श्रुमशः दे हैं सून्यशः बैट नशः थ। श्रमशास्त्रभारी है टाञ्चित्। विशानाश्चित्रात्मशास्त्र मिटाञ्ची रूपा नणानाः त भुर, तर, वधुर, तथा है, रू जा चर्णानी, च. टे. भूट, मीट मी लट, ट्रंब... मेन यन विदे नियम सुर् स् द.र्थ.यु.सु रूज ट्र.स्.वेर.जश लूर.य.भूव.यत्। विश. न्दः लेट्शः ह्येन् न्दः मानशः की ह्व न्द नर क्षेत्रशः क्षेत्राक्षः केन्त्रः ... शः श्चे न वे र्वे ने न्ना नियम नियम विश्वा रच मुँब् सायस चन्द्री । सेसस द्या मी र्वे के हर हर र्। निव्वित्रास्याम् स्वाधाः यात्राम् स्वाधाः यद् स्वरास्य स्वाधाः स्वाधाः स्वाधाः स्वाधाः स्वाधाः स्वाधाः स्व स् रन रे रे ब णुट न्नट में के लेब नके नकी नका मुक् ने ने नका है न्नाने तासी हूट मास धीव वि । न्सना न्ट वना सार्सित णुट हेब नाडेना ता नहेब पर रेनास समुद पर रे स् रन इसस वे ..... मसन्म मा स्व लिट ने मज़ैव नु सुस माम स्व न्या साम स्व ने वे हर हु। अर्ने ने विकास माने विकास है विकास 

र्द्यानु दसेन्वा या से दाय र से सुरो । वु र्द्या से दाय र सर् छे। त्रश्चर में दे के या क्षेत्र न से में शास के शास ही पर ने श्वर या धायाञ्चराचावद्वायराष्ट्रायचुराहे। र्द्रात्याराशङ्कदाना नु:प्यः दक्षेत्राक्षः क्रीतः यथा क्री. यः स्रो त्यन् यदे खेरा हो । दिवैः क्षेत्रामुक्तामुक्ते क्ष्मायर केषाया अपाकी मले दारे। देश देरिका कुं र्या सेर् गुट रेरे नग कगरा र्हे कं सामसार् कर हु हूट नरे ..... द्यारिना हो। वर पहूना दर्ना थाया से र्यामका लेक हेवा होदा यह ... ब्रैर-स् रेश १ रवि.स.श्रीट-स्.प्रमा बमा पेश ब्रेश विस. इसःमूद्यःणुर्य। । नन्नाःदैःदेशःसरःस्वृदःसःश्वे। । विश्वः नाशुम्बानी दे के प्रत्रित के प्रमाणिय के प्रमाणि । प्रमा टु.हुट.पदा लीप.टे.इंट.पदा.चित्र.चीट.पट्। ।श्रुधस. हुर.इ.पर.च.चुन.झँट.। । जुर. क्ष. जुरा हु. रूप लीता ही. क्षा ロン・着と、ロンと」 \*\*\* おいとうと、おいがに、ロン・と見ず、\*\*\* ( ) をいっている。 **ट्र.च्र.क्रि.चश.क्ष.**चर.केश.च.के**र**.४ट.क्रेट.च.४ट.लेज.रे.क्रॅट. यः बोक्रेश्र.श्र. क्रैट.च. पचिट. च.रेट लील. रे. क्रैट.च क्र श्रश. श्रेट.चयु... रदारेना नदा ने नाकेश नश्चेमाश नु नश्चेमाश नुने न ले नश्चेमाश नुने पहुना ता क्षश्च संस्कृत नु अट प्रमीन नशा नहा ने ना गुट से नले द दे रद रेना पर्दे पर्दे दुवा दे पर्दे हैं द नहा वा वा विकार विकार भे. पेश.श्रीट. तुश्चरी श्री. वृष्ण. याम्यः वः त्याः श्रुत्रः न् रहः मी.... सळव केर गुरे मुत या में त्योगवा पार्ट हो र्से प्रंत ये हुया

सिनाक्ष पर है। प्रशिक्ष यह है। नाश्चिम यही श्रींच रित्र पर्मा र्व न्य यर र्ष्य पर्मान पर्मे रेनाय य नहीं वर नार वर नुरे हे वा द्वाना सह द्वाहा गुहार माना समार हरा हहा सानाईमारायादमालाह्वाद्रसम्बाधाय हेरा गुरु दर्माना है। ला चर्र क्रूचेश राम्बेच नेष्ट क्र्य हिश सं तम् वर्ष रसे ह्या स या नश्यश्च रहा सेना है र्रे द्रमा मरामहम् शासा से हैं। न्वरार्थे 'भेरायरे मुंराइ'वरे न्वर ये 'वलेद दे 'लेख य न्या श्रे मियम के र्वित्म मर श्राचरे रें के किराम के हो। पड़र मार्भेष्य प्रते श्रीमाल पर्वेष विष्यामा सार्भेष्य या यहे यह यह हैं र न देशका ग्रीका सेन में विर्ट है प्रवाह माया स्था मु मिलिट प्रश्च मु सक्द सर्वेटश मिले सम् हें स्था सह र सहर .... यहें दिनासाय हे हिन वालाई विंद सहन या के हो। रिंक निमा यर स्थान निर्माति । स्थान निर्मा स्थान स्य त.ज.इ.भु.र्थे विर.तर.रट.रेवट.त्र्र.भर्थ्टश.त.ज.चविर्थात. स्कि स्रे हिरायर से उटा है। हिरायर रे स्टिं र हिर् महत्र द्वां की होर परे सुर रे खुकार होर्मे का है। परे सूर र्देशन्सायर प्रेन्दि विष्टा स्ट्राचायलेश की हिंदी राज्या मीरा पत्न यासेन यर देन र मेन की जी नाम का समक की नव मी का किन या स्तर त्या हे भार न्या निवार षाः भर के 'ब्रेंब क्यें । ने में 'ब्रेंच 'हिन चर 'ने 'ने ने ने ने वे

यते वर्ष सम्मेर है। नवेर बर्ने वर्षे सम्मेर हैं सम्मर द्रार ब.लट.ब.बश्च.बर्च ल.ह्र्य.च.र्ट लट.ब.म्.ल.लट.म्.ह्र्य.चर-वलाचार खेबाया हु वुर्ता । देशाव हे वे १३८ लशा छेनाय देवा दस रु: पेर्व व कु केर रदाय रुष यदे दें वें सब वेंन्य केना व रदा मो दं में 'हैर' प्यक्षानार चर प्रचय हिना च मान्य र ने में हा के ति हुट .... न-रटारचिटारचीर देशका है इशावचीर रेटेश न-रटा शुंशक शंशकः वृद्दः व सव व्हेंव को द पर को द त्या द देश ये द सका वद गुदार हा मी मुं मुंब केंबाश रास्य स्युट विट है दह स्याव हट वट गुट मेर्यस र्व रसम्मर मेर् यार्टाहरा सु मेर् यरादकर र् प्रवासायकार्यम्बाकार्वमान हे में बेरायर नहन संभार र्व न्मायर विन्तात्वर विना यर विन्ति नर्ग्यायर महन न्या ने म मार्देर मार्खेर मार्थिक के महार महित ही। क्षेत्र नर्धेर माल्य महेर यान्त्रराकान्द्राकारकात्वानान्त्रेन न्द्रान् सदीत्रम्नाः यानुसान्सान्त्रेन्। त.चंश.भु.कुर्ते ।८सचाश तपु.ह्श पर्यट कुबे.त् .ध्यश.ग्री. रेमाश यदे मादर मार मार में वेर २५५ व दा देशश लेगाश यर में दि रेग्रास'ध'त्र'त्रुं 'कुस'यदे 'सुत्र' क्रेर'दर्म् 'चस'स्यास'दर्देदे''' रम.तर.लूर्.व.मै.भक्ब.भष्ट्रस.तर्, कर्म् श्रूंसम.मैर्.खनाम.... मु देनकाया भरासेनका स्रायद्भाय स्तर्भाय स्तर्भा विक्रा सामा मलें। र्ने दस यन माट अमा नट क्रिंश या नट मलेंद र्येन सेन हैं। मन मन् मन्ता मक्षा नुष्ये रिया की र्वेत स्पेत् सेन हे हुन

यक्र यात्रा अर् से द्रों द्रा त्र मीय मी द्रा है द्रा यक्र यान्या। र्वेत्रारमायार स्प्रिया स्पर्माना स्पर्धा स्परा स्पर ल मेर नम्बर पर्यो । इस में है। सर् स्विंद्य प्रमूल प्रमा महब्कुर दे वि किर्मेर मार्टी श्री मार्ट वि केर मेर पर माश्चरकारमे देवे लेता स्वाप्त के विकार माश्चर माश्य माश्चर माश्यर माश्चर माश्चर माश्चर माश्चर माश्चर माश्चर माश्चर माश्चर माश्चर गुँश मुन सरे रहार बेंद सबेंद ही हर हर हो सर्वे स মধু. দী ধরির ধুন, বদ, ধেরু বা, বধু ধুনার, ম, ধরহা, রিধ, সূত, বদ, .... चलेर पश्चा पुर लेश श्री । विहेश पादी शक्कर र है। रेल ल्ट्र-द्यासेट्राडेर्डा पर्वास्य स्ट्राच्या स्टर्चेर द्यायर रेनाया दय ब्राह्म वर्ष सुधारे र्या शामिर्ट पर पर्रेर ४.लट.४८४१.६४.मुश.सूचाश.४श.४प्रिं.४.लश.४ट.स्.४श.भ..... यर ह्वारा य वर्ष र दश्य प्रेस गुर यत्ना से य यत्र ही य सेर यर ह्निक यर चिर हिर हिं। विकाम सुद्ध हे त्र मुंध यस् स्थाद्यापत्रिं क्षित्यायात्रम् लेग मेथ रूट ये राणुका हैया कुः यदेव यातातहमा यते स्वा स्य स्य रे रेताद्वामा के दाक्या विकार्वमा नु मिस्र हिर त्या कुरा नुरान्त्र न्या नुरान्य हुन्या स्टान्य नुरा शु द्या वेश रसा भर सुरावर पुर्वे लेश वर्ते परी शुनास र्थे । यर प्रकर हैं। १रे के र्राय र क्या के सामरेक पर प्रहें के हैं।

वद्यनावसासुसारे वरेदायायम्यायाससार्या दस वरेदासेद् र् स्व या सेनास है। हिंब यहेब यह सेराय वहेब र् इस विस লুদাৰই্রাথম ঐবাধাই্ল্ঝ মমান্তমাত্রমাবরী ৠুঁমাই `ঐ্ঝাথমা'' श्रदः नहा नुवुः सः यः मिः हेना नुत्यः वुः स देसः यः देः हरः यदः र्षे दे ने में बिकार दे दे ने प्रति के नियं के माकेश न्यामारेमा नुस्य र्सेम यर रेस उन नुसर्सेस यर ह लेखा य या या यह के विमा विकार है है से मार्थ या केर के में से के हमें का को मार्थ लेश-दे-हेन'यश-नशुरश-व-अर-दय ८ होते श्रुन च याहा हेना...... पर्रे पर प्रमेश नवर लंबा नवर श्रे मिट श स र दि तर न श्रेमरार्को । देशकार दे परावि सुर गुरारे रे रंजमा नुरार्केर मिटामिलेट मिश्रासर,पश्चित्राचेश्वराचेश्वरी,र्ये, सूल सुरी,संस्राक्ष्या, मु दिया सद्य **मुन** सम्बद्ध के र्स्चिन **द्वित के** कि कार्य के स्थान के स्था न्यंब से वेश हो नवेन या हुर से नश ही ने पर निवास म्री. ४ द. ४ में अ. अ. अ. ४ देश. र्ये 'न्स' वरुस' सस में ल'व'दर्द पा दसरा रह हो 'लर्द वर्दा पर पर्नेर पर्दे ग्राह हैं व पर्दे निर्देश में निर्देश मार के व पर ने निर्देश पर इत्। दुःशंसस्रद्धाःस्यायाः वृद्धाः वंसः मुः पद्धाः केर्ामः वद्या है। सुदे : चर्मा हैर ग्राट प्येब ले वा 📄 हे त्या मि हेमा है। सुन्हा मुँ स म नहेन है। नम्द्र नहें स सेसस रस विश मासुदस मा । ने दें में यें द्वान कुर रों विश है भूद नहें दें के नुदें

मालक न्ना सेस्याया के मुं न्यायस्य स्तर सुर सुर सामा वेसा य प्रवतः हिना मिं विष्ट्री । निष्टः मीशः मीवः वावाः क्षेत्रः या । हेः वे.जेश.चर.चारश.च.**जे**र। । बिश.रच.ध.स.धेट.च् दे.खट.टंटश. वस.स्. रूपा.चबुर.चपु.सिमोश.चबिमा.च.बु.र्घर.चपर.च.र्जर..... र्भ भगवन नग सेमस लेस य ने राम गले प्यापी ! सर् नाराया नहेन नहार है नहार सहर ना प्यान निहार है है ना दिन है पश्चा दे द्वर वुश्चर सुना ये नर्गेद य दर्दिश पा देश বহ কৌন বাল প্ৰাধাৰ লগতে বিচাৰ প্ৰাপ্তৰ বিচাৰ প্ৰ महमार दे प्रिं से दे है। । १८८ में से सह दे हैं रें से हिट। । <u> लेब: नक्ष्याय पर्ने अट सेनाब यर यप्त पा येव वे 'क्रुबर'न खेबसः</u> र्यो । विश्वामाश्चिद्यायान्त्रमा । ने न्द्रमा स्रोत्र ल. महेव. वश्र. चाट. इना. मी. मरेचा. रेट. ररेचा. मी. म. रेट. मडिट. ४ हरें मिटकाकरायार्स्वार्यायारायात्रेवार्यात्राया ह्म दि सम्भु से ह्म न न मान महिन मा हिन मान है न स से सहा ने सा मिडेमा न्दःन् सदे रदान वेद की सामन्यसाय द रेंद् न्सायर होटा त् भुः शर्वर प्रार्थे रेष र्यम स्वरं विषय वर् सिर्यात रेये अपूर दुष ह्मारान्। ५३ स क्रियासा सेमसारसाया है पहेन वसासा । मुंग्रिला प्रसामेर मेश पर हा । हिला परे रायहेवा वहा है मा अदा । विवाह नद्या से दा विशास है। । विशा

मिश्चरश्रा । प्रते प्यटायटा मान्यमिश्चरा स्था । श्रिन्दर मुक् के बंध ल्या दरा । मुः भर देश यर याया य दरा र्बेमसार्यमान्मापराप्तवाम है। । भिग्नामेन पराद्याप्तप्ति। र्ट्श.त्र्थश.णु.सु.रट्श.भुरी ।श्रेभश.णेट.ल्रट्श.श्रेयडट. संस्थित । व्यापायस्य उत् स्यापाय स्थित । स्थित स्थित स्थित सर्व १९८ र्रे । विश्व नशुरस यस वस्त्र यर कुर दे वस्त्र वा ळॅन्डा परुष्टा सर्वा द्रमा पर रेना पा उस मी दुया मी हो से दार रा मार्केश तथा रेशे, भाराष्ट्र तिचाश ग्री म्यी भार रायहेथ तर रेष्ट्र र स्मीत .... नचेर्लश्चान्यं वि.श्चेर्ट्य मुश्च हेर्ट्य स्था र्दे : वि: कुर सेर प्रति द्वाय पर है माकेश ग्री हो विश्व होना या केवार्य ..... पर्चेन'यन हेन्'ने। ने हेन्'यश ह्या महिस केट ने लेंब बस खा। रेनास पदे स्व भूनास दह मुराया 🔻 । दे राना रे मुराहे यहेर र्निन् । भूषेना पाळेका बैं पाकुदा के बार्सा । वि का बा क्षर दुं कें र्स मेर मदे हिम दर् मन् वे में मु केर मेर मार यर प्रकर नर्नेश क नेदे मुबुद मह मीश मह्क यर पर्ने हे वा न्तुं संतुषं प्यस्। त्रेरः सदः माश्चरश्रास्य। दर्गः सञ्जे पः हैं अट सेर्। दिनाना धर दिनुर नदट हैं अट सेर्। हिं न रद्धित्वना व द्वा । भेश य प्रव हिना वि देशे । प्रवृद्ध न.कु.ज.स्न्थान्तर्ना विश्वतर नेश्वरश्चायर न

दे: वेश'यश'दे: द्वय'दगुर'दा । यिना'यर'द्य'यद्नश्रास'स्य वसा । विदायायरी द्रायावसासी द्वासेनायर स्वाराही हरू पटर. है. भ.४८, रूपोश.त देग. है.त. पश.पश.पोशंटश. श्र्रा । ष्ट्रूपोश. च**र् ५**ट चेंश्र श्रेस्रश र्स्स ५ न्यस्त चाला ५ तुटा चात तुटा ५ तुटा ५ तुटा ५ तु न्वराम है सुराधिर ले राष्ट्री सहारी माहेश रसा वेश रे रमा हा इंट.च.ज.चलचा.चर्चा.चेम्.जेम.खे.४५८) । इस.जेम.खेम.खे रूर. भेर भर उर रें रसम्बर **भे**र हें लि के भर रंग पर भेर से स মু জুল:বহা সুনা,বহ,বইনাহা,বতু িবনীল,বৰ্ট,সহা,জুনাহা, यदर.रेट.त् .जट.चे नुबंध तकः रेटश तर यथर.रो । वि है. यश्च तर्ने मा हु मा हुन हो प्रेंद यर विश्व दश दर्श से श्रेश रहेश । न्'नष्ट्रद'स'स'न्तु'स'न्ट'से**स**श'र्सस'मान्नेस'स<u>न्</u>नर'नर'नदेन्ने। ले.च.पळ्ला.चेष.चेष्य.चे.च.च.च.च चश्चश्व.च=.शट्य.लट..... रेर-वेर-य-य-श्रॅ श्रॅश स**हर**-य-कुर-म्हेना य द्रम्य-माल्य----ष्यः प्रॅर र् । सिनाश प्रेश हो सेर ता स्निश राष्ट्र क्राय रहें यॅर-५२ॅर-रो ळॅब-णै-मूर-पदै-वलेर-य-अट-रे-झ्र-५म्रेस-पस वः क्षुन् नुः क्रा वरेव या सुनः पर्नेन यते नुनुः सायवी । । नार रेषाः बःक्षुर्द्रत्रित्वात्वागुर्वाकित्वहेंनाः से तहेंनाः मी द्वाया नाह्यया नरः स.चलर. मिर. मुंचेर तर से से मह्य हैं। सह्य हैं। शेर मार्सिन्श पर्व देश पादेशशार्देश में र सेर पादेश हैं वा पा क्र पर्ने पर्न न्तु सामानी श्रें न न्यं न त्या न माना माना न

स्र स्मिन व लिशाय है न स्न हैन से शास्त्र हैं हो शास्त्र हैं। मासुकाराकी दें दासुमाका प्रदेश सर्वे हो रमीं का प्रमाण है। रेंद्र क्यात्र व्यास्य स्वास्य स्वास्य हे हिन्द्र सम्बद्ध स्वीत हे स्वित् स्वीत न्साहे सूर पर्ने हे वा न्यु सहूद स्या नेते ने निन् वर्डम ख्र प्रदेश गुँच भ्रोता से स्वास साम्बर या द्वी द्रशासदी द्रवदान् सहितान मिं वर वहित् हैदा। दे वि केद सेदा स र्था. त. चर्षित्र मी रचारश. त. चर्रेथ. तथ. रची. शर्ष. तथ शर्य रचे . चे हेश. **न**दः त्रायः नः रचः नृः नश्वनः पायेः कुँदः देशः नायेः द्वाः व्यानातुः पातुः पातुः पातुः पातुः पातुः पातुः पातुः यर अहंद यः भेद दें। विश्व दर्गे दश दर्गे य विश्व दें हैं म्रे.त.चश्चिमानी,रेस्ट्र रायसेर्यात,रंस्केशामीशास्त्रामी,शर्रा, त्यः स्वीसः यः देशः यदे देशः प्रेतः यदे । मालु दः यद्धन् सः यः २ त्व द्वि । ने प्यतः गुन हैंन मही हैं । वे । केना से सुन म बने वहा म दि। वा क्षुन्नु सेन्यान्नायाया स्मासायदे न्द्रिस स् न्द्रमा ह्यासाया स्निश्चारा है हिर हैट न दे न वितर लिंद नर ही कर्निशान। देव द्रमाया मा मी तहना या दे द्रमा मी में मून मी पहें न या यहाया यह । र्व र नश्चरमा है न से र या से नशासामा सुरक्ष या सुर्हे वहित्य वर्णना यस है है दनना सेर याता स्निस या वस्ति रा र्निन्मायते न्या नुस्ति यम यस्वाय देश के वे स्राम् प्याना स्मारा व्यर् वर पर्देर देवीं रायर सुर परेवरा रोता वा मालक द्वर क्रिक मालक के द्वर मीश क्रिके मदमा हैदाम क्रा में

मु न र में हिन कर पर निष्य के समस्य महिन नहां वतुरावानाः भेदावादे वराविदानुदानुदान् केराहे वाकेराहे लेख वर्दरः यशः सर्रेशः यशः ल्याय सर्गा माद्यानी स्टब्सः ही सः सः र्जा मुक्ता । रेल मुज्य रहा महिक स्प्रिस स्पेता । विका मुक मश्रः श्रेशः यः र टा यह्ने शः श्रेषः सः श्रेषः यरः यद्ये । यद्य हेश व कु कु व सक्ष क्षे चरा मालब ह्या यह हमा यह छिन् हो ...... र्युश्, है। सालया है, या सुर्धिश सार्ष, यह बंदा दशश पीटा महेर यह रेट्स सर प्रमुर हो। हिरी क्रिय महेर सर क्रेन स हु स रा हिर सर भेर साथार्निएश दशार्निय वस्त्रीय सशामाल्या । न्यर हु स यहेद रू माह्य स्था रिक्ष वस हो स ही हुना मास स्वास पार्व रस मरास्त्रामरामह्यारसे र्वि के गुक् वहनासाम्बर्गा दे स्याहे स्य वहनासामा विदासामुव पर् गुन नद्रम् राम्बन केन केन दि केन केन सर महारक ने प्रेस म् पर्ने नहां से सामा विकासी विकासी स्वर केरास गुनारहमाहा ही ह र्मेर लेब न अव लेह ने सर नहर नदे सहन हर केर केर नु माल्क न्वर सेन सर वस्क न्मिंश सर माल्क न्वर रेक **न्स** सर सामुयामाकृतातास्त्रत्वक्षात्रहेत् हो में कृतासेनायरामासुदसायासे ..... स्यायाला । निर्वादशास्त्रीयायशागुर पर्वाशास्य मी सक्र १ हैन मुकासुकारा सेना यहा सहक हैनाटी वि हिन सेना सन सम् हिटाटी र्च केरानावन मारेश रहानी सहन हेरा गुरास मुनायर परी सहन हेरी

र्टे में हैं दें हैं दें के दे के दें के दे र्देश-दस-सर-स्यामुच च-१९ गुव-वहनास-र मी सर्वव-१९ र गुरि मुन परे संदर्भ हैन हैं में हिन सेन यह यह पर महिन्द दे दे पर पर्नेन हिटा। र्नेन न्यायर न्यामी सर्वेत हिन् गुरेश स सुवास सक्ष केर हैं में हिर सेर पर हिंद रहे ने से पर हों पर में सार है ฒ.व.क्षेट्र,टे.पटाची,शक्ष्य,क्षेट्र,मीश,चीय,तपुर,शक्ष्य,क्षेट्र,मी ट्र.स् हुर.लूर.तश सर ४५ वश सूर यर पूर र नेश हा । रेश. ब्रम्बद्रात्वर रवर रदानी सर्वद्राहित गुँखां स मुवाद कु व्यवधाय सुर " पर्वमाशुः पर्मे वाक्षाप्ति राष्ट्रीय हिंदाय दराय दा पर्मा हिंद यर है पर्ने समार्देश द्रास्य पर रह मी सर्क्य हैन गुरु सम्मुन पर क्रिया क्यापत्रि र हिंद्रास यहा रहानी शक्ष ने हैं र की हा मीया व हुं व देश सर ल्रे. देस्य देश ही. यहाँ । देस्टिश हमीय एस महिम्स स्म्थ र्चर माल्क द्वर को ळॅक दे कुमक रह को मळंद केर लीका मा मुनःसरः गुनःनन्नारः गुरः नावनः नवः स्ट्राःसरः नास्टरः सरे र्नेनः ह पर्ने पर्या मिर जाना सन् पर्येन से माने किया होता है माने से माने हिंदी होता है माने से माने से माने से माने नत्र पार्दा ।मालक प्यार्व साक्षेट नरा सर् र्<u>चे मि हुचे जन जन कुल विश्वास कर के टू. चू. के</u>रे सुर नाम सुन्नाता सा विश श्रेम्शाम् सुद्याय के इट दें भेक है। द्रमें द्र द्रमें प्राप्त र्शेन्स मायस सर् दे रेन में र्निट्स पानस्त ने लेस पहर धरे

व्यक्षन् नेति श्रीम नर्ने स्थाय वस्त्र या व्यव देश यते ने के नि प्रमायायम् से हिरारी । १९ १९ मु हैर है वा से राम या सम्मा च.चर्डेर.च.हुरा.नषु.र्रेर ३८.रे.चर्षेच.चषु.ख्रीर.४८.षर्ह्र्ट.व.ष... र्सेन्यान द्राप्त न्या न स्र पदे हिन द्रा स्र है न विकार हिना न यशयायहै। स्वान्य प्राप्त प्रदेश य देश यह स्वान्य प्राप्त स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स हैन सरा विद्यार्केश वन्ना सेन परे दें न न में विराहित सेन यात न्नेंद्र द्राम भुंदाया स्निया माश्चरवाया न्द्री । द्रिने द्येर विश्वाय केर्न्याः शानम् यायस रिव नमाया प्रदास हैंसा **ढ़**क़ॺॱॎॕॱॸॕॱॸॖऀॸॱऄॸॱय़ॺॱॸय़**ॱॸॗॱ**ख़ॖ॓ॱय़ॱॴढ़ॱ**फ़ऀ**ढ़ॱय़ॺॱॸॕॗढ़ॱॸॣॺॱय़ॱॱ वसका उर् दें में किर सेर चामिं का प्रेक चर्द ख़ैर लेखाया सा नज़र र्ने प्रदेशके प्रवेशके प्रवेशके प्रवेशका मार्थिक मार्थिक प्रवेशका मार्थिक मार्यिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्येक मार्थिक मार्थिक मार्थिक म नर्नोद्धारम्बेशाम् मुक्षाम् मान् । ह्या है । महिन पर पर देव पा माना वहा य.शुरं.य.ज.शूर्यका.य.विश्व.जुरं.कुटः.यंथःहू्य.तपुं.शु.व.ज.शूर्यका त.पर्ट्.चरा.श्री.च.श्रे.त.ज.स्चीरा.च.चर्च.ता.ण श्री.ह.चढुरे... नु से विद्र विश्व माश्चर्य यश ही यनामा या स्मार्थ या था से नु .... सहिद्रायाञ्च है निवेदायर पहिदाया ध्येदा ही। दे दिना हेंदर समायर स्रेन्यर पर्नेन्य के सु है निवेत यर पर्हेन्य सेन पर खिनास सी। माया है है है । क्षेत्र द द दें । वें । केंद्र मेद । या दूर ही व मेद या में प्राया

न्यन्यते त्रिन् वे निष्ठेश यात्र र्ने नुष्ये त्रेश न्यन्या दनाया है। दे दना सर् दिश देश देश देश देश मुन चा और पदी है र र्रे 'ले'का परेदे प्रमाम हिंद रहे अ हिट रामक सह र हरे यह रम्टिश राष्ट्री इट रूब न मिश्चेट्य रा रट रम्हिश या सहेब बरा देश र्द्रानुः स्त्रुनः रामाकृष सर्दे । माहेमा प्येदादा प्रमाया स्र्रेन गुहा । । । । । प्रमिन वि 'यन य हार निक्षान महिमाया के मुनिसर् महिमा होत है। दे अदः विश्वास्त्र ह्रीया विश्वास्त्र दे रे विदान देवातस य न्या यदेव यदे हिन् यर म्बल्या यर स सुर यर महिमास सेर हेरा या ... मार्खेन्द्राय नमूदाय दे हे हुरानमूदाय रे र्डमामुँदा हु है नहितः मर माहरातु ही द्वरावशामाल्यातु रहरशात्मीशायशाहरा द्वे वी । पर्देव समाया के सेना द्रान्य समाया स्माया में मून्य यह से हे ग्री .... व.क्षेट.रे भूट व.भूब.चल ट्रेंब.टेश व.ज.स्च्चेल.चंट्र विट.वट.क्रिट. न्म्सः लेशः च केश्नां । नेश्वरः नुसः ने र होन प्रसः च हः म् है निवित परि देश निव नुम्य देश परि निव केश परि केश परि केश परि निव केश परि निव केश परि केश य महिमान इट रें न न सुट्याय ने महिसाय श्रम्य उत्रह्म .... लेश यर र्नेन नि । परे अर रम्दिश प्रमेल प्रशास में हिन न्य ही तनाना सनास मेर यर नासुद्याय वारे मि नवे ह्मामार पहें निर्म है निष्म पर पहें निर्मान मुहा देन निर्मायर टॅ चॅ क़ेन सेन य संग्रास सु प्रहें य हु है वर्ष वर्ष पर प्रहें यद ...

र्रे रे ने ने शार में ते से में ने से मार से मार से में रे में ने से में में रे व र र र में अठव १९ मुंच मुंच यह र र में र र ही र माना सेन्य ..... मेर् यर प्रहेंद्र या मु है। प्रदेश पर प्रहेंद्र या प्रदेश मु स्मर् प्रहें . परे रदानी'सहन हेर गुँक सामुच यहा सहन हेर दें वें हिरासेरायर । वन्दरं व देंद्रर्भात्रयाच व्येद्रर्भावाम्बान्यः साम्बद्धरः हेटा। र् रह में सर्व्यक्ते केर की शामान या नविराय है मानर की शारी मेर तकरार्था । सर्मान्यू वर्षेना केव लाखुरायाला मार्मेरास मार्डेशः म मुख्यारा ने सानमान सामान के निष्या माने कि नाम ही रामा र्टास स्र्राचाम्केश वुटावदे स्री सदी सर् ज्याद्युटावावदेव .... म्री इ. पर्षेष . तर . भू . चडिट. दर . कि. भ. पश . ए चैट. च. पर्षेष . भुैं . ए च च . . . . वास्त्राच द्राप्ताने अपे. कुराने स्थान स्थान नियान नियान नियान क्ना हे स दम्दिस दम्नीय मीस वम्नीय प्रश दम्दिस दम्नीय है सुसः त्र वुसः यः सृ वु : इससः देशः र्वे अतु : मिलुटः ऋ र्दं नासः यदै : सर्वे रः यले देः । र्ने १८२ रमामीशरारास र्राट्य र्राट्य र् <u> चरार्से ।मालारीकाल व्यास व्यास</u> पहेंना समार अरे 'परेरे रेंद सेंद समें 'मार ने 'अर रेंद सेंद ···· यर विदे र्रं श्रुम द। दु स हूर व यश दर्गे दश द मीय रटालटाम्लेन्यारटामुन्स्नाक् मर्ग्राचार्यास्यास्यास्य चर्णाना वंदा सुष्रद्या द्या मु । सिवादा स्था नहीं नहीं नदा नदी । स्नानदा स्वाद । । । विना पृष्टोसदा साम्यामविक स्थापना या दे। हिंदा प्रसदा **उद** 

२८'वलेब'सेर'य'रेन'रूर'र हेंद्र'से'बुस'य'रेस'ग्रीस'यमे 'र्म्स" य **द**शशः मुँ। पश्रभः यः नृष्टः अधुदः यः यस्दः यः प्यदे । द्वेशः मृश्युष्टशः मश्रासर् : दे न्ना वश्रा हेन हर : दु क्रिंश श्रास्था हर : रा प्रवेद से द यर हेंग्रा नुसायदी मह्या नुष्या निम्ता निहास महिला मा छेंद यशक से दश महित हैं दि हैं दिन महिन में । क्रिन दिन हैं दि मबिट.पचीर.च.४भश.लश.भष्य, हेर चशिभ.चेरेय.ज.४मुचस..... क्ष. कर विदास प्रेषे चीशका वर भावीदाल र हीं व देत्र मारेश. मानम्हितान महिनार् स्प्रें र्रो । निर्मेह्र र मोलायश सर्वन **३२** महासामहारक सदै र्व क्य पर्चेर हिंद सामारम मोश है सुर यम्यायासर् दे र्ने मेनायर न्वासदे र्नान् दम्यायास्य स्थाना ब्रॅल' ५ रे 'के 'के न अ' अव' ५ हो र 'ग्री अ' खे ' न हो न 'र हो 'र हा अ' हार न '' यशःचन्द्र ह्य मिन्नः ग्रीशः सर्हे 'दम्रोयः द्वयः विचः दृः नेसः ब.चैट.५ केब.त्. क्षश्च.मी.५ नशायद्, व्याटमीर.४८.चीर.४८.नशिट.४५... पम्रोबार्खकार्म्य बेमारवेश श्री । नवि न वामानिश सेमाश यदै द्वान नु देश नुहर यदि । दे हे सूर दर्मन यदी । <u>न्यार्थ की</u> मालाने क्रिंश इससाला र टामी सर्व केन केन गुरा यदै रद यबैद रंस विना शक्कर र पर्रे दा वि दे दे हे संसेद यदै यदेव याद्राध्याद्वायाद्वादेव द्रमायर मुवाया वेश यहेंद् यदे द्वाना न दे हे दे दर न लेना क्षुमा न दर्ग न न दे न पर मून य र्सेन्स सु पहें प्रते प्रहें सुन् स् स् सह र है यह विन नु न हर

मर्र द्याना चुर्र हैं। त्येनाश चॅर सा पर चर दे इसश सु मुच य से " ब्रेन केश मदे नह पहें न्या पार्ट सामा महेन नहा हे हिन मून न निर्दे या दर्रे स्पर् दरास मुन नदे स्नुवा के दिन दिने ले हासर द हैंश.पीट.र्र्थ.जुनेश.स्र.भू म्र्रा.पश.रेमीना.चे ह्रश.चडीट च.बु..... निक मुनामा केवी । दे भराशासा स्माशासा द्वारमा पर त्युरा नरे दि में किर मार्थे विश्वामश्चित्र निर्मे ता निर्मे ता में र्ने हे वहना वर नु न दर में वर नु व लेश नु वर में । इस च लेश च है सर्हेन डेश चु नरे हें न ने ही हिंद रसायाविकाव्यायावे दे र्वे प्याप्येकायायायायाय्येकायकार्वेका न्मायवा । भराव न्मायवे न्व हे क्मायर के हें ना यदे के वेद्या न्दासञ्चर या से नेंद्र न्साय हेंन्साय न्दा हेसा सु सञ्चर पदे प्रेस ... रयाय र्ने न्माय ने स्ने प्रमान निमान निमान निमान मिश्चरका राष्ट्र ही स.चे.सेवका मी.र्च राष्ट्र हेन्। मी.पनर पाष्ट्र । र्दे द्रमाया में द्रमाया महिला है। हे त्या महिमाहि सर्दे या प्रदु चेद्रायासेदायरावहनायदे विहेनादेवायसावद्रशायात्रनायासेद्राः य क्षेत्रं या सेन् यत्। । मानेश्यायानी सर्देन्यन तन् होन् य'दद'वठश'यर तहना य'वर्शेर दसश'**द**र' से देश'गुं' र्हेन्स'.... <u>ୢୖୄ୴ୖୄଌ</u>୶ୄୠ୕୕୶ୠୣୢଌ୕୶୕୳୕୵୴୕୳୕୵ୡ୕୴ୖ୵ୡ୕୶୳ୖୡ୕*୕*ଊ୕୷ୠ୕୶୕ୠ୕୶ୄୠ୷ୄୠ୷୷୷୷

यान्दानव्यायासे। प्रेनानेन्सानव्यायते हिनामन केनान् चहुदःचर्चा क्रेकाचा स्रोदार्चे "लेकामासुद्या है। ईका द्या दर्से दाये नैन्द्रा वेद्रागुट देर ५र्दे ५र्म्य गु वयन्द्र यदे हेद्रा हेद्र गु ..... रैमार्स विशामिं व सेव वी । दे सूर व रचु स य र ट मालव रमा व्यन् सेन न्युंन यदे नाले ने न्व न्यायन सेन हेरा यहे न्व के .... म्बिरेन्द्रिन्द्रान्द्रिन्यदेन्द्रेन्यक्रिन्द्राह्मिन्द्रान्त्रान्त्र्यक्रिन्द्रान्त्रान्त्र्यक्रि मत्। मुर्स्च-द्रम्द्र-प्रदेश-मृत्य-मे स्र्र-द्रश-दे-प्रश्च-म्राध्य-च मान्तराताञ्चन न्यंदाओं नेया हीटार्य दे प्रतिदानिका गु होर न्या २व.भ.मेव.४८८४मोज.४८.घ०श.घ.तश मिट.चशल घर.ट्श..... चर्डिट.च.भु.कॅट.टू.। रिवे.भ कॅट.च.लक्षा लट.रचा.चर्ड.र्जे. र्चेक्ष'च'न्द्रा वक्षक्ष'च'न्द्रा वक्षक्ष'च सक्ष'चुद्र'वेक्ष'च' वस्रकार दे दे दे दे के का सना सदी खुमा रह के प्रदे पर है के कि का सम नस्य देश मुंदे देश र्मे नियम स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स सर्दि शुक्र दर वर्तु देश श्री श्री स्तर कि स्तर के स्तर है दे दे वा की ... नश्रम्भे द्रारम् अद्रार्थि सं तर् द्रान्य वस्य उर् सा ही या पार्टि कर मेश हो। ।रेश व पर भार हु र दश सर हु य सेर हें 'बेश च.च.बे.पर्.रचा.लट.रच.चद्र.पेश.तश.क्षे.चर.भ.बैच.घर्..... ना शुक्रा वे खुवा देव दक्ष प्रेव प्रश देव दक्ष दु प्रमुन् य वक्ष प्रय प्र लट्रम् वर्षे केस वर्ष ही वर सम्मन्य वर्षे वसस वर्षे न्वटः

मीशासासीशामराम्पराहिता। यदमासीदामहिसाहैरिम्समा र्टास्त्रायश्राह्मायाः स्पटास्त्रेतायाः श्रीयायाः श्रीटात्रेत् यशाहेयावाः । चुरै हेर् र् र्षे र्षा केर नार्र ले भेरार्स सामुर है हा व्यना यदी हर्न हे खुया क्षेत्र यहा ह्रेन ह्रमा सहन हेर यह र वर्त हो । हे चबुब न् प्यट न्म य प्यट हेम्ब केश का मुझ बंब हेरे न्वट ... मीशास्टामबेदासेराणे वासूरायहै सेशायशासेदाय द्या अटा ब दे मिं व हेद गी दें में भा हुश वश दे में व हेद गी द्वा यह न्युन् ब सेन् ने विधानुब मी त्रामे यावन एक वावन ने नर्देश दे दे क्किया ता स्वासान सारी मि क केन नु प्येन क ने नना मी .... चीयानपुरिक्रिम्भिःयाम स्मान नार्ट्सान् र्भनाग्री में प्राप्त निक्रि सामुन हेश र्वे ना से दाय दे है दाय दें दार साम ही न से दाया ଵୖ୶ୢ୴୕୷ୠ୕ଽ୲୕୲୲ଢ଼୕୕୶ୄୢୖଈୢ୳୷ଈ୕ଊଽୢୡ୕୶ୄ୵**ୣ୷୷୶**୵ୖ୷୕୶ୢୖ୶**୵**ୢୄ म्यानायाये द्वारा निया का मुन्ति । विद्यारा मुन् क्टार्दान्य र्मारायाने सेना नहार याता महारा नु ह्या य व देते वेश राया हेर क्रूराच र्स राये व में विराया स्निशास देर से इट वेश हा से वुराय ववेद र्। सु मु स वेद लग शु. पर हिंद प. ४. पुंश प. प. इंस डिंदा ना मिं . ४४ : बर मी है है . पश. श्चिषायासेव वे विशानुनासी हताहा । वि व सुमा नदार सावसा अ'र्वेड प्रश्ने श्रेष प्रशाहित देश प्रशास के श्रेष प्रशास के श्रेष प्रशास के श्रेष प्रशास के श्रेष प्रशास के श

ने सूयान विते दिशक्ष गुटा ह साटा हुटा वार्ये वित् गुटा केना .... नह्मन्यते विशः ते ननः मेश ने स्र क्षा न स्र ने स्र न् मारुमा सदे मुं मुंद सह देर हूट र नहीं र म से द है। मालद र व भवी सामधिर व पालट रेन बैट वर ए मीर हा । रे न ब्रेस र्यट. मुंबाका यंबेची यह की मी. हा. मुंचापका जिया मा में हिन्दा मीका य**े द**वटः में श्राम्य त्वना यर रहुः मुः स्टामोः नादश्रास्त्रम् शामुः दवटः । मीबाञ्ची न लेन पर पहेँदाया दी र्देशन्सायर क्वे न लेन पर प्रहेंदा य प्रेवाया देवार्देवाद्यायाद्यादे मि वाक्षेत्र दाक्षे याप्येत्र हेवा यःलटः केशःयरः मुः व ळेशःम्बर्गः वस्रशः हरः ग्रीः देवः रहाः यरः प्टः ने मिं न केन न न न न न न न में अंदे न में न मार्स में न मार केन मार के न मार के न यर नुद्रा । पर्ने के रनु स सूट न प्यथा ने स गुट होना करे बसश्चर्या व्याप्या द्वा यार दिस्य वि वि वद्या के दि वुर के वर .... हुँ ब.च. सहूर चर त्युर है। रेवे हुँ र हे न्या यो वशस चरे **इ**वंदानीकाद्देशियाँ विह्नुस्पराद्यां विस्थाउदाके गुकाहींवा हुः .... र्ष्येन सामि वर्षे विशास्त्री विशास्त्र प्राप्य प्रति वर्षेत्र सेन यात्मा स्प्रेन् यर तिस्त्रा नदी ह्याँ गुन हैंय या ह्याँ नामा सेन् यदी यना ।।।। क्यां वास विदाय देश शेशश वर्ष देशश वा व्याप विषय देश । य .लूर्.त.केर.क्ष्र.क्ष्र.तम.ह.रच ची.चश्रम.तपु.रचट.चीश.लूर्.त...

र्दे दशः चर**ः** ऍर्च चर**्च** द्वाद्वेशः चश्चः देः वाद्वेद्वः दशः चश्चरः दे द्वाः स्र. इट क्वेंट. च वस्त्र कर. क्वे. से चेंच अ. क्वेंट. पट क्वें । वर्षाः ८हें र सर् से से सामित मार्थ का मार्थ र में सामित में सामित मार्थ हैं सामित मार्थ में सामित मा मैस श हर दु र से द र द होन से तुर गुरा श हर परे से स य द्वरामा नविषानुष्ठ में नार्वराया भ्रामा निष्ठा नवा मीश व वासूर नु र्नेत्र स्प्रेर समायहेना नुसार्थी । प्रमे पर्ने खनास सायमे प्रमे नदै भेश राभ हृत नदै द्वर मेश म्लग रदे शहर रदे महस लिचां के कि हो है । वहां स्टान्ये लिया कर में में के में के स्वरान्ये प्राचीया स नवन नर विस विर नर क्रिस हो । नरे र रहेर ने सुर हैस माले दे दम र्षेट नदे र्षेट हेर रे दम माने र्दे दम सदे मार्थ """ सुनाक्ष कु दर्दे क्रें गुट दे दन गुट र दन मी सु य कर ल हूट परि र्यर में स.चल्मा य से र.चले. चल्सा खे महा ग्री रवर में सास स्वायः । मर्दों १८६ेश.दे.ब्रॅट.च.३५.ब्रॅट च.३५ में र्वे.लट.खेश.चर. वित्र मुन्य में वर्षेत्र प्रदेश प्रदेश प्रदेश वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर् न्नामी मिट द्र हूँ र नरे द्रिय मीस पहर न सेर गुट द्र र्भ र्री। देशक मदेक दहें के शुष्प या देश सुवाक सब राष्ट्र मार्ग होंदे या है है । वशाद्वद्वत्वार्वे त्राक्षेत्रे के न्तिश्व दिशामा निर्माण मासुमास्त सं नासासु स्र नामास्त मानामा के लिसापसेत नुसाणी हे ....

न्न'र् वहार वायनेक वहार मी दें के का है। हे नमा माना गुट यदेश को रे जे के के त्युव यदे छैर हो । यदे यदे यदे यदे हहें में र्रे जेन्य र्रें देश में हैं राय हैन्य नेय यान्वय है ..... ल्र-व-वर्व-मुन-न्-र्येद-वश-र्र्य ही अनियानान्न गुटाम हैन... **५न** रेग्रास ५८ हेस ५२न में क्रिंग या के दश सुका **र्य र से ५** र ... प्रह्माम् । अर्द्र क्र क्र क्ष मी प्रद्मा प्रहेव हुन हिन पर दिश हैक पर्चाना मारह्श रेट रेड्ड लव वन रे जेश मर विशहे। अहत य **र्षः यश्र यः**र्षः यश्रश्रायश्रास्यः मृत्यां केत्रा वेत्रा है ..... **दश**्वेना न्दिर् रु श्रेट न अट अट अट न्द्रन मार्क न्द्रश्रास्ते ..... र्तेष सूर . चेश सर . ये. ही। रहा हुंदी . यर ये. घुर . पकर . संदी . श्रेयशः म्बर् रु प्यट रे न वेद रु न स्प्रों । मार्ड्स न दे। रे स् उरे र नाना नु दे त्र म्मि पदे देना श पदे नि कें ने नि स स ने दे हो स परेदे रनाना मु पर्ने ना यदे हनास है पनाद हिए स नहिं ना स र ..... पर्तेषात्त्रमारम्भगवारम्भ म्मारमायायान्ते व्यास्त्रम् स्वरम् लट.**.प**र.चीर्चे येश.रा.रेट.लय.श्रेश.भ्रहत य.लश.ची**शे**टश.रा..... त्यान्तेत्रव्याम् देना प्रः नु : च्या मी : ह्या खा के प्रः मी का स्वाप्त के प्रवास स.चीर,जस.चर्ट.हा रेवि.स.कॅट.च.जस.बु.ह्.हाचा हे चार्च ना न्दः भेदः भेदः भे त्माना नदः स नि भे त्माना नदः नि हमा नदः नि न

रे.बे प्रचायाः **च र**श्चेनाश्च राष्ट्री हेनाशः श्चे । यः र्रेणः य प्रमायः प्रन र्ह्ने चर् सर्वस्य स्वर सुन र ने निवर हो स्वर ૡૢ૽ૢૢઌૺ.ૡૹ.ૡૻૻઽૹ.ઌ.ઌ૮.ઽૺૹ.ઌ૿ૢૺ૾૱ૹ.ઌઌ૱.ૹ૿ઌ.ઌ૾ૢૢ૽ૺૢૹઌૹ.ઌૢૺૹ.. चत्रे खुत्या ही क्षा या श्रीमाश्चा का नु सा सेन पदि का सेन से श्रीन पर सदै चर्ना हैर रु **पॅर्**च व इहरायदै र्वे साम्रे दन्य में र्वे र् न्सायरामुवायायावी कान्याक उदामहिकारी विष्व न्दादायम् सेन् न्दर्द र्दे निरुष्य क क्षर्य निरुष्य पुर प्रयुर निर्देशका नु सर त्युर नदे नदे राज रहत दशके के देव दस पर युराया त्रम्मा स्थे। त्रमाश पः सुरा हेमाश सरा स्र से माल्यः सेन् दे लेश स्मिश मासुटस यदे रेमाश या साह या नु पर्दे वश .... पकर्यस्ति ।र्येरक्षम्बद्धः स्मिन्यः वाष्ट्रम् सिन्नः मार्केश श्रीम क्र्येन पठर वंश हेना य सश हो य याना । हो हेना च'ल'नुब'म१म'में म१म'मिहेब'सु'चठर'न्ब'नुब'म१म'लब''' वश्र, हुना ता प्रश्न हैं। ना ना ना हिसा सा हुना ना प्रशा है। ना प्र मरातु ळॅर्नासाळॅर्नामकेसासुग्नरुर्न्साळॅर्नामासासुनानामा है. दे. देशका प्रमूच ना कट शिंद्र विश्व भारत है. या तथा ही ना 

यानाकुँ शासु नवद वशासू स द्वर व नुशावन निकेश महेश प्रमेश " र्मेर.व.र्म.स रच.वर्च.कम्ब.स.म हैब.रर्मा हैर. वसका वर्षे. मुक्तान रामा क्रिया व क्षेत्र मार्च मार्थे राम्बेर पा क्षेर गा र्भ । ब्री साहराव कर नियं वह विवास विवास विवास लेश.रेचे भ श्रेट.च.लश.उकर.डी चीड्ट.च.ह्रेंब.शक्स सदर वुना या है के क उद या पहिना व दिन की वहना या वु**रा** दहा .... दर्मन्। या दर्भे । देश दाना वद ही दा व केना दर्मन या या या य मार्देर होत स्रेंदे प्राये र नाहा स्रोदे हो । अर्हेद र स्रोदे स्र चेश क्षेट र्चेश नदेश माहेश हा नदेश मुन द मेंना यह हेना हा सह ... न्द्रान्ति, श्रु. पहुं भी प्रम्याना साम दे नार् नार्ट् नार्ट नार्ट नार्ट नार्ट स.लट. खे. च. पंडू. लच संश. ४८. पर्ट्या । पर्ट. ४ चा. मेट. श्रम्यं र्ते वि स्त्रेयाची ह्यास्य प्रदार नये रेनास नये त्यस हेन में हो रेना य.ज ह्र .चेश.चर.पर्र.चश.चश्चन.चर.चेर्रा ।रट.केर् जे. मुंगाब स्य दरे द्वा मी रेगाब स मेब द नावद इसव गु रेगाब स लट.चर्.ध्या.२.चुश.चर.पचीर.चश.मी.भ.चश्चेर.ट्रा ।चार्रुश्र. याष्ट्रयाद्याद्याद्यात्राचीयात्रयाद्यात्राचाहात्रुः न्यूया यात्र माहिका मारा अमा न्रा केंका त्रा माहिका मारा अमा न्रा महिका मारा अमा न्रा महिका मारा अमा निकास माहिका मारा अमा निकास माहिका यक्तर्भ र्टा र्वर्स्यर्गुमुन्य दर्मिम् यदे रेम्बायदे महिं म् चिर् भूषे पर्वेष तर्ते । निर म् जामीश्री चीर अमे निर ह्रसामान्द्रायके द्वार्यम् यदे हिन्यर मन्द्राय द्वारा दे स

चहेव वशास्यम्यायते नर्मोत्यायासम्बर्धाः सुव स्ति साक्षेत्रायाः चर्षा भारता द्वार वासर् हे क्ष्मसार्गातम् वास्तान्त्रा र्ट में . लामकेश रूट मी अहर केर मीय मीय महिरू पार्ट केर दर्नाना च हिन सर प्रवेशसर मध्येव सान्दा। न्नाना छ ने देश चडिटावस हे हेर सेर च च इव चर्चे । १८ च वे। श्रुच द्वेव พะพ. मिश. ปลิย. ผ. พ. พ. ป. ปลา ฮ. มิ. ป. ปัตร ป. พ. ป. พ. เป. यम्बर् में में कार्स में कार में कार्स में कार्स में कार्स में कार्स में कार्स में कार में कार में कार में कार में क सरीय रा.लूर. राष्ट्र ही . यश ही या पहुर पा हिया है व. प्राचीहिया नर्मः बिनास क्रिया चा वा क्षेत्र है। बहा मी हेबा बही सा है। सा दस नु न न ने न बुका हा रून हिट रेन न साम है ने किन हो न पर जेश.च.थे। प्यमाश.च.लच श्रेश.रट.जमाश.कंष.पचेर.रट. शत्यामुद्रानमुत्राया र्येन्या रा नृतु स्वर् । यस क्षा न क्षा गुरा ... खेश रन गु य र्ल पु खुद मदे दुल नड्ड पार्ट लेश तक **र**ें। शक्षित नुःक्षु सः वसानु स्पेन म नदः निकानसः दिः निकिन स्रोताः क्षाताश्चित्र न्यूष् नार्ड्स पर्दे नर नपर हो । का. पेश श्रेष्ट त्य. रदाकु नामकें रदाना सामानी सामार्शन सामाना समारा गुरा गुरा गा श्राद्य मेथा, पश्चीत्रा, र्यंट प्रि.च. चंद्र, त्यंद्र, तिर, र्यंट, र्यं, तिर, चार्डेश... व्यः वदना सेर् ग्री हिर यर व्येर् यदे द्वा सः वत्र र्रो । हि वः मैंचेश तथ के शरश मेंश.पश्चेरश.ग्रीश.पत्र.पत्र.रेम्रेटश.य.ह.... द्वाय मिल्र नु मिल्र मान्य प्राप्त हैं नि नि नि मिल्र मिल्र

यदी प्रह्मा द्वार हिन यर में पर प्रहोत्या रहामी हिमास है। त्तुः सः माल्क मीका माल्या मान्दा शुक् संदाका ध्येका सम्मन्दे। पहना प्रमोषा यह। है हिन प्रश्न स्टेश स्वर्ध पर्देश सामार्गिका : यर प्रमुद्र पर्देश माल्द त्य मूट य हैं देश हैं पर्दे के पर्दे हैं द कें सार्यमा परासी रहें राया रे प्रति राष्ट्री मा में क्या में सार देर सिवांकाचार लेवा चर्चावा लब नेर चटका चर मक्षेत् चर्च हिवाका ..... पर्ने वशायम् तारा स्टार्स्य स्ट्रीय माने देन माने का स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स मालक करे रे जिस सम्बास क्रिक गुँस देस पर सहर र माश्रुलाल्या । इंद्रास्ट्रीमा कुमा मीशा शर्दे हैं। या देशशा ग्री सिमाशा र्देशन्मायर हुंशायाने हेर्नन्त सम्मर् गुर्मा मुन्हें न नु नर्देन र्रे 'लेश'ङ्कार्य'नार'ध्येष'य'रे'दे'र्नु'सदै'चध्रव'यर्देश'णुं'रे'मिं '''' न हेन सहर्व पर से वेश रामि क्या ह्या रामि के हिंग पेश पा चर.चेर्] 6्रेश.मश्चेत्र.भूट.चे.चन,२.श्च.चट्र.क्षेमश्चाला.लट. में केर मिश्राटश राष अधर पर केर पहिंग हैं व पश्चा पर्या क्रश. ब्रे. प्रह्मा. हेब. तर् . क्रश. रटा अव्हटका चन . श्री. हमाशा चर्च. स्री. . . . हें। सम्बाद प्रें के मुक् केंट साम्बाद कें से साम केंद्र साम केंद्र साम केंद्र साम केंद्र साम केंद्र साम केंद्र गुर्बरदेश.तर. विद्रु. लेश.चेश्वरश श्री ीरट.ची प्रेचीश.रेवे.स. त.चीबब.४८.सीब.मूट.भारत्ये नार्यः चार्यः मामाग्रीश.र्वः श्री चार्टेशः गुरु र्व द्रम पर क्षिय च द्रम स र व स पव र गुरु हैं च ५ र द र र र यस न्तु सदे ने मिं न हेन से मेस पर पहेंग यदे कु सकंव के ....

रदानी सुमाश ता श हुन्नु अद रदानी सळत हैन गुरा मून धरे " क्रिंश से तर्रे ता हे निन के देवे छे = क्ष प्रह्मा च क छ्म के क .... चतुः श्रीनः हो। । चन्त्र च नाकृषाना इटानाहेना सरा कुमरा द হুনা বু্ধ,দেখ এি: ঔপগ্ৰেম দেনী ২ বধা বহুধ বাৡধ ঢ়ু.প্ৰেস.... मर्थास नेमस मदी महिन हेर मर्थ प्रसासदी क्रिं है सर्देश निहेंस अरु कुसरा धरे तिहेना हेन पति क्रिंग न्टा वहेन नकिस नाट र पट" सर्दुः यारासे रेनायायया द्यायायते सुन्यायते ति न्या दि द्या न्स बन्त्रहेंव नृष्या न्द्रां विन्यु वि मून सब्द न्द्रा सुद र्कोट प्रसाधिक वि । यदेव मार्केश मार प्रमोण प्रशा मालवः मीस र्व. रस. प्रस. मार. ला । र वे मलन मी ग्रांस हिंग हो। । मालन मो सर पर्देर मार प्येन मा ।मालन मो हर सर पर पर्देर चलेका विश्वास्ट्रा सु हिट्या सु है मु सूच मु स्वेका देवीया च्यार त्रक्ष त्रकर सॅर्'णुट'रे'सेर'चर'वहुना'वन्ने य मुँश'येश'''' र्सें प्रमोश नवि हे हें संय में वि य वहीं क्षेत्र वेश मा आर भूट, भवेरे . यर थांच चीलर . य. लूरे . मी. र ये. था. मीर ज सूची हा या..... इसामान दे मेर है। पर्या मध्य नहें मार्य निर्मा या नम्द्र य हर् सदे दे मिं व केंद्र मह्म यदे द्रमेश यर नम्ना यदी क्षेत्र द्रा माह्य देव है है न क्षेत्र महोत्र मेर् झ् व मह्र श्रम र त्याय हिट मूनस मश महा महिन यर पहेन " नाकेश र दायमीय पत्र पत्र या मुर्सिर पत्ना मी र्रेन पत्र

र्युन्या शुः द नो यः नरे द्वीर रो ।नाल्य अर द हना द नो य यथ। र्व द्रमःचर हो च सेर् चर्म यद्ना द्रम्म लुर सर हो च द्रम्म यः रुषाः स्त्री महिन्द्र रूट हैं र र यः स्त्री शर्म माट रुष् सर्दि सुस न्र हेश सु न्यना य न्न में य न्सेना य र ने न्न में .... रट.चिक्रं मार्द्र भी अपर माल्रं यह भी पर यणुर रो ।है ष्ट्रे दे व्यक्त के तर्दे व के निर्देश निष्ठित है वह दे ने निर्देश निष्ठित है माहेना मिं कर र नुरारों | देरे सुरामालक स्था से व स्पेर क हैर ही । बिशाना सुरक्ष है। निरादु र राक्ष है नी स मून परी म् वश्रामानायाय र्वास्या स्राप्ताना वश्रामान्या स्राप्ताना यं देन्या गुट १ क्रुद र् दर म्ब्रिंद द्यार मी सक्दर हेर गुर ही । यते निवन क्षे पर्दे नर्ने । दे के प्रदेश मुक्टीं गड़ प्राप्त पर्देश यासे प्रकान्त हैं वार्ष वर्षे वर्षे पर वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे ผารัพานาสติสาราระาทิาพธราชิราทิพ ลู้าสาสริสานาสุริสา कर 'तु' स्रोद 'यर 'य सूच र 'हे। पहें 'दे 'दे स' य 'हें ब' दस' " यम् से हु । यम् १ हु । यम् १ स्ट १ हु । यम् १ से हु । यम १ से हु तर्र, त.पा.संचेत.प्रे.र्ट्स.त्र. संच.पा.संच.पश। रवे.स.त. माकुश ता नमामा नुदे हिन चर ने उस छन् व है च मामाश चरा हे ... ल रेभूचेश नशल व्य मी रेचेची न हुए हीर भ भहर दुश हैं। नर में रेन्य र्शे । महेश रायामहेश गुर पर्नेश रा सुर श्चेरा. गु. श्चे. पर्मारा. गुरा पडिटा दिला पहेर वहा है से दे पर पहेर ...

३व व्यू त. में हैं हैं र जा नहें व वहा मिट नरे ना हुं र नहें व मार्खः सं मर्दे देव मन् मर्दा । नम् वी वे व हे वह लेना न् नहर बर्रायानी सर्वेद है**र गु**ष्टा मूच पर यहराय स्वेद है वा पर्ने ता.स्म सर मीय भवत स्थि यह एसि माश्र यहूर तर वि है। न्दा वर्ष प्रदेश वर्ष पर्देश हो । प्रवर्ष व पर्देश होता है । विद्या यत्रे.व.क्षेर्.यरेबादा.व.र मु बिर म् ४५ ११८ वार वच लुब.... दश दिन है है है न्या भश हैंने मालन लेश नाद वर्ग ना च हु है । यह मालन या देवे दिंद यर वादे। देव मारेमा स्ते देव माद्र वाद्र वाद्र वाद्र वाद्र वाद्र र्त्रेचाश्च.चाट.प्टेट.बुचा.कुं**र**.बेश.चेट इत्ये हे टहूचो.श.चैट.बे.जश..... मार्श्नात स् .ज.श्चीश.तर.८हूची.वेश.ज। श.केंट.व.८हूची. म्, वेश. तश. चीट. अची. ची. वी. श्री दे. प्रेचीश. त. व्या. मीश. प्रू. प्रायर. हेर्रे च क्कुन मार या वहनाहा यदे वहनाहा माने हे हैं ख़र ये ब निष्ठा कुट चक्र पार्थ पहुँचा ब.चाट ज्या प्रद्य कुर कुर ज़िल मान पर ঘর বহারময়াত্র শূমাই বর্জি ব্রহিন্ট্র ।ই বর্জি বু चित्रवासान्दर्द्वः मासास्यासान्दर्देशान्द्राम् सुन्नाम् स.चेश.गु. ष्ट्रश. व. ४. शर्रे. र्ज . मश. ह्यू मश पट्ट, रूचा. में . मश. तर यडर् ड्रम मु मेर् र्वाना सार्मा सामर मलना या अर कर् णुट हर हो। द्रिमासम्बादायर पर्देन य वससा उरास्पर यर पर्हेनाय क्रार्टार्टा में सेटामें व क्षरायहना यदे यहना महिते हैं के हे हैं

पर्विनार् मून यानवं यान देश हेरानदे रेव सेराव धर्म सर पहेंगा में तुषा प्रधाने वार्य नहीं मान वार्ये यह पहेंगा में हेंगा मेर्रम्बुद्रक्षाद्वानुद्रम्य मि कामान्द्रम्बंद्रिन्। सर्वे यदै सर्दे ता सँग्रायर माल्ड पट शुक् सँटास धेर्व यर सर्हेत्..... य बेदे वा वा सु व या रहा मी बर्द्य हैन न वन् पान हा। मी सर्वन हेन गुरामान सदी महासर्व में केश में बार में पर दें । ह्म नर्र लिनश में जिनास है हे पर्ट नर्ट ह्में कि रहें मेर पर्हिन या बै व क्षेत्र ने स्तर क्षे पड़ेरे. तहा कर मूर्व है केरे पहूंचा क्षेत्र की ...... क्रेंना नश्या पश मल्दा भारतिया गुँ हेदा उदा हिनायन नु होन या ८हेना हेन यरे व क्षु मुणे प्यन तमा नु मुन या साम निमास व मुन म हेर म में अहे मु न्म। अर्म भ हेर छ हेर म में न्मा माठा दे.माट. वस्ता ला ख्रमाशास नरमाशास हैन लूर रहे हैं नरहे . पर् रेनाबादाका फेर्न र्ने 'लेबानासुदबार्खा । पर्रेकार्ने प्रहेनाः हेब ब सके मुदे खुरा न्द न्या मठब में समी लेख म ह्यन चेन या या छ स नि सर्वे प्यस १९ १५ पर छ । प्रमा सेन कि हून हून हून राम माले केंश द्वार मां माले दे र र स्रोते स्मार में सक्षेत्र केंद्र स्राम लेखा या व्याप्त लार श्राच सेव यह सासे मिटा ने से विहा व से ने हें विहा मही यद्री श्रिय: न्यामी विश्वायदे ह्या यश ने माहिश या न्यीमाश तर् हैं भेंशत्रावाहर मेंबर नहार बंश नार में खंश न्रामार में सर्वे : भेर क्रुस नु : ने स न र देर न न न से र न

म् द्रान्मा मुख्व सेव यदे सुरु द्रारा सम् रे प्रव रा यहाया पर ..... पर्रे वर्ष प्रहेन हेन पर यह दे हेर्स शु होर य हुर यर ही केर सके मु नि नम् माउन में ह्मार १० म में दे र्नार म रोय न दे रेनासान। सामा सेन परी सामेन परा सामा मिलन हैन श्र.वर्ट् बेश.च.ल.र्चिश च.ट्रे पर्य.चश्रम.मी.श्रेट.चर्य.त्रे... यदे मु सळव नाल्य लेना गुम ह्यें ने हिन सर मु नाले हेव समा नदासमी में 'नदानिन'तर मी स्थाने बार मही मी नदान वि ८३मा हेब सी वाह्यर पुष दर दु सूच समारे माहेश वादर से र यते दिये न मुवार्य विशायक र हो। । १९ ता शास्त्र प्रहेना स चर्ते मिले मार करेन चर्यान र्ने व च रूर रामे हैं रे रे र्मा महन में सर्चे तारमा मंदर ने नर विशासद स्रीर नि सक मा नर ने है ..... खुकालेका यते द्वायदाया के कि कि के हिन यते खुरारी हो या ं चन्नियायन सर्दर न्या चयया चरामाश्चर्या है। सुदारेती प्रस्ती हैरा । दशः नामा हे 'हे 'दंश हिना 'द्रशेट यश खुश द्रा सम् विश्व प्राप्त दे 'यदे ' र्नेन मालक सामान समे छैर निये मान मान में लेका दे के दे हर म भेर है। प्रमाहित परि शहर भारे स्र है पर रखें रा में पहिमासि के रिया पहिमाहे र सरी दिसासे इसका के स महर यर स्प्रिं यदी क्षेत्र हैं 'लेश स्प्रिं । १९५ म में दे हेर माले हेंस दे 

र्से स्मून मदी सके ना नर न्मू नाउन से केन नामानि " ह्र्यास् साम्यान व लेया हेर्नाय देश हर न यह सम्योगा वन मीया ह्र्या क्सकार्द्र मर प्रह्मा छर स्या । व्यर्ग मार्ने प्रहमा हैन मी बाह्य र क्षेत्रायाने त्याते नित्राचा ने त्यून नित्रा द्या द्या द्या प्रति त्या क्षेत्र ती मा न्धनः धनः प्रहेना में 'लेखा त्यदा सहन दें। । न्धनः दशा प्रहेना दः **८**ह्ना से व्यापार्टासार्युर्यात्रा प्रहेना सुन्या गुटासुटारेले पर्यो ৡ**৴**৾৽৶ৣঢ়ৣ৽ড়৾৾৴ৣৼয়ৢয়৸ৼ৻ৼঀৣ৾৾৾৴৻৽৻৸ড়য়৸য়৻৸৻য়ৣ৾৸য়৻য়৻৸য়৻য়৻৴ৼ৾৾৻ यर वर्ना सर् सॅर्णे दें बण्टा सुट से या बहेब बडा रहेना हेब .... म्ची'गुत्र हिंच' ५ 'पर्दे 'पर्दे 'या हैन प्रेत 'पर्दे 'या दे र्टासके मु निर्माण प्रेरामा स्वाप्त मुनाय सेरार्टे लेखान् बना प्रह्म **देलामश**रमा । इस देश मी महमार से साहित मी श्रेमशालेशानहिन्दायायाया वा श्रुन्दे नाटा यहनाशामहै नाले स्था चुैक न्दर देवे माहमार **न**्दर सेसर है देर मुव न्द्युन या के र्हेस दे ..... **र्**ना गुट क्ष्र देव से दे ते ते निहन् र से स्र र से निहा से स र्नि मालक नु भर द्वारा हीक से हेन मरा निष्ठ है मर्स भावस हेना यदै दें न' व झुझ नुदे तहें न' स से द य दे चर्चा से द से द कें ने केंदे केंदि केंद पर्दे। १८ दे द्वारा हैदार मी सक्तर हैर ग्रीका सामा वारा प्येदा ही। 'झुब' ठुैद से**र'**य'सेद' यस' सुद' यें 'त्य' नहेद' दश' गुद हैं न हु '**प्रेंद** य' पर्वत नु न्ये न्ये सामा प्रह्मा हेश भर्गे ।क्रिंश इस मी प्रह्मा द्या अट तट देवे तर् के का दे प्रति के पर द्युर य देव

त श्रृचेश.च.रे.रेचे.त.त.त.संच्याच.स्चे.च.रच.तथ.व्याच.रेचे. मळंत्र'मिले' स्रेन स्र। मळंत्र'मिले' स्रहारा 'त्रा स्र हेत् स्रेन स्रेन स्रहेत कृत गुमासे र से र गु रे दे विषय प्राप्त है के गुक हैं के र से र से देश व श्चित निर्मे देशसा गुँच यम छ्य स्थित य छ्य मु मून पर क्रिं स वस मुनः नः इसः नः नाल्ना नः सहनः हो । लेसः नहारसः हे श नि श न श्रेन्थासक्षेत्रसक्षेत्र न न हिन्। य य सामक्षेत्रसक्षेत्र गुँ। य क्षेत् प्रहमा नदी प्रहमा निष्ने सूर सुर वर्षा द्रा क्रेर परे र्रेष सापहूमा वारी माहेश पहूम का में बा मिया मिया हैंव हैंश परी ..... द्वात्रत्रे देशः व वि 'दर विश्व न्वात्रात्रात्वात्र्यात्वात्रात्वात्र्यात् वि'सार देवे सहमा केर वहा परे के दे मिं क सर महिंक के अ वर मिश्र बिट वर विष्टे। दे हे स स्मेश के गुक हैं व तब**र** य रहा स्वायामा भेवावमानेस वातरीने मिंवाकेरानु तसुरासी गुवाहेंवा र्सेन्स मन्त्राम व से से मन्त्र से मन्त्र से मन्त्र मन्त्र से निष्ठ वि व ८कर्'यर'८चुर'वदे'८घर'यश'म् इन्ध'र्ट्ट्वर'च'ल'र्ह्यम्थ'' यः इससः णुटः र्ष्येन यासः भेन यसः ने न्ना गुटः सक्रे नु ः यः र्सेन्सः यः माने खुरायटा साधी के प्रश्न पर्ने के स्पेर पासा के के वे विश्वा म्बर् हरामहेत द्यापर्माय म्बर्भायर त्रमा द्वा द्वा त्रुता वहुना मा त्रा

विश निर्मेश पर मश्रम्भ श्री । नेश में हिर हेर निर निर की हैर यदे देव ला व क्षर र लों यर दहन व रे मिं वर मुव क मुव .... न्युर्नियते त्रवर् यस वल्या वस्य दे के गुर्ह्य रु स्पर्निय केवर मु द्र द्र द्र द्र प्र प्र प्र विश क्र विश क्र विश मान क र्रेक रहा मान पर्यो । वि क यर्क माने क स्था है सूर ह्यद विषेक् दें रवे दें रहे । । । १३ ल र सुर या के पहला में । क्स सर र सुँद सर हेद व देवा । नालव द सेंट स्थानावद सर प्रमीत्। विशानशित्य याचवित् ते। स्यास्य स्टाई ता दसस्य णुरागुत्र हेंन सदी र्वे द्वारा रेनास सरा रगुर कर हेर सदी रेन त्र तहिंग च द में मार्च के के देश श श के इंड र प्रेंद र र ने मार्थ यश्रान्तुन दिन वासी दहनाया हिन की हन केशहे हन केन लेन। दरे वे**'द**वु स य महेश कु सम्बर्ध के र सुर्दे सम्बर्ध है दर् वेम .... मैंश न्युन यश ने मिं जर मुन श मुन न्युन यर विमुन नरे हिन यर सा से दे ने पर भेर है। वर्ष व सूर वर्ष है हर हर न्धिर्यास्त्रावस रे मि वरामुयास मुयान्धिर धरामवेर रे। ह्र- खर द्राय ना निर्देश में इसका गुर से दर नह निर्देश क्षेत्र र्वमानु स्वत सराचर चलन चले हीरानी । सराउमा ही द्वावी ह्र- द्र- व क्रुन के निव नव भान व में केन न भानेन के हिए में कि में किट देव केर यत्र केट का भेव चर दे देव केर च के का प्यव वी प्रेर सेट में के क्षेत्र परे विश्वास के क्षेत्र माट माल्य वसका उत्ते प

क्षर दे न्या का का का का निवास की का म नवन यमे शक्षर र र्षेर्य मे नवेर री । । तत म म म मुर य द्वार दे र हुन ५ र्नेवार यदे हिंदे र न्या ग्रीस गहनार हैं र या र्शेन्यायात्रहेना से वृद्यायान्येद्रायासेद्र यदे द्वराया दे विषया यार्सन्सारायाष्ट्रदान्दरान्दराम्बर्गात्रह्म नुष्ट्रिय प्रहेनानुसा यर दर्द यह हैं दे रवः मेश यहन स यहन ने हैं या अहः हुर यर हेर्दे । रे ५५ वर्ष ह्व दे द्वः मी अ वल्य य से द यर हर्ष रदामी दिंश गु मार्था शुनाथ गु दिनद मीय व्यद्धि से रहिनास .... न्युर्नायावश्राने वि वरासूयात्रासुय न्युर्नायर त्यू वरावर्ना की ह्र-चन्द्र पर्वे न्युंद्र स्वन्य दे दस्य दश से पर्द्र पर्वा शहून नु स्टामी सर्वेष के**र** ग्रीश मूच स बले**र** हो १९८१ श्रीर माश्चर स्व मर्था गुरु हैं व से दार निर्माद देश वर्षाता विसाद विस्ताद देश पार की स्वाप्त र्सम मी हुर नार महिर्दे या अद में अध्य ही नि द त हैन हैन तालाक्षर प्रतिश्वास्त्रम् में प्रति स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय विशास्त्रीय यासार में जूर यह है हैर देश याता में देश य रा है से लेश हैंर शु.विदादमाश्रम था तर्हा स्ट्रीर खनाया हामा र्ट हेंच की वर्षी वर्ष के वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे व्दि मी व हुन् नन्त न य ने खर नन्त्र य र मीक क कैंस नर व क्षेत्र देना वहत यह देन देना मार केन क्षेत्र दुन दुन वहा वर्षे वर् देश व मेर मी। दर्जे दर मे व केर र र निय कर पहना

यात्मा मान्या वर्षे पर्वे मान्या क्षेत्र मान्या मान्या ब्रम्थ यात्रात्मावायाकेलिमार्येन देख्याच क्रूनाणै र्वेदायान्युन वस रदानी सर्वन हैन गुंस मुन यदे रदा बहैन स्पेन यर दृष्टें या व निमान हिंद स्वर सेव मी नहेंद दिय सेद या सेकारा उद मिर चर'प्रकेट न दे सुद से स हैर पेंद चर दे हैर देगा स य **ह**मस गुंस महि में र द्वाना द्वांस यहा देवे दिहें हुल है हुर खेत है हा देवे के बरामे हेंबाइस्वाइ हुद में दिया मेंबाद ब्रा राउं स सेवा यर र र में र वे हैं हैं दश खें र र र देर र हो। र अर शक्र में ब ता श्रीश राष्ट्र मीट वना ता हे हेर तह व व नाट वना ..... मी'यदमा'यहें दे दर सेमा ह या संग्राय परी हें साम दे ह्रार पहें द द ह्रा मु न्या पहुर क्षेत्र क देश पर्या मानेश मानेश मानेश पर देखें। বর্ স্থর ব্রুল ব র্ম হ শ্বুর ট্রু র্ব পাদ **ঐর** র্মুর ব্রুল ব্রুল প্র বদ্দার এই বদ্দার র ই ই শ্বং ইর্মের ব্রুম্বর বার্ कुर.रज्ञा हा ।रेश र स.रचेर.तपु. केर मुना में नरना एडूर लिया र्टा मक्षाय रेनाश यहे र्नामा मुही नहीं में स्थेन य र्टा महिट क्षश्चर, वश्च, देवी देव श्वर, प्रमुच, या. प्रमुच, या. ये. वेची, या. ये. वेची, या. या. या. या. या. या. या. या. य नशः गुरु नहमाशः गु तहेदः सः खुत्रः नडशः मि दः द र्योनाः में ह्युक्षः नुः भ्र. चड्डर. हु. । मुनः सर्थ हु. स.चस्त्रीर.च वि.कृत रट. चर् स्र. नेश यदे श्रेमस छन मुस च सन देनास पर हैं है निन निम ना

स्रायत्वा यन स्ट्रिंग्यरे सेट ने के हुँ मसे बुस गुट ने में ने के व्यत् ने न वितर् वात्रन्मा मार्डेश स्ट्रिं पर दे द्वा व्यतः स्ति पर मनुरार्थे ।इयं पर्वेराञ्चेरायापार्म र्ननुःसारम् र्ना नार बनान्दरहरू गुँग्हेर नुनार नमना यहा नदना होन नुपहर्मा यदी यदमा नाकृष नः देर लेव समाध द्वारी पर व में वर दर्द र्ह्य निष्या स्थान मार्वेश शुरु होत् भी मेत् मुरि यहमा सामी सह व में यहेर हो। यहनाय संस्था यदना सेद दरे हैं र सर्जों य दस दर्जों से हा क्रिंश रहा महा अमा र ते प्रकार स्थाम क्रिंश मार्शित हा । विश्व ह्रा रहा चारः≅चा.मो.रेवे.चरा.दी.भू ररेचा.चाकेश मी ह्य. बरा.दी.चर.ध..... डेब मु न है। मह हैन नहें बार्च द्रम्य में मुल्द म हमा स स्थायदे दें वें नद्म मल्ब हे हे से म वे महमा से प्रदें। ।दे के केंब नदानदात्रमा मी न्तु नामक्रेय सु हैंनाबा है केंब की नन्ना ... होर्'य:र्⊏मार:बन'मी यर्ना होर् यर्तो । विशः श्री **।**रमाः स सर मु दि में है से द दु निष्मा य र र स से द स में द स में हैं है है वश र्स्ट्र खनाश स्त्राच मह नवदावदे ह व द्र व विवास निष्टे न स्थानीय तर पर्ट्रासप र्थाता पर्टा पर्टा पष्ट्रा प्रक्षा मीया य.पर्ट्राची ह्र.च.क्र.च्या.पर्चेर.ह्यूर.प.पश.चडचेश.ह्यूचेश.

मु दे वि वर दे वर्ष वर वर्ष वर्ष मुद्र वर्ष मुद्र वर्ष वर्ष वर्ष २२ँ६ रायायार टार्मी अळव के पण्डिया मुचार रामाना वय सेटा दटा .... न्द्राचल्ना चर चय्राच प्राप्ताय वि क्षुत्र व र्रे हे व से दि दि दिस्य देश देश देश हर में सर्व रहें हैं गुर स मुन हेश ह्या न पर मु। दे ला र टामी मेट र र माहा सदे र र र माहा म्बिंग्वर्या का में क्रेन धरामा में दर्द चरा दर्दा यहा दर्दा व स्दायदी नदा महर्में मीनायर पहुर याल्र्स्स् । हे रचामी माल्या सहा हें के त्र हित्यर तु बहबाराय हार्येट खंसानु व वहराय परा ..... हे.चक्रेश्रक्षराचद्राष्ट्रं लामबदादह्र्यक्षित्राक्षराचाह्रद मी। र्देश सेराय व्य नम्नार्था राजसार् १ तर्देरायसाय हो यद सेटा रुप्तमारा यार्चम न्य में पद्वी । मार्हेश मानी क्यापहें राह्वी रायां मा र्ट व सर्ट कूर या दशह होना न्यव की हो होर एका हिंहा की ..... नर्ना मेर्नम नहन लेटा नाट अना नो नर्ना मेर्नमहन याहै ३४ ह्र ई रश मेरेरेजा वर तालश हैना राहेनी हरेरे जिट ..... नभर मु सेर पर रहेराया क्षिय र्मेर महिल मु खन्य मु स बु.रु.माकेश म.लश.चष्ट्रमा हु.ही नटु रेट त्.हेम रेशब.मी.ह्र.हूर. पश्चाम् निर्मासे निर्मा स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स् मुन्ना चर्ष्य स्व. पर्या मुन्ना स्तु । देन्य या पर्या स्वेर स्वर् र्वर हैं सार्टा वस्त कर्त सब्सार महर्ष है से हैं में हैं हैं है त्रथ रेट रेव.स.र्ड्स.स रेट.केव.क.वेर.रेट.क.चेट.से बेट.स्

न्मान्यक्षाने। पर्नामाने प्रवास केराना दे पर्वेष જૈર-તૈ<sup>-</sup>ત્વત્ ત્યાર-એર-ઌ૽૿ૢ૽૽ૡરે-ર્ના-તે-ર્ફ્કૂઅ-ય અદ-બૈત-ૡરે-ર્ના---वै:हुन:य'स्टास्पेन वें विश्व णुटःमश्रुदशःश् ।ॐशःवस्रशः उनः नन्ना सेन् न् 'बेस नासुरस'य'यानन्ना सेन् या वेस नु न हे र .... र्म 'हैन' सेन 'पर्र 'ने देन ने खेरा नु नि सु है में 'हैन' है । क्रेन फ्रेंब पर के होर हो । विष महित्स हो । सुट र्च वि पर म मेन्यदे न्वेर रेम यावविष्तु न्यु पान्त है वर न्य है जैर ५८ क्रिनाकु ५८ क्रि. स. पहेब. स. ५८ । ५६ दिना हुब स स्पेब हो। लेख'नासुप्य'य'न्प्"। ह्या स्थानस्य उन्निम्मेन् ने लेखान्ने मा न्मन नी से रून प्रमा मासुद्या प्रभा क्रिं व्या वस्त कर दें वें कि ..... बोद्दायर नष्ट्र हे नदमामी दॅब के दें वि के देंब प्येक प्येक के के स्ट्रीय के के स्ट्रीय के के स्ट्रीय के स्ट्रीय लेखान निर्मा तिहिना तिनोता त्या गीटा। निह्ना का ने निहास के निहास र्स याम्द्र। वेश स्मिश्र १ वेश मा मध्य पदि सर् मारा द्रारा बेश. क्रूश. ग्री. चरचा. खंद. चर्चेब. चर. चेश्वरका. चेटा। इत्याकाचा. इना ढ राये प्रमोल रा लक्ष ग्रारा केर हा हिन रा के हन हैं का ह्रे.त.प.चश्रप्त.चश्रदेष्ट्र.इचश्र.त.स्.चत्र.ट्रा ।लूट.के.ह्र्य. य.लट.चर्ष.च.रथ.च.ष्.चक्र्म.ही ८८.डी.ही.भी.चर्ष.चट्ट.ह्र्स. उर्व मु दव समा प्रदेश पर्छ । १२ दु दे दममा उर्द दे हैं दे द श्च. पर्. क्र्य. वर. ब्र्स. स्मास. ग्री स. मीश्वरस. स्र्र. ग्रीटः। पर. सदानु न्दान्दान्द्रान्द्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा

चश्चरते, रेट च च वर् चर मश्चरश्च । पर् ता लेगा शस्त्र मुक्तार्विदे द्वा मेक्ष के मार बना में वदन र हर थर केर य हूँ प्रश्नादः अना नी दर्गी से द प्रमुद्द की केंद्र की दर्म से द मेन नि । वन्यानी सुरी नेन गुरा हें आ गुरे हैं केर स सेन गुर नादः ज्ञना मी मन्ना धेव वें। १३व वें व्राणी वेना सन केंवा की सन्ना बोद्राचन्यद्रावाकीयां विकास चणाना मों । तहना तमो थार् होना चा के के चर्च हे के कि था चर्ना मेर्या इस विनाम द्रिमी सार्या में ५ मु हे वायार्या ह्रिमालमा रदः क्रूचेश मोडेश पा श्रम्भ पा हुं भे प्रश्च रें से र र में प्रचीर हुं श र्ष. क्रेब. पंत्रं चेत्र. चेत्र. चेर. चंद्रः चवत्रः चन्ना चन्ना चन्ना श्चिं द्रेश दं के दे पर स्टा है के लका नहें से दूर है १८.८ र्स. मुन्या । भाष्ट्रिय संशामा द्वारा भाष्ट्रा । नार्यश त्मा सक्ष के स्पेर् सार्टा। अतेर संमाकेश मार्टा रमामा संसहर। इ.स.च.२८.। **बर्**स.के.पेरेश.ग्रीश.क्श.चेट.कुंच ।स्र.च. रे.बे.हेब.खेश.च<mark>श</mark>त्या । ५२.चेर.घषश.बर.खें.वर्ड.ख्या । देश'द'दे'दम्'हुद'य'भेद। विश्व'र्स्यम्थ'ग्रेश'ह्व'यस'यञ्चयस'दे। र्माराय:**2**माङ्ग्यापराणुरा**स्य**ादन्त्राय:यर्देशमाङ्गास्य। । म्रीया न देशका में सार्थ सामिश्वर सामा । ने के सिवा सार्धाना स्रोत बुंशः 'सिपश्चारा'शे. बुचा रूचा पर मुरा । बुधा नाश्चारथा था **हुद'नदे** र्हेद हें केंद्र गुरु सम्बद्ध नदे न्द्र निष्क केंद्र न यक निष्क

नु पदेव न पामार्दे न पामहिन वहार् दे ने र देश सर ह दी पहा मञ्जूपश पथ। वेना नस्य मुै हो हो नु प्या है से नु प्या है न णुद'नम्द्र'य'दे'दस्द यदे दुर्नोदस'यर'देस'यर'दर्द्र'यर'वुद्रा। यदै अवस गुट स्टा ।म्दा अमा मे वद्मा से रही ङ्गे.ब्रेच त.कु.क्टर.ची.चीय.श्वयं क्री.च.चीलंब.ची.खें र.ब.चार.बचा.खें र. चॅ 'र्ट' सर्वंद ने दे में सबुद प्यदे क्ट मु खुव पर हरा सु से द वा रा र्दमाया पर्रेत् र्रो । रिते द्वाया दे दा लेखा प्रहेदा यह मालेदी यह मा तर् स्ट च ते हे च 'सु तु न्द सुद च 'क्स स ने ते मिं<u>स</u> हे तुर ..... ८हें दे। ८८ महन्या मार के केंद्र च लेख सम्बर्ध देंद्र पर्या सुटार्च द्रमहा न्द्रमा देवे भेद दे देव रहा द्रमहा न्द्र प्रदे । सुरारी दिशान है। मिला हरासुरासी प्राम्य के हैं ने से सम्बन यर 'रट'कु 'यर 'डूट' म 'रे' यहेव' रू' प्रर 'यर 'हेव' य' वे हव हा हा र् यर.पहरूषे.पर्छा ।रे.यणमा.त.ष.मार.त्रमा.टे.सिर.त्र. ज.य2. यार्डमानु त्रमुदाने र्डमामुसादे सुदार्य मुसार्ने नालुवानु स्रिनाया मर्हेर् ही । नर्नका समक्ष के हैंना में प्रेट्र ने श्रिकी पर देर्ध्य च् रव् व्यामिर व र्षेट्र देश तर जेशता जावर्या मी स न्द्रशासु तर्द्रम् स ने। प्रे स्मर सम पर लेखाया है। अर सेन य लेब यते सुर यदन प्रें के लेब सुब दि र दि के निब्

इना'ल'के'चर'पर्नेन्थ'चर्रेस्ट्रेर'हे। लेख'लक'लन'र्ह्हेन्थ'च व्यान्तेव व्यानि हास्य स्टार्च व्यानहेव व्यासेस्य उव नु वर्षेत यर मासुदसाय प्रदेश हों । दे अद सर् । मा उमा अस सेससाद्या द'मरे'म'९वॅच'मर'नाहुटश'म'म'हैना'नु'मर्ना'नुभ'मश'सर्वे '''' ৼয়৽ঀয়ৢ৾ঽ৽য়ৼ৾৽ঀৠঢ়য়৽য়য়৾য়য়৽য়৽য়ৼয়৽৸৽ৢঢ়৽ঢ়ৼ৾ঀ৽ড়য়৽৻ড়ৼ৽৽৽ रटा। स्टार्स . जुर सिन दे नर्ग . जुर . त इस . जुर . गु स . अट . श्चित्र स्पेर स्पेर क्रा क्रा क्रा निया निया निया है निया से न माम्बरायमाने प्राप्त । गुरामाने पर्दि सका ने गुरामाने दे मुन केर नार बना मु पर्रेर में । नार बना ने करना ने रना ने ना हे.कैर.पर्ट्रायपु.कैट.कु.श्रम्था.शे ट्र्याशायश्याभाग्नेशाश्रा । भि नर् अन्याय गुरु रे रद्रे ना वना हवा ल्र मिनाब गुर ना वना त्याने स्मृत्या प्रमृत्या नाटा अना स्वर्त प्रमृत स्मृत प्रमृत प्रमृत प्रमृत प्रमृत प्रमृत प्रमृत प्रमृत प्रमृत यदमा पहें अत है के अ की परमा पहें न विषेत की ।मालव थर रट.में बेंच.तपु हिश.लूरे में.चरेचा र बु.सू.र्जा पशासीटा स्था. र्दे, मालक र गुक्त महनास यदे कि माने हेर यदे स्री र स्री र स्र वब्दः पर्वे खिलाले ने से ने पर सहन सुस ने हिना के विद भक्ट, वृष्-भ्राम्य नर विश्व गिट, मं विष्यं ता. सूर्याय ना ता. क्रिंट वर्षे

चर्डः वश श्चे चर पर्ट्रक्षाश्चारा श्वारा चर्च क्रिं स्थाय व्या यतै दें बेर धर पकर दे। पहना श्रामा हिंर है। क्या पर्चेर पर्मा सेर सर्वेट प्राचेश । माह्यम् स्वास रे केर हें म्स यर स्रो तमुर लेट'। । या हु या स्राप्त स्रो वा सा तस्य वा स्राप्त हु वा सुर ति हु र कनाबार्स्सनाथ। । भ्री त्राचार दे प्यो दे रहेनाय सेर सुर। । लेखान्दः। देनाधासानुना छ यदी दन्नेषायायास्या गुदा नादा द्मा'मात्तुम् अ'त्य'र्सेम् अ'ता **र्म्** सस्य गुणे 'रट'यले ब'दसेमार्था गुट' वृद्धाः" श्रूटशंचा देशश सुँदा वर वर्ट्यता हे दवा ला वृष्ट्रिय श्रूटश या सूँदा वः हो : श्रेन् च : केन्द्र विशास्त्र विशासि । विशा यदशः शंभशः दृष्टः झ्र दृशशः य। । हिंदः श्रृष्टशः दृषाः हेदः देशः सः प्रवृत्। ।न्द्रके नरःसरः कर्ना च ष्यतः। ।हेदः स्ट्राः श्रुषः मीश में सर रचीर। विश्व नश्चर हे नवश र र शक्य मीश मीय तार्रेष प्रहूष भिषा चरु र्थानाश तर्हा । मांबर मी मार जना य5नाशास्त्र नु पहेंचा द्वाया वे १९० विशासी है। बुर अद सन हैंन्य द्रम्य स। । निर्व द्रम प्र निर्देश महिंद स मिर् दे पर्वेष स्टार्स स्थार परेष क्षा । गीय हूत श्रमा र वर बुंबा-चुर्चा ।बुंबा-मुख्यायदे द्रेंब-प्या-सुंब-हो प्यव-प्यना-मान्देव क्षा प्रवित्व प्रति मेट कृष्य स्मिन कुष्य द्वारा स्वर सुट ..... य त्यायहेव वसायहमासायवे माटा अमा गुटा सुटा यह से हटा यहै ...

दीर हो । नाया हे अब यन के नाया या यह व दश विटाइस मन्नास मार्जेमारा रामा रेजिया है । भी माना भी नामा स्थान व सुरुका ने पान हेर दश यहना स य हेर कुर मार्ना स ना ले संस्कृत्यन पर्ति निर्माति प्रमुद्दान सून हुस क्या ह्रिक से निर्मा सन्। ता स्नारा य प्रमारा य विद्रां हो । इस य स संग्राया ष्परायद्मा द्र प्रत्यक दे द्रम में साम देश का से द्रों । प्रह्मा यात्मश्रामुद्दा सर्दे त्यस्य सुद स् रहेड हसा के व माश्च दराया । देश क्षेत्र खुर वि १८ वा वंस वदना सं ध्येता । हेस सी । निता हे अर् । स्था नि ह्या दिन हमा दिन । यह ना कि हा मार व्यापार्वे सुरार्थे व्याप्ते प्रमान्या मि व साब्यू । । । तेस माह्य सा मश्रास्त्राच्या सन्ता स्वेद न्रेमाश्रामन म सुद्र स ने स्व न ने न्मा चर्ना क्रुष है क्षेत्राची डे हे स्वैच चर्न खेंत्र मीहा संदर्भ चर्ना बुदे दुर्मेन्यायर बूँदाय हेद मुी सुदार्य स्थार्देद म्वित दुः यदमाः स्ते द्रमेन्यायायाया मि करे स्रुधारमिना मा सेव है। सर् मोंबर प्रशा मोडियां स रहे या स राय हो है । हिंद हो : रे.रे.वंश.चरमा.लूब.च.चममा.चलू.चुर.ट्री पहिमा.च.पाया नार कुर हूँ र नश सिर ज्ञानि ना जिला । ना सिर श ना ने हुर सुर सं न्या पर्ने का । मे के सुर पश नालक न्यान पर्मान या है। भन्न वन्य पर्ना सेन संनस्य सर् नाल्य महादस है र री। लेश हो विदेश वहना क्रिमाश या ने न लेश मासुद्र पत होते.

ह्याला नेशासर विर्ा । ने न्या मीश वे हर पहें सुरा क्रेस त्य नुश्चेन् वा सान्दर द्वारा निकृषा स्पेन् यदी नुश्चेन् वा सदी सुत्यात ..... क्षुन्नु र्योद्धानहार में के विष्यु महिम स्वीत्या महिम दे'रद'नो'दें 'देश'अद्'र्ने'क्ष्म'नु'नहुद'नश'न**द**ना'रद'नी'सळद'''' कृर कुषानायार्था । पर्ने वेश क्षर नुष्य करार्थे । पर कर दहिँद मदी बहमा सु सु ह सु ह कु में नहों मा म है म फेर मही । इस या दे दा की य रदा मी अर्डव हेर गुँख मूर्य यर दहेंद यह । माला हे पर पहुँ ने सिय मुक्त मुक्त गुँ रश्चीयाया सर खिए ये से प्रवर्ष । सर् प्रश् नाडियंश प्रश्नुष रा स्थान ह्या हिस रस्या. या से तर्र ने ने ने निया नियम मु तर् ने सदी महिमा हु। हुन हुन मुै खिलालसाम्बेर से इटानदे दुरारी लेखा सार्चे रटा यदमा मार्डमा द्रार्द्द माल्दानु द्रार्ट्द यामा मुदायहमारा की पहिंद रा प्येत मी ख़्त क्षेत्र सेदायका क्षेत्र सेदाया विताण्या ख़्ता भुैश.मु.पहूम केश.चबिर.च.केर.सूर.च.मकुम.रट.र्य मावेथ.पश.. क्षे तर्व नव्य ने स्वर वर्षा वर्षा दर्मामा या स्वर हो हैं द्याःमीक्षःके सुदायी सुवादीदार्ये । यद्दायाके सीदासे सम्यास्त्र वसःरेनासःय वे सुरःर्ये :यद्नाःमे हे यरः सुरः ग्रःयद्नाः वे हे यरः त्रेत्र च च क्षेत्रप्रश्चमः क्षेत्रश्चमः मृत्रुतः स्पटः स्पटः च के ...... यनमार्नु से रेनास ने नालन नु न होन धर्मे न्दर सका नाहेना नु ..... 

ने सहा नाम हे ने हरे हो से प्रवास । हो र पार्चे रहा सहा माडिना'द्रमुद्रा । बिह्य द्रः। से'द्रः मेदः मोश्चः सदमा द्राः हो। हे यर ब्रिट यहै रेबर य गुना । बुकर हुकर सर्मिक हुन हेना नु। म.पिश्वाचर वृ.र्था तर चनरी । कुर्यामश्ची स्था स्थे हीर ही । म्बिर लाइ से लाइ। दे चब्दे हेर से इ से स र है। बेहा मश्चान्य ने निष्य यह दुन त्या यहे द स्यायह ना सामा स्यान णु रद्र मी हैं । केंद्र गुक्रामायाया सेदाया विदादा के वर । हिहा हु .... रदः लेब् स्यास् स्रदायहिना स्या निका महिना स मर्वेट न'ल' नहेन नश मर्केट मुके मीश मर्वेट न'न नट मर्केट स्वेन मीश लम्बास्य प्रह्मा वुषाया द्वाणा महन्य सर्वे पर् सेना मर्केर होत में ते लिट मा हाना का का मान ते मी मर्केर होते अट में ना नैदःदर्भना व विदः वर्षेषा र्यो विषा श क्षुनः पर्देश्या या द्वारा प्रदः पहुँचा वुंबा स्रॅन् णुरा स्रेना ने केन ने केन ने केन ने किन ने मर प्रह्मा है दा में दा क्षर गुँ का प्रह्मा या के दार्ग । हिला देश सुं बट मी ही अकेर इमास नर नरमामा हैस मुहमा त्या नहें कर कर हुची. सुंश्राह्यात हा सूचीशाशीतहूची तालटा सुंश्रातर वेट्री परे ता से रें प्राप्त सेन ता सेन्य पते केंस ना अना न पहें ना हु ..

भ श्राचर अहूट वस रे र्मा लश हरा म्विर मी अहूट म स्रा श्चिश पद मार अने मिश सिरश पुर । र हो मील मीश हिंश. मिलय. ज.मोर्यूर, त. अग्रूर, यंश, देश, जेश, शंभ, सिर, त्रुं पु, श्रूश, मोलय.... मार बना नु पर्देर ता मुल नदी माशुर र य सुन है हा समा सर मिंद दु रहेद य देशका देश शक्ष दे दु नद्र निकास र देश मान हें निकास है "" হি হি সেব বেন ইন্থাৰ ৰা মুলি বন দেইনা ব দ্বীল লগা দাগিবল हें। वहन् अ:व:र्बं अ:दे:हेंद्र'व:पश्चान् स्ना-व:द्राव्यव्याव:स्ना म स्मान स्थान स्था नाट जना मो नरमा सेर दे है है स्ट्रिंग अद समा र्जेन स द्वार स देश .... इस यायन्तान् माटा अना नी प्राक्ष्रन गी र्दे पर्वयायसासा केरा परिणा ৼৼ৾৾ঀঀ৾ঀ৾য়৾৾৾য়৾৾ঀ৾৽য়৾৽৻য়৾ৼ৾ঀয়৽য়৾ঀঀ৾৽য়ৢ৾য়৽ঀঌ৾ঀ৽ঀৼঢ়ঢ়ৢ৾৽৽৽৽৽ यर विक र केरे। १८९ केर सदस मुस वश्चर की देनीय यदे नुम्हारका स्वरे प्याप्त स्वर्ध । क्षा स्वर्ध स्व वदना से र हैं ने श त दिए वदना तहे दे स्व र ना श से ना श है । हुद सें र साध्येदायदे विराधनान्दा। 🥱 से र्देशदह्मा हैरागुदामाले न्दार्य रेना मिक्षा से त्येत पते खुत सेंदा सेता पते खुत पर नदा। 🥰 रूट न्दः स् वि। ने खुनः यन्ना न्दः क्रेंशः इसशः कु शक्षनः कु रेंबः वर्षयाचार्यान्याच्या द्राप्ता स्थान्या स्थान्या । विका

णुट सकरें हैं वे वे से मी लेश य खें र णुं च हुन गुट देश दर वु दम्बि यस व क्रूद कु द्वा ने वा ने साम मिल्या यह है वे से दा साम र्मा शक्षरणे नवमनीशार्ट्रमारावलमायायायाविमातरश मु दश्यानिवा वसरा २८ कुरा त्रेश ते १ रे तरी तरी नरे र तर माहेश में देश.चिवन.पर्ने.ब्रे.ब्राच्य.चेश.चभीटश.रट. 🖺 चर्य.खेचश.ग्रीश...... त्यम्बादाः प्रवास्त्राः मु द्रम्टिशादाः नम्यादाः तम्बेषाः याम्बदाः प्रवा हिन लुग्रायमे हिन इर् स्वान सेन प्रमे । वा सून नु स्रेन पान ही. य. श्रुचीश. दे. व. ही ८. की. रेचरा चीश . टे. डेर नर्वती य क्रोश यर हिंश लट.रेची.चर.र्बर.च.लशा रूचेश्राची..चै.पहुची.हेष.चोषश.च. वै ह्ये न दि तम्मायायायाय वि पर लेव न स्था दे स पहन निन्न सारा श्रुमारा हे केन प्र कन मुहार हिना हेन मु स्ना .... मद्र निवश लूट्बा शे सिंदा चन्ने हो र वा श्रेन में नेवदा मीश ही दे ..... दमाना में 'बेश'माश्चरस'णी रेनाश'णी'तु'दि' ते हें स'दमाद' प्यतः हुने न वे से न हों । विश्व महादशः विदा हुन के न न न न क्ष.म.जश.मेरा चारश.सरभा भेरे पहुंचा ल्र्रे भेरे रेथा ।रंभर. त्रमा सक्साप्तमा विनामा उन्। । शारमा मेशा पहिना हेन क्षेत् न्तर मीधा । नासुरश गुः भर द्वा द्वर मीध सेदा । विश्व सी। खुम'नी'मर्ने 'त्र'स्निश'य' त्रस'न्देनानेत'नी'व कुन्तु'र्लेन् नी । ढ़ॖॏॹॱॻऻ**ॹ**ढ़ॹॱय़ॱऄ॓॔॓॓**ॱऻ॔ऄऀॱॹ**ॱय़ॹॱॺॱऄऀ॔॓॔ऄॱॸऻॕॖॹॱफ़ॱॳढ़ॗॿऻ.. 

णुः शंक्षुनः णु र्वे ने हे हे स्र प्येव नर्व या वहा निमानास मालव नादा त्रशाक्षेत्र श्रेन्। श्रेन् त्र प्राप्ते वर प्रहेन। संस्कृत हिटा प्यम्बास्यसः गुप्तः ने वि त्वास्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान प्रह्म हेर णे म क्रून मे र्ने के हम मार बम प्रह्म रहे वा दिया मन पर या .... क्रासिचेश,४८ रा चेचचा,दा.क्रेर.क्रेट.च्रे विट.स्. पश हश व.. <u> २२.५.२८.सिट.स् क्र</u>ियंश.श्.स.स.श्च्यंश.त.चंट.चचं.२.५९९चं.त.... ब्रह्मा हेब मी श क्षेत्र की देव दे माठव के द्वार बंदे से के हो। वनमा प्राचनना मी'न वे'पहमा हेव'वाहे मिला'हर पहेंमा'यदे हीर नी मार बमा दर र्रेश र्वे द्वा द्वा यर खेर य दर र्षे राय दे रहे खे य हे खे ष्पेत दृष्ट यदना सेद माहेश गुष्ट य यद य य स्ट यु द में रामा देश & & শ্ৰেণা**-মু**ব-য়ঀয়৾৽ড়৾ৼ৽৸ৼ৽৸য়য়৽৸৾৾৽৻য়৽৸ঢ়৽য়ঀ৾৽৸৾৽৸ৼঀ৸৽ सेन हॅन्स य दंद सासे**न** यस पहना प्रमीय तसर ग्राम केंस त यर्मा र दहूब र सु दर्र व मार इन मी यर्मा सर्मा से र से हुन्। सर र मुख्रुद्धः स्रो । नित्रे सुर १३५ र दा मीखा गुदा चर्ना से र माई साईतः रेम्बर्य दुन् दुःय वस्र। स्र्रि यस इस यर से मूलि है। सेन् पद्म होन् पान्ने वास सेना । निर्देश निर निर्देश सेन् प्येंद्र स क्रिश प्रमा । प्रमा है र केर प्र देश प्र मूर्या । विश क्रिश क्सशारमानी सक्ता हेर ग्रीका स्प्रीयर प्रमेष परि स्प्री स्प्री हार्या कु पर्यक्ष प्रमाशाया भी दिए पर अर्थे ए परी भी र कि पी है श है । श्री र भी

पर्नेर व दे श्रीद दु स मूर्य य दरा। दर्श में दर्श से द हैं। है कुर.भवत.मकेश.रट.चेत.च.पुर्श.चर.मुल.चर मशिटश.चर्..... द्वेर र्रा मिंस देश या केश श्रेत स्था मेंसा या सार्या सारा है। हैर में केर प नरे त्या लेश महादश नरे होर में ।रे नले व र रे व हेन सेंद न सहा गुरा हे न हैन हैं न हैं दे हैं। विहेन हेन स्पेर हेत्स सेर य लेखा । १ हेन य रे ने सें ह्या य है। । र्स्ट्रा या प्रिंद का से म्याया । प्रिंद या य के यदे प्रमूर प्रमूर प्रमूर ब्रैन। भ्वाकुशालामा हेबाबनायनासमुन। विशासमिनाना त्रशःमूर्त्यः वः त्यः स्तर् से दः गुः सब्दः नाकृषः श्वरशः वः दर्मेशः वरः ....ः मिश्चरस स्रा । दिस्य व चेमा य केव चे तस्य मिल्ल स्था मिलल स्था मिल्ल स्था मिल्ल स्था मिल्ल स्था मिल्ल स्था मिल्ल स्था मिल चणमा सामा र्केश की चर्मा सेर दुःमा सुद्धा वस माहेश सेंदामी कीस यात्यान्द्राचित्रं स यम्मा यान्द्रान्ते यायदान्द्राच्यान्यायदे ।।। र्केश मुँ प्रदम् स्वेद स्व सम्बर्भ मुद्रेश मह्य दश दर्श सुँ स्व देश देश स्व यद्गा से र ख.र ना श मा के श मा शुर श रा दे ख. य दे . य र मा से र हिश .... र्ते . टे. पर्ट्र . तर . वे. हे. मैं. अक्षे . क्षाता में बेर अक्षेट हा सर्व ..... ब्रेन्स् ।रे.केन्स्यकार्यस्यात्रह्यःश्चेत्रस्यायिह्याः क्यालदाम्रात्राम्रे प्राम् प्राम् विष्यम् विष्याम् वार् मे निर्मा ळॅंश गुैं यन्ना पहेँ द दे सार परेश कृत संदर्भ सु यही न पदे हीर हो।

मर्.केर.शटश.मेश.चक्चिटश.ग्रेश.श्रंशश २१.इं.चा.चर्डात. इं.क्ट्र्चाश. गुरान्त्र याम्बेम्बान्स मूलायर मुन्दि मुरान्दि से पर न्न माहित्य केन नहन मन नत्न कर ह ने महराया भार न्या मदी र्देव दे अदार्ट के किन सेराय सेव दे मही ख्या मी खरा यश हिं दे श्रीमा वर्ष्मी वश हे नहिंस वे ताहि वे हैन ने हेंना यान कर. र्ह्या है। व.रटा हेब प्रवृटा वेश यदे हिटा वश महे खना में खन या यशवा लिट द्रास में दे हें में हे न सेन ध सर्वेट यह है मानस सेन " यात्म कर इस्टारी हु।यात्रमा ने त्ना मी खेश हेर नु पनु यायसा र्शेर् मदे स र्मेर क्स केश है। । एक स्मर्स रे के हुँ र खुय मा खुलालायन्त्राक्षेत्रम् सर्दे त्वाक्षेत्र विष्टा स्थान्य स्थान प्रमीत्र । बुझ.माशिरम्य.च ट्रेटम्.स्र्रा । रेम.वे प्रचाश.स्ट.चाहेस. णुःष्यःमुत्रःमुःमुदेःसुनाः**द**िंदाःचि देःचदेवःदह्वःदह्वःदहःसुदःसदेःसः… वॅद र न १५ हैट । र ख़्ना याया वर्ना सेर सर्वेट र नेंद्रा या इटाने अटान्टेंश यें 'रटान्ने शके दार सर्दे टान हे दाय नासुटस" यस मार त्रमा निरार्के सा की निर्देश से निरेत पर निर्देश या हैन हैं न मूर्ब. १४. मी. स. इ.ची. तर चलेर हो विम् स्पूर प्रमेल स. सह मुद्दा क्रायर विश्वाय र्देश में दे र मी दे में भूना पर म् 'दर्निश'यर'हेर्'य'व्रॅब'स्ट्राय'व्र्वृन्ते'से'प्रायरे'र्यटः" मौशार्टिशार्चे द्रमशायाकम्याचार्टाः ख्राकेटा प्रमिराचा सहमा सदि स वेंद्र नु मुर या इस या वसका उद् नु दिनावाक या सका

प्रमूच-च कूच् नाच-क्याचर म्बिना-म् । ब्रेश-५८। पहिना-वर्त्रोत्रात्मका गुटा। अन्तेन यान्द्रका स्त्री न स्त्री हे सं स्त्रीन यासाधिकाय मूर्वे पर्देगशायर वेदायार यहेवासर्वे राज्या मूर्वे वास यदे यद्न केर का ने गुन हैं ने में लेख दा । दे खर ने खेर परे अर अन में श लूटश श पर्य तार रे हेर सूटश ता वर् मी शा रेग'यदी द्वर गेष ग्र हैंव गु वर्क सम्बन्ध यर दल्या मी <u> ब्रेशन्टिंशयी 'यरेबन्देहें केने केने के केटशाउदानी सारेमाया प्रदा</u> মনা ব@ নাটুশ্ব. দুট্বলে ব্ৰহ্মনাজল, বহ, বলব, হুট্ বিগ্ৰহ্মান, स्व स्रुक्ष पर रे त्य मार वन दर के मी नर्म रहें व मारेका हु र्यो तश्चार व्यामी पर्मा पहूर हैय है शामिर हेर स्ट्र रु से सा रेना पर्ये । रेपे क्रिंग्सेंग्रेर रेश प्रनाद स्थाने प्राप्त स्थित स्थान मीशिटशाला मुशादिना हुना है है है है शास नमा मीशिटशास व्याप म् त्रनायाः स्त्रा । १८५ त्रहेता सुरा मुं स्त्रीया मान्या है १८ विद्या ८ हूर्य. राष्ट्र. मार्ख्, त्यूर, राष्ट्र, मीर्ख्य, मीर. वर्षा, मार. मी. शक्य..... कृतः गुरुष सुतः परः प्रहेंदः पः मार अनः मो : दर्ना : प्रहेंदः प्येदः प्यारः । । । । । । । । । । । । । । । । । । पहुंचा के अवर्शे विषाप है प्रवास प्राप्त स्था है। यह है प्राप्त न्माय व्यव हो। क्रूट केर नित्व कर या वा की निर्म केर वा वा श्चेश न्द्र दस्य। । । ने दे हुंद्र, तथ. थ. रू.चा. चशिरश । । रे. पश. लय. जच. पथे. च हेश. ८ वैट. बुंश.मोश्रीदश्र.पूट रेट्श.तूर. रट. पढुर मुश र्सेट पर जेश पा....

स्रबन्धः हैना या दनाना केटा हे स्रबन्धन स्वना वर्द्धः नाकुषा दनाना ......\* নম নাগ্রমে । মামুনা নের মুনাধা বই কি. মা লগ ক্রী মা प्रचैट.चश.च?.चोर्टेश.खेश.चोश्चेटश.<u>श्</u>री ः विम्री.त.जश.मीट.ी प्रशास खरा नवर है नविष् नु। । नार्ने खना गुरास मार्थ र स्मुर है। "ने केर हैं ने सर्थ वस्थ उर ग्रुट"। । मार्ने समा नहस यश्च पर्वे स्थापन । विषय के दान हो स्थापन विषय विषय । सर्वेदान महिन्सुन द्वादाकी द्वादा । दिन्दी र द्वादान स्वात् की का पर्नेश | निरुध रे सिंक क्षर सर है। । विश्व नुना निश्च ही ल चीत्रामी सार्चात ह्रांचाताला देश प्रचीताल ह्रांच व रस्थ सर .... नास्ट्राही हैन प्रमुद्दानी र्ने ने नास्ट्रास्ट्रीन से साम्द्री र्ने न नु सुनाब पर्ने सब सद बार न ना सुरब की देश व र न सब स रेन्स याचससाउद् है त्विराचरायते हाय स रेन् यदे तहेंदा सूरसा श्व रविट.चर्, लब, जना, लुब, चना रूट मैंर के. हैब हैब. के. स्राह्मेन्।यस्राह्मेन्द्रायहरार्द्रस्राह्मेन्यराह्मस्या रे हेन्द्रम्या यात्मा महें ब्रायर मुद्रीय सम्बद्ध ह्या मान्द्रामा श्वमाया समी नाया हमा म्री स्मित्रायातात्वत् यर से नुत्र । वित्र के रूप निरामि समामी नद्ना पहें न देव देव देव पर देव देव देव के देव के से से से से है है न है । मेर्प्यसारमकुर्यसाम्बर्धरान्दिन्नाहिष्ट्राध्येदाक्ष्रमान। लास्य : र् : म् मर्क् में हे न में मित्र मिट अमी र ट में युन ..... यदे हरा वित्र प्रति पर के नार वना नार वना रहित है के विरास

हरामाल्य नुरदेहराय ध्रेष्रायस मुन सर्का ह्वे सायक्षराया सामेरा ने वहमायास्य नार क्षेत्र प्रहेना हेव श रेंब रंब यह व वसा। रद्वा नीका तु पर्ने श्चेर हेश श्च तेर हैं हो । । विष्या पर्व र र्वे क्ष्रकात् ह्नासाद्धात्। ।नालकात्यसाक्षेत्रात्रहेनादेकात्यसामु सेता। ୢଌୡ୳୷ୣୡଽୡ୲୷ୣଌ୵୕ୡ୕ଽ୶<u>ୣ</u>ୄ୷ୡ୲୷ୄୢଌୡ୕୷ୢୄ୷ୡ୷୷୷୷୷ୡୄ୷ୡ୷ୢୖ୵୲ चैट ह्रॅट में श.स्व. दश लिम न्नर्न वश नहीं र.स.स. वैट ह्रॅट न हे व वसातरी मन्ना मोद्यार द्वना सार्खे विद्या शह्म र तर्ने ना सारा सारा सारे " मार्डिश हरा माल्क नुः से पहेंद हो। माल्क नुः क पुना स्ट्र महीत न.ज.च नर्ड.क्ट.त्.चक्चनश.स्. ७ श.व क्टे. ८ ट्र्नश.नर.वज.... चश्रा दि.रं. चयर चयु द्वाश्राच श्रुरः व। नाट हीरः पहिना हेव सन यावाना । । नरना वे व व क्षेत्र र हें हेर हेरा व।। ने नाकृशःहशःमाल्बाद्देनाः नेवः त्यशःगुष्टः स्रेत्। । वेशःह्यः नर्नोद्धः यदै कुर र्रो । ५३ द्वा दे दहेना हेद मुरा हे दर ही पर दंश ५ स = ५ दे वर्षे ५ ५ देर् ५ देश हो वर्षे नश्च स्थान हो । ब.चड्र.प्रच.म.चूट.बूट.च्ट.च्ट.च्चा.स.खूब.चश.चूट.बूट.चर्ड्र. म न्दःन्तरः वना ने व मनः पहेंना के वुषा व ने माने वाकी ही न्यनः । । । **৺য়ৢ৾**ৼ৾৾৾৴য়য়৻৻৻য়য়৸ঀঀয়য়য়৻ড়ঽ৾৻৺ঢ়ৢয়৾৻য়ৼ৻৺য়ৢৼ৻ৼ৾৾ঀ৾৾৾৾৾৾৸ঢ়৾য়৸ व सेश श्चिम माट या दीन श्रुम का नहमा तम्राया यहा हे त्या

स रूच तरू त्या क्या र जेश व र लेश व र लेश के महरू में महरू मोना स से मीरात लुरे ला ८ रूरे क्यांशाल श्रुम्शायद्र चना क्यांशाल्रे य दे शुरु दिर दमा दमा में पहुना य दे खे सुरे सु अदि से संरोग याद्रावद्राक्षण्यायार्थेन्यायवे यनाकन्यादे प्राप्ता द्रमा म्। माल्याप्रमा त्या के साम्येष का । विद्यामास्याया पर्दे त्या मास्या नदे द्राप्त वहूब लियाश परेद भूर रेटालय श्रेश की येखिट हुर सुरे त्रश्चा शुर्वे । अश्वाद्याः स्वीत्यः के स्वाद्याः स्वीत्यः के स्वाद्याः स्वीत्यः के स्वाद्याः स्वीतः स्वीतः स्व य स्रित् य श्रेषु सुर सर्हेट य द्राम्बर य स्रित्र से बिरा हेर .... यद्र सिश्च. टची. मी. चीरश, टर्थ. जुर्थ. ह्यूर्थ. यश. चणीचा. णीट. श. खूची. च.... हे ये. लूब. बुं! । लट. बुंझ. तश्च. क्यांश. श्व्यांश. ग्री यमा. क्यांश. चेश नु मिर्दे पदे मेन्श सु अट नश्व रास हैं से स्थायदे नन कनाश वसश उर केश भूग प्रेम है। देरे प्रमुख मु न विष्यः यद् .क. वश्वशः वर मिटः हेर .वर्डेख्ं । चन्ना.क्नाश्वः मुःह्रः च्. बे. पहेंचा. पंचाया चाट. चीश. श्रेशश. ग्री. चीट. पंचा. ロエ・3子、8cmm ・ロエ・3子・四・直和・数・4項子・ロエ・3子・4・4 ・ 4・4 कनाका है। १३ व से दर्भा यदे सुन सुना य दर में सका य दि स य दंद.चना.क्यांश.खेश.चे.च.चंश.चांचश.श्रा विश.श्रा नेश क्षेत्र परी क्षेट न ता ने मिं न केर हैं न का मदी प्रमास्ट न न न म अश माल्क य से द से द गुट दिवस गु . प्यत अमा केट स केट .....

र्टार्बारेट वॅर मॅ्ब्स सर्ग्स्य राज्यसायश्चेन पा हे हिट मी सुट्या यद्गः हिन् :यन दुवः हो। । माश्चरः न्यः सक्षः **यन्** नाः होन् । माश्चरः न्यः सक्षः सन् नाः सहेनः माश्चरः कुं दिंश प्रहेंद्र १८ पर्मा सेर माहेश कुं स् रमाश से प्रट न सर र ... मुख्यायदे मुद्दर गुरु र द्वा दहे के मुद्देश से दूर कि वद्वा ୠ୕ୣ୵୷ୠ୕୕୕୵୕୕୳୶ୖୢୣଈ୕ୣ୕୕୵୷୕ୢୖଽ୵ୠୢ୕୵୳୷୶ୄ୕୷୕୕୷୕୳ୡୄୖ୵ଢ଼୕ଢ଼୕୴୴୕୷ୖୠ୕୵ୠ สาสตาราพีรายาสุมสาฏิารูตาติลาฏิาตูรายสาพตา<u>ย</u>สาสตุสาาา বহা কি হাবহ হলে ।শূৰ প্ৰী দেখা মা মিৰ বা মা বৰা কৰাৰ শীং ८हूम् सिमेश्चरा निवश्क्षा द्वारा हु .हा केर कुर कुर नेपार नवा... न.पर्-रम्बि: सर्-णुट: कृटसः व्यस्त से स्ट्रिं हेट सटसः नसः पहिनाबाद्यां मार्चेशाला प्रदेशाला परेदानिकेशाहिः ब्र-रहम्ना मदी द्वारा की राष्ट्र मार्थ में मार्थ का मीर्थ मार्थ का मार्य का मार्थ का मार्य का मार्य का मार्य का मार्य का मार्य का मार्थ का भै वर् वर हैं ने वेन य के हर मैश हे हिन्श स हेन्य र नर नर्न परं.यहं.विरं.क्श. देशश. वैदःह्। - । पांकेश. त. दे। हे.डेर. योट. त्रना'न्द्रः क्रेंश्रः णुः त्रह्ना<mark> रह</mark>्या सूनः सूनः प्येतः प्येतः त्याः कृतः लुनाशः याः स्तृतः त्र निट. इने. में. ते. केंट. टें. लूट. ज. रेंग्रेज. च. ज. सूर. तर्. निट. इने... बैंसेन ने 'बेस हुन यम ने से जुरा है। विकास में ने मुक्रमान्दाचाक्रमानु स्पर्ना सक्षमानु सर्वेद्द्रशायदे सुराही ।ने प्रवेद ट्रासुटार्स दिरामस्य दराक्चे सहेदाणे ह्या ता प्यटाना हनाया उदा है। मेर्भा सेमस र्ष्यम् अस्य स्वा वृत्य के स्मिर्भ पर्य वित स्वर रहे ....

यर भे वुराने परेव यामाकेश कर नु र्षिन भेर सहरश यह से र र्भ प्रदेश रश्च सामालक देना है र्सा दर वेश स र्सेर स्रेम.रे. श्र. न.रट.रे ने. य. त. प्र. व. ने. रे. ने. त. प्रेश.त..... र्स् है दिया हो न हे हा है न वसहा हर गुट स्ति व प्यान ह मी ..... सद्धर हिन क्रीस मुन हैट रटा मी सद्धर हैन क्रीस सेन व सेन पर " श्च.च. म् . १४१। विनाश वर्डुश ग्रीट ही रूल र ट ही सब्द हेर णुकामावाय से से रायर पहेर सेर णुटारे त्य के रेल सेर र्वोस न्दाह्रदार्षन् स्दान् स्वान्त्रहर्षेत्रणीयासेदाणुदार्स्दायमान्द्रम् केश क देव केश **र्रेन** के**न** पड़िन के बुब यदी देवाबाय केनाबा ..... ग्र में वुषायाने सेन व से वुषासी ।नेश व न्यास मन क सेन नगना वसाने से रायसाने चलना साम दे राज्या या प्रदासे राया য়ৢॱৼঀ৻য়৾৽ঀৡ৾য়৽৸৽য়**৾৾ঀ**৽ঀ৻ঀ৾৽য়ৢ৾ৼ৽ৼ৾৻য়৽য়৾ৼ৽ৼ৾ৢ৽৻ড়য়৽য়৽য়৽য়য়৾ঀ৻য়৽৽৽৾ यप्रे.मुनाश्चाराश्ची द्वी.मूल.क.भूरे.पंत्राची वेश पीट द्वी मूल. र्षेत् यः दर्मिना में वुश्वः यश्चः दे : श्वः दे : श्वः द्राः दहेना हेदः नीः मून्यशः ... त.चाकुश.पाश.चार्ट.तर,चची.तपु.पम्रोम.त.पश.चाश्रीरश.श्री । बिट.लट.श.चक्र.त.जश.चिशश.चे.श्रेश.चे.श्रेशश.व्या.टे.चोश्चटश.. यदै र्डम मु सुर दे द्वा दर्गिन य है मर्दे दे दे दे हैं मह हे सेमरा व्यक्ष निल्न यदे दिना हेन नी ने प्रति य र्रे निम्न प्र सर् विकार म्बलायर मुश्रद्धाय सेनाका स्व न्दर्भ । वि रेला ह्रार न पर्ने हैं। लेब स्निब है सुद नेस सु देन स नाना हैस मेन्याक्त गुरापकरामाक्राह्म ताम नलेरागु सर् रेयारे व्र नमृत्राणु = दे : तू = र्देत : धेर : लेख : द मू य : मिं । | देख : क : य द : य दे : सर् 'यान्दर र्दे भेद लेखा से बेट की सर दे रेदे सेद लेखा नमना" ताता निवेन्या कु तिरायर जा सर् दे र्रे सेंग वेश साम्सरसा गुै. खटा दे द्दा द्वा वेश वश्व द्वा । खुश गुै. सर्दे : खटा वं ल.चा. विर. भुर. तर .र ट. चर्षे ४ मुक्ष . सुंद. तर . च हे ४ खें ट. भट्र र . या त्रश्रा मि.चाट्र, प्रटा श्रेष्ट्र, भक्ष १ हे . स्ट्रेश में अश्रा दे . च पर . च . च . ट . ट . ट . ट यर मु हो। 🕝 हेंद्र वेश मुहेश मु त्य श हु द यह मुश्र यह मुश्र र्देशस्त्रिक्षान्ध्रान्द्रान्त्राक्षेत्रायम् सर्द्धम्याः स्त्रान्द्रमः बःह्वरः गुः र्वरः मीक्षः गृदः हैं वः दृः स्प्रेरः यरः त्रहेवा यः स्परः मुद्दः यरः बेर्'यदे क्षेर र क्षेत्र र र मिर्टिश स्र सरागुट म्यास र्व न्राचरे **इ**स म्बनासरागुट म्या नरा परेत्याम्केश उर पश्च कुर्या स्पर्य है। पर्या साम्या महिमार्थिर्मान्देमा सेर् हेश मुना । रे हि हिर सेर लेट पहेमा हेर यत्र सेत् । नेशक मार् प्रें प्रें प्रें प्रें केता । नहीं प्र हैन रे. वेश भ . लुश । बिश . स्रो । प्रयम्श चरे . दे में दश या आर. पर् केर हो । प्रदुष्य के ता संग्रह न स्वा । क्या पर 

र्टाक्षेत्रका क्षेत्रका वुटार्टाख्य क्षेत्र इसका है : स्टासार्केनाका यदिः । द्या वेशाया रदानी द्याया वलना पते ह्या द्या द्यारा वार्यान्या यर के पर पर्नाश पर नेर्ने किया मानलमा च के प्रमास मिट ल्र्राचर मिल्या से बुर्स पर मुहेर हो । देश द द बुराव ल र्सिन्स स दे दना है इस केस की सिंदस सु दर् स के दि दे स दस नर चलना न दश लेब नदी हीर हो । निष्ट नी के दश लेब नी: क्दर्याय दे.रदायवुरामीशासी.यास्तरायरास्त्र्यस्याराज्येयाता देते के नहम्म तम् व महन्य मह्द तम्म य महित दुरे । मलना मदे देव इ र्रं र म दे द्वा गुट म्राय लेट क्या मर दे गूर हो। <u> लेबासरे दें दे दे दे दे ते में या या या या या या या यह राष्ट्रीय यहा सुदः ः </u> हेश हैं र्भ र म्यान र मेर में । गार मही मह है से र म स सर शुर्भादारे परे विरा यश में विव इस श्रीत पर रेट दे विव विश ह्येत् सा सरागुर सरामी त्रामा है सामा विमा है हा विमा यासा দখন বি. দেখি দেখি বি. বি. বি. কুমাল লাভ কাঞী ইপ্টি নি নিৰ্ভাল पर्द राष्ट्रिक का रहा मी अर्डक केंद्र की का सामान गार दिसा स्ट्रेस मह्मा वुकारा त्यालेना स न्येका संदेश कुर नु त्वन सव गुकानाली .... स् रम्राहा पहना रायश नार सेर राय विकासी रे से खर. जश , दे चीचीश किये हुए. जूबे बेश ग्रीटा। विर्येश मिटा र्ना.पचिर.चर.पूना.सर.मीशा । विश्व.चाशिरश्र श्री । गीय हून.

मृष्यदः नदः सर्वतः मुवाय दर्मिना हिदानदः महेत सेरायदे मु त्र्राय हिंगा केशाय वायरेत य माहेश गर हमां क**र** की ख़ यासुदा ষ্ট্র বহালা এব নাৰি কাৰেইব ক্রহানার দেরবা দী দেরবার ..... ला वर्ष स्था वर्ष स्था वर्ष स्था रेदे क्षेर दे ब्रेर यहेर यामहेश मार अट रट यहेर सेर यश हमा या **र**⊏कर् सर खे.व.सिटारूट रे.सिटश.स पंचर खेंग.रे.श.≡र.की। त्रशः इसका प्रमानाका वका खुद रेटा नु र्योद यहा त्रका इसका ग्री ...... व्यवस्ति। त्रांचा वे त्रांचा वे विकास वे विक खर से व न न प्राचित या स स्नाधाया स्टिश स हैं न या से न पर ..... प्यत्वर्यायेकार्वे विश्वर्षा दिने कुरा विश्वाया के रहा चलेक सेर'न सरारदाविक सेर'म ही नर रेदे में दार ने ने पर्वे भूगुन मुले से पर्वे र पर्या शास्त्र र के सेसस र र र र र स्रें, मिटा क्षेत्रा पर ने संस्था में साथा में साथा में साथा में मिट्या वशः व्राच्यास्य प्रत्या स्थानसः त्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा ह्मॅंश र्श । भे रूप मिश से र पर्य मितर के शाहर के शाहर मिल से रव हु ही वे रे रे रेव मेरा । रे मेर यशक रे अम मेरा हेश मुश्रुप्याया सुराप रेर्न् र्मोसाय है सुरार्गे विम यार्ने सामा

मैं व. कुंता. कूना. चाशल. रेट. रूचाश. त. रेंचा. व. तपु पर्योण. त. पश.... नशुस्थाने सं भेदे का मन्न न पकन पर समुराही विन म.रेट्र. मूर. मढ़ेर. मुर. मुश्र. नेश मश्का प्रह्मा माला लटा विष्युर मा भीव यदे विष्युर यह होते। हिट हेमा वह है यह हिम्स र् स.र्ट.रे.४ मून.रा.देहना.ता.ई.४ मूलालश.४ रे.हेर. चेश्रटश... हे। हर सार्श्वेट न र्व न से से राम र्व न व के र्शेट न प्रश्ने मा दे.लट.क्रिंग्पर्य भर्तेट.ह्. खेश.लीम.र्टाट्य भर्तेट.ह्. खेश. स्रिलाक्दर द्वरा म्ब्र्र प्रदा ह्यर मी ह्या तहेंद्व नी केश या स् न हे .... ष्यार्स्नुदः चः खर् रहें। । देः ष्यदः वेशः चः हर्न मानुन मीशः सुँदः न रेः भरःम्बरम्ब्राह्म्दर्म्यायसः वृत्ताः सेरः न्हा वेशः सः सः सः त्री.शषु.श्रीर.पी.लूब.ब.ती.शषु.'जेश.घश.च\≅चश.श<u>ु</u>चश.मी.लीज... निष्ये. में अंदर्श सर प्रमीर नश रहा मी य हो हार में शरी हैं। न.ज.इ.च.३४ श. हा चार्य ही र हो । देश व ही श ही र नश र्बर मी. सिमार्सेट वारट रेना ने तमीय में खे. थे हर हरा **र**दाक्ष्वित्राय। याश्चराणु र्नारा प्रेक्षेत्र क्रान्य स्मित्रा प्तास **मी**यःतस्र, रे रट, रथःतामीः ४ स्था श्री भू ४ मीयः नः रटः ९ रटः ... में भूर नमा के नेम रह में नेम मूर्य नर मुन्य न रहा रहा मा भूर यश्चरम् में में पर क्षुवायानिकेश महानरावनाहीं । पर्दे ឝ୍ୟୁಷ:ឝ୕୩ୡ:୴ୣ୕୶୕ୢଵୖ୕୕:ୣୣୣ୷ୣ୕ୢୠୣ୕ୖୡ:ଛ୕୕ୡ:ୡୢ୲୕ଽ୕୕ଽ୕୷୕ୣଌ୕ଽ୕୕୳**ୖୣ** 

न्यदान् सहन दी । दे खूर क्षेत्र कर के से होन प्रकाही के बे हुँद होन ब्हून हे न्या श्रेश र्ज राया ब्हून पर होन प्राप्त राष्ट्र होना पर म् तबुब बुब पर्स् १ वर्ष १ रचे ता देन वा क्षा हुव हुव खे पर्से न ..... दश होना कर्न स्न गुरा। हिन सं सुन सं वुकाराकार र रेना मस्त्र निर्म हर्ष स्वानहराम निर्मानश न्हेंश स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् · 현토·리·역회· 플러 역상다. 레그 등학 대학 수 수다 바로 나는 '의 첫 한 시 रट.पीचीश.ग्रीश.रट.रूची.भुटे ग्रीट.र्य च.भी.र भू टचांज.च.थी माराञ्चेरामारामोब्यास्यवाञ्चेरानुरारे त्यक्ष। । त्र्याय दे मालका टाय र्लेन सेन । । ने सुँगाटा की शासर्वेट हुम दन त्यु राहे। । ८२ : अट दहना हेब च हु र दुवा सन्या भेडा वेश पर हेंब वी रदारीमा स्रोदान्द्रनाया ह्यो वादमाया वि ह्रिसानु दिर्देन यदी ह्यो गा सक्षर मन्द्रयादे तद्शास्त्रयाय स्वति । , दर् दे द्राय ही यदै दुव दुव हुन यर य वा यहेव वहा हा सारा रेगा ह वहेव या জ্না'ন্ ।<u>ই'অন'ফুন'র্ব'ন্</u>রের্ন'ন'রুঝ'র্ব'ন'র'ন্থান্থ सर्वेट टे विश्व हर सर्वेट वा ने केन न्टा मीश सर्वेट वर न्द्र पश 54. gu. j. g. ñ. j. g. v. g. g. v. r. al n. v. r. n. g. c. 4. g. ar ..... तमाया वर हा सार हर मामा है पर्ता विर्दे हैं रह रेम मी निर्दे ৶ৢয়৾য়৾৾য়৾য়য়ঢ়৽য়য়ৼ৾য়ৢ৾য়ৢয়য়য়ৢয়৾য়য়য়ৢঢ়ৢঢ়৾য়৽য়ৢয়ঢ়ঢ়ঢ়৾য়৽য়ৢয়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়য়৽ *ঀৗৡ৾য়*ॱড়ৢয়৾৽য়৾ড়৾ঀৢ৽য়৾৽য়ৼৢঢ়য়ঢ়৾য়৽য়য়৾ৼ৽য়ৣয়৽ৢঢ়৽ इक् य क्रिके ' लेख क्रुक मा । दे त्या खूर की क्रिं पहेंद मी खाई हार न दहर

বত্ব ধর প্রমান্ত্রীর শূ ষ্ট্রান্তর ব্রাধর লা স্ত্রীনের বৃদ্ধে বঙ্ব न सुर नद सुर होर होर हो लें न व सुर र व में के न मा मध्य मुंश मालव स्रेव मार् मुंहर लेश मार्गिर ही । मुंश सहव हे रहस लेगा भेर व नुसस पर कुँट न हेर सुस गुँस रूव पर पर द्यूर से । देश व पर है के हे ना है स ना लव ही हिर हिश श रहा है न न हो है है ..... श्चित में स्वामलनान प्रमुख्या ने स्वास्थान स्वास्थान मुका अर्थर न ता सुकार्य रामा अर्थर विकास विकास के विकास सुर र् मध्रित त्रीय मञ्ज्य नाप्याम नश किर दश भर्ते हिं श्रीय नपु द्वी .... न लट ही नर दमायामा । हर है हर करे महें हरा मालक भूब. खूट होते ही हा हो हिंदा हे होर पहेंच पर दा भेर नहां की सहा खुयाने नड**न**ायायान्त्र प्रशास्त्रा नडनाने विद्यातहर्ते । याप्परास्त्री .... पनायायर हुँ के हों । रे . स्टा हुँ द व हा सब इटब यह . इतर मोश खिलालावहनामो रटान्यटानु खुलायहरम् मारेरायाकाका मी निष्य सम्मेन में ।देश न न नेन म क्षर न ने न ने न ने शक्षर् नु अरारद मी सळव हैर गुँध मुन या दर्मिन या दर्दि ..... स्वरः धुना यः प्येव वी ।श्विटः यः त्यः र दः नी क्षः न दः ना वव श्री क्षः श्विदः यः मार्केश्वःश्वः मिः ह्यू रे. ह्यू रे. मार्थाः चरः साम्बिटशः गीटः शः…… कॅर्नायान्त्रायाध्येषान्। सरासेशारदानीशारदानाश्रायान्तरानेन य सं ने ने ने दे दे ने स्था न ने स्था न ने ने ने स्था न दे ने स्था न दे ने स्था न ने स्था न ने स्था न ने स्था न <del>ୢୠ</del>୕୶'୶୶୷୕୳୵ୖୢୠ୕ୣ୵୕୳୕୴ୢୖଌ୕ୡୄ୕ୡୄୄ୕୵୷୕ଌ୕ୣୄ୕୵୳୕ୣ୷ୡ୕ୣ୶୕

माय हे सर से रूट मीय नायस नर से नुर णुट हंद सब स मुन नर् हैं अंदिया वेशन र र में श केश मर श है र व कर सक सम्मुन नर तमुर नश सर से दर से तहते ले ना क्रिं से रूर দীঝ'দাঝঝ'দম'য়৾'**ৣৢ৾৲**'ঀ'দাৣঀঀ**৾**ঢ়ৣ৾৾য়'ঢ়ৢঢ়'দায়ঝ'দম'য়৾ ৡৢ৾৲'ঢ়য়' নাখলে.বং.খু.৺ৰীব.৪ু..নাএই.ই.লে:খু.পেল.খু.বর্মান্থ.ছেই.খধ্য.খ म्प्राच लेश ह्या व त्यव है स्प्रेन। रट न्यालव न्या है स म्या स्या वर के वेर मुद्दार्थ के वास्तावर वेर वस वास्तावर मूर्य वे श्रिमान। प्राच मेशामाला अद्दार्श मिनाने ने खिला मेशामा १९८ र रेना तारमा लबा यस है से र अ खुमा में साम से दम्माय में श्रुव व। सर से भाषा महत्यां । रे व व मि ने व ना सर से र दानी सार दाना सार स्थार होता हो से र मार हे सुन पर म्नैवयामे भेर्दियमे मुर्दे हिन्दि स्वर्थिया स्वर्येया स्वर्थिया स्वर्येया स् यर.प्रचीर.पा.डे.पर्ट्र.व.ब्रव.च.श्र.भर्ड्ट.चर.प्रचीर.ट्री ।पर्ट्र. ब में शान में शाम महेब बहा महत सहार मी सहब के न गीर स.मीव.ज.पंश.पी.लट.रु.जैर.लूब.चटु.मी.शक्ब.मुंश.रु.चोश्व.र्.चोश्व.... णु. व क्षे र. त्वर व्हेंय. ह्यं प्र. तर भा अने ह्यं त्या वर व्हेंय वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया द्भ लुब नश्च मा मा मा मे पर्टे न लुब हो । हुर हूंच जरा मिट्र न्या है र त्या कर कर मीय। निवल निक्य मार्थ मार्थ स्थाना विन् णु बन् म नुव प्रचुर परेरा । मलक सं में क्रार प्रमुव प्रमान विश्व रा रूप नेपान यह रूप शास गुर केश हो ।

र्ट . ब. एश किं र क्रिंग त्रा सर्हर हूं . खेश . देव तर . ए. बे. चीर . च ची . ह्ये . त र्रे तर्देव.मी. जेश.स.**र्**ट. रे.मा३श प्रमाण प्रश्न रे.बैर.रेथ.स.रु. र्शे. ८९४. २४. तर हु सेर ८ मीर श्रेश था इं ८९९४ मी. श्रेम. कुंश.रेट. कूर्य त् .शर्यूट.शियर.मी.मीट. वया. यो देश वयाता त्याट कुंश. यारेश क्रेंब.स्. अर्थेट.य.ज.चडेब.बश.टश.शर्बेट.ट्. ७४.८ह्ची.य.. शे तनायान नहीत नुःशें देहें नी लेश यश श्रें में अर्थेट नार्तः न.ज.चरेष.चरा टरा कर हर हूर न्य महिंदा द्र खेरा नार वना द्रवाया रेश हैं तहें नी वेश मर्दे न तर है है में देन मा महिला म त्यानाकृष्य। रमा**नु** र मणना सदे नुमा दुना दुना र देते हि हुन ববাৰ বাৰু নাৰ্ক শ্ৰেমান্ত বুলা। সম শ্ৰেমান্ত নাৰ্শ্ৰ নাৰ্ভ নাৰ্শ্ৰ নাৰ্ভ নাৰ্ড নাৰ্ভ নাৰ্ড चल हमाश व्या च न न न कि मुंद्र में हमाश से न दुवा सी । न न म् व्रा विष्टान्य की र्व परे द्रिर प्रमोल व नह की र पर् नुर्मेशाया पर् हर प्रमोधान रे पर्ने नु से दिर हैं लेश पर्ने प्रमुद्र न्त्र क्षर्य प्रश्न व्याप्त स्टाम्ट प्रदेश प्रमुद्र क्षे षयर,येला,पेर्चेर,पेर्वर,कुश्रासाकु,धि,पठ्य,चिलेट,हुश,पर्वट,**र**ट..... पढश.त.भूष.त.४श.४टूश.शे.भ.वैट.टू.। ।वैट.क्ष.४.शटश. मैक.चसैटश.ग्रीश। चरेच जहा.भा.जुराचीलरु:जहा.भूशी ।बुहा. <u>ॹॕज़ॺॱॻॖऀॱक़ॕज़ॺॱय़ढ़**ॸ**ॱॻॖऀॱॸ</u>ॣॕढ़ॱॸॻॣख़ॱय़ॱख़ॱऄ॓ॽॱख़ॖढ़ॱॻॖऀॺॱॹॗॕॖढ़ॱॸॿॖढ़ॱ च.भु.पहीची,चर.सूर्य,चपु.सैचश.सी.कूची,चोशल,लश्री शटश.मेंश.

वश्चित्यः स्टाकुरः से पत्ते र परः । त्रु सः सयः स्टाकृरः हु प र्रे मर्रे सूर हेर रूप रहें न स्ट्रिंग स्ट्रेंट या निर्देर हेर सर रूप रहे न वहा चैटाइदे स्थाने मा चकु नदे तम्रेयामा सर्वा गुटाह्यं न द्वंद क्रा.श्चर.मी.पर्र. त.पचाचा.तपु.श्चनश. श्वेचा. रे. यटा मीर पर्याचा... क्य. भर्ट्र. प्रमेश. भीचा. चारितश. ह्या । ज्ञाचाम. ह्या. जारा शास्त्र. स.भु.४२च.म्.४८.मै२.घश.जुर.त.पू.श.**जुर.**२.देश.त**र्**.कि.चश.. श्र.बॅट.स्रा ।८५.मोथर.मोश.मोट.स्ट.बुट.रट.शटश.मोश.घश्चेटश. माक्रेश तार्क्स दरमार अना तार र नवे के दर्माना यह र माना युः .... षायदाहुद्दान्यरार्थेद्दान्यराक्षेत्रविदारी । विन्यशङ्कानी हेस : त्रद**्धेर**ारश्चाच्चेयाश्चर्या, बैयोश, पारप्रोज, च.कूर्या, योशजा, व्या বশ্ব-বেদ্বেশ্রীল বপ্র-শূর-শ্লবর শ্লি-বর শ্লেশ র শ্লের লে স র্ব্<del>র নেই বিষয়ের ইলা এ.৫</del> ইন.খু.বেবি.ম.৬ূट.ফু.হ.ভুट। ले.च.४कू.रेत्र्य.क्षेत्र.ज.स्चाश्चाश.मिट.ध्व.चश.घट मैट.चयाचा.... 그리 · 플러 됐다 저로 5· 플로 · 씨도 · 저 · 저 보 수 주 나 이 나 집 · · 젊 · · . 젊 · र्वर निर्श्त मुंब नदानी सर्व हैर मुंब मुन मान हरिंद जिला न्याना नर्द्र स्टान्बिन स्रेन् मात्रा कु त्रम्या ता स्निस मदी क्या ..... मालना वस्त्र उद् केश प्रवर् पार्ट दे प्या प्रहेना हेन स्थाप्र रूथ । सन्दर्भ में हेन प्रमुद्द देश पर मिश मिर ने में शाम हेन प्रमुद्द ...

मी मु अर्द्धव हैर गुरु रामाना न रे दर्मना यर यक्र यदे रे महा त रेशर, रूपेश. च. रेशश. मु. इच. प्र. चंद्र, यह र वें पे . टें. कैंट. प्रा र्देश्वाद्याण्यात्राम्यान्यात्रात्राच्यायात्राच्यायाय्याया दर्नियाम के न मारीना न रे न सून मुन सरी देन सर्मा राष्ट्र मारा हिनाया ब्दास्य मुवाय केमा ऑर्न का मा कुर कुर कुर मा स्वर किता है ..... शर्मा महार में महिला महि इन्स्य मुनाय न्नायास पर्राय के से रेनाया है। है किं देश्रः भर्द्यः हुंबः **ग्रे**बः चालयः मीुः श्रेस्यः ग्रीः मिुनः यन स्रोः पेबः यश्रः **से**नः र्भ १८८ मीस हर्मस्याम् नाया यह सीमेश हे रेर वना नहर गिर श्री न श्री न पर हो । हे वे के व है से हमास हे हे ख़ र्यं व व व व कुश मिश स्टब्स सर्वे स्ट्री व व कु कि व व कि कि यर से रेग्र हे देश रे खुर पर्द् या धेन यर रट मेश से वेश" यदै सुन हे माल्य सेसस से जिसायदै हैन हो । मह मैसामार्देर नुरामम्बर्षावसायम् नायायासार्थार्थार्यस्तरम् मिन न क्रेन सक् में सक्रेन में सक्रेन वे अर्देव श्रुम क्रीश के उद्दर सर नी नु स्पेन ता से स्पेन की हिन प हैं? मु खुम नुश्राचस्य उर्म्मु नु स्द्राया से स्द्र्र मुश्र हुन यास र्नेनाश स्था । हिस र्मन मीस गुट खुम नुस बसस हन व स्पेन तप्र.देवाश.चर्षेय.वेर्.क्श.ग्रेश.विय.त.श.द्याश.तश.पहुचा...

हेब नदी मिश्रास्ट्रियायार्थ्य मीश्रास्त्रियायाम्ययाय छोत्रासी दंदास्य मून च से ब ब ले अ ने र रि । परि अर भे ब के के के के के के सर्-ताबिटःजन-विकासायम् विकास्य वर्षन्। सङ्क्रास्य स्वास्य सङ्क्रास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स वसात्रम्म यह हिराही तर हराहर मा हेराह है रहे सामे स्मृ गुरु हिन यर म्रून या के स्टास्ट मे र स्मृ या स्टासा मी में रूर में बार हिन मर हैं न न में रूप में रूप में रूप में में में ब्रैन ही । ने इस लेंब बन्द मन्द्र स्वायर साम हर सरानी है न'र्लेर् पर्रे हिन्दा की का द्वीट स्टार मी से रेरेर पर हिन्दा पर प्रमुह है। समानु स्पेन कुँ हैनांश कुँश से स्पेन सदि हिनाय ह्यान सन्तान देवाश श्रु मारा यहर वासाळ्श श्रु यहराय देश हियारा स्नुवारा स्न लंब नदी कुर नदा नेते क्षेत्र लंबा लटा ह्यर खेर हिर के पत्र कुर रही । देश'व'र्क्टर'सदाबे दु'र्थेद्र'त्यासे स्पेदाण्डिशान्त्रवादादेशान्दर्भान्ति गा र्टिष्ठियाय केरेर टेश केरे रें के केर की हीर पर्रेर या खर केर व विन न ने निवि नार में हेर न देश मर्द न से के के उन हर स हुना हुंद. हुन । रे. नर्षे रे. चैश. नर्ष. से भारा में श. हैं। हुना नर म्नैन'नदे हिन'न'नेसन्दे होट ने मेन मालट नुसन्दर् नुसन् प विभानते में देया पश विचासर में या सामा करा सिकारें स वुकायर दु पार्दा वुकाया क्रांता के प्यूर दिए के ह्या यका हुवा .... याञ्चयायामि दाख्ययानुबाद्यस्याउन् नुःस्री विविधाय देवायर ।।।।।।

দ্বূং নদ বন্ধ শ্ব ধ্যাই শাল্প ব্যং ক্ৰিড বি বি क्षेत्र-त्रेमासाम पर्नाष्ट्री होसासु प्रमुद्ध ह्या माना हेमा मही ..... र्सित पर्सिया पर्रे त के किशाद्वित तका के सित वैता सैत्या या परि न र् हर्षे । रे निबंद रे रे हर्म हर्म शहर हर्षे इंटरार्ट्र यासे प्रस्थिति वह स्थानमान वहासार मेर्टी राज हुना ... हेब.चंचाब.सर्. १६८.भ. पहुंचा.बुटा। टप्पच.सर्ट.श्रुब. ४ ट.जा.श्रु. प्रहिमारायु मुग्निष्ठक्ष र राज्य स्थान्य स्थान्युन र स्थान्युन स्था र पर्न, क्रायार्यसाय्साय्न, पर्नेन यह ही र हा लेखा ह्यास्तर गुपा। बाह्मनायानम ने मिं करामुकासामुकार्स्ट्रिय यह हिन यह तरा नि स यानाकृषाणु ने मिन्नामुनास मुनानर्द्धारकी हिनासन खेनाना यदमास द्वापर्या प्रशास हो होत यह स्टार् रद्वास र रस या मु प्रचेश श्रुचंश पहचे शु. जुंश तर हैं ट. वश श श्रेर टे. लट र ट..... सक्रामेन हेरासा पुरस्का स्टार्स स्टार्स स्टार्स । स्टार्स । स्टार्स । स्टार्स উল্'ঠ্**র'**অম'**লু ব'ম**টি ইর'হাঅম'ডেন্ নু'মী**ন**'ম**ম'**ম ইম'ইমি''''' मिश्र मिर्ग सम्बद्धारम् स्ट्रामिर स्ट्रीमा राज्य मेर्र राष्ट्र यमा प्रमुद्र मुंद्र स्वा हुन प्रमुन व्या चरेत चर्त्र यर नड्र हंस मी मि मेर् मेर् मम् मेर् मार्ट मुंद्र में हेन्स र्ट रस महर हरेन यह रहेन नु प्रदेन हों। ।मलन न्या गुन हैं य न्य हेन नुस स यहस्रान्ते द्रमाम् विना द्रम् र र निवि हर हि । भे र र सि निया

या होत हैं। । ने भिन् हुशायाने आरा मह मीरा हा हुश है। मलन मिट्र हिटाराइस स् जिला ही है। पर्ने में हैं व मी देश मी र मा मिरा प्रमान देशका वासेर मी सेका मी क्षाया में कार्या में कि से कार्या कर की वास की मान ने ना मी हि हैना मी का है अमारा बने वे शुरा होंदा हा प्येक दे हैं । रमाना मुःमश सुरशायायाय में हेश है है। द्रेय हर मश्रम् मूयः त लटारमाना तथ सनाया पर्दे मुन्य हा सते महें । इर हैट.... ह्रा १२,रचा.चू.रचाचा.चंबचा.चेश घर १६८ थन राष्ट्राची.रूथः यर यत् केत यश से स्थित । महिशाय मानहेश न्नसः गुरु नहीत है जी न स्टे क्य रहा रहे गुरु गुरु नहीं नहीं है जो है नहीं मिरु । म्र लेब नरे खिल ली । निट सं है। निट में समार है निहार त्मोलालकाम्ब्रुटकाचान्द्रः स्टामी सर्वतः कृत् मीकाम्याधार्द्रः व वे देश यर रूट मुद्द निर्मेश है। रूट हो रहेश से र ह्यू न देशश्चरात्रेचाश्च विद्यामः श्वांश च च च विद्या हो। श्वर श्वर च च र्ट सर्वन मुंबा मुन पदि ब्रिंग से तर्द वार्वे रूट मुन्हिस से ..... त्रेष् प्रामार्चेष् स्राचार्या । प्रमास्याध्याप्तरी प्रमास्या विष्या स्राम्या विष्या स्राम्या विष्या स्राम्या विष्या स्राम्या विष्या स्राम्या विष्या स्राम्या विषया स्राम्या स्राम्या विषया स्राम्या स्राम स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या वश्यतम्मा य दर्भायाश्चमामा । दे प्याशक्ष्म नुष्या स्ट मळेत्र नुर्द्रक्र मार्ट्या मुल्या मुस्यया पहेंचा चार्यमा चर सर्हेट .... वस र जुर मश से सेव न वे सेव है। तहन न स त नेत 

बश्र मुन्न शाम है शामन हरा। हिंद दे सार्य साम हिना नहे ह्मय होतातु प्रत्येयाया सर्वा नाटा मी स्टर दार होता बढ़ रहेता वहीता न.पर्ट.प्रमीर.एश्वा.रा.भक्ष्य.मीश.मीब.नप्रु.मी.पर्यश.पर्ट्र..... न.ज.चरेचाताचित्राचेशाचेशाचर,ध्रिश्टंगडेगडेचालाश्रीशाकेरापटा..... न्त्रेवासेनामा ह्याचाया ह्याचाया हिला त. रूषा त्रा शंच प्रचेष ता सम् अद्दर मुश पर प्रवाद । श्व দ্রীর মরা শ্রুর দ্রুর র মার্ম শ্রুর র দেইর <u>র</u>ীর দ্রা न्तर्वराष्ट्रवेश द्विया होत्रा होता स्ट्रिया निर्मा मुनाबार्स्यर रे.पारविरामी नर्यात सुनाबार रे.ची । ल्रिराया भेर यश्चायायर त्युराया १९ रे स्प्रें मा भेरा । विशेषा रे माहेसा भ्रामद्धरमामदे कुष्मदंग तु नरामामुन्म भ्रामे दे विषा हामामशा मशिद्धाः भूदः नेद्धः प्रमोलान सन्न। शिवः नविदः न नदः शिवः प्रविदः म.चाकेश.मा.प्रस.चलुब.चीश.भ.चीय.घषु.झीप.चा । । । । । । । র্কুনার ফৌন বার দেশের রব বর দেশের বির <del>ট</del>িরা শুবা নার শিরা…. येक् सेन् मिर् र्क न् मन्द्रने मु ० म् ० म् नियम सु से सहस्य तर् मैं अव्व नर्पर तर रा रेट हें ने व ना में । से नरा पर रेट पहना पम्रोत प्रशा पे.रूट्र.विश्वः रच.पव्रेर.ज.भ्रेशः तट्र.क्र्स.ग्रीशः म. भुँश. ମଟ୍ଡ. ଣୂ. च. च. ପ୍ରସ୍ଥ - चम. भुँश. ପଟ୍ଡ. ଥିସ. ପ. ଟ. ଥିସ. ଓ ଖ. - ପ୍ରସ୍ଥ - ଅ दश:र्रेश:य:प्राप्यक:र्रे:प्राकृश:मा के:पर्रे:र्रे:वेश:माश्चरक:य:....

व वे विवास न्यासद्वासर नेमाया सेन न्या वृष्य हैया स ह ने मार्डेश व्हर्न स्त्र में मार्डेश के हिंदा है श है श मह दश है। रे नाकृशान्त मुक्त नु लुनाशासाय संनाशासाय दिला ने व मुन्ता । क्षुन्न स्मेरानी र्ने न्सरमान व र्वेच या सेन् है या सर्वे पर है निसा य सेर में 'लेश महारश मा द्राय देश हे हैर प्रथा दरें र है'दूर'ग्रेश'शु'श्राया'यर'द्रगुर'यरे हैर'हैश'य'र्ट'य हैब'''' महै हिंस कु हिंच मा वर्षिय सामाना है सा। माहैस कु सहिद्या में सेन्यायासारीन्यायरीसुरासायहम्सायायराद्रीमा हेनासु द्यागा क्षरातु विवास विवास निकास स्वास सारे मिले हा रहा रहा พลา**ฺลฺร**าฏารัฐ - าฐารฐรารฐฐา - เลือง - เลง - เลือง - เลง - प्रमुच-सर-हे**न**-हें खेश-पेश-सर-६प्रो खेश-रहा। रह-सबेश-**ୢୠଽ୲ୢୡ୕୵୳**ୡୢ୵ୡ୶୵ୣଌ୕୶୷ଽ୕ୡ୶୕ୄ୵ଌୄ୕୷ୠୄୡ୵୵ୠ୕୶୷୵୮୲ रूटान्वित् मुक्ष सूट् विटा तर्रा सार्टा स्याप्तरी मार्व के मार्थ मुक् नस्य-पर-यु-व-स्रुव-पा-भेद-पा लेश स्रुव-य-प्र-शुक-प्रयुक्त उन् णुदः नावसः यहवा नाकृषः णुँसः देसः स्वतः सहनः सः दे । द्वेतः तुः सः नरः नश्चरकार्को । दिः वः वेदान वैः विनः वुक्ते । रश्चरः वदाः विनः मुन्नदः वर्षेत्र देश यदे हें नाकेश गा से वर्षे वर्षेत्र मुर्चेत्र या सेद्र इस विशास के दुर्श ने दुर्श के सा के देश दे सम्माध्य प्रहें क यह । पूर्ण में में राष्ट्र है राष्ट्र है राष्ट्र में साम के साम है राष्ट्र साम है मु नगण र सेश्वासाळॅर हेसामळॅ । महिसामु ह्या मुक्तासेन यर मार्चारकारा है। क्रेका का क्षेत्र नाम हर्षेत्र हेश या ब्राह्म तुरा त्युत् .... यदी महिषार्स दे मारा भरासी दर्शन हेशायदी ।दे सह कद क्रिया के मार्के काकी हिमार्क्ष का क्षेत्र का के के नाम क्रिया के का नाम के नाम का नदासान्त्रस्य प्रियाशक्ष्रस्य प्रमान्यभै दिवानु स्वत है। याते सूरायनारायरी रहींद्र सम्बायने विष्यं देने बार्सी য়ৡয়৾৽ঢ়ৢঢ়৽ৼৢৼ৾য়৾৽**য়৾৾৾৽য়৾ৼ৽ঢ়৽য়য়৾৽ৼঢ়য়য়**য়৽য়য়৾য়ঢ় অবিশ্বর্ম হা শ্লুব্'শ্রী'ব্বহ শীষাবর্শা বার্কানীর'বাই 'অবি'বা .... स्चित्रास्य प्रतित्तान्त्रेया की प्रतितामा हैना साम्या मार्गिया स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स मलें में रामाम रेमें निस् या में में माला मरे रहें हैं। । देश ह इन्। माश्रसः तशः गुदः हर् सः न्दः माल्यः वुः हस्यशः दः विः हेन् गुराः म्बेच-स-मण्य बश्च-सङ्ख्य-हुंश-बश्च-८हून-सर-सश्च-श्व-श-हुर्---ह्मिं न्यात्रम् वेशासका णुरान्या नवेश सेना णुरान ह्मिना नुसामा न्ये न्यायहरू ने महारक्षा । भूर। न्याय ह्याय केन हर मः । १२ ता वस्र १७५ द्वार प्रमुद्दा । वेस मास्य स्पर् क्यामीश रदासक्य मीश मानाय दे रदान होता सर्वे न स्ट्रास है मिशाया त्मिर त्रका गुी इस मान्ना वसका वन त्यन यन प्यट न्ट प्यट न <u> चेश्वःशःचःवा १ चोशःगुशःचञ्चनःगुःश्च</u>यःचः५८ःॐ५ सशःग्रवः च तहत नर चे चे ने र के दिए नर पहेंद सर र मी हैं में शायर नर र्बेर प दश में निर भर हैं र हैंग सह। नाम है रहा न्मानवसात्मातार्भेता दिनामायास्त्रेत देर्ग्येता हेसायरी र्ने के मानाया सुनारा स्रेन्रे त्या प्रमुक्त ही लेखा नहीं ने बंदी ने के का या ए.ज.चंत्र.चंदर करे.चंदा । व.व.चं में र में व.कंता क्रिश्च करे देवे : व्यव विकास क्षेत्र क्षेत वयः वरः त्वारः व होर् सः येष् लेखः वरे रहे स्वरं वया रखः यद्य द्र र्स्य अंतर सदे र्व वे वहना द्रेय सुधानप्र मा सूर र्म भवनायात्रा स्रिन्दासेन्द्रा स्रिन्डेश । निर वार्चिम्बाने व्यानिकाम । ने वार्थन ने ने ने ने वार्थन । वार्यन শ্বইব্রেম্ব্রামানীর। ভিষ্ট্রাম্মের্বরেম্নুর্নাব্রাম্ शुःसेदःचरःमशुष्टसःचःभर। ५६मः५म्रोतःससःचन्नसःचरः र्ष्य, या ता मा है सा सु । ह्या या तरे की रिमा सा या दे हिन गुँ । दुँ रामा है सा त्रामहेब ब्राह्म त्र प्रति व पार्टा यन ह्या न्या र ता मा हमा य वस्तर रुद् दु स्त्राम्य से हेंद् द्रा । विस्तर सुद् की द्रादा मीस चलना चर्ते चर्नास पर् सार्चित सर रहेना चर् द्वार या हुस सः ଞ୍ଜିଷ:୴୯.୯୬୍ଅ.୧୩.୯ଅ୧.୯ଅ୧.୯ଅ୧.୯ଅ୧.୯ଅ.୯୯୯୮ଅ मार्डेश श्र रिचेर वेश श्रेर पड़ेर यह गार मार्थ पश पर सामार क्रुमा मार्थाता प्रशा निवास मार्थित स्टार्सी से हिन सिवास है।

क्वायक्षर दे हुन्। सम्बर्धिक म्या स्टार्थ सार्थर स्वर हुन है खेरा हा खेरा है चर्नर सर् केश हेर है। इसश हत्या स सर देव स लार्ड्राम्सायम् मुपायम् विद्याद्वम्यायास्त्रेन् यत्साम्यास्त्र मुक्ताम् य य दे । ह्या भेदासे देनासा यदे । वेसा हेदा भेदा ला 💎 🗟 🕏 कुर २ मिना रा स्वेत की राष्ट्रीय हा सूचायर हमाबा दंश होना रामिना यासेन ती । महिनासुन्द्राचालेकायासार्ममानासुन्देन्य रूपा दे'वन्नाना परे 'वन्नाना य'वरे द'यर हूं 'य दट हर सह द ने जे स र्थर्" य रदाक्षे सेर्'रु'हूं चरदा है हूं द्यापर व है वह माहैबाहा र्क्ष.च.हु.क्षेत्र चर्निस.चार्निटश.ह्या । चार्नेश.च.ह्या व्याम हे.इट. सक्षर मुस मुन मरे हिम्हा हर हमा सर हर हरे नार प्रदास से सूर मसार्देद्व र्नम् पुराद्वास्य म्हार्म् म्हार्म् साम्राज्य भु. एडरे. सूर्। सूर्याची दूर पर्मिय वर्षेत्र ने में ये पुरे का स्याक्षात्रम् मु मुन्यस्य उद्र स्यन् राम स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त मैं - में देवारा नहीं न हैं दें - हिर्द्ध हिर हिर हिर हैं - हिर हिर हैं - हिर हिर हैं - हिर हैं मि. भक्र तार ल्य क्षेत्र थ तर् जा हुना नहाम वहा र मिर् पर्योगायदे हेनाबाय द्रान्देनाबाय देय देव येक गुटारेन गुँबा 면화. B=회 역의. 스=. 원호·리토스 글·= E·리 원호·리 의 및 회율단회..... यर क्षासहर मुख्य मुंब ८०५ ही । ने अम लेग्य हर मुंब 🗻 र्देश्नम सर दर मी ही सके र दुस्य स्मिन राया ही न से र सिर देश

है। व्यक्तिस्त्री श्रीका क्षेत्राचा व्यक्ति चा हेना चलेला है। हो बाद लॉना सा मा देव द्वाया विशास दे द्वाय स्वी हुद्रायन द् हुँ ने वान हा मीश है। दरमा है। एवं हिंद है। स्टाहरा हिंद र से दर्श रहा सा मुझान्या सूनायी महावास हिलाहे प्येवारा महेवा षदाॐघधाचइ खाङ्चेचथाकु सदेवाचाचेड्रेशाम् ३ ह्या दशादर्गनाः सर देन् व स्थाहिन सर साञ्चन स्थाना र सन्य सी पहिना है व हैं। इ द्वार दु परमा है पर्दर व रव व के के रेग्य प्रथा ने भा हुँ बावबाहन सन हूँ न साम्या है न हा है न हो न हो न हो न मश्रान्तिकातस्यास्य स्व तह्नारास्य तिमातर्दराणी रहना न्हाः माबर मार तथा है। वेश से रहेर सह है रहें । । माबर अर स र्रायां सार्देश हैं। धर पहेरी चर्च होना श्रीताय गुवाई वातु । प्या ही ना न्यामा पर्देन दशाधीदा दावे होते हैं माले हैं शाहदा समूमा सही हुँता स. इंट. में मुंब दे त्या र हो। र में या देव देव देव देव देव स्था से मार्थ मार्थ प्रश्नास्त्रः सद्यः स्त्रेरः ह्या । नायः ने : ह्यः नसः सद्यः स्त्रेनाः स्त्रेना स्त्रेना स्त्रेना स्त्रेना स् मुन'गुट'गुक'ह्नन'यदी सेन सन्स स्रिंग्यस हुँ ने दे से दे ले ले त्र व र्व द्राया लेखाया दे मारामी हिन यर प्येवा सेना स्मिनाया गुन हैंन य दसस र्न नस यर है। न दर्मन यस है। न दर्मन यस है। न दर्मन यस है। B7'यर र ले'न। से देन्स हे हे सूर नु साक्ष्य यदे श्रीर दरा श्चिश्व विद्यामीवर त्या कुर्य कर् सामी यात्र हेश तर प्रमी र पर्य .... र्षेत्र हें विश्व मण्या में ।देवे क्षेत्र क्षेट मा उं हो शदश नश

यस ते हनाय य सुर्भे इनायर सुनं य न सु नहें नहें नी हिन्यर "" सि प्रहें ने ने वहें ने न न सुव से सुव से ने ने ने ने प्रहार में नि स्रायहरायम् मे स्राह्म रहा राज्याम् यात्रासम्बर्गा मान्सास्त्र व्या न्यानी स्राप्त न्यानी स्राप्त मान मून पते। ग्रेन ही हिरे हीन हिर यह हैंदे यह शें ही दंस हैना केंब छन रायहर्य सामग्री राहितारका साम्याणुनाहिंचा सने १७५ समाहितान्त हीन् विन्धात्रात्रा लेगा विवायत् न्य महितायका विवायत् मानून यत्री हुर होन् हेल हर हो । निके सर र हे में संस्थ में हूं संस्त हैं न्द्र मी द्र या ने द्वेत हैं सँगा हम मी हा हैन या मैन यह भेगाया। सर्मा हैन कुछा हिला हिला हो। हैन है स्नी स स्नी स नरास क्रे र्ट्शत्मायाध्येतामायास्याक्षां सर् देनाशासाम्ब्राप्यानम्न न् ग्रे-द्रनानी-द्रवं वे सेना संन्धान्न एस से हैं == ह्रिन सरे भूषा वय दे नहुर नहुरा में हिर तर हूर रहे शुन श्रमीश द्या.... मालमान् से हराही हिंगाउद रेजहरायरे तर सादे सेना श्चित्राणुः महाम्बीत हा सामहिता नहीं जो सामा के वा जो सामा होते. इ.स लूचे,च.च्ट.चचूरे,च.स प्रमित्र.चर्.चेथ्य.धैचस.ट्री हेस. कुर सद खाम ब लेश में हैं र है सेन मा सह महन से में में मिन मा र् ने विकास में हर हर से परे से री किया माल में में निय चिट्य. पर्ड. ष्ट्रंत. है। लूर्. च चीट. लूर् टट चु ट्र चूर लूर्. चर. मर्रे. यर विनेश प रट शक्ष हैट न म हैं य है मिनि म पर हूं

व देश र मी माव्य ह हे द पर पहेंचा से वुरायसा हैंचा स नदार्द्भा से दार्ची हिंद सामादा से दाणुदा हेदासदा से दासूदा खासूदा खासा न्दालेकासुयान्द्रास्त्रहर्माय साद्म्यानालेकान्द्रम् सं । निर्दे हे श क्षुत् तु केट तु वहत्या इस सेन्यते देन महानी नान्स लेया हो ... द्र चंत्रवानदाविक देवा वा द्वन्यम वर्षे प्रवेष विदानदा मीखाः मिश्र मेन्य भर भेन्नि ।देखर् नर्भे केर स्य हेर्य में र्रेन क्षेत्र त नेश ह हैत है वेंन क्षेत्र चर दन्य रशहन श है स प्रमुक्त में निवर्ष राज्याम प्रमुक्त मका केरामक रिवर्णक बुक्ट केश मुस्कित है हो सार्थेन । या प्रेक्ट या प्रमाथ स्थि ब्रेट.क्र्य.थब.भाषीय ततु श्लेर.श्लेट.भारवेश.श्रा । वाटा हे.श्ले. प्रस्थान्ये किन्स यान्ना से न्ना निहेश सा से किन किन की ..... हुना सदे **. इं.स. ७** ८ था. हेना सदे . इं**.स**. ७ ४ . माटा उटा मी था **छि**र ..... นา.วิ.อิญ.ที่ชู.ชุว.ช.ชุม.ชุม.ผือ.อิ๋ป.ญ.ชุป.ชา. ผือ.ชู. र्नोश्र.त.चढ्रा वेश.च.ल.पहिलाश.पहिलाचाकेशासानः र्द्धेन हिंद गुट हिंदा हन हुन होर गी हर सा हुन या न रे मार्ने सामार इट मेश विर पर रे विश्व रहार हो र में श्री रि मिलें सरा है हैना से हैना नाट है अट स है गुट हैं। पहल न से प्रनाय न'नविक'त्। सेना'संनास'स'सेस'तु'सुक है'सँना'स'सँना'नाहेस' शु. मि. हूँ वे. हूँ टे. हुट. मुना स्नेश तहता हु टे. ग्री. ह्टे. संश सेना स्नेना श

'चेश.चे.प्रेथ.कु.जूचे. स. जूचे. चीट. दे.लट. स. हेर. ग्रीट. भूचे. सूची हा... प्रमासंस्थात्राच्या र्यम् स्मासंस्थात्राहराहराच्या न.पर्. पर. थे. जुनाश क्रिय का शूचाश न.र्ट. रेट्रश सूर श्री नट ..... स्राया दशका लाया ही र्र्य हो नश हा नश गुर रेरे खेल ..... मुनिकारासहर री विकाणितर के रे ने निकास है। विश्वासाम् विश्वासाम विश्वासाम् विश्वासाम विश्वसाम विश्वसा रर्तुर् नरे रुका कु कर सका मुना हे का माहि हिंगा सेर गु कर का मा क्षेत्रत्रेत्रते प्रतास हूटा वासूर सूचाया दटा हेना यह कंदा साधेता व र्वे दे र में अ देश मात्र लेव या हर मुन य वेमा मु मार त हुंब नह लेल हेश म्रिमेंश हा । हे बे श दिवा नह हुंब wa'f':wa'f':xc'a'\\*c'a'\q=\5c'xc'\q\&'\c\&'\1\q\q\ म्युयःयदे द्वार्यम्यां वार्षः द्वार्यम्या वार्षः विद्यायाया देवः लीया भाषाय विषा पर पहुंची नई हीर री । रेशाव देह्ब ग्र त्यामार्ह्यक्र क्रिन् चा दश भेक्षामी ह्यूका प्रमुचन या वा बाह्य दे या द्वा मु ना.पा.लूबा ट्रे.डेंट.बे.चेंश.च.च्टाश्रष्ट्व.कैट.च.ण हेंश.ट्रे.श. प्रमित्राच्या केर हुर हुर व त्रा ने सामान त्रा ने स्थापह ने मीया तश. वेश. वे. लट. लूच. पीट. रेट्श. त्. ज. प्र. कूचे. कूचे. हुट. हुं . हूंर... म.क्रॅन्याना ता.क्षेता पर्ने मा के क्रून या क्रम्या नटा नी ट्रिया ल्र-य-१८र्द्र-यदे क्याय व इस्सा है क्र-स्रा तम् य स्थान सामे

गु.र्ट.मु.लियाश भूर.ध्रा । ८४.मु.र.र मैं र प्रथा में किर न भूची स्वीका भ्री क्ष्मा वर्ष भूषा माला स्वीचा माडी प्रयास प्रीका .... यासाम्बाद्यान्यसङ्केराण्यायदेवान्केसासुः मान सदेः वाङ्केर द्यादेवः नार.मोश.मैर हिर.नर.रे.वेश.रेश.मींच धुरेन्था.चेर.। रे. **हिन्'माबैन'मडार'वस'र्न्,'न्य'यन'र्छन्'सेन्'नग्रुन्'यस'र्छ्न्'यस''** ह्या द्वरा दवर ने प्रविद्या वा पर्ने ना के वा की हिन सर वा पर्ने सर्वे ... मुर्यान्त्रामात्मात्मान्त्रमान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्रा ने नदानी द्वार्यका स्पेर्यमा स्वीतामा ने किना नेव नमामन स्वीता सकी । र्ने क्षेत्र प्रथा ने हिन मुलैन नहार वर्ष हिंदा छत्र छत्र में मान्या हीना क्षयानु निर्मोद्यावया हिन्यार निर्मानिय निर्मे क्षेत्र करा नु प्रहेव या । दर्मेनाम ।दर्भनमामी नद्भ हेंन्य दर्म मुर्प्य हुट दु पर्यापदार्चित्राचेत्राच्या । वृद्धाःसते : खेत्रान्यः से वृद्धाः से । लद्भान्यात्राच्याः स्थित्। ।गुर्वाहेन गुर्वे द्वाप्तान <u> बिश्च म्प्राम्य प्रमा</u> ने अपर खुला ठन त्या अपर क्रिंग न है शाह्य स.चेर्नामाना वय प्रमुक्तानस्त्रिमान्त्रिक्तिन्तान्ति ल्चा सिका सिका कथा चाड़ेश मा कार हूंचा का पट विचाश का श्री महूंचा । तपु. मैं. सक्र क्सरा कुरा तर कीर है। १३ है हेना तर दे हेना श्रेन्यार्टास्ट्रब्र्ड्टाचाह्रेरास्ट्रियादे तिवालेशास्त्राह्राहर् मुन यर द्रम् व वे नम्न । प्राप्त प्रे नम् ने न मुन न न मिल की मिल न न मिल कर में न में मिल के में मिल के में मिल के मिल क

मूच नरे हिंद सं द नाद्य सं । नाय हे नेय च तह स्वर चय हेर यदै र्देश रदा भी सामु मुक्ति के सामिना याना है साम नामा है। हैनासा केश हेश न्यम मेश हेन यदे र्ब न्दर र्व न्स यनेव यामहिक गुटा दमायायर दिस्ताया केशाया होता है। व्यमा हमानी शाहेरायर हो। ८र्र्नाग्यः मार्विषायाया प्राचिषायदे क्रियायया हुन ने मियाषा णुकार्द्धवायाः श्रमका उद्गणुटादेराय**णुरा**दे। दे**र्**म कुलायदे है। क्षेत्र या सिंदे परे भेर वेश केश तहाय परे खेर दिया । उस की मुंबाने मान प्राप्त नियान के देश मान होते हो ना में जिल्ला मुंब दूर म् . थे. थुर. रे. रू नाश . पेश हशार्यना हिंदा . खेला ला प्रसित रहे. प्रसिता चेश केत गुर देश होता सम्बन्ध केश गुरिश होत या सेता से दिनाया नते सुराने। झालरालेकालानहकानालरालेकानते नुरास्काहेना गुटानुटाञ्चा हुदायामाक्केनायामी त्यायामा वायविदार्वे । विभामी देशा नहरःह्वें स्थायानवृश्यान् ने तर्दे र्नेन्श्यान ही यर ह्वान र्चे दे ··· महेर पर्रे के प्रेर खेला है सर के नहीं र परे नहीं र है र के केर य.र्नाना मर पर्टे वशास्त्रा हैं व के सामितान कर नहीं के मश्रक्तेर मायम्याम भेषाते। क्रियामध्यामधा न्युरामः ले**न क्र**ान्हेन'मुँच'श्चरुपायकनाय'न्नेसाहै'न्न्सालेस'नि र्च 'डम'णुट'रे 'श्रेन'रे 'श्रे 'श्रे 'गुन'हेंच 'स्रेन हे 'लॅन हम'मेंश वर्न' मी दॅ . चॅ . ळॅर : सर : क्रेर : या । बिस : मासुरस : सरे : स्ट्रेर : र्रो हेब.ळ्ब.वब.टे..च्य. बर.मीव.त.३४४.तर.चित्र.चटा चट्..कुंट.....

वद्याण्याम् ववत्रु न्यत्र सार्यायत्र द्वायत्र म्रेशस्य स्तुर् मिटार मिरायम् । यस मिरायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्था । रे.र्या म्रीश.र्र्य नयाचा वश.र.षु.रना.रचाचा.तर.चे ही। श्रदश.मेश.तश. मु मिना या ला झा की हिना यर हुना या दा माहे क गाँदी खर गुरा य सुदा गुर-१८-४म-मित्-भूर १४-४४-४४-४६८-४८-४५-४४-म्यून-गुटा नटाया हरासर स्टासि मु रस विनानी र्व परेवें विस प्रतिष मुक्त मुद्द पर स्थान प्रतः र प्रतिष मुक्त में मुद्द पर स्थान त्य दे नाकेशाणात्यात्यात्रमात्री ही स्वार्थेद्रायाद्यात्रमा ही स्वार्थे सम्मुवायाम्भेशमाराष्ट्रामेष्ट्रशाणुदार्ह्याच्यान्तेषाद्यम् मुवेदि विविद् दर्वनाम्नव्याम् विश्व स्वर् द्वर र्ष्ट्वर स्वर् स्वर पर्ने ता लेना शास्त्र ता संग्राय महासुन् मा स्वरा गीरा ने पर्दे ... खन्यनः र्नेनः सन्ने श्चे स्व र **ढं**वानु र वे ने गुन्नेन गुन्ने र व स्व स्व र न र्णेर् डेश सून म नुशरी राम दि में देश पर्व ने ने निन पर र्ष्यर निव र्षेव प्यव सुर र्रा ।रेश व न्याया स्वरे त्व स सबुद्रायदो मादर णुक्षारे खुर चुराय प्येदायका क्षेत्र से कार्त्वा सर ह्या या વાતા.ભ**ાનું.**વાર્કુશાનું.લવાલાનુંલા હુલાહુરાવરા વાર્ક્સ નું સાહુરાવરા नु नुसायास **मु**नाण्टा स्र सुनस र्भेन् हेश र्ह्न मा स्रेन ही ने नाहेश गुरा म्र तहता मदे रहेन साम्र रेने पर्ने पर्ने

र्बाट देश हुरा याद्र मी कर सार से से रात्र नि ने हार की सहट मी ट्रान्सास्ट्रीयामिश मेर्गमित्रीत्रात्रात्रीश्वासावरात्रम् ह्म म्रि. देश मिर है मिर दे तार हमी है स्था लह हो नह দ্বি "লু । দুব বন বু র বন র্জি তব ন্দ্র বন র র ব্রামর """ मान द्वार नहार मुं हे द दें । है नहार में देना मेहा नहार के नहार श.मीच चप्र.क्ष्य.लट.चेश.चर.वेश्रा. गुंब गुराबर नी है। बड़ेर क्यब के होर होर गुं कु कु र रे हे अर क्रिया यश माख्य ह्या सही ही र लिश सही हमाश ही र वि स्था है माह्यस्य य ने गुनाहें वर्तु करान हिनानमानमार्देवानमानु स्पेनाना हेन सामान में लिखा रहेन महिद्यास रहना शान शासी नहींने नहींने पर द्विमा ह्वा वर्ष प्रधियान्य प्रधियानी में बारानाम में हा होने हुन नु मन मान्नम् वय हुव नहर यर रेन्य हो । । निर्देश हु सर्दर् दे तहना य'यह। र्देश गुरु स्पर र्ना यहुर य'सर्हेट य लुशः रिट्शकेट्ट्र्य्मिकेशक्षक्षरास्त्रम् । । स्टर रना अहरा खारा नारा के बार है है राहे। । अहर राय हर सह राय है राय हिन नर्द्राचर म्हुद्ध। विद्यान्य न न महिद्दान दः विश्वानु नहुरान है लेन यासहर नदे के य यह हुद् यानिहेंस ..... मदेश-मक्ष्य मु देव द्वास्य मार्थ मार्थ मार्थ मुक्त र्खा ।ह्वास त्यः २**रेड** मार्डेश गुँ पड्ना यान्डेश अस सासह राय हुर दाह्मार गुँ ह्र्यं चेट लुब हुं रेच्यूंश ल हे नेकेश चेट मुंश ग्रेट हिर तर

नुःसः हुस यदै इसः में न्यायदसः मदै यहुना य नासुसः हुस यदै 🐃 भ्रम्यस सु:हमाय:सु:माम: प्रमाद:हेस है:दमाँय:साँ ।दे:प्रह्मै: ฉ<u>ั</u>รุารุณฆารราสาฐัร•ำวานามาพธีเพ**ธ**ีเฆาส**ร**าฐาพธัจารูารรา… चैर. रिश्र भू जुर राज्यूर रश्यार में सिर्याश की वश्चीय है सिरा नदु ह्यूर न इसश द्वी स्थाया में रामश क्या है है है हैर कीर क्या । **ह**्चा ह्वा चार्यसम्ब्री हेन प्येष चर्तर द्वीर हों चित्र वासुद्या पीटा। मदाद्वायाम्यायसाभीकेम्।म्यास्त्रसायायाद्वीमान्द्रायदे हिंदा य न्ये = 'श्रुब वक' ने क' के बी' य 'न्या 🚆 च 'य 'न्या खुक' प्रश्चित हो ने " निष्ठेश म समिष्ठेश महासूच या न्वींना यर पर्ने यह सुनिश्राणा म्राट मीश गुट समाश हास ८ देंद यर हा है। सह मी महिंद यान्दानदार्वि हेशान्यना त्यान्दात्याम्य यशाळेना यदी सुरा लेश २८ दी दिशन नेश २२ भ्रेंन अर मान्न में भ्रेंन यहें ฏ**.ฆ**่าชาษูป.วิ.ะะ.ปาย วิ.อิช.ชช.ชช.ชช.ชิง.ชอิง.สรู...... नियानु नुषान्द्र के या मार्मित ले या मार्ची मार्गित मार्गित मुँद्र-मार्थका दुर्मा विमा प्या पष्टिश पर किं सम र्वेष मु र्हेर समाय वश र र **र** नर र न म्बेश.रट.६चाश.णु.क्षेत्र क्ष्मश.मीच.क्षेत्र.ट्श.चट.चीश.वश.चस्रीच. 5 हेनारा मारी हिसार्यना होर मालिना रहा कुर की रिन स्मिन की रे'बै'र्लर्'य'दशस'=E'मी'र्ह् 'स्र्रंश'र्लर्'यर'५र्र्न्'यदे'स्री'र्मेल'ला 

त्र तिना भेव वे 'वेब देब पर पर वु वे वुब पक द्वाब दि पर प्रमुव " व पर्नेर एट रूट की र नाया र महाया व की पर्नेर या थी की । हेब ए इंट. मी.म.र. क्रूनाश. र्टा. माडमाश रहेब. मी. रंगे ल. महेब. बस हु मु रदामी दे विंशामुवासरी रदावहाँ बाह्येर सर सुवासरी मालक न्यान्य में हेश द्यना नर्गेर याया रूट के हु मु हे ब प्र वृद्ध न्यायहेन ब्राप्त तुराया सार्य यहेन सेन्यते नियाया मिश्र से सेन्य सर्द्र, में अक्षर में अ मारेश मा 'अ' सामाय रामा निर्माण कर मामाय होया. इर.च.धूरे में किर कर केर के च्या पात क्री अशार हार वरारे वसीयाश सार्ट्यानमारे मिरार्जिस्मानासमार्थे मोश्रेमाया सामार्वे सरी रेंब बी । शुम्नु दर हे देव समूद र्सन्य शुम्र श्री रहते र्ष्यर् में गुरारे दरारदानी दें में स्राया प्रस्था यह कर समाहेस न्त्री म्यानी ह्रा पर्देश वेश के नामा भीषा नामा ने में निया किया किया न स्त. ग्रेश होर ग्रीट रेप रेट र हेर शे वेश हो विव वर्षीर न वटा चरे कुर ल मिश सट्याम स मिहिस पर क्री सस मुन द्धयानकृतानु स्पेन तार बेरामी व हुन की नवर मीशानलना नते ..... कंद्रका क्षेत्र की द्रिश में दे न्य में में में द्रिन्न मीश मल्या मा स्रेन, यश्चर प्रामिट, स्रु. क्टा प्रामित मिले. वी.स. प्रामित प्रामित स्रोति स्रि.स. प्रामित स्रि.स. व्यत् यन वहिंद य दर देर केन पर वहिंद य दर है माड़ेश मार

मीय गिर विर पर रे. य विश पर दिश य मिश्रम स्ट्री या हि.स. क्रिश यते किराय महिमाना स्र्राणिय के यात्रा हेराय केराय केराया र्स :रदार्च सामिक्रियामधास्त्रेर प्रदे :सिर् :यम द्वार्च सेम्या यम् :पर :..... जेशका ह्या यश पर्ते क्षेत्रारं मारा पडिराधमय उर् रूमाश यश्च वर्षेत्रायान्य। द्वाचानुन याश्चेषुशार्वेदानी वृदात्वया श्रेमशः श्रुटः यः श्रेन्शः यः वस्रशः उदः यदेवः दहेवः वसः सळव दहेवः । टे.पटेचा.श्रेश.पशा के.प.मैट.ज.श्रेश.पर प्र्या.पट. प्र्या.टे. ह्यूर हिंचेश रामश वर्ष व हु श रहेर नह जून के इसश लेचेश... यर मिनास यर प्रमुर री दिस र नावर मानास मु हनास मुस नश्चित्र ने स्वत्त पात्र रूपार्यक्ष विश्व सिट्या मा कु में शास्त्र हुन में . े क्रिंश स्त्र मिक्रेश द्रा देते स्था स्त्रिय प्राप्त स्त्र मिल्या व स्त्र स्था मिटामीय प्राप्त्र नटालटाह्यानर पर्टेर् नर्मायानय पर्टेर् ना क्षेत्र नर्गिषाति। ते सेदायन लेका खायाया यहिया व तेषा दे मि क केदा हेंद तर् खे. य. श्रेर. तर भ्र. वें श. तर् खेर. र् । व. श्रेर. तर् . व्र. स. र्व. नम्मानायहासाम्मे मुरासे दासे दार क्षेत्राया पर्ने हेन। वा स्त्राना कैंसायहेकायम्। ।तसायदै र्देक के देता से प्रमुम। । विसामासुम्सा चर् देव ब्रा । पर् च से द व जेना श से व ज से न से च द र द मिर य दस्र द्रि द्रम यर द्रा यरे द्रि यर मुच यर द्रि म्ह ये त्र नुवुःसः चरः से पहें नामा सुसान। द्वें होरा यादेसः गुरामाले दे वुमायरमादेशायाया हर्मम्मान्द्रभुवार्ग्यायमादेशाम्बे

यातार्यः मी अवासमा समा इसामाल्यायते अवासमा द्यासी प्रति र्देशकर्मात्रम् मुव गुदास्यदायमा उदाहरामालदार्देर् पदी मुवाः सद्दर्भ से के के लेश ह्या से वुसाय महे के दा समस्य या है दिया णुदःळ्थः नदेशसरः स्प्रेन्यते 'मुवः सबतः सेन्थः सदेः ङ्के 'तुः सशः ''' दम्नि, १८८ मर्थे भेरे दे जाया सार विकासी साम हिसा महा सा य भूथ. थ्रा । ८३.भारा कुथ.४.४८.मैंर.चे.भाराच्याश.सर.मीशेटश. याद्र क्षे त्वायाने वडवा ख्वा की द्वी हिंद मेशाव वहा याद्रा ..... प्रनायः स्मः सेनासः णुटः ने: न्टः यनायः चः उस क्रीसः निः ह्विटः सेनः में दर्नों साम ने के देश विश्व स्वाप्त में के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप <u>२८.८चाल.च.झ्ट.च.२८.। ट्र.२८.वेशश.वेश.कु.जु. जु. जु. जु. च</u>.कु. सर्द्धत्थः यर : यहे ४ : यहाँ । । ने प्राप्ता स्मी सामी : मळंत केर माश्रम मी र्स प्रशाद र्च केर प्रार सेर से प्रार प्रार है देश प्रह्मा द्या श्रुच न्यॅद माल्द मी नलेन या हर न्यत्य स्र प्येत्र'त् ह्यून'न्येत्र' एने हे हि हुन चलेन छे ता पने त्याप्यम्यायः लच. संइ. चाकेश. गी. चिंदिर चिंदस. मा बंश चोशल. चर. च चेर. ता खेरे... ला। शरशास्त्रिशाम<mark>्सिरशासीशास्त्राम्</mark>यारानेत्र विरायरामशलायराशा नन्तर्त् । पूर्व गुर पहना स्था द्याय हे स्थर स्थर है माल्ब प्यतः वी । इतः द्वे के के के के के के के मा के से कर हो है।। डेस नदे रात्त्रीय सस इस स ने सु नुदे सर् के ना ले ना

हु, और, रं, रं स्ट्रांस, हार साम प्रमान मान्य साम स्थान स य द्राम् विक मुं द्रार्थ र्या द्राम् य विक मुं य विक मुं पत्रेष् मार्स्या मध्या महनास्य स्वर् सः हेर् र्टाम्बर् मु नियम् स्रिन्य हैन नम् ने स्वित्ता स्वत्य देशास्य स्वत्य स्य स्वत्य स्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत् यात्रवाक्रियास्य । व स्वायस्य उर् हि.स.स. मुकायक्रियास्य । पर्ना र् ह्ना पर मुर व के उर वेषा । परे वे वेश रा द्रम्या ल. एश. स. चर्डेश विश.चे. च. ज. स्वेश स. च. हे. परी क्र ह. डेर. 4**년.다.4년.다.**마) [왕4.다.황4.4원전.네일본.다.寿다] [최도전. म्बर्स, नुबर, मुससा १३ ला । स्रिसंस, दुस, नै.लट, रच, ने.चीसेट्स्री। लेशन्तरी खरापरीशाहर वरी र्ने केरानु नशाय वर छेरानी । विश हें वि किन्द्राचें मिक्रियायान्द्रामी सर्वत केन किया व्यन्ति सेन रट गुर्द म्बि नभर प महेश रट स्मिश गुस नहार य है। रूप में द्राया प्रमान में मार्था देश या या प्रमान में यही द्राया देश नु प्रकर् हों । भु सार है न्दर हैं द प्येदाय सहें गुदासस यह साय त्रश्चिनात्मा विनात् न स्त्राच्या या शामी व्यवाय र द्रमें द्रशास्य स्था स्था स.चेश्रिय.पहेचे,च.६.४चेंज.पश.किट.<u>५</u>चेश.चेहेश.ग्रेश.रॅट..... र्ने नुसून याया स्रवसायरे राखदामी साद्दर रेने नुस् होमस.द.भ.रे. चोशिटश.रा.ज.से. रूपा.पचीचा.ध.पचीचा.चाकेश...... लश्चात्म्ना पदे अर् . हैं . र्ल इंट न व्य र है। विश र्शिम् साम्युद्ध य दे दर्ग य से से माञ्चर होराय दे ज्ञाद परि

२८: ५२८: मोशासाधीत मी त्रामिशासी त्रामिशासा खिमाशाणुः नवरः मोशासेदानुः मानुषा दुवे 'वशसः यदे 'नवरः मोशासेद मनः तार ना नेना वास ना सुरस मस दूर देन दु ना सम स्वा ।दे वसाने निष्या प्राचार्य स्वर स्वर के कि सामर् निष्या माने निष्या स्वर ने निष्या म्रोज्नाबा मार्चे म्ब्रीट म्यू . माश्चादश मार्चे . लेका ख्रामाश न्याद स्वर स्वर स ने खेरावा**द**्यां ने खे. विदेशकर्ते ही देश रूपा संशादेश र्देवाने मिश হ্রদেশ ব্যাহ্রমর তের ব্রদ্ধের ক্রিক্তর ব্রাহ্রম ব্যাহ্রম ব্যাহরম ব্যাহ্রম ব্যাহ্রম ব্যাহরম ব্ लेशःमासुरशःश्री । ५५२:५६नः पदः ५म्रोधः नत्रः धशा क्रीरः र्च दिर र्व द्रमासुरस पार्येर वुसाक्स सेस्र रहार मासुरस ... यायाः इतार्वे दुः श्रृं वा द्वा। साम्यान् साम्यान् साम्यान् चत्रे सर् 'स्रेडेक'वर्षेत्रात्राह्मा चर्च म्मूचसासु ग्रेड्रा च च्याचा धा ष प्रक्र हो । दे वे से देना श हे दर प्रमोण प्रशा से सहा दसार्नामश्चरशायाद्रदार्नि स्मेनायाद्योर विशानशास्त्रीय यो दिया शुभवाक्षात्रात्राह्यार्वे न्त्राप्य विद्यान द्र हेन न्यवीत्रात्या खटात्रेशक्षात्यायाम्बर्धाम्बर्धायते म्बर्मि के स्निन्धात्रेरा मा यदः मा नेनास यस क्रेट स्ट र्ने र्ने र्नेट र ने से न क्रे.वधकांक्यं.क्रे.वे.वट.रे.क्यं.तर.पक्षंत्त.यं.यंट्यं.तत्र्। विरे.त. त्र निष्य ने निष्य में स्थान है साम है स्था स्थान स्था

मर्र दब मु ब्रूब में र्स में दर्मिन मिन मिन से में में रेन रेन सुर म है. शुं र् वा नम्मान दर र्व र र्वे नहें नहें ने स होर से व वी वह म ने खे.वर् अर्र के हर ने वर्ष वर्षेत्र या रमन राहर के वर्षे ... ब्रीटार्च इटार्न्नर्ष्ट्रेन भने सर् त्या नमार्मेना महादेश र्नेन रू पर्देर्यर हिंद्र य से द हो दे ता है महिसामा ता हिंद्र या से द्रें । रटा सिर्मास है हैंटा र्से 'र्टा र्ड्ब, टे. मिश्चरश सार्टरश सार्ट्श रेस्ट्रिश त्रमुव्यात्मक गुक्राम्बे तसूक्षायाञ्चा है प्रदेशका से कार्य हार ह्यूप या प्रदेश व् । ने ता दे र्मा कर हैं दार् नह्द रा ही है नि दे न से ने पर र्जुश्र-रेज्ञ्ब्र-राक्षा लट्-चार्जुचार्याता भट्ट् हा.वु.श्रम्था ब्द्रं कु नश्याया महेदानमूद्रं या द्राप्त हुवाया या स्पेरा दे दे मि वदे .... मानस से ब ब । प्रेने न व र्से न के वे रहर ले ब न दे रे र न स सु न नबुर्ने नद्देर नद्दे ह्रस मुद्द ने ने ने नद्दे । मुद्देर मुद्द यदी भे भे स इस यन पर्ने र यदे मार्स के से व व व हिंद्र'मुंबर्द्र्य मुंहेबर्खु'व्दर्य नर नुदे नहेंद्र या या कन्य यर .... यश ने न बैद न में न स पर है हैं दार्य न सुदस प ने न दान विद ने स द्र-निश्वतायः स्मिन्स न्या द्रमः पर र्ना या सक्ष्यं मिन्स र् मिथ ना श्रमश वय समय वर् की पिश की यट वे लूरे नर नहरे है। बॅर-स-रेव-स् के-म्बर-रेक्क कि न्येश प्राम्बर-प्रस्टामिश क्के सकेद्र णे ज्ञां श के स दे में स दे दे स उद द चुर य द मा पदद

वेर हुना नृ नहें ने हुन में हु ने निहा हुन है नहा हुन ना हुन न <u>र्टा है 'बुर' से 'प्रांच 'प्रमाध।</u> सु चुं नहा गुट ह्ना 'टा हुं दे रासे द य : ॲंब : ५व : से द : य : हिया य : से : प्रहेमा : य : लेख : यद्या : ५ : ह्वर्य : लेख : \*\*\* ख्यार्खा ।देदे अद्रान् स्ट्या<u>म</u>्याद्मस्य गुर्व दे देशाय नन्ना सेन् य झन य सिर य न्य सा हेन्य उत्राचन न ह है न य लेन य द्यश्रास्तान्ते हुरार्ड्रेट हेरासहरास्ते क्रें सेरास्तास्तारा क्रेंना मी नेंब क्रिंश गुँग्नरमा सेन हूट सेन गुँ हुन खुल लाने बलैब .... चार्चेचाशान्य ही मान् बेशा हो थे नाशा खे हो चारा है च र न शु.पर्या हु पर्यु त्या दे त्वर प्राया हिंदा अत्या ति । हुदा खेसा शा की सामिता । स्रोतिस ५ वेब चर. मृ. चेल् । वर्षा. ५ स्. वर स्ट्रायर वराम वर्ष क्सरा दस वर मिश्रमानी श्रीर खिया या निवस यह स्रमा भारती स्रमा स्रम स्रमा स्रम स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा विव लिट शुर नु तकदा की पर की राव श्रुम वहा ने दे ने ने ने हों हैं र्बेर, प्रशा श्रु. बेनाश . णु. के. प. पर्धेन, पप्त, रवेर, श्रीट, त्रु. पर्या, भेर्'सर्'हिंश सु'तह्ना पर दुर्वे लेश मुस्रदश हे'सदश सु यदना सेद गु सूट हैद त्य दर्ने दश दश दर्ने श य यदना सेद त्य .... ञ्चन,न.बूट,न.२८। नर्ना.श्च.पा.बुर,ना.बेरका.रूथा.ग्रेश नर्ना. व नर्ना ल्रेर नर श्रुप्त क्षा न क्षा मी श्रामा व त नश्रम् श्रुप्त हैं

यह व हुर् रे हे हे र कुराजा हुर्यात शाचाराजा यह सहा वशा महारखा. नर्,रेन्ट्रानर्,र्रे,रेट्रेंरेट्रस्य वर्षे में रेट्रान्नेश कुश शुश्रामा नर्गःल्र्नायः श्चीता देशशाणुशा नर्गा हेना या श्चांशा स् नक्षायां बे ब्राया बेदा की देव दे हैं दे या दुया गुदा हु हिया या नहता । नु महिंदा महें प्रसाम हुन प्रसाम हुन प्रसाम हुन महिंद्य महिंद्य महिंद्य महिंद्य महिंद्य महिंद्य महिंद्य महिंद्य चुवं ची. र्रेवं रे. लूर् चर चंहेब बंहा दी. बंहा चंहा वह घहा बंहा ..... माश्चरका सरे दें अने त्र इर मरे ख़ैर फेंब सका दे माहेब हो ...... भष्टेत्यास् विद्याभष्टेत्यामा पट्टेन् न्यूसाम्या क्षेतास् क्ष्टास् महारकाय क्षा है यहेद भर दहेद द यर्ग छर्ग सर क्षा या द सर्द्धः सर नास्त्राः नरः नमूनः हे । नृद्ध तः नार्वेनः क्रेनः जुनः हे क्रेनः । र्ने विश्व है नविश्व पर नाइट न् में इट न है हर केन कुन कुर दिन र्ट्रे सुर दशर्द्र मुै हिशस् तर्दा नर मुरे महेर् न तर्मा कमा शानर म.चेर् . ७४ . स्मेश.मेश.मेश.मेर. १४ . रे. मेशता नशसर् . ८ रेश..... सर् 'मालक' प्रकार दे 'सूर मासुरक' या दे 'दर्गे दर्श माले 'दर दर्मे रू ' यान्द्राञ्च है चल्कि यात्मान्द्र हेन यह का यदि ह्या वहा द्वार द्वार व नर्सेनश्र.भ.पर्सेनश्र.प. पृश = म. १४ वि. श्र. वि. म. १५ वि. म. **पर्साम्यायानान्त्राकात्र्रात्रात्राकात्राक्षात्राक्षात्राकात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रा** यदी मर्बिर् या महत्वस्या पर्ने हेर द्वार देव द्वार वहर या का मर समस्य मदे सद द्वा भेद यह दे हर दे विदे सर् हे सह सह मा ख्न-स्यान्ड्रवालेखानुसाव मदानी ने मि व केन नहां व ना दसानु ····

₹५.८। १४८ . मेरे लंब का करें करें का किया के मंचित्र का किया की का का का का किया की का का का का का का का का का तथ. पर्वेषा चर्य, रेवट. चुंश हुंचे, चर्य, हैं। हुंचेश हें, चर हेंब . चरा क्र्य.हेर. वरा.क्र्र. परी. क्र्रे हो। लेश. यक्ष्यक्ष. श्रुर. वरा.क्रर. それず、ままず、まおお、ことお、め、ので、まれ、致、いるよ、らな、多、…… क्रूच मूल,श्रॅश.त.बु.रुप्ट्र.मूट.कुर.रे.कुर.सुब.मी.भर्ट्र.फ.श्र्चाल... म'सद'र्'त्दस'र्था द्र्रा वर्गा सेर्' मर्वे स्ट्रा हेर् नासुदसामा क्षश्राञ्चा ।पर्नेषायपु रेवरामीशालेशायाचे मोर्नेषाः देपु यशसः त्तर्, रेयट. मुंश. चर्यर. कुश. म. हे. किर. चे ब्रा. च भयी यर. छेर. तर्र.... मान्त्रा प्रेष्ठ : में दि : बदे : मान्य : मेंब : बेश : मा सु = स्या : मेंब : बें। ह्या है न लेक पर नहार का निमा क्षेत्र पर ह्य न निमा स्त्री न निमा स वै। वृद्याय कृताद्य माञ्चेषाय द्यायन्या सेराया वृत्या व्याया सद्धर हिर गुँध प्रंद हिर हु वादह हिंध गुँ वदन में हुँ धाय दसा মন বত্তব ব্যালী ব্লুমের মের ব্রু আবহার হার জুমার্ম জুমার্ম ক্রিমার্ तर.चंद्रीटश.त.सूब.तर.स्रुश. वृष.चूष.हे. वृर. पहेब.त वृर..... र्षेत्रत्। रे.ल.रेग.त.लट.र्गमा.च पहुंग त देश यर तर्दर द्यामी पहुंचा भूर भूष नवस रचाना नि नवर नव हु हू सार्थ पहुंचा .... मे न्न्यायर हिं सेर निवेद नु सुन यह दें निर दकर महे हना यर दिन्द्वार हो। । दे अ द से में में निर्मा हिना यर ही निर्मा द्वा स्वाया वितायर से द्वार दिना व त्र विताया का स्वाया का स्वाया विताया विताय यर प्रमुद्र वर्षे । दे या महिंद हो द है मालक है पर्दे दे परे हैंग

यात्रम्भानदे हमार य स्टार्डे में द व्या मीर्यास्त्र द इसरा व्यव यहा ने द्वा मीहा गुराने पर् यह रहे दिव वहा है के हो है क्ना यदे च्रिन्दिन मा क्रा यर वडर रहा मु क्रा वडर से व यदे " ल्ट्याम्बर्गायान्त्रेत्यात्र्राह्मायान्त्रेयाणुः सूत्रायान्या वडराउं अ प्यर वर्मा सेर यहै है मिं व हैर र हें व रहे यह मा होतामाहेकामादाध्यद में हिमा मध्यतासमें क्षेत्र हे हो हदानक कर्ने ... हो ने नवा नी वा हार विराम शुटका य ने रन्त्वा को राजा ह्वा या ..... ब्राम्य द्राम्यन्तानु क्षाम्य य लेबाया देव द्रम्यके ख्रीरानु मासुरकाः र्शे । १९५ स्वेर इट र्वे या त्या मार्डिश व्येर है रे लिया माट इया मी'यर्म'से**र**'शुर'सॅंट'य'र्ट'र्हस'ग्री'यर्म'सेर्'रम्स'य'य्यद् बुर-नु-निश्चदश्य न्यते द्रदः र्नेब-नु-न्ने-निविव-न-विव-न-विन-निवि-व.र्ट्श.शंश.र्दे. के.व.ज.ष्ट्र.चंश.कि.भर.स्था.य.ष्ट्रश.वंश.... रे विना वा मादा वना नी यदना से द शुद स्ट वा प्या है र यर य य द न से दिए नरी मालक सेरी री उन रूप नरी खेर मासुरस मारी दूर... र्ने नी संह नविन पामानिन ने र मन पर हा न भेन ने मुर देना य स्मिश गु रहीर ये स्प्रिंगर मध्य मार्ट र्व स्पेर महा गुन मनि द्रा द्रा दे है न दे मुन के न मुन में नगेंदान लक्ष स इसस इ हैंनास गुरु नावी है। । यदेन ना ने नार् हैं द र र

न्नो नवराने। । क्षेरार्ये ने त्यामुकामिले वे सुर्वा । ने ने लेकामिले र द्सरा सूर्व यर सहर। ।हीट में गुव निवेर महीन्य माया।। ষ্ট্র : প্রের ইমরা দীরা প্রাক্তর প্র প্রাক্তর প্রাক্তর প্রাক্তর প্রাক্তর প্রাক্তর প্রাক্তর প্রাক্তর প चित्रेर स. सश्च मिटा इ. च ब्रेच चे चे चारा सह क्षेट स् . पीय च ब्रे क्यायर विद्यायर र श्रुवाय या द्यायर विद्याय विद्याय विद्याय । <u> लेश रे मिर्नेश से मो दसमाप्रसार्थ स्थापन रे सर मिश्रम्थ स्था</u> दे·ष्पटः दे निष्ठेशः निरुषः देनाः सः निरुषः सः देनाः सरः न्यदः स्थः न्नः । ह्येट चि नह्या पर दें दें दे हैं ने त्या दर्मी ह्या वसा गुवामाले नह्या पस नम्दर्भ पद र्व ल स्रामे मेट मेट मे क्या मूट्य लेव प्रश्नित निवेना म् १२. डेर. व. र्जा सार्या र्टर. र्युव. यं केव. ता. केट. ग्रीश दी सालटा रटर. र्देश-२.४मीव-मूर्। ।४६म.४मुज.जश २९%.स्. वंशकः दर मुं रदायहर मुं हेश शु बुन्याय दे सुर हें दाय हेर हिं राय हरा गुव माले दसायर भेश सदै ह्यूबा सह्द यर रेगा यर नुवें । लेश.चोश्चेरश.चश.चि.चरु.चले**र**.च.च.रे.डेर.ट्र ।रे.डेर.ट्रांटश. माबुद्धः र्वः चारुचा रहवः ग्रीटः चार्षः मुः के स्त्रे चारुचा स्त्रे गुवः चार्वे नाटः मी के न न न से न मार के मार कमा मी यन मा से न वुक से द न न र न मीबिट. ८ हूरे. मोर्ड श. ह्रांट. मी. क्रां मी. नरे मी. शुरे नहेरे नहेरे नहीं ही रे इंदामा नादावना न्दार्ह्या वस्य उन् रदान विवासेना पर हिंता म् वंसामद्राम्यान्य क्रियान्य क्रियान्य प्रमा प्रमा प्रमा

माति व्यन् हिटामाट अमा केन व्यन्ता । सुटार्स तरे नगात्र नतः लेमाकेर ऑर केश । पद्दराय परे के पे द्वर केश व र्वे । हुमान्तर भ्राप्तमीर मार लाये हैं जार्रे । विश्वामीश्रीरश पूर गाँव माने पहना यात सु र्या र्व मुक्त स्ट्रायर महत र्वोश यदे सुर र्ः विद्यारम्यायायश्चराष्ट्राद्वर् द्वर् द्वर् व इन्बायहे द्वा हेर्रा हि मुँब हेर्रा हिन्य हेर्रा में हैर य: न्टाकी माहिषाय: न्टान्टा यहीशको न्यने । सर्वत हिनासासासुसः। वस्रकारु के स्रोतिक दे हिंदी कि निर्मातिक कि सामित्र के हिंदी चॅ १९५७ ५८ चॅ १म१८ वा स्टामी सर्वत १९५ के वा के दा यर छै न इत दूर पूर्व यह मिटबा क्षेत्र है। यह मार मार्थ दार লয়,ড়৾৾৴য়ৣড়য়৻য়ৢঢ়ৢ৾৻য়ৼৣঌয়ৼৢ৻ড়ৢয়৻য়য়ৢঢ়য়৻ঀয়৻ড়ৼৣঀৢ৾৽য়ৼৣ৾৾৻ড়ৢ৾৽ न्दानु व्यवस्था देवा दे दे ने प्रति । ढ़ॖऻॹॱॴॹऀढ़ॺॱढ़ऻढ़ॗॱक़ॗऀॸॱड़ऻ॔<u>ऻढ़</u>ॱॺॱऄढ़ॱढ़ढ़ॗॺख़ऻढ़ॕॸॱख़ॱॴ**ॹ**क़ॱ मु दिराहेश है देर पहुँचा छे व। विद्रास् दरास्र मार बना दर त्यः सुदः र्ये 'त्रास इंब' के दासे समुब प्रयो र दा कु खुन प्रये हिला र्ये द द्भःचणनाःदशःरटःमीःभद्धः हेरःगुँशःमुचःयःचणनाःयःन्दाः अषः । मी न्त्रमा से दे दे दे ते स्मान स्मा इसस नट मी सहन १९२ मुन मन मा सुदस य ने न्दर रेन ने देने दर्गोट्स माने ने च क्षुद दु पर्द य रहा हो। । दर्गेस य ने

मार वना न्र केंश रहा मी सकत हैन गुर केंद्र यर पश्र कर कर .... ह ही नबारे नहीं ना नहीं हो नियान नियान है निया नियान है न चर्चा क्षुरः सुरक्षः क्षः यदे 'वर्म क्षेर् सः मिलुम् यदे 'र्न्का । ह्में है नब्दिन या मान्दर होर दे रदा महद मीश रहेर या द में ना परे । र्रमाश्चार्याः इस्रश्चा । हे दशादित्राः व्या मिहेश्चाराः माराञ्चमा द्वा র্ক্রমান্ত্রমান্ लेट **२** हेना हेन मी ब क्षुन् नु **र्येन** घर माश्चरका या है। रहा मी सर्वन १९८ में श मुवाय वादकैय मूर्वा श्रेरामान्त्र से उट लेय दकेय मूर्वा । र्<u>श्</u>रे कु हेर प्रयुट मिश्र ब्रिट **प्**र्मेश या मिं रह्य है द्वा रहा मी सर्वर <u> १९५ ज</u>ुंस<u> स</u>ुव पश स्ट्रिंट य हेत प्र हुट मी र्हेन रहा य**े** त से सिंहिंट .... মহী ব্ৰাব্ৰামহী এনা কৰা মানী কৰি মান নাৰ্মমানা কৰি মহা শা देश.सदे.ह्व.शबर.बैच.सद्र्य ।जेश.स्व.श्रुंट.स्.ज.श्रूंचश. य ५नाना मुः सः देर्त ५ सामु । चः क्षु ५ । ५ देश सु सः सु ४ । या स्मार । साम ख्राचे ख्राचे ने न्नाणुरार्दा मलेक मुक्ता ख्राचर <u>रेची.सर.हिश्र.शि.सकेत्। । बुंश्य.शर्ट्र. पक्षेथ.टी.पट.श्रथ्य.मीश.क्रॅट्र.</u> तर मिश्रेटश त. मेश्राम पर जी भी माश श से मार प्राप्य पर मिश्राम स्त्र मिश्राम श्चर हेदाया दे दे में मेंदर प्राप्त मान है हैर हेद देश हैं। ष्ट्रित्सर सुर व रे द्वारे नाश सम्बद्ध स्टि सर् स्थे म्सर वर सः म् रम्बार्यश्रास्त्र मिश्च स्वर्भ स्वर्भ में रमेर कर्ने में र्ह्रसः मः च्रान्त्रिनाः नीसः नहस्रसः मद्भैः नह्ने । नह्ने सहन् : नह्ने : सबुकः : :

यानावना नु नुदास साहुद समायहिम नुर्नेसाय न्दायहर्वे देशक्षां वेना या केक्षां दे । केता का क्षेत्रा क्षेत्रा क्षा व दा के मुन चरा हिंदा यह र दाविक से दाय वा त्या व स्वा द्वार द द है । स्वा र्श्नाशाम्बनाश सेर्परायम् वाताना वाहिरार्वे स्तरायमा नहेब.च.डेर.चहेब.ब.७८.डे.कुब.त्.ही.चश.ट्र.झंट.चट्ट.कुट.रटा। रचाश.त्रतृ.क्श.ग्री.वरच.भुर.दर्शेश.वेश.चेंदे.क्रीटश.वश.सं.वर्षु... ढ़ॣॹॱफ़ॗऀॱॻॸज़ॱॹ॓ढ़ॱख़ॱक़ऄऀॴज़ॹॗॱक़ऀॗॾॱऄऀॱॾॖ॔ॱॶ॔ॱॶ॔ॱॳ॔ॾॱक़ॖ॔*ॱऄ*ॾॱॶ म्बरम्केश्रासां क्रुर्नु क्या वर्जेन हिंदायाय वर्नेत्याहर ही.... स्ट-र्द-यर्स्य यल्ना स्य यल्ना मी हिरायर स्ट्रियाय र्निट्स ..... वसः मान्यास्त्र के ने ने के सार्थे ने साम स्थान स् म् है नवित रायामित्र हैर वे मार बमा रा केंब इसका रेंद्र रहा .... यर सामुन या ता रेमार्था यही महिंदी हो र है स्टा हो र ता र्दे प्रहार यत्रमः नदः मो स्वर्धः भेदः गुँधः मुवः यः तः मु त्व्यः र्यम्यः क्यः । । । । <u> নাৰিনা,বলগ হেই. গু. ইং. বহ. এই. এই এ. বহুগ এই এ. না</u>রীলগ. , त. क्षश्रश्री । रे. ५५. नदे. २८. ८ श. ४ ह्मा. देश. हे. में. रेमें ट्स. त्मोलामुंबाम्बनायान्याको सबुकाला हैटान्हें का मुकार्ये । न्दार्से । मूंश्रामः वर्षा वर्षेष्या स्ट्राम् । माडिटशः गुः र्वटः युनाः चैत्र.त्र्रा बेश.त.जर्भ। ब्रेंट.चे.भिष्य.चेश.चर्मे.च.मिश्च .रट. क्रि.च.चश्चिम.इस.च्रिम.ब्र्रूस.वे.क्रुंट.चट्र.रचेश। १ मील चशः मिट स रेन राई अधार वर में निषय अमिर वरा भू देन होना .....

नष्ट्रय नन्ना सेन् से हूना न प्येन् पहुट नरे न नस मी सादिन न त्याद्रम्य । इस्र रेप्ट्राय दुटायाद्रा र्हेश्च प्रवास वात हिन्। यर ... चुनार्ना नि सार्वेनान् सूर्याकृतान्यास्तरस्य स्तरास्तरस्य नान्या नीशाने नित्र ना नेनाशासरी नान्या नी दुला निर्दे नित्र करायर डेन नि यने के विन मुखंग के विन चर्चे प्रविन वि के मान्य नि द्राव्यः नाश्चर्या स्वा नी नी ना ना से से से संस्था हत है हना सदसः मेश.ग्री.तीम.प.पह्री.पर घह्री. । श्रेशश.वर्शमी.रट.रट. चलेत इ र्जेना स र हे दना अनुस न जुन स तर हे चलेत ना जेना स ... तर्र. ष्ट्रा हेर मिट रे. कर तका ही ब.च बरा हा ब. खर ता क्यारा वेसा. वित्र विशानाश्चरयाना दे क्या विहान वादानाश्चर ना स्मान र्टार्ने से निर्मा हो। दर् ने निर्मा त्रमा निर्मा निर्मा होना रमव ने हिन्ही हे वहा हारहा किया ही सीया होना केवा सा वर्दन बंश.भवंर.श्रद्ध.सेंश.ह्यं.तर.वेंरे.तट्य.पुंश.च.कुबे.ल। क्रूश. दम्र नश्चरा दे श्वेना या के इतानी नातुत्व शुनु राश न्तरणी तरहा नु सहर्मित् केराते। सर्गित्यस्य नर्सामस्य सर्गि ८ दे. होना. रथव. बेशता. मिट. शहर . होना. कुब. टे. खेना श. बंश. पंकट. में यः सर्वरः विचा वेचा यः मारुचा स्पेर यदे ह्यू यः छेन दु दु द्वार यदे हुँ रः र्भे भेडेशक रेमायान्य मार्गेश मार्चनान्यन नु हिन या प्रेक यश रद में दे स्निवश मुँ यदम से दे है। यह मही मही मा सा सा हिंद्र हेर के कि वर हिंद्र पदे हिंद्य हु कि हेर से हेन पर

र्बेन्द्राच चही चन्द्र चर्ना मेर्न्ट न्द्र है। न्द्रानी क इससार द्वर दुनुर परे पर्मा सेर पर्ने । शुर से स्नि य वे देर लुग्र व्याचेना या मालक द्रायम् से द्रम् सामके द्रव वे नामाने द्वारीन प्रशासनामा नामाने सर् दे दे दे भेदात ने द्वारी । सर्वे तर रे चे सार्थ राष्ट्रीया व स्पर् से दे हे दे रे से ब रहा। महीर यार्चे त्य ब्रायम्बर्भित्यर व्याप्त विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य लटार मार्च श्रुकाव। प्रतितामी वास्त्रा हे स्वीतामा हेराया मानदान बोनाया रे कुन विकामी हो हेन् मुँ र्न प्येन नवा केना होना ब्राधेना या के उदार में ह्ये हूँ न त्या ह्यें ना मार्डेन त्या मार्डेन त्या मार्डेन त्या मार्डेन यर सेर्'यर दिश्वर में । प्रमुख दर्मिश य दम्द लेग य स्मिर রম র্ম্রলা নার্ড্র মে নার্চার ভির্মার্ম রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য র্মি র্ম্বর প্রার্ম রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য क्षेत्र'यश'नासुदः मः में 'त्र'द्रहः त्नात्र' व्यदः त्नु मः हें शे हार्श्व ब'यात के प्यूरी चार या ने होना रक्षत या खूँ रा हे खूँ वा ना हरें या बमाया मन्द्राचा मेना के बार्ची हिन सर दिना दिना ता व्हेंश हे न्वदा न प्रदेश न न सुदान न दे दि न निर्देश न प्रदेश से """ प्रमायार्स के का विन प के दार्च दे में नादा रहत में किना च न से दे के र्देशहूं नश्च सर संवर सर्वे हैं रें ने की श्वर सर्वे नोरे का वेह हैं एक हिंबा है रदा मी सक्द है दे की वा माना माना मान के दे दें दें हूं चारा तर हो चर हों र दिए मी मार्थ पी ता हों रा है हिरा रामरा .... उदार्दानी सद्भाकृत केर मुनाय सेर् या वा है लिमा दमाया वा

रट. भ थे. चारा र चेरा चेरा। जुरा माश्री दश रा होरा झेंश झुथ. यहूर विष्ठे ह्या क्षेत्र या स्ट्राय है । साह्य स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय परेदे नार्या गुःषा रहें हा नमूद की र्व रे केर पहें दे ना ना कुना पर " यहेर् यहेर हैं र री दिशक परि तारहेर् है है है ने पश्कर रमें स रटेंश बेद मी र्दे इस्थायहेंद यर पुरम्बि के हैं है यह दे यह ... र्व साम्बर्ग या मह्त वहा देश र व हो से न मन हुन य वे तर् र्षेत्र त्री । निस्त न महार र न गी महिर हिर हिर पर पेत थ। मश्चरमार्य दे निर्मेदशासाला लेशासाना मश्चर पार्ट दे निर्मेदश माकेश मार्थ नाया है। सम्हार सम्हार मुला मुं सह का केरा मार्थ सम्हार मुं इस.चलच.रमारचूर ह्यूरे सह लचन में प्रकर विश्व हैंगा है.. मेतु मशस्त्र मही न न सुद्या न सुद्या या प्या है पहिन न पर्दे ..... रसंसे पर्ने पर्ने प्रस्कृति स्तर्भे हैं निविद्यान पर्देर् या से मेन्स हे प्रमें द्राप्त मोया यहित हैं। से पर्देर् दासरें ट्र.जश विशवाताचार गीया परेचारा सप् चित्राका हे वे हरा ही. भरे तर पर पर विश्व । विश्व सर पर पर पर माडियाल माट लेक्साने के के समाम हिंना या हरा हु। लेंद्र माने हु महरा हु। लेंद्र स्यरावश्चरानुः हो। स्टान्यटानुः यनुः यदे हुर है। संस्थाले हों।

माट हिंदा है द . मी माडमार दे हैं हिया ही हो रामदा सामा है हिया है ... र्षेत् च त्रात्मा व्यक्त लिमार्द्र द्वा द्वा स्वा स्वा हु से प्रमा महा वर विभागविश्वास्त्र द्रमाहसार्व्य प्रदेश मीहरा साहर वश्राश्रद्धाः मुक्षः गुःचरः नुः द्वर्थः द्वर्थः स्टेटः द्वरः नुः श्रूवः यः दः सेटः ... मी ह्य रिया ह्वे स्त्रेर दुर या स्त्रीय सदी रेमाश समाश्वर कुरा ..... मञ्जयकामकान्नींकापमीयान्यासमुकार्ते ले काम्यान्या हार्छे। ยูลสาสสาคา : ฮู้ราคาฐัฐานายูนาลิมสาทิ : ฐัฐานาคาฐัฐา...... पर्र यशानिडन्थान्याश्रास्याक्षेत्राची राज्यास हे स्वारस्य प्राचन वु न देश नद्र तक दे दे देन केंद्र दश क्र कें लेश नहीं न नर माश्चरशाही दे त्यानाह्वनाशालेशान्च न त्यार्श्वनाशास्त्री सेटा इसशा पर्नाकाम्बिर नर्द्यास् न्राचिक्यासन न्रीम्बाकामाह्यावासा <u> बुश श्रृमेश रे भूट क्यारी भू १८८ चंदा मोडियोश शूचेश भूट व्या ....</u> चॅ 'प्रेन्'व'र्वस'मी स्त्रुस महिन् मु सेन 'या सेन व'से में महिना महि "" म्बि सेर्'यस सेट प्राप्त सेर्'हेश यही ।देरे यह नुमहन्स @श.चे.च.र्श.श्रद्धाःमेशःलेशःचे.चर्षःचर है.रेट्शःस् ता.में ..... वर-रे.मुटार्टेनश्चर हुं अविदेश हे भूटारे.र्टेनश्चर हुं..... र्देन भेन महा मानेन पर्वो । पर्देश क्या रेमा म

हरम्ब हुन्य स्मित्र परेव मुच से दर्मन पर महिन्य पर समित यर सार वर्षास वर्षा यर दे वर्षा ना ह्या सार्मास वर्षा पर माना वर्षा चर्माना क दे। सूर मिह्नम् सावसा स्टास कुरा कुरा स्टास है। मिश्चरकाराहै रिमोर्टकार है २९ मिडमिश स् . ७ अ. स्मार्थ सी. परेमोश. यते दं वं भेटार् यत्नामाया हमाणेतामी प्रेनामायते मानि माहतः र्स्नाका सेट न् न् न् न वा चा रहे सा से के लिका न स्वा न न न न न न रमालेशालुयाचरे त्यतान् ने सूर पाम खूरे लेशान्युप्यायाताती व हे दूर' सकेंब 'बुब यरे 'यद' नु 'यहेना हेव 'में) 'यह 'दः 'घ' कुंद 'में ब **ष्ट्र** गु र्रे, र्य यर के स ष्टेन के लेख महिन्य क्या यह या गुरू .... ฏิ สารสมมาธ**า**รัฐเรมาสารมิรามรมาราชา**ม**รา<u>ราพัราา</u> भनेभारी निर्धास भारतीयात्रात्रात्री विद्यासीयात्रात्रा ५२१४'खुत्र'चुै'सर्दे 'यश'हूर'ळॅश'इसश'७२ र्देश'दूर'यर'से**र्'**'''' हिट म क्षुर नु र्लेर सर माह्यरका सदी नुमें रका स सहव वहा हट रेंबर तु नग्नाया वि । लेबाया के से भैगवाया श्रुप्ति । दिवा का सेट द न5नाश परे केंश दस्य है च क्रुन के नियम मेंश स्ट्रिस नियम निवास यरे पर्वेश संस्थित यथ। इन्ह्रेन ग्री नगर मेश स्पेन पन पन्ना त. २ थ भ भूषे . तर्ष . शुट. पडियो. तर्ष ब्योबी. शुर. ग्री. श्रीर. श्रट. पडियो. तर्ष . . म्बेरि द्रिंश से अने न से का मारा ने स्प्रें से न्दा से मारा न द्या. ये. ते सिंदश. या. में. पे योजा सदे, ह्ये हों । ये. जा मा डिया शा हिया

वि.चर्. श्रुट. खेरे. चर.चिव्यथाणी. येट्थ. त्. धर्त्ट. चर्. रेवट. च्रुथ. ८ दे.चिंच चरा ह्या क्षेत्राचा ह्या हीदे. ह्योदा मी द्वादा मी हा हो। दहा मी हरे । लेश-च-दे-म्री च--५-मेर-५-व-मश-मद्-लेश-हे-हेर-५-वेश---लेश देश है। महम्बर्श क्षेत्र गु. नवर मेश मलमा व ने दे से रास यन्त्रवादारी त्यासु । व्यादा श्रुप् ग्री **प्**रामीय यञ्जा या व्याप्ता यस । याकृत् व्याकी त्यासायहेक यम न्द्रिकार्य व्याना ह्याका ह्या स्क्रिक यदि । ह्य हीपम लंब देश मन असीप लेब लेब नन के मुन्मकन ने .... हुर.ग्रेश चिंधचांश.बुंश.चे.च.ष.श्चोश.च.बुं.भ्रा.चेर.टे.कुंट.टे...... चरेबोश.सर.चीश्चरश.स्र्। विट्रेश.मैं.भक्षे ट्रे.चडिबोश.स्र्बोश. शःक्षरः में रेन्द्रः में का नवना नत् स्तुत्र होता क्षेत्र मी दे त्यका न त्र्रेम् । .... तर् स्रीय होर स्रेष पर प्रस्ता वी। विवास स्वीस र र मी सक्षत्र भेर जीस मीय थ. रे. प्रामाडियाश ह्ये . श्रेश. य. श्रे. य. रे. श्रूट. यर र यात्राक्षे व्हिंबायर हु निर्मेश लेबाय है निर्मेश के मु निर्मे मा सर्वन केर जीस मुन न स र्वन या से व्हेंश यर प्रवेन य रूप प्रति न्दिंश चे 'नारेना त्यामेटा से प्रदाय नुष्य न्दा ने नुष्य त्या सेटा । । । । मोट्टमा पहिमा तपू में अष्ट्र में अ प्राप्त में मार्च म त.म्. वेर.चर.चाश्रुटश.च.लट.चाडचाश.सचाश.स श्रुर.ग्रु.रेवट ... मीस नवना पते म्या वर्षा न में दार में दा मु न्यर मेश्वर दहना न्याँश ता ने दे दे व र ने देश श से र माश पदी .....

र्र्व ह्या । र्वाश्वाय प्रदेशश गुँश वञ्चयम यश वेना वश्व श केर. मैं यार्य्यात्र हुमाया कु.ला भरारी वियास विया थका। दे:क्षरार्देशन्यायमामुच म क्षरामाक्षेत्रमानेदेशसुँदः ह्र्-सर वुर्-स-र्टा सह्र सर वि.स-रमाक्षा सार राषा करे हा सर् मुन् महार नर मुन् रहा मारे मारे मुन् मानु र से मुन र से मानु नेश रेन्श यान्सुस र्ये दे सु सामकेश कु र देश दरा पाया मुयाया मणनामः चलैक वे । ने क्या ने खु प्यक का माहन्य के लेखा मा क्या श्रदशःमुशः देशः सद्रैः सरः नुः न्द्रिशः स्र्ामारः हे सरः द्वाद्वारः स्थाः स्रोदः । **५**८.व.के.४.४.५५.च.४.च.व.४.क्.च.व.वे.ट्.च.७५.४७.च. म् वर भू प्रमुद्द स्मा लेखा लुखा सा है। हि द द्वाया सह माहिदी र्ट्य म् .परैचा.चल.चिवाल.स्चाल.ज.चट चथुर ग्रेश.चीच.चट्ट. हार्च छेर ल्रेर सम्बद्ध बेरायरी ।रेरे स्वर र्में बेर बेराया षा स्नाका चर्ने सेटा पटा श्रुप पर्ने न्य रे प्रेन न्य हर स्नाका य57:य द्रसार् : बर् 'हेश (बुस यदे 'हें दें 'ब्राट्टे 'या हूं मासूर सेससा य है हिर छेत लेश मेश्वरका श्री । परेश है र दा सह द में समूच यवै दें वे केन् गुट केट मी मिले दे ने दें व रें पर्न य ने दे ने केट र्'न्न्नाश'द'र्दश'र्'नाशुद्ध'र अद'शे' द्रनाय'नर'नह्न हा दे.वश्चाचाड्याश्चास्यास्य स्टान्टा शक्किर क्षा रहेव वाचाड्याश्चार्य रा ॻॖऀॱढ़ॕ*ॱ*ढ़ॖ॓॔ड़ॱॸ॔ॹॖॴॹॱय़ॸॱॳॻॖॗऀॸॱॸॺॱढ़ॖ॓ॹॱढ़ॖॹॱय़ॱढ़ॖ॓ॱक़ॕॸॱय़ॸॖॴॹॱ या इसान् अन्तर्भे वि भीत्र मुश्यामा स्थापन मुश्यामा स्थापन माक्षेत्रातमायान्यान्द्रायामा प्रमायाच्यान्याच्यान्या वर्षायामाले निया वर्षाया होतामया स्ट नर्माय या ने द्वान महता श्रम्थाणी द्रास्त्र केराल्या र्याक्ष प्रकाश देश प्रमाण लेखा रास्त्र रेके भन्द्राकेट द्रावद्वाकाया इकारे भाक्षे कहिला द्रा णुन हारा गा र्ष्यर् न्मान्युद्याया असेर् र् लियालुयाया । व र न्मायाया र्स्याक्षेत्रकार्टे में वेदाव्यद्शायमात्रीयम्बुमामसानेत्रायम्भीमाहे हेर.पंतर.कुश.चेश्वरश.श्र्रा । रे.चश क्रिंट.पंपीट त.हेर.चंडिंट. स्मार्था इस्राया च्रस्या तर् रता होत्र रहा लेखा सही होत्रायह सही ..... यशः हैं 'भेर 'रेट ही रमना र्ट गुर हर रमना स हैं रस सर " लुबे.ला व.केर.रे.चडचाश.सूचाश.सूर.रार.चहेर राश.धुट.रे. मन्नासामार्थसाप्याः श्रुनानु प्रेनायसान् में स्थापनी यान्या प्रकन् ଞ୍ୟାମାଜାଯସ୍ତ୍ରୀ ଅଁସ୍ପ୍ୟୁସ୍ୟୁଅର୍ଟ୍ରମ୍ପିଶ୍ମମ୍ବ୍ୟୁସ୍ୟୁସ୍ୟୁ <del>ঀ</del>৾ৢৢ৽য়ৼৣ৾৻ৼৼৣ৻ৼৣ৾৻ৼয়ৣ৸৻ড়ৢৼ৻ৼয়ৣ৻ৼয়ৣ৸৻য়য়ৢ৸৻য়য়ৢ৸৻য়য়ৢ৻৻ मु अढव अद्भारत्रेश गुदा ह्या वैद्या उत् देव द्या पर सेदा साव हुत द्याने रात्रे त्राच्या नर्षेत्राच्या श्री हा पर्धेष्य त्राचा नाविहाने स्मृत्या व्या पर्दा की निविधासी । निविधानमा स्थाप्ते निविधानमा स्थाप्ते निविधानमा स्थाप्ते निविधानमा स्थाप्ते निविधानमा स्थाप **য়ৢ.८चल.च**्डु.<u>ह्च</u> अर.सर्ट्, ट्र.जश.शक्ष.३८.चश्चित्राचीश्चरश.... द्धाः वेशाद्वां प्रकापन् पर निष्ठे दे केदायहा नुस्रस य नार पर् किर के अर्थ पर रहें अर्थ है रहा है रहा है त्या ना हुना सा लेखा

चु वर् से दि द द द दे वे स द व व न स प द व व हिर स वहेत व स महन्य के के दें के दें के दें के दें के दें में साम के के मान महन्य मही নাইনাগ্ৰাস্থ্য ভ্ৰিগ্ৰান্থ প্ৰত্নী বুলা বুলাবি নাইনাগ্ৰান্ত্ৰ ক্ষেত্ৰ হীপ্ৰা कुँ क्रिंश इसस कुँ नर दिससास्त्री । बिस म्बर प्रदेश देश नहीं हिं। विदेश वंश वंश मा वे श्रीमा नु महामारी देव माहनाश ता न्सेन्य द्या द्या द्या । नाहन्य गु दे व केन्न ह्या देश य है तर्शाह्मा या से र मी नादा है ना यते हैं में हिन मुन महमाया शुक्तिं । इस यर वहनाश्चायायाय है केना वह वेन ট্রী'য়ঌয়'য়ঀ৾ 'ব্রিখার্ল 'ব্রিখার্ম ট্রা'বার ট্রা'র্টা ইরা'রিব'রা मान्य माने क्या यर हिंगा या या रहेता न्या सहिता सर् नारायात्र है है नाह्या श से लेश शु नार्ट हैं र नदी लेश मुनार्ट त्र त्रेश से लेश नु न न तर त्र ने न इस श से लेश नु न द द द यर वेश यदे वेश मु न दश स्था अदश कुश मु केश दशस **स** वेश वि'नदे नर कुँ भैट न्ट २५ केश न्ट नम्ब य न्ट व हुन् नाट क्षेत्र यात्रे ते इस यर यह महा यह महमह हो । विश्वास दस परि'र्ना के क्षाचर पर्नाक यदे श्रद्य क्षेत्र के के के वि न् लेश देश परे चीश हरा पडिट है। । हे ला रहेश ही है लेश. या के वहर मुली । इस हैंना सा बहे र कर हे वहर पते वहरे दुत्य वे मात्र मार लेश समाश स्रा । ने मन महें न भरे से हर्मा स क्स प्रमाश सु प्रमा र प्रमा के हिर पह न पर पर पह न कि

हुंचा.किट.इस.चरेच'स.शि च चेटे.तर.चिंदि ही.पर्टेश.इस.चर...... यन्नायायान्यत्रे या इसायर यन्नायाय है मिले मिले स्री **ळ्ल.३८**.कि.५.७८.जन। चट.पीथ.चर्चास.चर्.चाडचास.र्जस. क्यायरावर्गवायावरीयाहण्यायार्गायारीत्याराचेराहण्या वेराह्य मीर्थ शहर वे केर केराव वि वर्रा केंबा वा वरना "" নাপ্তনাধারে ভিষাবারধারহীবনা বী ঐ্ছান্ট্রী প্রবেষ ক্রম ট্রী 🗥 क्रशाहमशाणु पर दिया में विशाहर है द्रशाद हर दें। हि.स. इस. न्द्रनास कुं महमास कुं हैं । वे 'हेर सेर थ रहा हैंस कुं न्द्रमा" मेर् समास है दूस हैर ग्रै गारिमार हा । इस रे जार देश नहर मु महनाश मुद्दाय प्रत्ये । महनाश देश ह्र में केंद्र दरमा ... ब्रेन्याच्येद्रायस्य स्रोन् कुर्दे प्रत्या यास है वि कु मुद्रायह स्रो । ह्ना'स'**बेश**'श्चेनाश ग्रीश'बे' नुस'वशश रहर 'नु 'नेश' ने 'ब्रेंट 'यर 'ब्रेंब' व्रा विकार हे के प्रह्मा प्रमोका स्था स्था स्था न यशःगुरु पर्नाशः नृष्टः ह्युताः नृष्यः ताः क्षः सुः मुक्तः वाः ह्येः रेः ने त्यः । गुरु हु स नहना स स स । । दे नले द हु र नले द अह नाल द न्ना में हेद प्रवेश वुष्य य उद ला दे ग्युद यहत प्रद हे राय विद् च<u>र्</u>र्थ.भूष.रट.चीर्थय.ण.भू.र्जेश तर.चीश्वेटश.तश श्र्रा ।शटश. मुंब के हिन खुलाय ने नर्ब प्रेन ने गुन नु स नहत नहीं किर है। न्द्रिं में विश्वायात्व वासामानेना यमान्द्राम् विष्युत्र प्रत्र लेना सद्द्र ...

शुमान् सहर प्रभाषात्र क्षेत्र क्षेत्र वहर हो । हे वे किर वासुमा मी प्रह्मा समाय पर्देश सर्चे दे नमें ह्या या यमन यर महारे लिया .... নাগিংহা ন **৴**চ.ঘরীই.বল ৴ঀী.ম.বড়, গছ্ই.ৡ৴.নাগিষ.মী.৺ছ্না.. हमारा है खेरा मी सर् दे र्य ५ हमा ५ मीया यहा र भीर सार है ..... चढ़ित चढ़ि। ार् भारतमारा ने महना शास्या सरा सरा मुख है। यर क्षिड़ेन प्रतुष्ट मी मालन नयर मा वु हो मार्ड में दे रवर र वुमा মন্ত্ৰ শৰাষ্ট্ৰাল থকা ধাৰে মূলাট্ৰিন মে চু টুবাৰ্বিস म मीर बद्दाश श समार यह ह में हेर हैं मिर्केश शका हर वह है त्यानु वृद्या वालक न्यट देर क्रिंग्य गुक सहवाका क्षेत्र **अ**ट श्रद्धा कुंब 'मु हे हे 'न सहिब मदि खुया ब ने खेन या खें हा मुन मी ने प्यटानालन नियट करेन खनाबा खा करें चारी गान पर नाबा गोंबा हाँ दा याने माल्य न्या मी प्रेय सुनास प्रेय ने केन सदस मुस में न्या द्यायमुन्यत्रे खुत्रान्य **प्रिं**यस **प्रे**न्य स्वाम्यान्य केन केन्य स स् स् ता हिं सारका में राचडेचा सार्ट म्हिस मीचा चाडे सारी पहुंची... यते । भेरेश व रहा मी सर्का हेर कीश मून यहे रहा वले कर दुर्जि न्स**्न**राणुक ह्वायदे क्रियान्य अरासासूय णुराक्रेस क्रेन्या रहा वलेब-न् वलमाय-नेर-बे म्इ ईव यरे केंब सम्मुव मुद र्द्र-द्रया यहेंब्र-याम्ब्राय प्रेव्र-यश्र-रायलेव स्प्र-सेन्-इसस लेयु नु हेन्।स यर मुर्दे । प्रदेश में मुश्राम ख्रामास रेमा यर रूर महिन म्यद विनामदिन स्मान निमास यर निस्दर्भ य वि दिन निमान दे

य सदेश शुक्र नु हिन्स यह है के हैं शाउन सेन यान मिना राजिन है। दे से द्यायाय के हर अया क्या ही । वहुषा द्योग यस मालक न्या त्यास मानियास यदे महाराहक सेन् यस मालक निया स मीहर प्रहर्शनिकेश सी गीन रहनेश राज्य सका सर हिसे ..... लेबानाश्चरवायावी है। र्यान्य भेवायाय भेवासेनाण हन यर स्त्रेन प्रकार विद्यार होते ना केश या नातन ने ने ने ने त्या है .... मुन्द्रन्तिन्त्रम् पुर दह्नाका बद्दा स दाहै नाहे स्व रहे नहिंदा स । महरामहेंबानहेंबाहाणुत् चन्नाबादा वीत्रवत् चते देव वी नेते हैं = हमम हम सम हम स अन्ति नहाम परे हम में मिलिट, मिलिट, महाह्य, मिर्ट मिहेश, खे. मिर्ट, महे हर ग्रीट, सूर्व, स्रा 73.स.चर्श.चट.म्रो सद्य.क्रेट ग्रीश.मीच च.ज.हर्श.सीचन्द्र.च .. .. मेर्'य दे मालद र्यट प्रेन समार हु रूर्र या में सेर् या या र्ज़िसः ॻॖऀॱ**ऄ**ऀ॔॓ॱॸॣॖॖॖॖॖॸॱय़ॾॣॳॖॱॹॹऻॹॱय़ड़ॱज़ॗढ़ॱय़ड़ॸऻॹॱॹॗॸॱय़ॱॾॹॹॱॱॱ स्रेन नि । इस नन्न्य हरा सु र्यन न ने सर् १ हिन यस दूस हैना हरा हु र्षेद् न्यस हरा र्थेद द नव्यम मी रहा द्वह द तहुहा वरे ..... র্বি শ্রীষাছমার্মের মন দাস্তুরের মহ। সংগ্রমণ বারী স্ত্রিবং न्वरायन स्राणी मिलुदायसारद मी सक्र हैन मिसामारायाया म्बर्नायाने प्येत स्थायहें म्ब्रायशाम्बर न्वदारदामी स्ट्र्य हुर ग्रीश मीन तर निश्चरका न रेट का परंतु । वेश रेना हरा ही

ॲ॔द्र'यश हरा ॲंद्र'ट्र'चल्मा'य'था हरूमा र्हेमा मी द्रवट मीरा चल्मा । यदै : व्यद् : यद् : यदः यत्ना मी रदः मी : वं र है र गुँ हा मूर्य : यदे : ... र्षेर् य सेर यह र्रे ही । इस हैं न ने रूट मेश प्लन य स बःक्षर्-र्-प्रेर्-सेर्-णु-हिर्-सर-खु-नस-धनायास-क्षुत्र-र्-क्स-हेनाः मुब्र-चल्ना गर्न से पर्मो । ह्रा के र हरा ही प्रा के र ना है स ण सेर पर नासुद्ध पार्वे हर ख़र मी ग्राव पर्नास मी दे दें ..... सेन् यान्यान्य विष्यान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषया દે.કેર.વેશ.૧.ખઉ.પટુંશ.ભૈયાની.ખટ્ડ દાળુલ મોલય.કેમલાનીશ.... ळूंश.वंशका.वर.भूट.रे.चरेचेब.त. व्या.रे.चेश्वेटक.तपु.पंचिता.हा... इसरा नम्पा तर मुरा निर्य ता स्व रहेट । सर्व रहेट नहास য়ৢ৾৾.৻ৼৣ৴৾য়ৢ৴য়ৢ৾৾৾৾৻ঀ৾ঽ৾৻ঀৼ৾৾৾৽ঽয়৽য়৾ঽ৾৽ঀয়৾৽য়৾ঢ়৽৻ঢ়ঀ৾ঽ৽ **त.** क्षश्र. में . चार्षियः चर्यः चरः चेश्र. चरः चेश्रा । रेशः चिश्रंशः मु मु ताया वाया कर मु तम् द्वार मार्चे मा यद्वी सम देवा र देवा स्वार मु ..... य र्ष.रे.सेंचेंच्य, यह, यह, जामर् .हे.हेंचें की वेदा वेदा देखा देखीं देखा प्रमीता <u> २८ ८२. यर २८ २५ . २ . म१४ . म . यय . ५२ मा श्रु स . २ . ५ मा . स्व</u> समिश्राचातात्रियाचा भ्रीत्वर्द्धान्य के श्राष्ट्री स्वर्धा मु मेंतु र हूर लेट रे केर की रेंद र तु मा में स लेय र य.ज.चोश्चा रूचाश्चरत्रु.चोड्.च्.ट्श.चडेट.च.रटा र्थ. रदः सर्वतं दिन् विताद्दा यणमा सदी रदः यहित से सर

क्षा देशसार्थे रेथा तर मीयायाय स्थिमा यद् रूपाश यद् मार्थे र्य ... मिट.ज.चेर.कु.था पहेचा.च.जर्या चर्च.चर्था.जर्था.रचेर. हर्नायाळम्बायते हुर। |बाबद्दाद्वाम्बाय हर्ने ने ने पर्वेष। । विश्वाम्बर्धारयः सः स्ट्र-, प्रदे , पर्वेष , पर्वः , प्रशः भूमायः पर्-र्यु-र्यः है स्रेन् केना मासुरस्य या श्रस्य कर के सेस्य कर मुक्ष द्रम मूंय मूं व पा मिं विदे केर केर या श्रेमश छ द्रमश णुटान्तरः बनान्दरः र्वेशः कुँ । यन्नाः नुः अर्देशः सः । वेशः सः वेशः वेशः कुँ प्रिं- वर वर्ष्ट्यास्त्रा । ने स्मानामाना माने क्षेत्रा माने वर्षे **८भुचारा,ताराज्ञचा,८८.८**५५,म्मै८,म्मै,श्च्याचाकेश.स.चरचा,चाकेश.स. सु मर्द्र पर लेर पा पकेर होर गुँ गर्दे प्राप्त पर्या रीमारा यशमादान्यन्त नृत्देव यादन्त्र न्त्री महें वे प्यद रे.चार्डेश.सूर.ध्रा ।रेट्र.क्रेंश.इचारा.त.वंशश.मीट.चरचा.चार्डेश. दर्नोमा चर दर विदा दहना चा लक्ष दे मिं क केर माहत व द्रवेवश्चर्तरे रेन्।श्चामाश्चाद्याया द्वश्चरा द्वश्चायाया व्याप्य विकास स्वाप्य विकास स्वाप्य विकास स्वाप्य विकास स मार्देश,मारेथ,ज.पंत्रवंश,तर,चर्स्था,तप्र, सेवश,श्री,शर्व च. चर्ष्यु, म्री. य त्र्रीन पदे देन्य य दशक णुष केंब्र जु यद्ना से द यह द पर निश्चीत्रा चूटा श.चक्च.चट्च.भर्च .पत्रासग्रेश.च.३८.चक्चश.श. वैमा रा.ज. प्रहिमा तर मिश्रेटश पद क्रिश वश्यश वह श्री पा के न पर सकेष्ठ, ता. हेर. ति. च. रूपा स. तत्र , तत्र । क्रा. सकेष. ता. हेर.

म्बर् मध्र स्थापर न्में स्थाने स्थान मिर्म मीशान मन्म षशःशःभेदःवावरःषशःभेद। विशःश्र्वाशःमर्गेदःयःभेदः **७ ४** नासुरस्य रहें स्पी प्रत्ना से द स्तुत प्रते ' रेनास प्रते ' नार्से .... त् में भवर मंब्रे में में पर्माना मर्दे में मार्स मर्दे । पर्दे पर पहना माराखेर क्या माराखेर क्या से प्राप्त प्राप्त प्राप्त । कु ल श्रुचीश रेट चरेचा चीलेश चीड़ेश ची लश्च। विट्रा देशश हैं. यरायनुरायाकाष्पेदाय। १रे क्षेरायहेदाद्यारम रु क्षेपरायनुरा। मदासुर न्द्रशाची नहेनान्यार नात् सुर नहा हिना स दर् ना महमायर में वुष्याय। । ने कुर हेव प्रमुद रेमास यापरे भेश है।। के. त्य. रा. महर रामा मार् रामा नेरी । देश मशित्रा परा शि नु त्य र्क्षेन्। स कु न्दर दर् कु ने त्या र्क्षेन। स वद की ने देश से कु र र र्वे दिन सम्मान ता सर्वेन्स यदे कु के न मन्दि द्वार प्रमान न हेर कुरा रे रमा भ्री न ता स्मार या र ट मी सक् र हेर कुरा कुरा म्युव सदे र्राट विक मुक्त र्ष्ट्र स र्राट स्वर्म म्व विक मार्रेश मा मु सेर पश ही न से द दें विश त म्मा न स है हर ही र न शहर कर न हरें नेत्रम्बर्धार्यः मुक्षार्ये देवायनुद्रम् रेवायाया हैदाया नातृवायाः वशासम्बाम् । मादा अना मी स्पर्ना सम्बाध सही स्वाध सही मार्डे में ने पहनायासमा दे दे दे है है दिन मार्टे न हो। क्स यः यन्द्रं मुक्ष प्रमुक प्रमुक र सेद सेद र मुक्त । क्स न्युन सेद यम तहेम हेद हिर त्यस दी। ।मामी प्यत समा यहेद दस महेते

याध्येत। विश्वासीटाइन्स्टामी'य्यतायमान्द्राम्बेमान्द्र सान्द्राद्रा स्वायाद्रायवाद्वायदेवायदे द्वायान्तेवाद्रायदेन्वायाद्वाया क्र्मिकासरी रिवेरका है। यह बाह्य राज्य सामका के केरा ग्रीमा मी अर्भायमा त्रामहेत्र त्रामहम्मा यदे यहमारा व्याप्त द्वाम य महीद्रान्याम् माण्याम् विद्यास्य माश्चर्यासा दे हेर् वय से दे <sup>ढ़्रा</sup>नःनने्द्वन<u>ान</u>्हेन्यने्त्रन्थन्थातुःन्तुःसःनशःनेनेःसेन्थानःः दशका है नाट अना नी नद्ना प्रमान पर्दे है नहीं पर्दे नहीं हिंद प्रेक्ष मर वु हो। पड्ना व स्य वर्ष की से र ना द रे हैं। द्यातुर। | व्यॅर्डियाक्यापर्तुराययापर्रेती व्यॅर्झाह्वेर। । रेखा ने किन स्वाप्त करे विष्य प्रमान स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त का स्वाप्त का स देनबिद्दर्भायर है। विश्वामाश्चर्य है। व्याप्यर मार बना M'क्स'य'ननुवानु नर्वभावाकी केनायान्य रामानी सुदार्य 'अपनेनेवा वसायर्ति। यापरीमी स्थानसाय मित्रायरी रीमाया प्राप्त रीमित्र मि परिष्यासुरार्चे त्यायहेदाद्यायहरायाके**द**ाक्यायहराया हेरान् त्रन'के'हें,द'य'म्द'त्रन'में 'यदन'केंद'णें 'देंद'ळेंद'यहादेंद 'यद्वद''' य57'य**दै**'म**5द'ळेंन्**श'ग्रैंश'रूट'लश'झें'य'ल'खॅन्श'य'यले 'रूट'' २८'विष्ठुं मुद्रेन्'म '२५' संग्राय'च वर्ष क्रिंद्र' म्हा मार अमा स्या पर्नामा सापरे केरा रेराया इसका गी र्व र्वर हरका केना । नाकेका याते। वि वितेषायवुरामी इतारे द्वामी सारदामी सहव के दा गुरा

म्नातामा गुंद हिन दु अट दर्भना य प्रदेश दयन्य य य दे दर्ग द्या य प्रमोश रहे हिन हें र सु झूट व ने ल नकी मुका यह ला उन मी ..... न्नाना साहे खूरासर् रहेना मरे हे ने ने निहाना हर हे नर निर् यर दुर्वे । १८६ भाष ६ मा यर है स स र रे माहा माह्य हा दूर दम्भेयाचर रेनालायान्विना है यहैशायनाना नि । दे त्याद्राया द्रयन्यायदे सक्तान्वम द्राय दे तहना कुराचल माने नाया हे न्रस्था सं देशका साम्या मास्तर हैन गुंब मुनाय है न्रा सर्व श्रुमान् निमारा यते के भे प्रेम महमारा के नाम सम्सा य रक्षेत्र ४ र्वोक्ष य सक्ष स रक्षेत्र यदे युर रे र्व केर्यर .... विचीर हो । रहेश हा किर लिंट किश भेर न के बुन न लेख ल नेके प्रह्मा कु के से केश नेश नेश नुश्य मशने के प्रह्मा कुर प्रमुर बारे बे. में राज्य यथारू महार महार मी ही या वे बसवा हर मी है मिया। से ह्वर है। पहनायासका नाय हे र में सहन है र हैन मीराया । रे.पा समीरा सकारेट्राका स्ट्रामा पड़िया कुर्रहर्स से पहिमा मदे क्वार प्रमुख ना । रे ने रेमान सेन रे क्षेर रहेश र्ल्य मेना विश्व र्सा माळ हे रहा मी सर्व केर गुँस र्फेर् च उसामा भे नेस देश दसेनाश से दर्गा गुँ रेंद दस .... यर ब्यूर वर्ष्मिया दर्मिश वा है ब्यट मिश्र के त्रेव हे रह मी ..... सर्दन हेर णें सम्मुन मा दे श क्षर पुर में समेर सुर रे ले ले । परे

ढ़ॕॏॹॕॖॹ॔ख़ॕ॔॔॔ॱ**ॸ**ऀ॔ढ़॔ॴज़ढ़ऀॱऄढ़ऒ॔**ॸ॔**ॻढ़ॱ**ख़ॱऄ**ढ़ॖॴऄॖऀॸऀज़ॴॵ॔ज़ऀज़ भर्. सेवश. से वर्ट चर- देर्। १३. सेट चर्च च. रूचश. चरा. न्युन न्ब्रेन्न वाया न की न्द्रियार्थ क्रिया मा मा सर्वे के केन व हे शुःमु परिकार देव वका रदाय वेव शार्र या वेवा मारा देव हैं। रदादलेकान केना'यालेना'क्के'लेका'त्युनायाकार्युनाहेन **ग्रे**श केना''' रम्बि है। मालक दुवा हार के रामा मालक प्राप्त करा दुवा प्रमुद्र रहा दराहा हा के मुक्ष मूच रहे दें के के दाय है है के हों । दि बुर परदाय लिट रग्नर य व'रे मिं व केर की ता केर का केर कर सा ही का चैटासार्यनाम्याचा सम्मानावन न से न सम्माना से हेरा समा ग्रीन हूंच यह र्षे स्थया हे हेर रचिर मधा हेर यह र्षे में यह रही। पहना सामका नाटा केरान्य अने नना देश नहान का रे ११ वरमा वर पर्देश समा है रेस है। मारम है प्राप्ते दे सुर पहुंचा हेब सी। । शह्य यहेब ला बनायर प्राप्त की । लेश हो। । १९६ . त. हर . च हर . दर्शे ह . दश दश . हे मि 'ब'केर'र मान समान 'र हुँर'यद र मनश यह श'सक्सश स " से सबुद पर पाद पाद पी सार देर पर पाद पाद पर पर प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प् रयुर् वर्चेर फेब भटारे मिं बर नाया माय रसेर पदि रेगाया परा न्युन् नर्वेन् नु से पर्नेन् पस से मार्नेन् पर स्वाप से न सेंद्र मी न्द्रा माले प्येत है हुन हिट हा स नद नाद ना है मा ने । है नना मी हिन

Ar 및 실제·지수·환·외약4·성·전구·외다.구·선수·다.그년4.별 고설.... য়्रवसात्र दानावरास्याचार मुक्टिव हास्त्र याने प्रहेना हेर मी वाश्चर, रे. लूर, यर, यश्चरता विर लूब, ला। पहुचा हेब रहे हैं व श्रुन गुरु मार वना नर हैं य मार स्नि चर महें न य महान य महारा क्षर गुःर्व हे स्र र्लर ले सन्दुर या मि वर वह वायका देरे यर्ह्मिन दुनियार्म् द्वार द्वार व्याप्य र पर प्रहेना या दे र्दे द्वार स्पर्पायर " म्बर्द्धाः व केन् न् । नेब क न न मी सह क केन मुक्त व्यन्ति न नेमाल निया श्रीसारमुदाराईद द्वाद्वाद्वास्त्र सुरादा प्रहार वह थे.... क्ष गुरु दस्मेम् अ दम्बार माना हे दगर से दे कि स स श्चिशाया विशायाम्बर् सेरास हूटा दर्वा द्यादामीशादल मायासेदा यर दिं अर्थे रूट मी मान राष्ट्रमारा मी दियह मी राष्ट्र या ने देंन .... न्सायर व्यद्ग्यद्। दिशे श्री र रहें से वी नादस समास मु निया में राष्ट्रिय से व यर के राया महिंद से द पाडूरा नहीं न्वर मौका व्यत् या के पहिमा हे कार के ख क्षुन न व्यत् या के क मी मिटामी शक्ष्र मी नवटा मी नवमा साहि है व दें वे वा दे हैं प्रेन ब. क्रश्राचसम्ब वर् स्ट रेट. चर्ने. रेट. चर्ने बार्श्वाच व्या. ने बार्श्वेट्य. व. エニ・ラ・四二、日産町・青み・街・日本 ちに、日、数ち、町をで、町・子子、ちゃいい यर के संस्थित के लेख महादश्या प्रदार प्रमाय है। वाक्षर प्राप्त ঘরী বদুলার বুর ছি ল্পন স্মৃত্র ব্রহ্ম ঘর কুন ঘরী বুর স্মৃত্র বার্তম मी मुरा है विमामार्डि है दिरा दिना है के मी मह स स्पेर् यदे विसा

णुद्र है भूर वहेर् पर रेन्सा प्रेमारे व पर्मा है व पर्मा है व पर्मा है व यदे दें है हुर मश से र परे दिया न ह के से क शुनाय सा दहेगा हेन की वा क्षर द व्यार निया हिया क्षय का कार हैन के तर्दर प्रस हाया यार्वकान् अन् र्रो । माराअना मी व क्षुन गुँ ने न त्यायर व लेरान्युन यहा हुद यदे द्वानार वना नृ यलमा न के द्वार वे दमाया यह व गु रगुर्य पर्या हो नाम सम्बास मारे हरा गु व क्षर गु रहें। त्यान्यन वहा होनाय में निव ही याया होंगाशायन वहांगा नृ सी हा ..... य दे व श्रून र प्रमालद स्रे पर्मान य स्निध में रेन्स रश मिलिन न मिला सर मिन्न लासन हिन पालक के रार हिने। रेश ब से मी मी पूर्व लेश रा रहाहरा सर्हेह हू हैश हा है है है हैं हैं है रट निट अना में ११ रहर रटा। हुं मु स र्वे हरा मलिक एस हिन् विश्वास निष्या स्त्री मिनन्ता मी श्रासर्वेट ही विश्वासर् श क्षुन् .... क्सशानाराय म क्षुन ५ स पदी देव है सुर पर्दे र देव माना व से के द यात्माह्यन् यमः स्रोन् गुमा है हि मानम्बासः या महिन गुः र्नेन स्रोन य त्य हर स म्बर मुक्ष महिंद से महिंद में व हर हिंद के नहा हू सम्मेरेशके व इस् नु रेस्निया के सम्मेर के के के के स्वर्ध के के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध ८२° अट. रू नश्र केश कीश मोर्डर य दट रधर श्रे मार्डर या मार्डेश .... कु. विर. तर . रेटा रेनाश . जेश कुश ल्यूर वर श हुर या रट. **য়৾ঀ৾৾৾য়৴য়৾য়৾ঢ়৴৸৸ৡ৾য়৾৸ৣ৾৸ঢ়ৢ৸৸৴৸ঀ৾ঀ৾৸ৢ৾**য়৾৸য়৾য়৾ঀয়৸য়৾য়৾ৼ৾৽৽৽৽৽ क्षेत्रयात्मारमा मे दे त्ना के मालक नु कुष यर वस्तर के के ही

रे न्ना वैयानु वरीन् यसै नशुन्यासाईनियासर सेनासासासुर ..... इह रहा देश देश देश दु मुक यायणाना हैदा गुक हैं व पुर हैं व पुर हैं व पुर स इसरा त्रुमा वेश नेश लॅन यन महिए देते देन लॅन या दसा मुकापहरम तुकाने। देवै दिन्दी प्रमुखार्टर स्पर्पायां सास्पेदः रमे भुर रे हुस र रबाहास ताही ररह सुना दर महें में सा र्क्षेत्र य यहा यरे हुना हु र द्र द्रान हमा ने पहा महिला सहा हु ... य माहेका पर्देश पर्देश सहसामा माहिका पर्देश पर्देश स्वर्ध सामा नुष्यम् । इत् वर्षे राम्युन्य के न्युन्य ग्रीका ग्रीका स्थान केराय बहुत देशकी स्थान स्थान स्थान स्थान है । देख वायहन याया पर्दे के हर हिन हेन हतर से मेनासाया । पर्दे के मुन्हिन मुख्यालें के पर्दी किंशना के जेशनाईन मुक् न्य नहीं ही हो नाका करा। विकास गुरा मन्ता हैन है। नहीं न चर्चेचाका.च.रटा । हैं.स.श्चेचाचें.श्चेवाका.च.चरचका.च.चटा। दे दना पहेन हे र यथ गुर स्प्रें से द छेर। । वे स से न्या गुर्थ रहा नालय मी. हो. ता. नालय मी. मीता शहर विया सूट. भूष वाह्य प्रधी माता.... इसरा नेटा। मैं सामाने मिटानेट श्रीया की लाकर पहुंचाता श्रूरे มิ. लेश मंश्रद्धारा में १ हूँ न दे ति ति ति हु । लेश मंश्रद्धारा देशश..... शु.रूपोश.संच.परींच.हो स्.पंतिंग.संश.पीट.हे.हेर.श.संबट. यर विश्वर म दर विश्वय देर रे क्रिंग्स में खेर श क्रुन ने क्रिंग्सर .... प्रचीर न्तर हुर न्दा यर्ग निष्य स्था हु न स्वास व हुर

रे.लट.भ में य.सू. ७४ . रूचेश रश रणचे त. ४४४ . कुंश कीट ... ... दर्नेना के तुरायर द्वार री द्वाराय रे रना चेन केर वहा वक्षित्र दे त्रायते से संस्था वर्षा नहार मही से हिंद स हो है ता सन्तुन्यार्थना सेनान्स वजुनाने द्राह्मायर व्रष्ट्वय द्रार्ट्य चा इसाया गुर्दाह्य पु र व्यापा स्वास्त्र से दे दे विद्या गुरा । श्चार्या वृद्धाने। दे भाव स्टार्स से मारेना पहें ने ने प्राप्त मार ভনাবে ছেখ মহানী মহ্ব প্ৰীৰ ত্ৰীবাৰম বছৰ বহু বৰ্ণ কৰা … सुरार्थे । रिवावायाञ्चरारार्भरावायायायायायायाया ल्र्नियद्वायशक्रि सामनायास्त्रिण्या। द्वाशक्रियद्वायद्वायशः क्ष.चा**र्य्र**.च.खे**च.**दश.चर.रच्य्र.ल.च.श्चर.चर्. व्यर.च.च.च.च. मेश णुप्त से निर्देश में में निर्देश में निर्देश में में निर्देश में निर्देश में निर्देश म ढ्रामशम्बरम्य म्यास्मित्रास्य स्थेरार्थे । १९१६ व शक्करारु स्पर् ब्सर्स्सेट मी च स्रूप् में न्या मेरा मेरा महामा मार्स्स प्रे दे पादमाया व्य ले ब हुँ व सेर रे मार अग ह तु गु व हैं य ह व्येर य रे केट मी ... च क्षुन् ग्रे न्वरः में शायल्या या उसास्य लेशायर उस म्रे क्षुर्धायार वना से ह ने श क्षर हो र न हर ने साम स्वाप मार्के र हो। महर Ħਗ਼<sup>੶</sup>ਫ਼ੑ**ੑ**੶ਸ਼ਖ਼੶ਜ਼ੵੑੑੑੑਜ਼੶ਜ਼੶ਖ਼੮੶ਸ਼੶ਜ਼ੑਫ਼ੑ੶ਜ਼ਸ਼ਫ਼੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼ੑ੶ਫ਼੶ਫ਼ੑੑੑਫ਼ੑ੶ਜ਼ੑੑੑੑਜ਼੶੶੶੶੶ मैशन्तर मल्म वस्रश्रास्त्र गुर्दे हिंदार् र्षेत् पर स्ट्रेंत या प्यट सेत् । विं विं विक्रियानी शक्क्षर गी र्नर मीश स नवना न हे वह विना

महर् हुमाना मार वन मी च हुर यहना मार दे रें है रह मी सहन हैन कुंदा मुच न ने दें दि न ने न न ने हैं में हैन कुंद लेंद यर श्रेट मी खुय ढक्षा इंदर देते द्वर मीश र्येद यर स श्रेट वश ने नार्डेन 'ने । ने प्रतान ने ने ने ने के ग्लैक मिनाका नुवास**र्हेन** हुन मुंबाबर्देटार्ट विबासदी प्रक्षुता मुंग्देव सेन वापा क्षुन परी कंत सब न्द्रिन्द्राच्याच्या द्वान्द्राचाक्ष्रान्त्र्याणीव्दर वश र्वि रहानी हें वें 'हैंद श्रीका व्येत्'यर' सार्वेहाय वाश क्रूद्' श्री "" न्यदः नीक्षः स्पर्यं यन प्रेक्ष क्षेत्रः ग्रीकः दस्त्रवाम् । नित्रैः श्रीनः नित्रेः न्स मन्द्र यदे र्ष्य दुय अर हे हुन र्षेत् न्युन य द ने न्रा वर् म मिं बर : ३५ मारा देरे में पर माया वा ह्यूर गुै रिस्ट मीरा मल्मा .... यर ह्यू दे रेव द्या परेव या शहर प्राप्त कर सम् ह्यंत्री । १२५.८म. यर्ड १. य. ल्र. या. या. हा हा न्यंत्री . ये सार र पहना डेश य प्यटाईद रक्षायाळॅर्गयर यहटायारे रेमाक्षापेश गुँगदहेंदा इंटसास मेरायदे मुंसद्द मुंस प्रेद मुं रेस मुन हे सारा मंद द।। श्रदश्क्षारश्चेत्र ग्रेश गुराणुर कुतारश श्रुर गुर्दिय मीश हुं .... यःषः श्रृष्यंश्चः च मश्चित्र्य च न्दिः श्रुः च । वः श्रृ म् श्चः च । वहिन् । च । वश्च तु मुनःसरःस्परःहीं। ।रः कुरःस इस्य कुरःसः क्षरःतु स्परः पर वहूंची नधु नेश मा चर्चे भेर दे हैं म खेला लाश खेब खेला.... ८८.मी.सक्ष्ये क्रेट.मीश.मीय.सप्.र्रेथ.पाश.प्रसिताय.क्षेत्रा.त...... ८ इंत्रा दर्भा दर्भातास्त्राचातात्राह्म प्राप्ता दर्भात्म व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्यापता व्

नुसा हैन कर्न यस पर्ने मार्ड्स मु विश यान्दिर सेन हैं महिर यान र्थ्यद्राक्षेत्र'क्षराह्यत्र'यर'केवी प्रते वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मीका व्यद्भाया वादनमास व्यद्भ नुमासुम्सा ही क्रिका ने नमेश होत् यहेता नु हेर यह रहे यह महार्थेत् महत्र का सेतायका कराया करका । कुषा र्माक्षेत्रवा रुद्दा सर्वद कुर्मा र्माद्मा प्रहेमा मुँगा सर्वद कुराया ..... ल. श्र्मेश.च.वशश. ६८. ५१४. मी. मी७४. मी. हिमाश हा ले श्रे ८१८. . হু বি, ভূট বেলৰালাৰা লাব ইলা ট্ৰী বেলু লোমালচৰ ইনা ই . ह्ययाद्व प्रदेशम्बेश गुर्वा प्रमायायाया द्वा माव्या सद्व हेना या पह्ना स.ध.वैट.व.मै पर्या भष्य हेराना मार्थ्याशास्य स्था छर. न्द्रामी'सळ्**र'हेर्'ग्रेशम्बर'यर्'स्रे**ट'र्'हेर'यर्'ग्रेसश्चाळेसः... मश्राम्बर विदा र्रेट हेन प्रमुद्द ने र्रेन स्टान विश्व हिंद यदै दें दुःसः १८ यः भेदः यशस्त्र ना सः ६ दे दे ने विश्व केदः से सः नारकारार केंबारार मुका केन । र्रवारकार हुं। या के मिनाका भर'वय'न'दे। न्द्रिश्च द्रमश वाह्यन न्दरमी सक्षेत्र हेन गुरु मूर्य याया यर्गामल्य मारा यहा हु र्यार् वहा दर्गामा यहा । स्रो मिनाबात र्रेनरसायरा मुतायायायायार हे खुरा**र्**यु राज्याय वि यश्र से विनाश यर प्रमुर व दे से रेमाश यह भूर व हार र र र सक्य. मीस मीयः त लट. प्रमाना सम् विष्यः श्री । न्या सक्य मीशः मुन'क'र्नेक'नस'सर'मुन'नम्बि'मदे मादर'गुरेक'र्ने नस'यदे ''''' <del>ब्र</del>ी न दर्मान पदे रेनाश पश श क्षु न न र र सद्भ मुंब मूच य .....

व्ययः राम्यानी । देवै हैं र र र अद्धारी स है या दे र रहे वाया महिकामार प्या केर रें । ते प्या पहना य स्वा दे केर स्वरास्तरम् नारा मारावेना मोहा । वरमा नामावन सरा भु.च.र्चश्र थूर चर्. ।र्चश्र १ देश व क्षेर्.चे.लट.र्चश भुर.२। ।हिंद.मु.सु.च.चाट.कुब.लुब.चर.टमेर। ।बुब. श्. १३ श. दशका स्ट. चलुर मीश हिंदा मन म शेटका मा श प्रवर् स है। हेन् अप रहासे हिंद सहै असे असे सका देंद ब्रूटशामानुत स्पर**"र.मु**"सदीसदीसमार्केशानुस्रकात्रास्यान्यम् स् हैर क्रिंग हमश हैर सूँ द या नद विश्व न खुदश विदा रे प्रवेत न न्यास्तर् स सेन्य न्यान्य ह्यान्य सेन्य न्यान्य सिन्य न्यान्य प्रामुक्त मेर् यार्टाम्य मास्रीयाय रहान्द्र मानुहारका हूँया द्यक्षा अद्यास भेर पर में हिराया दशका है या दससास हिए पर से वित दो। क्स दससा हेन मकर सामेन या नसा क्स दससा हेन सी चिंदान्त्री,चरार्ज्यास्त्रीदशाग्रीश बिशास अशामिश्वासान्द्रवशामा वशास्तानी अर्थर हेर केश हूर यर वस्त्रियश कर। अटारेश क्सारेना वर् ब्रिंटाया अटास त्वर् वरावस्त्रावरावप्रार्थे र्हेश देशक यान्य बर्डन गुँश मूच यदी नय विव पर्न व हेंश है। क्षश ४८.८्स.४४.हेट. च४.थ.ध्र. चस.क्र्स.४४४.३८.हेट.च.... इसलेकायाकी प्रवर्षा न्यास्था न्यास्थात्वा स्याप्ता

याचा नामा यर मात्र लिम मोझ र्चेट मने क्के रुश र्चेट मर नव्दर न्न्याच्य ब्रॅटन्याकृत्णुंबाळ्याद्यशा**र्वेट**ायन श्रीचेत न्रावेया याद्रायन्य दे अर्देश द रहानी ही विश हिराय रे रह हिर होता क्षाचरे दें के ।देश के हिंश इस्मार में सहक के की म्यन यदे रूट वर्षेत्र मुक्त स्ट्रिंट यास दर्दे त र ट स्ट्रिंट र सेट र हर् मिट.चीवेच ह्रीट जहां ह्री पर्याता क्या ह्रेचा पहां चीवेच र्याट. मिडिटाल्ड्रिब इश्मिलिन में सेने यन मध्ने या अरामानिन नेया ना वर्ते र से न वर्त देश कर हा कर हो हिना स र ते सा पर्यो । । न न न माने हे दे नाम हर हैं वर्ष के दे न माने हे दमान हरा हैं है ..... क्षा अद राष्ट्रायम हूँ र यम पर पर्या वृष्य हु स देशस नह मी सक्षा हेर मुंश मुन पश हिंद न है रद में दें विश हिंद पते र्वे के का ने प्रकाना वर्ष के दे हैं है अरह सका र दानी ही में के केंद्र या से र प्रके मैं। भक्ष हैं हैंद दीम हैं स दर्भ स मीत हैं र हैंद समा क्रिसा । মঠ ক্রাম মুব মহম শ্রী ই মইর মহম ইরী ইরার জির মহ पहेंत्र नरे क्रिं पर्ने नश क्रे के खे**र**ाया के का दसवा गी हैंत कर संस मुन हैर ने द सा १३ संस गुर मुन सब्स नदेन चर्म नदेन ... परे देव दे ही कर्नाया या ही प्राया पर्यो । माश्रम मही दे व.चार. चर्च रेट कुश जारटा नवुष देचाश कुश नयाचा न दश छर्ग. मु स नम्नुवस लेस स्वाच हर प्येव वस। प्राची र मान विव से मेर य देनार गुर हुन य भेद हुम द। पर् भारति सर द्वाना य

बाहुश कु सह्य हुर नेश **र**स्त्रा नश हे र पर चर हर्षे । हे स द्रण्या याते क्षस्यारहेंद्रायात केंनामीस हेदायर द्रण्या मुन्तरहर्..... यद्यादेदे इस्रायार्ह्यात्रायकरायादान्त्राम् सुर्यामा यदे इस्रायः क्ष्या द्वार्था शुर्वा द्वार्थ द्वार्थ पर स्था है ना हो। द र्घ दि यन्मासेरास्य स्ट्रा । मार्केस मार्के। ह्रास केरास्य से परे यकिन मैंबा मेंब पर र्मान हायल स हेर एर रेके र्व प्रकर যাৰ স্ক্রিশ্যামন্তব্ মহী ক্লোমান্তবাদ্যমেক্রমান্স্রিদ্যা । বিং इर रनाना ह रहें हा चडर पड़ा हैना थायर है। वर्ष हें दे ते ता महिशासक साधित रमान के रमामा तु रहिश हु। वढर वहा केंग्रा । नावन तर्येत र है। हैंना मी तरमा नायका स की र पर न्नाना मार्वे न्देश र्वे दे हें में हिन न्नाना दश रे न्द करा वारे .... लश्मालक पर नेट्र च दे हैं हैं हैं हैं हैं में चून पर चेर पर है। द्वे : द दरे व्य हे सफीन वें वेश दम्मान रक्ष व्य हे वर्ष पर् অহা-নাৰ্ধ-নান্ধা ঐভান ক্ৰান দ্যাক ব্ৰন্দ্ৰ হিছাৰ আৰ্থ্যন্ধা यश्चन्त्रक्षः यद्भै न्सरस्य रैनासः स्पेष्ठः सर् ज्ञूनः यान् वुद्धे । विस् स्प्री । हो ५ ५नामा हे '६नामा हु '६देश सु २०५ वस हिसामालक ही ५ सेव """ याक्षेत्र ह्मामी स्वराय सहा। हो सर द्माम यह दूर्य चॅ दे दें वें हैन दस हैन पर्नेन यर इन के ने नट पर्न ने स क्षेत्र य माल्य में नर्देश में न्स्रून यर से में नर्पर व र्स्य रास्य बेश कर नर्द नर के मुद्दा । विश्व मुन न दे देश विन दर्मन पर

हर गुँ ने यहानावृह यहै 'दरुटाय'यहटाटी 'वेदह हैं 'यहट ही'''' विश्वासी रहेंद्र म द्वाउटी विश्वासी ।दे म सुवासे सुवादे प्रयेव मिन्द्रवेद दर देव नहिना य दे यहा नहिन य दे दनान स दगाना ..... র্বসামীরাবারী । সামীর বীলামাবলামীর বিকামানী ক্রীলালীলা नगाना वाहेर्दा नहें का कुँ हिनायन क्षेत्र है। 💎 ननगासका का केंद्रा देशारमाना मासेर द्वाना द्वारे हार प्रमान वा ने का मारा प्रमान गा मदै। क्षेत्र दराके दराना सेदा देशाचा साध्येत दनाना पु । हा दनीया सदै। र्धेन हो । देशारा दल्लाचा साईका लुकालुमानम का छेद बणना। मका न्यूका में त्य न्याना हा यहन था के के न्यानी न महून मही .... मुक्षानवद्याना न्य द्वाधायते ह्वा त्यान्यस्य ह्या त्यान्यस्य मर्रे देश न दर् ने एकर न मेट इट रम्बिश हो। मि हमा सर्गा **केर** खु: बु: केर्र र्नाना फेर की नट इन के दर्ना केर के वा खु .... चु निवि सूच राद्र र्हेन्स व सेद द्वाना सेद वेस दर्द सामावद " न्नाना नाले न्दः र्हेनाया व रहेंया नालव त्यारया यहा से द्रान्नाना से व बिश ह्वा न के के रेना शरी रनाना माना हैश की हिन समा के हिन न्यान में कान के नालू मालका लक्षा मुदार सुद्वार सारे हैं के दूसा मेर्रान्मनानी सर्वराकृतान्यर्थायते हिरान्या वस ने वाहारी न्नाना नु नड्द वस क्रिंग नावद त्येद से त्येद हैं नदे नाव थेद ... मु त्यस्य पद रूस मालन मा एक पद सुर री । देश न रूस

मेंबर विराद्या क्षिताया कीर रहा रहाई। रहा है मोश्रय में रहा श्रीवश्रा ग्रेश्वात्यम्यायायताच्येत् हे वेश्वानमह्ति स्ट त्र्रोतायवत्त् र्ट्या सामा स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना । इता । इता । महिमाञ्चर पर हेर य र । । रे खर र र हैं न से हैं न या । संस्थेन मालन यामालन स्थेन हो । विसासी । ने संदेन मुकानध्य के महर्म है। महर्म है। हैं मर में व न देशन है वर्ते। १ क्रेन नहनानेशन्द्र ये सून म ने नन्न प्रश्ना श्चिमाय प्रिष्ठेश स द्वाच नुमाना चाना हिन सान्दर हेंस मान्दर हेंस श्रायमेव या नाकेश मा द्वा माद्वा मात्र इत यहाँ । दे खर दे र्ट्श.प्नाश या. ह्रामालक प्रयासाय दे मानेशामा व्यत् पर हेना में क्रिय होता क्रेंत में के यन के जान मेर मा मेता में के या पर्द के या मा क्र.विद्रा १८८ में क्रूबे.मुंश.म्रे.र्बे.व.च.बे.मुंश.व.वे.वे.व्या.चेया देनाबाद्वा तुमाने नादा दुष्टा नाहिना तु होसा विष्टा निर्माय साहेसा .... परे.श्वेचश श्व.पर्.वंश.बु.श.लुश.स.कं.वेज्। वित्रुश.क्ष. नवि र्चे दे ना नु नु स्थान स्थेत द्वाना स्थेत सादे स्थान वित पारे पर्वे.चेट. लट. थ. पर्वटश्च. च. वे. थ. लुब. ट्रचेचा. लक्ष. चेववे थेट न्नान में । १२ वर्षेत्र में १ केना द्वा सारा वर्षेत्र पर्नाना नर् हिन्दा रूट हेश र्मन र्ल्र के रूट नर्वत सेर मा हिन पर है . मार्केश सेन देश हैं व के से नवन है। वहाँ व है व है वह केन वह हैना लट.रेचे.रेट.चर्चन.वे.मुर.चर्.ह्ब.रेचच.क्र.श.मुर.चर्.... ब्रैन र् ।मावर नमा नव सार मार्च र या सामर मार से र स्वाय र र हमाश द्र हेश द्रमा र्स्ट्र गुँ चल द्र गुँ राय द्र गु राय व से दे दे। हिमा माध्यायम्। मि में जन है ५३ मेर यर सून यामा अह ही दें व छ वि वा परे नवन छेवा भेरी या हैर र भेर ब स स नहनायाया दर्भनायायकार्वे । ने यह राज्या वे जना के दरे व्याप करा नुः भ्रमायामा व्यव हे प्रोति व हे लेखा परे मान्य में या हे द বু নকুৰাৰা ৰাজীয়াৰ জীৱাকী মহাব লাজীয়া নকামাৰ্কা বৃদ্ধাৰী সংগ্ৰ लम् भूव या र पर्र यहे ही र हो । वेश रहा वय प्रमुद् इसस. ब्रे.चावर मी.रस. पवर, प.र म्या. प. दस.मी.र म्यास प वर्री... नवर.कुटा पहना.न.जराज्या ह्म.रश्याल्या.नर चीर. य.चोट.लूब.ट्री विश्व.तर.र्तिर.तर्.पचेश.वेर.श्रोधश.र्थश्व. मिश्चरम् । बुझ.चन्द्रे.चर्च.चूर.ट्रा । देश.व.मोबर.सिमोश. यण्याः यं सः ध्येषः ख्रीः = दः यत्वेषः स्रोदः यः स्त्रुयः यः स्रोषः वे दे विशः ने रः र्भ भरमाना च नवर रवस मी रम्बास या ब्यार प्रायमित या वे सामा प्रमुद्रायरे हिर्द्ध्यामेद्रो ह्य ने प्रदर्शनायाण्या श त्यार्खेन्। वार्षे न्यायर कार तुरावरे ही वि केरास पे कायर .... द्रमाना या उसा लेना चेदा सर अदा ग्री माल्य ग्री दें वि हिरायेय पार्टा न्द्रशास् स्तर्यक्षाद्राद्ध में किनायक स्तर्भा मुकाया हिला न पर भरे हिरास् । रेश का के अक्ष का का मी अकद के दिया मुव य द म्बिन य द दमन न व वठद य उस दर मालद नी स्वा हेना

ल्या चार्यस प्रेम होस पर्य द्या मु स्रुस है। देना स परि खुला न् न्नाना सु नमाना राम मेर नदी कियाना विद्यासकी नामा हेन नहास ष्ट्रीर नगमा खेर दश स्त्रुश या या मा न दश से **र** नमा मा नु स्त्रे न स्तर्थ द हें। हे के न्यामी निमान मु: यह नि: रहे स भी व मी कि सी मालक की हुन र्वे 'लेब' हर विश्व रायते 'सुर में । १ ये माव सर्हे 'या नु वासे नु हेसा य के अर्के याद्राया इस यदा यहरा उसाधिक मी दे त्यका मालक यहरे ..... र्द्धाः सार्याच्या गुप्त द्वेना देशा सर्द्धे 'तु से दासा वस्त्र 'या द्वा देवे । हेश सुरद्रदर्श सुर्थ गुट सर्हे र् से**द**्र सटेश व सेद या विदेश .... टे.श्.मी.ल.४८. वर्षेत्रभटे.वृश्यतक्षेत्रः व ४८८ श्री.मी.ल.४८. वर्षेत्रः दशायर पठन रवस प्रेश णुराने हैं हो नि हिंस हुं मी रहा सब्देश होने त्रमहूर्यात्र हुर्याचा कुर्येची प्रचाना हुर्या वे सकू त्या है स्व मीश दसायर नवदाय केदान होदायहित या प्रेश हिट हिंश गुटादान यड्र यः १६ द्रासे द्रारेश या प्येत है। द्रम्मा नु द्रस्य यर मुह्रेद्राया **र**ट यम्मा च प्पट्र शु महिन र मा है स महिमा से द व है मा कि स सेर् चर्दे सुँगार्गे ।रे वर्षे दारायके दाय केराया दैशाणुकारमाम् विष्यामा या केनारमा विषय सेनाया महिनाया नमा रद चित्र द मेंन चर्र रेनाम भेष गुँभ रद चित्र नगाना य हैर .... २८ वर्षेद्रासेद्राया खेस वा**द्**रा २८ वर्षेद्रा वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र व रतः चल्का चर्णाना च केन रतः चल्का सेन च च चुन्या पर पर्देन पर " विष्या सामान्त्राचार्त्राचारा केशाचार्या केशाचार्या विष्या

नर्सेत.वे.भूर.कुश.श.वर.भू टेस्। ।रुट्य.व्ये प्रस्तातथा नदः चल्चितः चर्णाचा लबा स्पेतः हे । मदः चल्चित् बोदः य मङ्ग्रदश स बोदः …. वश् क्षु न वे न्तु कं न न मार मी स्मर में न सर से हर हैं। য়৽৾৾ঀ৾৾*ৼ৾ঀ৽*ৼয়৽য়ৼ৽৸ৣয়৽য়য়৾ৼ৾৽য়৾৾য়৾৽৽য়য়ড়৽য়য়৽ৼ৾ঀ৽ৼয়৽৽ यराय हुरावये र्रो केंद्राधिदाया वर्णमा राउँ साहिमा हुद्राउँ हाराया ह्यायान सेरार्मामारे यहाया हर हेरा हेरा यह रहे केरा यह **न्**र्रेश क्रिन्यये हे क्रिन्यं रसायर'त्रतुदायर् ५देश वॅटासेन्।सासे <u>स</u>्चारहेशायासेन्।ही...... चण्ना दश्यायश्रामानुन्यश्रामानै निर्देश स्त्रेन कुट्ट वि क्रेन नुस्या ञ्चरायदे द्वा ।देश व र्यामा स यहर दश सका म व्या हेया ब्रुयासी ब्रुया ५ दी वा महेवा स्रीता हा वस महिता पर महिता पर <u> इत्यावयात्रामायात्रम्यात्राङ्गाङ्ग्यायात्राङ्ग्याद्यात्र्यात्</u> याना त्या त्रा नाय दे न्या च वैव मुक्ति स्व मा के विवास मा नर-वर्ट-वर्श-रट-वर्षेत्र-भेट्-व-वर्गशःगुरु-सून ता द्वन्या यसा परी वे प्यूर हिर प्यूमा या है। से द हिर प्यूर शाही पहुर न भूषा । येचा त् भूष खुद्ध श्रिश न वा । रेच त् भूषे विस्राम प्रोहेर प्रविदा विसामासुद्रसाय है क्रा रहा विदा रहेर ब बना में र से द य द स लिना स्व मार पर्दे र पर पर्दे र पर पर्दे र वना में से ब बुश झिंश त. ये बेची . त. चयोचां त. व्याः बुची . लूबे मी। है . प्रथा न्विन मने न्या म प्यन वेश से मुंद या नहीं न न सु मु न सु न र्देश न्त्र वर रहा नविष्ठ से न ने विष्ठा ह्या हारा पहा निष्ठ ना पर न्दायक्षेत्र स्वरं याचा या वं साङ्क्ष्य या स्वरं हा हो। दे स्वरं माल्दा यरै पर्व सेर स्र पर स्य पास कर लेख पर देव है। येश स्य ह्यूरे सु रम्रेज नर्थर रेट. नथ्या नश्चिता मिट. स. लुरे रेचाचा नहीं च.चे. क्षेत्र'या क्षेत्र'न्मामा फेल यहै हिंद न यह हो। । त्येर यह न णुका मिटा जेश हे वना स् अव लेश नश वना स् स्वर स स नहेव सा हर चर रेपोर च्या भूष (बेश स.चर्डे ४.९ श.चर्छिट श.चरा श्रा । किट. परिष्योगिकेत यहणाय कर्षित् केश श्रुव मशामाञ्चनशास्त्र हुतः । नाशुरारी ।र्नाश यापरेत्रेः क्षेत्रं स्वा कुनार्देव द्यायदे क्की.य.स्रेर.य.र्र.लूर.यर द्वाश.पुंश ग्रुश.पमुत रम्बाश.पा.र्र.कू.... क्रें यु नु रेंद रस पर है। य सेर पर ह्वा य र हेंद रस परे है। .... सेर स्प्रं प न मुन निर त मुर हे हिस र्यम मीस हे तमून यह .... मुंदर् र इंग्रह्म दुर्मिश्राया हुनि । १८दे । १८ र र र वही वा से दाया स्टिंद तर रूपास खेल ग्रीस सार प्रीय या है सा चेत्र विश्व स्थाय यह है। तक्ष मराविष्टाता वस्त्रान्त्रासेरान्त्रानाः स्वादाः हेनादाः व र्वे र्वे र्वे नर हैं। न देश नर नवर दश हैं न हैं । नह रहें रेश नह हैं। स्रेर् स्र स्र ह्रा ह्राच तर हिन न्या स्र गुरा नावन मुक्ष लूर् नर नर्दे न ठर्मेन में भर्न नर भू मैं न नर में हिर्य ली बोन् या केन न्यन्मा वा प्रम्मि या वे न्व निवास या प्रम् यर वडद व सेर र् लेश दर्मन य से दुर्ग । ४५ र य हैर रू

भ सूच भ ने रेन रम नरे ही न स्ट्रिंग के सूच नर्ग । रेश न ह्य मु वरेक मुव द्रावरेक **मेर** वरेक मुव मिक्स गा**र**माना कुस ..... ৸য়৾৾৾৽ঀ৾৾ৡঀ৾৾৾৽ৼয়ৼ৾৾৾৽ঀড়৻৾য়য়৾ড়ঀ৾৾৾৽৸ৣ৾য়৽ড়ৣ৾ৼয়৻য়৾৽৽৽ য়য়৽৸ড়ৢঀ৾৽ৼয়৽য়ৼ৽য়ড়ঀ৾৽য়ড়৸ড়ৣ৾ৼয়৻য়৽ড়ৼয়৽য়৽৽৽ र्फेंद गुरा हु मु रदेद स्र ररा यदेव सेद माडेस दे माहेमा दस यर वर्द्धत हैन वृद्ध व्याद्ध सुन्त्र द्वीर यस मुकेश मा वर्गेगः भे दुष है। हैंद हिंगा सथा मय है र र विकासिद कुरागुरा हि हे रहावलेश सेर या हिंग । रहावलेश सेराया कुरास्त्राचा ।रदान्वेदाकेरानुगरम्ययसमुदा ।तेहारद्वा मलेब सेर् स्वर हैं ना मेश र्देश में 'इसर मी' रूट मलेब सेर्' माम्बान्दर्वाच क्षिक्षान्दान्विदार्भर्वा विकास म्बर्धाःचरः महिद्धः ह्या । र्देशः त्राःचरः स्प्रें स्थेरः महिशः गुट रे <u>५२. ५२. ५४. च के श.म. ६ माना से बुश मा</u> दें ५.५ स सर स्ट्र य:दः र्वे द्रः दुः सेदः य: र्वे द्रः दुः पर्दः यः वे वाक्षेत्रः ग्रायः द्रवानाः नर विश्वास्त्र । पर्टे ता द्रार्थ स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा व देश हे दिना न सि महेन न हे मामा म महेन ल माना म के महेन न हा महेन ... यन पर्दे न्यस मानेस मा पर्दे या पर्दे मा सी माने से जुरा सी । १३ स न. बंशश ब्रे भरंप. इ. चीकेश. ये श्वरश तर्र. रेथे. भर्य. प्रथा वया भ्रा.... नुमेन्सामा मेन्या देश पर्य दिन सुद न्दा रेन्स सक्षा सेन्सा यर ।। चर्चेनशावशाचीयानदे नदेवनार हैंदार में वित्रशामा निवास सर्दर्शि ।र दे परे दे पर निष्टे हैं पिर ह के दार दे खुन माहिल

क्रिस मिहिट रूप क्रि. इंट य प्र हेश पर है दें देंस पर है पर पर दे रचा मी नम्हिशाय समिश यह रचटार्चे इससामुझ से सर् वण्यावर ही सर राष्ट्रराव हिरावना देग्नाहेश गुँग्निर्वादशाद मीया सिंदि स् चीट. मी. हेश. शि वस्तार देश। हेश. सपूरे दूर दें सबसी. न नि स अवर विन नई र्षे ने पर्रे र्षे मानहर नम ने स की स की न रुशायद्वेश वहस्र श्ची समय यद् मुन सुर प्रे इसस है। म्रचय नवर पिराम क्षेट वशामुश स्र्रिण । विस्र तर् हेन प्रयुद्ध में हैं मान्त केना भारत प्रदेश नहें न निम्नी मा मीर्-विश्वश्च. १८ - ८ हुची मुर्-वा । हैं न जार ब्राह्म लेगा र प्रति विदःदगर सुँच। विद्यान गुन्ददि दल र विद्या । श्रदशःमेशः पश्चीदश ग्रीशः पर्तर्थः राष्ट्रः प्रशः शर्मेदः वशः । ॥ स्रेतः सुन्राय वारामार्डे विरामा १९६४ मि वि उना केरे **अर**्रेड्सर्। १रेड्र ह्र चन्द्र चन्द्र ख्य कुरानास्टर न कुरा इटारेक्षा क्षेत्र का ने वि किन्यान का त्र विवस्त स्त्री की वान के वि नाकुंश स् त्रे व स.र्थ रे ज़ैव नर्थ होना नह स्वरा शु मुहा ।।।।। स्र्राणुः। नाधरास्त्रनाशाणुः नाबुरादम्रोय पद्या है। ५ १८। म्या व र देशका मुक्ता मार हे न के का मार हिर के मार के स्वर्ग सर है मि 'ब'हेर' गुःर्देब् मार्र् स्थाय येनस्य मा स्था माव्र प्रदे सुद मासुस्य सेर्'यस दुष'परे दे मासुर रच सर् स्मिन्स सवर र्ना मे रे मिं क् केर महक् ला द्वेवसायदे लमा दुः वेस वर विर्ो । देवे केर

द्धिय नाहेश मु: विटार हो र वे र ख्रियाय शे महेत यर हे मिं ' न हेर् त्रें या व वे व्यामित केरायदे व्याम क्या माम वे व्याम क्या माम व्याम व्याम व्याम य दराबद्वाया विदेशयर पर्दे ग्राम्य देना में महुद यारेदा म् स्थर भू जेशनर चार्यरात्र की र्टाह्याय हेराय हु राय है स्था पनायः वैना य यदेव वस स्वराह्म स्वयं सामुरामा वस्या गुँसा दे । मि व हैर मु नहस दुध हु हैर मुद्द हैंन हम हैना हूँद पेंट हर यमासर्वेद दक्षा र्रेड हैं। नादका है सेंट रामानु सा है ना सर्वेदा ला कर भू भू भू न न जुराहे हुन सू विश्व मुंखा न खरार न है वर्षे सेना नु सु रेन बारायरे ना दास मनवा इसवा यायेन वर चर ५र्ड्स चर.चेश.४थ। विश्वर रच.भ्रे.चे.कु.च.४ट. ≅च.च. र्टः बरायायकाणुटाळेषा बरायदे । बर्गान्य निर्मान्य नार्त्रा नार्त्रा नार्त्रा नार्त्रा नार्त्रा नार्त्रा नार्त्र पन्नवर्यायायानहें द्राया हु । ये दे । क्रुद स्टर्स हें सा है हा। मेशनाने रंगने मुन्यम होट प्रमानिका है मियान है नह के ना मेट न् नादश यर ५ र्ने यदे दुस रसुर् उद दुसस ता मि यंश सेनाश ... यर वनर यते श्रेट चे तरे नारम र नुसर्गा।

क् मुन्न प्रेन निवास अव अव अव के निवास सके निवास के निवास सके निवास के निवास सके निवा

प्रसार्वेदसालेसाम्बासाम्सान्ये सेटानसाम्बासान्यान्या रे.क.बंदश । विचास रचा मिया प्रमास प्रमान । श्रीटानी मन् स्वरे हो नर मीश नहें बे नशा । मश्रीटार न रे हें र सर्वेट वर्र देन्स हु: देस। सर् चुट नाइस ची हुँ र वादरे चुस र्शे । त्रिम्बान्यत्रमित्र केवारे क्षामहार न्यार्वे । ह्या नर हिं अष्ट्रचा शु जून व्याय सेन सेन गुरा । है न वेव न माय नरे. दुयाम्बेराकिटाहरीर्भ्या ।देरम्बेरात्रहर्म्यद्राप्तरीयसम्बर व.सीटा । च्या क्षेत्र सूर्य त्या हुन वया बुनाया सी । विता र्सेश. ह्या. पोर्थ. पीर. पा. श्रामश. तश. ग्रीट. । निवृष. टें. ट्राचा. ट्रेयार. चन'त्र'त्तुं केदे 'नाद्या । हे नित्त हेत् द्या खेत प्रवेद प्रहेश मुक्षःस्य। १६८:पह्नि भेक्षःस्य द्वास्त्रेयस प्रदेशः नगायदे। । न्नादः हुर्वः क्रेवः स्वारं स्वारं स्वारं निष्ठाः निष् चित्रात्र र्यंत्र त्यत्र च चेश । अत्य त्यर विद हे छेष त्र हे हैं हैं रें देश । निवर के सिम्ब नहें निवस माना वा निर्धा वेशका कटा पर्ये . जा श्रीटा वसा च ही . चार्टा विशेष . ता रूपे . कृषे . रिट-नु-मान्द्र-पर्नु-पा । १९२-५मा यन र्ह्न प्रमान मलेन पर्येष नर त्यार। रिकें रेट वस असस नदे हें नस नगरे मवस। । मादःमीशःचर्याःचराकृत्यादैःहमाशःयदैःसम। दिःशःद्रशः प्रस्थाणे संदास्त्र स्था । निरुषा सुरामावस णुटार्माद नर्ने उ हें पहेंदा ।दे पर्च दे ता ही पर्व ही पर ही ही पर ही ही पर ही ही पर ही है पर ही है पर ही पर ही है पर ही पर ही है पर ही है पर ही है पर ह

तर् के लेख र न सर्हन में नरस मान्द्र या । द्वा हिसस न्या यदे मर्मो तापर्ने ।मितायर मर्टापर्क्य हेश र्षे हेराय कुश्ना भन्धूर्यासद्वास्त्रास्यास्य न्यास्यान्या ।रो. ब्र-'कुत्र न**रे'न**सून्यरामःम्येष ५५५। ।श्चे 'स्र-'रे'करा द्याचन्द्रित्तुनासाद्या । ह्रि स्मेना नेनासायदे त्यसामीसा <u> বর্ণ নম সূর। । ব্রিম সাষ্ট্রম বিদ্যান্তরী স্থাম বরীর দেরীর বর্ণ । বর্ণ স্থাম বর্ণ । বর্ণ স্থাম বর্ণ । বর্ণ স</u> तशः । वर्या सूथ. पश्रदे वश्रयः संट हुना चश्रमाशः मारुशः । त्रु क्षेत्र हे नहीं नहीं का की । प्रश्न हे सहर दिना लिय रूट पहुर मर सूच । क्षेत्र रुष मित्र मार मीहर माला। चिलास्थाःसम्बर्गानान्त्र, नवटा एहसा निवास नेवा हि हरा हिन त. रे. केर. चरेच चेश. कीर। । इपश. कुर हैंर ल. ग्रेंब वश हैंर. यर र्जुन । हेश सम्बर्ध स्या श्रुव ग्री श्रुव ग्री श्रुव स्थित स्था । र्खा १८। वर्ना १९८ के वर्ष व्याधा से र गुरु द्वा सार देना यादमामु द्वाया मेराहा के विदेश में है सिया महिसासु नहा महिरा <sup>૨</sup>૨૧.๗૾.ઽ૯.૧.૮૯.૬૪.૧૯<sub>..</sub>૬૪.₹૪.૧૨.૬ૢૺ.૨.૫૪જ.૨૨.૬ે૮.૨.. मुनाबातराचलराचल् श्रीटास् लेबा मुनायर हो। प्राप्ती रामे यदे द्राया मुँ श श्रुर वदे त्यो मो यर दे द्रमे श्रुट हे म वर्हें द वर्षे द वश्रश्च मूंश्रश्ची || 저두 시

द्धः स्त्रा ॥

प्राच्याः स्वर्णाः ॥

प्राच्याः स्वर्णाः स्वरं स्वर्णाः स्वरं स्वर्णाः स्वरं स्वरं स्वरं स्वर्णाः स्वरं स्वरं

वु क्व नवार देव वनावा वु क्व क्कें साम क्व नव का विसा क्र

वशास्त्रास्त्र हिराने द्वारेश सेना शामित्र केरा से ने ने मिर्स केर

पर्टेट्स संद म नने मेन्स प्रेमा।

1